Hरत की राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित १७६८/५५६० ६४ ४०७७०८/१७

सं• 37]

नई दिश्ली, शनिवार, सितम्बर 13, 1986 (भावपद 22, 1908) NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 13, 1986 (BHADRA 22, 1908)

No. 37]

इस माग में भिरत पृष्ठ संख्या दी काली है जिल्लासे कि वह अखग संख्यान के कप में रखा जा सके (Separate paging in given to this Part in order that it way he filed as a separate complication)

भाग III—खण्ड ा PART III—SECTION 1

उडड न्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखावरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Countision, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1986

सं० ए० 38012/3/85-प्रशा०-П—श्री एम० एम० शमा स्थायी सहायक अधीक्षक (हॉल) तथा स्थानापन्न सहायक नियंत्रक (त०सं०) ने अपनी मिर्वतम आयु हो जाने पर सेवा निवृत्ति के परिणामस्वरूप 31-7-1986 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में सहायक नियंत्रक (त०सं०) के पद का कार्यभार छोड दिया है।

श्रीमित नीता कपूर, उप सचिव (प्रणा०) संघ लोक सेवा आयोग

मई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त, 1986

सं० ए० 32011/3/85-प्रशार्श—संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष संरक्षीर सेवा (कर्मचारी) विनियमावली, 1958 के विनियम 7 के अनुसार प्रवत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए संरक्षीर सेवा के उप सचिव श्री एन रूप एक एक पूर्ण को 5-8-1986 में 4-11-86 तक की तीन महोने की अवधि के

लिए 2000-2250 रु० के वेतनमाभ में स्थानापन्न रूप से संयुक्त सचिव के पद पर मियुक्ति करते हैं।

> एम० पी० जैन, अवर सचिव (का० प्रमा०) संघ लोक सेवा आयोग

कार्मिक ग्रौर प्रशिक्षण, प्रशासन सुधार, लोकशिकायत एवं पेंशन मंत्रालय

> (कार्मिक भ्रौर प्रशिक्षण विभाग) क्षेन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो केन्द्रीय न्यायवैधक विज्ञान प्रयोगशाला

नई दिल्ली, दिनांक 21 अगस्त 1986

सं० 1-20/82-सी० एफ० एस० एल०/6795— राष्ट्रपति, केन्द्रीय न्याय वैधक विज्ञान प्रयोगशाला, के० ८० ब्यूरो, नई दिल्ली के श्री एम० के० प्रसाद, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक की वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (ग्रेड-2) रसायन प्रभाग, केन्द्रीय न्याय वैधक विज्ञान, प्रयोगशाला, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मई-दिल्ली के रूप में नियुक्ति को 22-7-1986 (पूर्वाह्न) से श्रीर 3

(22741)

महीनों अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, के लिए सवर्थ आधार पर बढ़ाते हैं।

> धर्मपाल **भ**ल्ला, प्रशासन अधिकारी **(स्था**०) के**ः ग्र**० **ब्यूरो**

गृह मंत्रालय

पुलिस अनुसंधान एवं विकास न्यूरो नई दिल्ली-110003, दिसांक 19 अगस्त 1986

सं० 3/27/82-प्रणा०-1—श्वी राजेन्द्र प्रसाद गाडे-गांविलया आई०पी०एस० (कर्नाटकः 1970) को उनके उप-महानिदेशक (सुरक्षा) आकाणवाणी, नई दिल्ली के पद पर नियिक्त होने के कारण पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के सहायक निदेशक के पद से दिनांक 19 अगस्त, 1986 (पूर्वीह्स) से कार्य-मुक्त किया जाता है।

> एस० के० महिलक, महानिदेशक

महानिदेशालय कें० रि० पु० बल नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1986

सं० म्रो० दो० 2241/86-स्थापना—राष्ट्रपति जी ने डाक्टर अमोक कुमार पाठक को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जमरल ड्यूटी आफीसर ग्रेड-II (डी०एस०पी०/ कम्पनी कमाण्डर) के पद पर दिमांक 26 जुलाई 1986 पूर्वील से सहर्ष नियुक्त किया है।

सं०—-म्रो० दो०-2242/86-स्थापना—I— राष्ट्रपति जी ने डाक्टर दीपक कुमार वर्मा को अस्थायी रूप से आगामी भ्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल इ्यूटी आफीसर ग्रेड-II (डी॰एस॰ पी॰/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर दिनांक 30 जुलाई 1986 पूर्वाह्म में सहर्ष नियुक्त किया है।

सं० भ्रो० दो०-2243/ 86-स्थापना—राष्ट्रपति जी ने डाक्टर अरूण कुमार मेहता को अस्थायी रुप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल इयूटी आफीसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/ कम्पनी कमाण्डर) के पद पर दिमांक 29 जुलाई 1986 पूर्वाह्म से सहर्ष मियुक्त किया है।

सं० ग्रो० दो० 2244/86—स्थापमा— राष्ट्रपति जी ने डाक्टर सोभेन्द्रा नाथ बिसवास को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफीसर ग्रेड-II (डी०एस०पी०/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर दिनांक 9 अगस्त, 1986 पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त किया है।

किशन लॉल, उपनिदेशक, (स्थो०) महानिदेणालय, केन्द्रीय श्रीचोगिक सुाक्षा बल नई दिल्ली-110003, दिशांक 7 अगस्त 1986

सं० ई-28017/10/84- कामिक-II-1307— श्री जी०एस० कपूर, सहायक कमाण्डेंट, के०भी०सु०ब० यूनिट, बी०एस०एच०, ई०पी०, चम्बा का 4 मार्च, 1986 को मिधन होगया। उनकानाम 5 मार्च, 1986 के पूर्वा ह्रा से केन्द्रीय श्रीचोगिक सुरक्षा बल की नौकरी के काट दिया गया है।

विनांक 12 अगस्त 1986

सं० ई०-16014/(2)/4/86-कामिक-I—प्रतितियुक्तिः पर तियुक्ति होने पर, श्री एम० सी० महापाद्या, उप-कमाण्डेंट (सीमा सुरक्षा अल) ने 1 अगस्त, 1986 के पूर्वीह्न से कमार्डेट (प्रणिक्षण), के०ग्री०सु०ब० मुख्यालय, मई दिल्ली के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 13 अगस्त 1986

सं० ई०-32015/(4)/1/86-कामिक-I--- राष्ट्रपति, श्री पी० के० मण्डल, को प्रोप्तति पर, 25 जुलाई, 1986 के पूर्वाह, से के०मी०सु०ब०, पश्चिम क्षेत्र, मुख्यालय, बम्बई का सहायक कमाण्डेंट (क्षिच्ठ प्रशासम अधिकारी) नियुक्त करते हैं।

दिशांक 14 अगस्त 1986

सं० ई०-32015 (3)/3/86-कामिक-1 — राष्ट्रपित, श्री सी०डी० राय, सहायक कमाण्डेंट को प्रोन्नति पर, 16 जुड़ाई 1986 के पूर्वाह्म से के०श्री०स्०ब० यूनिट, एन०पी०पी०, नौगांव, का उप कमाण्डेंट नियुक्ति करते हैं।

दिनांक 21 अगस्त 1986

सं० ई०-32015 (3)/6/84-कामिक-1 — राष्ट्र-पित, श्री के०के० कौल, सहायक कमाण्डेंट (तदर्थ कमाण्डेंट) को 25 जुलाई, 1986 केपूर्वाह्म से, नियमित आधार पर उप कमाण्डेंट के०ग्रो०सु०ब० यूनिट, टी०पी०टी०, ट्यूटीकोरीन, के रैंक में नियुक्त करते हैं।

. सं० ई-32015 (3)/ 1/86-कामिक-I— राष्ट्रपति, श्री भूप सिह राणा, सहायक कमाण्डेंट को, प्रोन्तिस पर, 7 जुलाई, 1986 के पूर्वाह्म से, नियमित आधार पर उप कमाण्डेंट, के० के०गी०सु०व० युनिट, एफएफ०सी० नामका, के रूप में नियुक्त करते हैं.।

डी० ए**म० मिश्र** महानिदेशक, के०ग्र**ी**०स्०**४०**

भारत के महार्राजस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 अगस्त 1986

सं० 10/16/81-प्रशा०-I---राष्ट्रपति, भारतीय सांख्यिमय सेवा के ग्रेड IV-अधिकारी श्री के० भारायणम उन्नी, अनुसंधान अधिकारी को उनकी भारतीय सांख्यिकीय सेवा के ग्रेड-III में पद्योक्यिति होने पर 22 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्म भे श्रगले आदेशों तक भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री उद्गी का मुख्यालय नई दिल्ली रहेगा ।

सं 0 10/22/83-प्रणा०-I--राष्ट्रपति, केन्द्रीय अन्वेषक क्यूरो, दिल्ली णाखा, नई दिल्ली में कार्यालय अधीक्षक श्री एम० एल० गुलाटी को, जो कि भारत के महार्राजस्ट्रार के कार्यालय में उप निवेशक, जनगणना कार्य के पद पर स्थानापन रूप में कार्य कर रहे हैं, 7-4-1984 के पूर्वाह्म से स्थानान्तरण द्वारा उसी कार्यालय में उप निवेशक, जनगणना कार्य के पद पर रियक्ष करते हैं।

श्री गृलाटी 8-7-86 की अधिसूचना संख्या 13/18/ 85-प्रशा०-1 द्वारा अधिविषता की आयु प्राप्त कर लेने पर् 30-6-86 के अपराह्म से संबा से सेवानिवृक्त हो चुके हैं। ्वी० एस० वर्मा भारत के महारजिस्ट्रार

श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय श्रम विभाग

श्रम व्युरो

ंक्षिमला-171004, विनांक 5 सिसम्बर 1986ं

सं. 5/1/86-सी.पी.आई.—जुलाई, 1986 में औद्यो-गिक श्रमिकों का, अलिल भारतीय उपभोक्ता मृत्य सृचकांक (आधार वर्ष 1960=100) जून, 1986 के स्तर 658 से दस अंक बढ़ कर 668 (छ: सौ अड़सठ) रहा। जुलाई, 1986 माह का सृचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 812 (आठ सौ बारह) आता है।

> के. आर. पाई. संयुक्त निचेश/विभागाध्यका श्रम ब्यूरो

भारतीय श्रेखा परिका एवं लेखा जिभाग कार्यालयः निदेशक लेखा परीक्षाः केम्द्रीय राजस्व

नाई दिल्ली,-110002, दिनांक 18 अयस्त 1986

सं प्रशासन — I/का० ज्ञा० सं० — 135 — इस कार्यालय के सहायक लेखा अधिकारी श्री अमरनाथ वार्धक्य आयु श्राप्त करने के परिणामस्वरूप 31 अगस्त 1986 को भारत सरकार की सेवा से सेवानिवृत्त हो जायेंगे।

उनकी जन्म तिथि 2 अगस्त 1928 है ।

विनांक 20 अगस्त 1986

सं प्रशासम-I का० आ० संख्या 136--निदेशक खेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व-I, इस कार्यालय के निम्निखिल स्थाना-पन्न लेखा परीक्षा अधिकारियों को 840-1200 रुपए के समय-मान में उनके आगे दर्शायी गई तिथियों से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

(1) श्रीपी०एस० सिंघल	1-4-1986
(2) श्री के० के० मलहोता	1-4-1986
(3) श्री जे० एल० डन्डोना	1-4-1986
(4) श्री आर० बी० एन० सक्सेना	1-4-1986

(5) श्री आर० सी० श्रीवास्तव	1-4-1986
(6) श्री हरद्वारी सिंह	1-5-1986
(7) श्री के० एन० बगाई	1-5-1986
(8) श्री हरदयाल	1-5-1986
(9) श्रीडी० के० दास .	1-7-1986
(10) श्री एस० आर० मनचन्दा	1-7-1986
	मोहन खुराना
उपनिदेशक लेखा	परीक्षा (प्रमासन)

महालेखाकार का कार्यालय-I, आंघ्र प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1986

सं० प्रशा० I/8-132/86-87/82--श्री वि० एस० वेंकटरामन, श्री के० राममोहन राव, लेखा परीक्षा अधिकारी महानेखाकार का कार्यालय (लेखा परीक्षा) आंध्र प्रदेश, हैदराबाद से दिनांक <math>31-7-87 (अप०) को सेवा निवृत्त हुए हैं।

ह० भ्रपठनीय व० उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (ले० प०)-I, कर्नाटक बेंगलोर-1, दिलांक 14 अगस्त 1986 कार्यालय आदेश

सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी के रूप में उनके पदोक्षति हीने के उपरांत मूल नियम 22 (सी) के नीचे भारत सरकार के निर्णय (15), स्वामी संकलन (1/11 संस्करण) जी० आई० एम० एच० ए० कामिक तथा प्र० सु० विभाग का० ज्ञा० सं० एफ 7/1/80 स्थापना, पी०1, दिनांक 26 सितम्बर 1981) के अनुसार उच्चतर वेतनमान पर वेतन निर्धारण करने पर वे प्रपान विकल्प को उनके पदोन्नति होने के एक महीने के अन्दर देना चाहिए।

ह०/- श्रपठनीय उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार (लेखा परीक्षा) का कार्यालय, केरल

तिरुवमन्तपुरमं दिनांक 20 अगस्त 1980

सं० हकदारी/10-3/86-87-महालेखाकार (लेखा परीक्षा) का कार्यालय केरल, तिस्वनन्तपुरम के निम्नालिखित लेखापरीक्षा अधिकारी अधिवर्षिता के कारण उनके नाम के सामने लिखित तारीख से सेवानिवृत हो गए हैं।

- 1. श्री वी० वी० कुटिशंकरन, लेखा परीक्षा अधिकारी---31--7-1986 (अपराह्म) ।
- 2. श्री के० भास्करन, लेखा परीक्षा अधिकारी 31--7--1986 (अपराक्ष)
- 3

 श्री जोर्ज जोसफ, लेखा परीक्षा अधिकारी (वाणिज्य)

 31-7-1986 (अपराह्म) ।

श्रीमती एडित सैंगण सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी 1-5-1986 पूर्वाह्म से स्वेच्छा से सेवानिवृत्त हो गयी हैं।

> वि० लक्ष्मीनारायणन महालेखाकार

कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम मध्य प्रदेश,

ग्वालियर, दिनांक 3 जुलाई 1986

सं० प्रणा० एक/रा० अ० पदो०/432—महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम मध्य प्रदेण, ग्वालियर के प्रसाद पर्यन्त निम्नलिखित स्थायी अनभाग अधिकारियों को प्रत्येक के अगे ग्रंकित तारीखों से आगामी आदेणों कक रू० 840—40—1000—दं० रो०—40—1200 के वेतममान में स्थानापन्न सामर्थ्य में लेखा अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया है ।

ऋ ० सं०	नाम	स्थायी ऋ०	तारी ख जिससे पदोश्नत
			किए गए

	सर्वेश्री			
1.	जैं०पी० गुप्ता	02 /372	13-6-86	पूर्वाह्न
2.	एस० एन० शुक् ला	02/423	14-3-86	पूर्वाह्य

[प्राधिकार—महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम के आदेश दिमांक 14-3-86]

> पी० मखर्जी वरिष्ठ उपमहासेखाकार (प्रशा०)

महासेखाकार का कार्यालय, लेखा एवं हकदारी उत्तर प्रदेश

इलाहबाद, दिनांक 31 जुलाई 1986

सं० प्रशा० 1/1629—श्री राम किशोर अग्रवाल, स्थायी लेखा अधिकारी, कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तर प्रदेश, दलाहाबाद, श्रधिवर्षिता की अयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30 जून 1986 (अपराह्म) से सेवा निवृत्त हो गए है।

> मीनाक्षी चक, उप म**हालेख**ाकार (प्रशासन)

निदेशक लेखापरीक्षा का कार्यालय, केन्द्रीय कलकत्ता-700001, दिमांक 20 अगस्त 1986

सं प्रणा०— ग्रेंसी०/रा० प०/1402—1403— दिनांक 19-8-76 निवेशक लेखा-परीक्षा केन्द्रीय कलकत्ता ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को ६० 650—30—740—35—880—६० बी०—40—1040 रुपए के वेतनमान पर स्थानापन्न सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर उनके नामों के साथ दिए गए कारीख से अगले आवेश जारी किए जाने तक निवेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय, कलकत्ता के कार्यालय में नियक्त किए हैं।

ऋ०सं० नाम	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
सर्वश्री	
1. रमेन घोष	8-7-86 (पूर्वाह्न से)
 शान्ती साधन वे 	8 7 86 (पूर्वाह्न से)
 समीर कुमार चौधरी 	8–7–86 (पूर्वीह्नन से)
4. प्रणवकुमार दत्त	8-7-86 (पूर्वीह्ननं से)

रीता मित्र उप० नि० ले० परीक्षा (प्रशा०) केन्द्रीय, कलकत्ता

रक्षा मंत्रालय भारतीय आर्डनेंस फैक्टरियां सेवा आर्डनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, विमांक 22 अगस्त 1986

सं० 39/जी/86—-राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधि-कारियों को, उनके नामों के सम्मुख शंकित तारीख से आगामी आदेश होने तक अस्थायी सहायक कर्मशाला प्रधन्धक नियुक्त करते हैं:--

क्र० नाम सं०	पदग्रहण तारीख
सर्वश्री	
1∙ की० बी० राव	24-06-1985
2. ए० के० माहिति	04-11-1985
3. षी० आर० बी० शास्त्री	18-12-1985
4 पी० के० घोष	05-02-1986
 एम० एम० कर्मकार 	11-03-1986
6 एस० एस० क्रिवेदी	11-03-1986
7. ए० के०दालाल	17-03-1986
8. बी० डी० विष्मकर्मा	19-03-1986
9. ए० जी० महीदिन	20-03-1986

आंघ्र प्रदेश

आसाम

क ० नाम	पवग्रहण तारी
सं०	
सर्वश्री	
10. एम॰ कें॰ चेवे	20-03-1980
11. एस० के० पुरकायेह	20-03-198
12 सि० डी० मूर्ति	21-03-1986
13. एस० के० घोष	25-04-198
14. सझोय चायल	06-03-198
15 एस० अहिमसाहराज	17-03-198
16, पी० के० पल	27-03-198
17. टी० के० वासू	27-03-198
18 पी० सी० जोष	08-05-198
19. टी० महालिंगम	12-05-198

एम० ए० अलहम संयुक्त निवेशक/जी

वस्त्र मंत्रालय

बस्त्र आयम्त का कार्यालय बम्बई-20, दिनांक 18 अगस्त 1986

सं० 2 (41)/स्था०-1/86/4196-- वस्त्र आयक्त के प्रावेशिक कार्यालय, मद्रास के श्री आर० एस० माधुर, उप निवेशक, दिमांक 30-6-1986 के अपराह्म से सेवानिवृत्ति की आयु पूरी करते हुए सेवानिवृत्त हो गए ।

अरुण कुमार वस्त्र आयुक्त

बम्बई-20, विमांक 21 अगस्त 1986

सं० सी० ई० आर०/5(1)/86-सी० एल० बी०--वस्त्र (नियंत्रण) आधेश, 1986 के खण्ड 24 के उपखण्ड (एक) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतदबारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/5/86/सी० एल० बी० दिनांक 29 अप्रैल 1986 में निम्नोक्स संशोधन करता हुं, अर्थात् :---

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में कम सं० 7 के स्तम्भ 3 की प्रविध्ट (दो) में आने वाले शब्दों, ''तकनीकी अन्वेषक'' के बाद ''एवं प्रवर्तन निरीक्षक'' ये शब्द जोड़ें जायेंगे।

सं० 5(1)/86-सी० एल० बी०- यस्त्र (नियंत्रण) आदेश 1986 के खण्ड 24 के उपखण्ड (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतदक्षारा नीचे दी गयी सारणी के स्तम्भ (2) में निर्विष्ट प्रत्येक अधिकारी को, उस सारणी के स्तम्भ (3) में तहसम्बन्धी प्रविष्ट में निर्विष्ट केंद्राधिकार

के अन्तर्गत मेरी श्रोर से कथित आदेश के खण्ड 21 के अग्रीम वस्त्र आयुक्त के कार्यों को करने का अधिकार देता हूं :--

सारणी

ऋ०सं०	अधिकयरियों के पदीम	राज्य का ना म
(1)	(2)	(3)

- (एक) सचिव, आंझ प्रदेश सरकार,
 उद्योग विभाग, हैदराबाद
 - (दो) राज्य निदेशक, हथकरघा एवं वस्त्र
 - (तीन) उप निदेशक, हथकरघा एवं वस्त्र, हथकरघा एवं वस्त्र निदेशक का कार्यालय तथा उप-पंजीयक, सहकारी समितियां, हथकरघा एवं वस्त्र निदेशक का कार्यालय
 - (चार) सहायक निषेणक, उद्योग, सहायक निषेणक, हथकरमा एवं वस्त्र, जिलों की सहकारी समितियों के उप-पंजीयक ।
 - (पांच) वरिष्ठ निरीक्षक, सहकारी समितियाँ या वस्त्र के कार्यभार के लिए रखे गए उद्योग पर्यवेक्षक
 - (छः) राजस्य विभाग का अधिकारी, जो राजस्य निरीक्षक की श्रेणी सेनीचे का न हो।
 - (सात) पुलिस विभाग के अधिकारी, जो जो उप-निरीक्षक की श्रेणी से नीचे के महीं।
- 2. **(एक) सचिव, आसाम सरकार, बस्त्र** विभाग ।
 - (दो) राज्य वस्त्र आयुक्त ।
 - (सीम) उपमंडलीय अधिकारी ।
 - (चार) सहकारी समितियो के उप-पंजीयक
 - (पांच) निदेशक, रेशम उत्पादन एवं बुनाई, भासाम ।
 - (छ:) संयक्त निदेशक, बनाई, आसाम
 - (सात) उप-निवेशक, बुनाई, आसाम ।
 - (आठ) सहायक मिदेशक, बुनाई, आसाम
 - (নী) बनाई अधीक्षक, आसाम ।
- 3. (एक) उद्योग निवेशक (वस्त्र) बिहार
 - (दो) संयक्त निदेशक उद्योग वस्त्र/उप-निदेशक उप निदेशक उद्योग (वस्त्र)।
 - (तीम) बस्त्र मियंत्रक, बिहार।

22746 (i) (2) (3) (चार) सभी प्रादेशिक अधिकारी (उद्योग), अतिरियत/संयुक्त निदेशक, उद्योग । (पांच) सभी जिला कलेक्टर। (छ:) सभी सामुदायिक परियोजना अधिकारी । (सात) सभी जिला उद्योग अधिकारी (अ.) सभी पूर्ति निरीक्षक (नौ) महाप्रवास्थक, जिला उद्योग केन्द्र (एक) उद्योग विभाग के अधिकारी, जो विल्ली उप-तिरीक्षक की श्रेणी से नीचे केम हों। (को) अग्युक्त, खाम्य एवं पूर्ति (तीन) उप आयुक्त, खाद्य एकं पूर्ति (चार) खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी (पांच) मागरी पूर्तिअधिकारी (छ:) मुख्य निरीक्षक, खाख एवं पूर्ति (सात) निरीक्षक, खाच एवं पूर्ति (अ)ठ) सहायक आयुक्त, खाद्य एवं पूर्ति (एक) कलेक्टर एवं जिला मि अस्ट्रेट दादरा एवं नगर (को) सिषव, अशासक हवेली (तीन) मामलतदार के कार्यालय (वेहाती) के अधिकारी, जो क्षेत्र मिरीक्षक की श्रेणी से नीचे के न हो। (चार) पूर्ति निरीक्षक (पांच) पुलिस एवं उत्पाद शुरूक विभाग के अधिकारी, जो उप+निरीक्षक कीश्रोणी सेनीचे केन हों। (छ:) उद्योग विभाग के प्रधिकारी जो उद्योग अधिकारी की श्रेणी से कम महा (एक) राज्य बस्त्र नियम्त्रक, गुजरात गुजरात राज्य राज्य (दो) अवर सचिव, गुजरात राज्य, स्वास्प्य एवं उद्योग विभाग । (तीन) वस्त्र मिरीक्षक (बार) सभी जिला मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर (पाच) खाद्य निरीक्षक (छ:) उद्योग विभाग के अधिकारी, जो उद्योग निरीक्षक की श्रेणी सेनीचे के नहीं।

(सात) राजस्व विभाग के अधिकारी,

सेनीचे नहीं।

जो क्षेत्र निरीक्षक की श्रेणी से

(2) (1)(3) (ঙাত) पुलिस एवं उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारी, जो उप निरीक्षक की श्रेणी से नीचे के न हों (नौ) पंजीयक, सहकारी समितियां (दस) सभी जिला पूर्ति अधिकारी, क्षेत्रीय अधिकारी, मुख्य पूर्ति निरीक्षक एवं अवल कारकुन, जो अवल कारकुन या उसके सस्य अधिकारी की श्रेणी से नीचे के नहीं। (ग्यारह) नागरी पूर्ति निवेशक एवं खास निवेशक के गुजरात राज्य के कार्यालय के सभी अधिकारी, जो निरीक्षक की श्रेणी सेनीचे के नहीं। (एक) उद्योगएवं खानों के निदेशक ، गोवा, दिव एवं (दो) नागरी पूर्ति विभाग के श्रधिकारी दमम जो उप-निरीक्षक की श्रेणी से नीचे के सहीं। (तीन) नागरी प्रशासक, मण्डल (चार) खण्ड विकास अधिकारी, दमन (एक) निदेशक, खाद्य एवं पूर्ति, हरियाणा हरियाणा । (दो) संयक्त निदेशक, खाद्य एवं पूर्ति हरियाणा (तीन) अवर सचिव, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, हरियाणा (चार) उप-निदेशक, खाद्य एवं पूर्ति, हरियाणा (पांच·) सहायक निदेशक, खाच एवं पूर्ति, हरियाणा (छः) जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक/ अधिकारी, हरियाणा ं(साक्ष) सहायक **खाद्य** एवं पूर्ति अधि-कारी, हरियाणा (आठ-) निरीक्षक, खाचा एवं पूर्ति, हरियाणा '(नौ) उप निरोक्षक, खाद्य एवं पूर्ति, हरियाणा (दस) उद्योग निदेशक

(ग्यारह) संयुक्त निदेशक, उद्योग

(बारह) बरिष्ठ जिला उद्योग अधिकारी

ः(तेन्द्धः) जिसा जद्योग अधिकारी

क्षामा नारत का सम्बद्ध । मतत्व स	13, 1980 (41846 22, 1906)	
(1) (2) (3)	(1) (2) (3)	
(भौषह)सहायक जिला उद्योग अधिकारी (पंद्रह) वस्त्र अधिकारी (विपणन एवं विकास)	(चार) संयुक्त निदेशक, उद्योग एवं वाणिक्य तथा पदेन संयुक्त पंजीयक, उद्योग सहकारिता, बंगलोर	
9 (एक) निदेशक नागरी पूर्ति हिमाचल प्रदेश (दो) उप-निदेशक, खाद्य एवं पूर्ति (तीन) जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक	(दो) खाद्य एवं नागरी पूर्ति नि वे शक बंगलोर (तीन) प्रतिरिक्त निवेशक, उद्योग एवं	
(चार) जिला निरीक्षक, खाद्य एवं पूर्ति (पांच) निरीक्षक, खाद्य एवं पूर्ति (छः) उप-निरीक्षक, खाद्य एवं पूर्ति	वाणिज्य, बंगसीर (पांच) संयुक्त निदेशक, खाद्य एवं नागरी पूर्ति, बंगसीर	
10 (एक) उद्योग एवं वाणिज्य निदेशक, जम्मू एवं कश्मीर जम्मू एवं काश्मीर	(छ:) जिला उद्योग केन्द्रों के महा- प्रबन्धक (संयुक्त निदेशक उद्योग एवं वाणिज्य)	
(दो) उप-ध्रायुक्त, खाद्य एवं पूर्ति, जम्म/श्रीनकर	(सात) स हा यक निदेशक, खाद्य एवं नागरी पूर्ति (सी० एस०)	
(तीम) जिला उप-कायुक्त /चार) सहायक आयुक्त/पूर्ति अधिकारी एवं निरीक्षक, खाच एवं पूर्ति	बंगलोर (भ्राठ) जिला उप भ्रायुक्तों के खाद्य एवं नागरी पूर्ति सहायक	
विभाग	(नौ) सभी जिलों एवं उप-मंडलों के	
11 (एक) उद्योग एवं वाणिज्य निदेशक केरल (दो) अतिरिक्त निदेशक, उद्योग एवं	उप निदेशक/सङ्घायक निदेशक, जिला उद्योग केन्द्र ।	
वाणिज्य (तीम) सहायक मिदेशक, उचीग एवं	(दस) सहसीलदार, राजस्य तालुका~ सम्बन्धित तालुका	
वाणिज्य (चार) प्रादेशिक संयुक्त निदेसक	(ग्यारह) वस्त्र विकास श्रधिकारी, सालुका- सम्बन्धिस तालुका	
उद्योग एवं वाणिज्य (पांच) जिला उद्योग अधिकारी	(बारह) निरीक्षक नागरी पूर्ति (तेरह) खाद्य निरीक्षक	
(छः) सहायक जिला उद्योग अधिकारी	(चौदष्ट) राजस्व निरीक्षक	
(साप्त) संयुक्त निदेशक, हथकरघा	1.3 (एक) वस्त्र निरोक्षक मह	गरा
(आठ) नागरी पूर्ति, आयुक्त	(दो) खाद्य निरीक्षक	
(नौ) नागरी पूर्ति निवेशन, रा भस्य मण्डल (सी० एस०) विवेन्द्रम (वस) रामाम नियंत्रक	(तीन) सभी जिला मजिस्ट्रेट एवं कलेक्ट र (चार) पुलिस एवं उत्पाद मुक्क विभक्तेय के प्रधिकारी जो उप-निरीक्षी	
(ग्यारह) जिला कलेक्टर (बारह) जिला पूर्ति अधिकारी (तेरह) तासुका पूर्ति अधिकारी	की श्रेणी के न हों। (पांच) उद्योग निदेशालय, महाराष्ट्र राज्य के प्रधिकारी जो उद्योग	
(चौवह) नगर राणम अधिकारी	निरीक्षक की श्रेणी के नीचे के न हों	
(पंद्रह्), सङ्घायक ज्ञालुका पूर्ति अधिकारी (सोलह्) सङ्घायक कालुका पूर्ति अधिकारी (सोलह्) राणन निरीक्षक	(छः) राजस्य विभाग के मधिकारी जो क्षेत्र निरोक्षक की श्रेणी से नीचे के नहीं	
12 (एक) श्रीद्योगिक विकास आयुक्त तथा कर्नाटक उद्योग एवं वाणिज्य निदेशक, बंगलोर		

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
पंज सः (नौ) प्रा भा सा ना	कारी समितियों (उपभोक्ता) गियक/उप-पंजीयक/ हायक पंजीयक देशिक उप निदेशक; हथकरघा क्तिचालित करघा एवं हुकारी वस्त्र निदेशालय, गपुर/बम्बई/सोलापुर/		्रीपांच) व (पांच) व (छः) स (सास) र (बाठ) पु	विशष्ट अधिकारी व ग्रवर सिवव, रकार, पूर्ति विभाग सभी मजिस्ट्रेट भी सहसीलवार जिस्य निरीक्षक लिस विभाग के ग्रधिकारी, को पनिरीक्षक पुलिस से नीचे की	
ू गा सा	रूपत निदेशक, हथकरघा, क्तिचालित करमा एवं हकारी वस्त्र, नागपुर		(नौ) ना (दस)़सः (ग्यारह)पू	गरी पूर्ति व्यधिकारी हायक नागरी पूर्ति ग्रधिकारी ति निरीक्षक	
पंष (तीम) बर	रृक्त निदेशक व संयुक्त ग्रीयक (हथकरचा) स्त्र निर्यात	म ठ्यप्रदेश	(तेरह्) उ (चौवह) उप (पंत्रक्ष) सह	हायक निरीक्षक पूर्ति त्पाद शुल्क निरीक्षक निरीक्षक, उत्पाद शुल्क हायक निदेशक, खाच पूर्ति बोयक, सहकारी समितियां	
(पांचा) सप् (छः) सा (सास)पुरि जो	मी संयुक्त निदेशक, उद्योग मी उप निदेशक, उद्योग भी कलेक्टर/उप कलेक्टर लेस विभाग के सभी श्रिधकारी । उप-निरीक्षक की श्रेणी से चि के न हों।	·,	ँपंची सह (भ्रठारह) सं (उन्नीस) उ	त्त्र निदेशक-य-प्रतिरिक्त पकः। कारी समितियः, उड़ीसा युक्त निदेशक, यस्त्र उप-निदेशक, वस्त्र	
े स (नौ) नि ख	हायक पंजीयक, सहकारी मितियां देशक/उप निदेशक/सहायक नि ाद्य एवं श्रापूर्ति मी तहसीलदार	देशक,	18. (एक) नि (दो) झ (तीन) उ	हायक निदेशक, बस्त देशक, खाद्य एवं पूर्ति वर सचिव, खाद्य एवं पूर्ति ग-निदेशक, खाद्य एवं पूर्ति हायक निदेशक, खाद्य एवं पूर्ति	पंजा
्रे ज नी	लेस विभाग के प्रधिकारी, ो उप-निरीक्षक की श्रेणी से चिकेन हों।	मणिपुर	े के क (फह्र) से	ह्य एवं पूर्ति विभाग, पंजाब ग्रधिकारी, जो उप-निरीक्षक ोश्रेणी से नीचे के नहीं युक्त निदेशक (वी० ग्राई०) संयुक्त पंजीयक, सहकारी	
(दी) संग् (तीन) सर्भ (चार) सर्भ (पोच) सर्भ (छः) पं पं	ज्य वस्त ग्रायुक्त पृक्त निदेशक, पूर्ति ए वं व्यापा ो उप-ग्रायुक्त ो उप-मण्डल ग्रधिकारी ग्री मजिस्ट्रेट ज्ञीयक/संयुक्त पंजीयक/उप- ज्ञीयक, सहकारी समितिया।		(सात) उ (ग्राठ) स (नौ) रा (दस) स ए प	मितियां, पंजाब सरकार। बोग निदेशकः। ग्रुक्त निदेशकः, उद्योगः। ज्य वस्त्र अधिकारी भी जिला उद्योग अधिकारी वं सहायकः जिला उद्योग	
(तीन) ग्रव	ति नियंत्रक प-सचिव, सरकार,पूर्तिविभाग र सचिव, सरकार, पूर्ति वभाग	उड़ीसा	19. (एक) स प्र	सिरिक्त उप ऊन नियंत्रक चिव, सरकार, स्थानीय एवं शासन विभाग (नागरी पूर्ति), डिचेरी	[पश्चि चे री

भाग III--खण्ड 1] (1) (3) (2)(दो) पंजीयक, सहकारी समितियां, पाडिचेरी (तीन) उद्योग निदेशक, पांडीचेरी (चार) सहायक पंजीयक, सहकारी समितियां, सहकारी विभाग (पांच) सहकारी उप-पंजीयक, सहकारी विभाग (छः) सहायक निदेशक, उद्योग, उद्योग विभाग ·(प्ताप्त) उद्योग पर्यवेक्षक (श्राठ) प्रशासक, कारीकाल/महे/यनम (नौ) उप-प्रचिव, सरकार, स्थानीय प्रशासन (नागरी पूर्ति) विभाग, पंडिचेरी (इस) नागरी पूर्ति निरीक्षक (ग्यारह) राजस्व विभाग के ऋधिकारी, जो 22: निमंत्रक की श्रेणी से नीचे के न हों। 23. (बारह) पुलिस विभाग के प्रधिकारी, जो उप-निरीक्षक की श्रेणी से नीचे के नहीं। (तेरह) निवेशक, नागरी पूर्ति,पां**डिवे**री 20 (एक) निषेशक, उद्योग एवं नागरी राजस्थान पूरित (दो) संयुक्त निदेशक, उद्योग, राजस्थान (तीन) उर-निवेशम, उद्योग एवं नागरी पूर्ति (चार) जिला उद्योग ग्रधिकारी (पांच) जिला मजिस्टेट (छः) नगर मजिस्ट्रेट (सात) उप-मंडलीय मजिस्ट्रेट (ब्राठ) जिला पूर्ति ग्रिधिकारी (नौ) सहायक निदेशक, उद्योग (दस) पंजीयक, सहकारी समितियां (ग्यारह) जिला कलेक्टर (बारह) क्षेत्र पूर्ति ग्रिक्किकारी (तेरह) प्रवर्तन अधिकारी (चौदह) उद्योग श्रक्षिकारी (पंद्रह) प्रवर्तन निरीक्षक 21. (एक) मन्त्रिय, सरकार, उद्योग विभाग,

(1)(2)(3)(दो) निदेणक, हथकरघा एवं वस्त्र, मद्रास (तीन) हथक रघा एवं वस्त्र निदेशक के कार्यालय के सभी ग्रधिकारी, जी सहायक निवेशक की श्रेणी से नीचे के नहीं (चार) सभी वस्त्र निरीक्षक (पिन) हथकरघा श्रधिकारी, हथकरघा निरीक्षक, कनिष्ठ [तक्तनीकी सहायक (ছ:) राजस्य विभाग के श्रधिकारी, जो सहायक वाणिज्य कर ग्रधि-कारी की श्रेणी से नीचे के न हों। (सात्त) पुलिस एवं उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारी,जो उप-मिरीक्षक की श्रेणी से नीचे के न हों (एक) वस्त्र ग्रायुक्त, त्रिपुरा विपुरा (एक) सचिव, उ० प्र० सरकार, उत्तर प्रदेश उद्योग शाखा, लखनऊ (दो) सचिव, उ० प्र० सरकार, खाख एवं नागरी पूर्ति (तीन) प्रान्तीय वस्त्र नियंत्रक (चार) जिला मजिस्ट्रेट (पांच) जिला पूर्ति श्रधिकारी (छ:) पूलिस विभाग के ग्रधिकारी, जो उप-निरीक्षक की श्रेणी से नीचे केन हीं। (सात) बस्त्र निरीक्षक (ग्राठ) विशिष्ट ड्यूटी (वस्त्र) पर ग्रधिकारी, भ्रन्तरिम नियंत्रक का कार्यालय, कानपुर उप-मंडलीय मजिल्ट्रेट (नो) (दस) क्षेत्र राशन ग्रधिकारी (ग्यारह) महसीलदार (बारह) पूर्ति/क्षेत्र निरीक्षक (तरह) उद्योग निवेशक

(चौदह) क्षेत्रीय ऋधिकारी, उद्योग विभाग

(पंद्रह) सहायक निवेशक उद्योग, क्षेत्रीय

(सोलह) सहायक निवेशक, उद्योग (हथकरघा)

श्रिधकारी से संलग्न

(सत्नह) जिला उद्योग ग्रधिकारी

मद्रास

(1	i)	(2)	(3)
24.	(एक)	जिला खाद्य एवं पूर्ति अधिका चंडीगढ़ का संघ राज्य	री, चंडीगढ़का संघराज्य
	(दो)	सहायक खाद्य एवं पूर्ति ग्रधिकार	ì
		निरीक्षक, खाद्य एवं पूर्ति	
		उप-म्रायुक्त-व-भिवेशक, खाद्य एवं पूर्ति, चण्डीगढ़ संघ राज्य	
25.	(एक)		मजोरम का संघराज्य
2 â.	(एक)	सभी जिला मजिस्ट्रेंट/उप- प आयुक्त	श्चिम बंगाल
	(दो) पुलिस कमिश्नर, कलकत्ता	
) नि दे शक, हथकरषा एवं वस्त्र	
	(चार) संयुक्त निदेशक, हथकरवा एवं व	स्त्र
	(पांच) सभी उप-निदेशक, हथकरघा एवं वस्त्र	ŧ
	(ন্ত:)	चरत उप√मण्डल नियंत्रक, खाद्य एवं पृति	
	(मात) सभी पहायक निदेशक, हथ- करघा एवं वस्त्र	
	(आਣ)सभी सहायक निदेशक (वस्त्र)	
	(नौ)	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	•
	(दस) पुलिस एवं उत्पाव शुल्क विभाग के अधिकारी, जो उप-निरीक्षण कीश्रेणीसेनीचे केनहों।	ग क
	(ग्यार	ह्) सहकारी समितियों के सभी सहायक पंजीयक	
	(बार	ह) सहकारी पामितियों के सभी निरीक्षक ।	
			वीरेन्द्र बी० वर्मा
		संय्	क्त वस्त्र आयुक्त
			•
	8	थरकघाविकास आयक्त [ो] का का	र्यालय

हथरक्या विकास आयुक्त} का कार्यालय नई दिल्ली, दिगांक 20 अगस्त 1986

सं० 1/5/86-डी० सी० एच०/प्रशासन I---राष्ट्रपति, श्री बी० आर० गुप्ता, लेखा अधिकारी को 14-8-1986 के पूर्वाह्न से 6 महीने की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर हथ-करवा विकास आयुक्त कार्यालय, वस्त्र मंत्रालय में उप-विकास आयुक्त के पद पर नियुक्त करते ह।

> एन० एन० वास् देव अपर विकास आयुक्त (हथकरमा)

भई दिल्ली, घिनांक 8 अगस्त 1986
सं० ए०—31013 (1)/86-प्रशासन II—राष्ट्रपति,
हणकरषा विकास आयुक्त के कार्यालय के संगठन के अन्तर्गत बनकर सेवा केन्द्रों में मिम्नलिखिक अधिकारियों की निम्म प्रकार
मूल भियुक्ति करते 🕻 :
कम अधिकारी का नाम पद की श्रेणी मूल मिय किस
सं० की तिथि
सर्वेश्री
1. पी० एल० पाण्डा ंसहायक निदेशक , ग्रेड−I 10~9~79
बुमाई
2. पी० सी० एस०एम० सहायक निदेशक, ग्रे ड —I 10—9—79
राजा (ब्रुमाई)
3. जी० पराभदामैया सहायक मिवेशक, ग्रेड-I 31-7-82
(बनाई)
4. वी० श्री रामुलू सहायक निदेशक, ग्रेष्ट-I 10-12-82
(बुनाई)
5. एच० संजीवा सेट्टी सहायक निदेशक, ग्रेंड–I 7−7−82 (बुनाई)
(2.ux)

सहायक निदेशक, ग्रेड-I 10-9-79 6. ए० के ० मुखर्जी

ं(डिजाइन) सहायक निदेशक, ग्रेड-I 10-9-79

7. एस० के० दास (डिजाइन) ्र सहायक निदेशक, ग्रेड-1 10-9-79

 अ०एन० सुपाकर (डिजाइन) सहायक मिदेशक ग्रेड-I 10-9-79 9. वाई० डी०

ड्योल लिकर (डिजाइन) सहायक निवेशक प्रेड-I 10-9-79 10 बलराम भर

(प्रोसेसिंग) सहायक निदेशक ग्रेड-I 10-9-79 11. एस० सी० जैन (प्रोसेसिंग)

सहाथक निवेशक ग्रेड-I 10-9-79 12. एस० के० घोष (प्रोसेसिंग)

दिनांक 20 अगस्त 1986

सं॰ ए-31013(1)/86-प्रशासन II---राष्ट्रपति, विकास श्रायुक्त हथकरघा के कार्यालय के संगठन के अन्तर्गत **बुनकर सेवा** केन्द्रों/भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान में निम्नलिखित अधिकारियों की निम्न प्रकार मूल नियुक्ति करते हैं :--

कम सं० अधिकारी का नाम पद की श्रेणी सं०		मूल नियुक्ति की तिथि	
सर्वश्री			
1. बी०पी० म्रंजनाप्पा	वरिष्ठ प्राघ्यापक (वस्त्र डिजाइन)	10-9-79	
2. जी० श्रार० गुरुमूर्ति	वरिष्ठः प्राष्ट्यापक (वस्त्र रसायन)	10-9-79	
3- आर०एम०गौतम	वरिष्ठ प्राध्यापक (वस्त्र रसायन)	21-5-83	
-,	<u> </u>		

इन्दिरा मामसिह, संयुक्त विकास आयुक्त (हथकरमा)

पूर्ति तथा निपटाम महानिवेणालय

प्रशासन अनुभाग-6

नई विस्ली-110001, दिनांक अगस्त 1986

सं० प्र-6/247 (331)/61—जमशेदपुर धातुकर्म- निरी क्षणालय के अधीन उपनिदेशक निरीक्षण (धातु), राउरकेला के कार्यालय में स्थायी गहायक निरीक्षण (धातु), राउरकेला के कार्यालय में स्थायी गहायक निरीक्षण (धातु) (भारतीय निरीक्षण क्षेत्र प्रप'ए" को ग्रेड—III (धातु गाखा) भीर उपनिवेशक रिरीक्षण (धात्) (भारतीय निरीक्षण सेवा मृप "ए" का ग्रेड-II (धातु गाखा) के पव पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्रीपी० के० ज्ञान निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर 30 जून, 1986 के अपराह्म से सरकारी सेवा स निवृत्त हो गए ।

दिनांक 14 अगस्त 1986

स० ए-6/247 (205)—पूरित तथा निपटान महानिवेशालय, नई दिल्ली में स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकरी (अभियांतिकी) भौर उप निवेशक निरीक्षण (अभियांतिकी) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रप ''ए'' के ग्रेड—II (अभियांतिकी शाखा) के पद पर स्थानापन रूप से कार्यरन श्री रोगन लाल निवर्तम की आय प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 जुलाई, 1986 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

आर० पी० शाही उप मिदेशक (प्रशासन) **कृ**ते सह।तिदेशंक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग भारतीय **खा**न ब्यूरो

नागपुर, दिनां रु 14 रन 1985

सं० ए-19012 (142)/81-स्था० ए०--महानियंत्रक भारतीय जान व्यूरो द्वाराडॉ० अन्यर रईस, सहायक खनन भू-विज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 3-6-1985 से सहायक खनन भूविज्ञानी के ग्रेड में स्थायिवत् घोषित किया गया।

दिशांक 19 अगस्त 1986

सं० ए-19012 (228) 86-स्था० ए०~-विभागीय पदोक्षित समिति की लिफारिश पर श्री तन्द लाल, विश्वित तक्तिकी सहायक (भूविज्ञान) की दिलांक 10 जुलाई, 1986 के अपराह्म से भारतीय खान ब्यरों में स्थालापन रूप में सहायक खनन भूविज्ञानी के पद पर पदोन्नित प्रदान की गई है।

पी० पी० वादी श्रशासभ अधिकारी **कृते** महानियंत्रक भारतीय खाम ब्यूरो

मागपुर दिनांक 21 अगस्त 1986

सं० ए-19011 (252)/84-स्था० ए०--विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिण पर श्री ए० जे० रेड्डी, सहायक खिमाज अर्थशास्त्री (आसूचना) की भारतीय खाग ब्यूरी में दिनां ह 22-7-1986 (अपराह्न) से स्थानापन्न रूप में उप खिना अर्थशास्त्री (आसूचना) के पद पर पदोन्नति की गई।

जी० सी० शर्मा सहायक प्रशासन अधिकारी **इते** महानियंत्रक

भारतीय पुराहत्व सर्वेक्षण

नई ।देल्ली-110011, विमांक 14 अगस्त 83

सं० 11/6/86-स्मा०--प्राचीन संस्मारक पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष नियमावली, 1959 के आधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, में महेश्वरी दयाल खरे, निवेशक (संस्मारक), यह निर्वेश जारी करता हुं कि सफदरजंग मकबरे में दिनांक 17-8-86 की ईव-उल-जुहा के उपलक्ष में प्रवेश नि:शुटक होगा ।

> महेण्वरी स्थाल खरे भिदेशक (नंस्मारक)

राष्ट्रीय अभिलेखागार

मई दिल्ली-110001, दिनांत 21 अगस्त 1936 सं० एफ० 12-3/85-स्था०--अधोहस्ताक्षरवर्ता, श्री गूरवोर जिह, उहायत स्थायन्त्र (ग्रेड-I) की 3 अगस्त, 1983 (पूर्वाल) 1, अगले आदेश होने तक, 650-30-740-35-810-दं० रो०-35-880-40-1000-दं० रो०-40-1200 हमने के वेगला में उद्धां आधार पर, वैज्ञानिक अधिकारों के पद पर शुब्द्वास निन्निक करते हैं।

उपर्युक्त अधिकारी को इस तदर्थ नियुक्ति में किसी नियमित नियमित का कोई हर प्राप्त अहीं होगा फ्रीर इस बरोयता के प्रयोजन तथा अगले अच्च ग्रेड में पदोन्नित की पाझता के लिए माना नहीं आएगा :

> राजे**त पारती** अभिनेख िदेशक

पा नागवाणी महाधियेणालय

वर्धे दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त । 1986

सं० 4 (30)/77-एस-एक--श्रो कुमार चैटर्जी, कार्यक्रम निष्पाद त, आ ाणवाणी, शिक्षांग ने 16 मार्च, 1985 रें सरकारी सेवा से त्यागपत दे दिया है ।

> आई० एकः भाटिया प्रणासन उपनिदेशक (कल्याण) **कृते** महानिदेशक

सूचना श्रीर प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

वम्बई-400026, दिनांक 6 अगस्त 1986 सं० 40/पी० एफ० 11/48-ई-1---सक्षम प्राधिकारी, फिल्म प्रभाग, बम्बई के सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री बी० आर० पेसवानी का सेवा काल, उसी पद में, उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि 31 अगस्त, 1986 से 1 वर्ष के लिए बढ़ाते हैं।

प्राधिकारः — सूचेना और प्रसारण मंत्रालय का पत्न सं० ए-42020/40/86-एफ० ए० दिनांक 1 जुलाई 1986

> विषय सासभर प्रशासन निदेणक कृते मख्य भिर्माता

कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय (कृषि एवम् सहकारिता विभाग) वनस्पति रका, संगरोध और संग्रह निदेगालय ' फरीदाबाद, दिनांक 19 श्रगस्त 1986

सं० 7~10/86 प्रणासन-प्रथम--राजभाषा विभाग, गृह मतालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा नामित किए जाने पर, वेखिए उनका पत्र सं० 5/8/84-रा० भा० (सं) दिनांकित 2~5~1986, श्री अवधेण कुमार मिश्र, वरिष्ठ अनुवादक एतद्वारा इस निदेणालय में तदर्थ आधार पर 650~1200 रू० के वेतनमान में 2~7~1986 (पूर्वाह्म) स अगले आदेणों त ह हिन्दी अधिकारी के रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

आर० एल**०** रणक **व**नस्पति रक्षा सलाहकार

भामा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कासिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 21 अगस्त 1986

सं० वी/2207/यू० ई० डी०/स्था० 11/3460—कु० नंदिता रिविन्द्रनाथ भट्टाचार्य ने वैज्ञानिक अधिका ी/इंजीनियर ग्रेड "एस० वी०" पद का पद भार 16~4~198 (पूर्वाह्म) को त्याग पत्र वेने पर छोड़ दिया ।

> दी० एल० लक्ष्मोनारायणन, नियंत्रक

बम्बई-400085, दिनांक 21 अगस्त 1986

सं० जी-391/स्था० 11/3458--श्री लक्ष्मण वालाजी गावडे ने सहायक कार्मिक अधिकारी पद का पद भार 31-7-86 (अपराह्म) की अधिविषता होने पर छोड़ दिया ।

> के० वेंकटकुष्णन उपस्थापना अधिकारी

परमाण ऊर्जा विभाग नाभिकीय इन्धन सम्मिश्र

हैदराकाद-500 762, दिनांक 9 अगस्त 1986

सं० ना० ई० स०/का० प्र० भ०/0703/1526—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ना० ई० स० का० प्र० भ०/0703/1101, दिनां क मई 24, 1986 के कम में सहायक लेखाकार श्री ना० भरतन की ६० 650—30—740—35—880—द० रो०—40—960 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर नियक्ति को दिनां क 16—8—1986 पर्यंत या आगामी आदेशों पर्यंत, इममें से जो भी पूर्व घटित हो, आगे बढ़ाया जाता है।

गोपाल सिंह प्रबंधक, कार्मिक व प्रशासन

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500 016, दिनांक 21 अगस्त 1986

सं० प० ख० प्र०-4/1/86-भर्ती खण्ड-III/12382-निदेशक, परमाण खिभज प्रभाग, परमाण ऊर्जा विभाग एतद्द्वारा परमाणु खिनज प्रभाग के निम्निचित अधिकारियों को
इसी प्रभाग में उनके नाम के सम्मुख दर्शिए पदों पर अगले
आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं:--

क्रम अधिकारी सं० का नाम	वर्तमान ग्रेड	पदोन्नति काग्रेड	**	ड में नियुति की तिथि
सर्वश्री				
1, हीरा सिंह	ट्रे ड् समैन ''जी''	वैज्ञानिक अधिकारी भ्राभियन्ता "एस भी''	ट्रेडसमैन ''एफ''	1-2-86
2. ल्डमन सिंह	–वही	⊣वही 	∽वही	वह ी
3. सुरिन्दर सि	ह सर्वेक्षक "बी"	–वही-–	सर्वेक्षक	-वही
4. जो०श्रोरामु चौधरी	लू वैज्ञानिक स हायक ''सी''	ा ⊸वही		~ःही'−

्ष्रस० पदभनाभन वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा घीधकारी

श्रन्तरिक्ष विभाग इसरो उपग्रह केन्द्र

बेंगलूर-560017, दिनांक 14 अगस्त 1986 सं॰ 020/1(15.1)/86-स्थापना I--इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक निम्नलिखिस व्यक्तियों को उनके नाम के सामने

ऋ०सं० नाम

13. जो०एस० सरवर्डे

14. डा० बी० सी० विश्वास

· ·	दर्शायी तिथियों से भ्र गरे धार पर सहर्ष नियुक्त	
क० नाम सं०	पद	तिथि
सर्वेश्री		
1. एस० पलनिसामी	वैज्ञानिक/ग्रभियंता ''एस बी''	07-5-86
2. श्रार० तुरलोबरन	वैज्ञानिक/ग्रभियन्सा ''एसद्वी''	09-4-86
3. बिक्रम केगारि पति	वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता ''एसमी''	21-1-86
4. वी० के० हरिहरत	वै शानिक/ग्रभिय⁺न्ता ''एसबी''	13-1-86
5. जे० राघवन	वैक्षानिक/श्रभियन्सा "एसबी"	30-1-86

सं० 020/1(15.1)/86-स्थापना 1 दिनांक 14 अगस्त 1986, इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, ग्रन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर के निम्नलिखिस व्यक्तियों से प्राप्त त्याग पन्न को उनके नाम के सामने दर्शायी गयी तिथियों से सहर्ष स्थीकार करते हैं।

ऋ० नाम सं०	पद	तिथि
सर्वश्री		
1. ग्रार० वेणुरामा वर्मा	वैज्ञानिक/फ्रभियन्ता ''एसवी''	23-7-86
2. मंजुनाथ हेग्डे	वैज्ञानिक/मिभयन्ता "एससी"	29-7-86
3. राजेश इंसाल	वैज्ञानिक/स्रभियन्ता ''एसकी''	03-6-86

एच० एस० रामदास प्रशासन प्रधिकारी-11

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत मौसमं विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 18 ग्रगस्त 1986

सं० स्था० (1) 05397—राजपत अधिस्थना मं० स्था० (1) 05397—विनांक 8 अगस्त 1985 का अधि-क्रमण करते हुए श्री के० बी० पुनिन्ना, मौसम विज्ञानी श्रेणी—I, भारत मौसम विज्ञान विभाग, स्वेच्छया से भारत सरकार की सेवा से 25-1-1985 की अपराह को निवृत हो गए है।

विनांक 20 ग्रगस्त 1986

सं० ए-38019/11/83-स्था० ।--श्री एम० जेया्राम, निदेशक, प्रादेशिक मीसम केन्द्र, मद्रास, भारत मौसम जितान विभाग, सेवा निवृति की श्रायु प्राप्त कर दिनांक 31-5-1986 को सरकारी सेवा से निवृत्त हुए ।

> एस० के० साहा निदेशक (स्थापना) कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

मीसन विज्ञान के महानिदेशक का कार्यालय नई दिल्ली-110003,दिनांक 18नवम्बर 1985 कार्यालय ज्ञापन

सं० ई(2)/10110—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियम 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के अनुसरण में मैं श्री विलोचन सिंह (अस्थायी वरिष्ठ प्रेक्षक) को यह स्चित करता हूं कि उनको इस नोटिस मिलने या देने की तारीख, स, जिसका यह नोटिस दिया जाय या उन्हें मिलें, जैसा भी हो एक महोने की अवधि के खत्म होने की तारीख से उनकी सेवायें समाप्त हो जाएंगी ।

दिनांक 21 श्रगस्त 1986

सं० ई-32013 (निदे०) / 6/84-स्था० । --राष्ट्रपति, भारा गोसन विज्ञान विभाग में नियुक्ति निम्नलेखित मौसम विज्ञानो श्रोणो-1 को उसी विभाग में उनके नामों के श्रागेदी गयी नारो जो संग्रागामी श्रादेशों नक निदेशकों के रूप में स्थानापन्न नियुक्ति करते हैं:---

जिस दिनांक से निदेशक पद पर

7-5-1986

7-5-1986

	स्थानापम
1 2	3
सर्विश्री	
1. श्रीबी० प्रताद	30-5-1986 (ः।पराह्न)
2. डी० जी० भ्रष्पा राव	7-5-1986
3. डा०ए०ं∳० वीधरी	7-5-1986
4 जी० यी० नीलकंटन	7-5-1986
5. बी० लक्षःण स्वामी	7-5-1986
 बी० एन० दीवान 	7-5-1986
7. डा० एस० एन० चैटर्जी	21-5-1986
8. एस० निरं।न	7-5-1986
9. डा०पी० र्न० सेन	7-5-1986
10. पी० जें० ाजगोपालाचारो	26-5-1986
11. वी० के० सम्बेन्द्र	7-5-1986
12. एम० पी० सक्सेना	7-5-198 6

·	——————————————————————————————————————
1 2	3
सर्विश्री	
15. एस० ग्राई० टी० थामस	7-5-1986
1 6. एम० के० गुहा	7-5-1986
17. डी० वी० राव	7-5-198 6
18. एम० एल० बसन्धरा	7-5-1986
19. एस० राषवेन्द्रन	7-5-1986
20. डा॰ एस॰ एन॰ भट्टाचार्य	7-5-1986
21. मनोरंजन दास	7-5-1986
22. डा० भार० के० दूवे	26 -5 -1986
23. एस॰ भार॰ कल्सी	7-5-1986
24. भ्रार० सी० भाटिया	7-5-1986
25. एस० एन० श्रीवास्तव	19 -5-198 6
26. जे॰ एस॰ दे	7-5-1986
27. आप० एस० के० दीक्षित	7-5 9 ()
28. डा०वी० थपलियाल	7-5-1986
29. श्रवण कुमार	16-5-1986
30. एम० एम० कुण्डु	7-5- 1986
31. ए० वी० भ्रार० कुष्णराव	29-5-1986
32. घी० श्री मवासम	7-5-1986
 ए० नारायणन कुट्टी 	7-5-1986
34. ए० के० भटनागर	8-5-1986
35. एस० सी० भर्मा	7-5-1986
36ः एम० एस० राजगोपालन	22-5-1986
37. एच०एन० गुप्ता	7-5-1986
38. ए०डी० रवीशंकर	7-5-1986
39. एक् ० कृष्णमूती	26-6-1986
40: टी० के० रे	7-5-1986
41. ए.० एम.० स्द	16-5-1986
4 2. ए० टी० दास	29-5-1986
43: एस० के० शाहा	7 -5 -1986
44. बी० विश्वास	7-5-1986
45. एस० के० साहा	7-5-1986
46 पील सरकार	7-5-1986
47. कें० के० कपूर	19-5-1986
48. डी ८ एस० उपाध्याय	26-6-1986 (अपराह्न)
49. फी⊕ एस० जैन	12-5-1986
50' बी व देसी करा	16-6-1986
51. बी : एस० मुर्थी	7-5-1986

एस० डी० एस० अझ्बी मौसम विज्ञान के उप महानिवेणक (प्रणासम एवं भण्डार)

जल संसाधन मंत्रालय

रावी-व्यास जल अधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक 21 अगस्त 1986

सं० फा० 1/रा० ब० अ०/86—रावी-व्यास जल अधिकरण के माननीय अध्यक्ष ने रक्षा मंत्रालय के ग्रेड ''घ" आणुलिपिक श्री अशोक कुमार राणा जो इस समय अधिकरण में प्रतिनियुक्ति के आधार पर आशुलिपिक ग्रेड ''ग" के रूप में कार्य कर रहें हैं, को 01 जुलाई 1986 की पूर्वाह्म से अगला आदेश होने तक इस अधिकरण में 650—1040/— र० के वेतनमान में आगुलिपिक ग्रेड ''ख" के रूप में स्थानापन्न क्षमता में पदोन्नत एवं नियुक्त किया है।

आर**० सुब्**बाराव रिकस्ट्रार

केन्द्रीय जल भावोग

मई दिल्ली-110066, दिनां क 18 अगस्त 1986

सं० ए-19012/1163/86-स्थापना-पाच-अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री विजय कुमार, अभिकस्प सह्यक को अतिरिक्त सहायक मिदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजी-नियरिंग) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- स्पष्ट के वेतनमान में 14-4-86 की पूर्वाह्म से एक वर्ष की अबधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हों, पूर्ण अस्थायी तथा तदर्ष आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

मीनाक्षी अरोड़ा अवर सचिव केम्द्रीय जल आयोग

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी रजिस्द्री का कार्यालय

कम्पती अधिनियम, 1956 एवं टा**ईम पार्टस, इण्ड**न्ट्रीज प्रा० **लि० के विषय में** ।

बम्बई, दिनांक 4 अगस्त 1986

सं० 716/11765/560(5)—कम्पनी अगिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण उ एतद्-बारा सूचमा ो जाती है कि टाईम पार्टस इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है माँर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है ।

> वी० राधाक्रुष्णन कम्पमियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र, बस्बई

आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई-400 020, दिनां रु 5 अगस्त 1986

सं० एफ-48-एडी (ए०टी०)/1986--श्री डी० के०
गुप्ता, हिन्दी अनुवादक, आयक्षर अपीक्षीय अधिकरण, अहमवाबाद
पीठ, अहमदाबाद जिन्हें तवर्थ आधार पर, अस्थायी क्षमता में
सहायक पंजीकार के पद पर आयक्षर अपीक्षीय अधिकरण, अमृतसर
पीठ, अमृतसर में विभांक 5-5-86 से तीन माह की अबधि
के लिए, कार्य करने की अनुमित दी गयी थी देखिए इस कार्यालय
की अधिसूचना सं० एफ०-48-ए० डी०-ए०टी/1986 दिनांक
16-5-86 को अब आयकर अपीलीय अधिकरण, अमृतसर,

पीठ, अमृतसर में सहायक पंजीकार के पद पर दिमांक 5-8-1986 से और तीम माह की अवधि के लिए या जब तक उकत पद हेतु भियमित भर्ती नहीं हो जाती जो भी पहले हो कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपयुँक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है, श्रीर यह श्री डी॰ के॰ गुप्ता को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई वावा मही प्रदान करेगी श्रीर उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में गिनी जावेगी श्रीर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किए जाने की पादता ही प्रदान करेगी।

> सी० एष० जी० कृष्णामित वरिष्ठ उपाध्यक्ष

प्रकप भाष", टाँ. एन. एस्.------

क्रम्यकर निवित्रयम, 1961 (1.961 का 43) की पाड़ा 269-प् (1) के नपीन सुचना

WHEN PERSON

कार्यक्षय, प्रहानक नायकर नायुक्त (रिर्याक्य)

अर्जन रंज, पूमा

पूना-1, विनांक 5 अगस्त 1986

निदेश सं० 37-ईई०/5662/85-86--यत: मुझे, अंजभी कुमार,

नायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावक संपत्ति जिल्ला उज्जित बाजार कृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० सब प्लाट नं० 14, प्लाट नं० 194, सर्वे नं० 347/ए~5, ए-2, अन्ड सर्वे न० 348/ए०/1~33/1 बोट क्लब रोड़, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप मे विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज/सब रिजस्ट्रार में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1985

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं जैर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाप्नें के संपर्ति का उचित भाषार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत निम्निलिसित उन्देश्य से एकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधीनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गुम्म था या किया जाना चाहिए था छिएाने में सुविधा के लिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीर निम्नीके विद्यासम्बद्धी अधीर क्षा 1 श्री हंसमुख राय रामणी खोम्बांडिया घौर अन्य, ए/12, लाल देवल कोन्द्रोपरेटिव हाउसिय सोसायटी लि॰, सायकागांग स्ट्रीट, पूमा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सामित्री देवी ममराज सराफ ग्रीर अन्य 92 लक्ष्मी विलास, 87 मापियम सी रोड़, बम्बई (अम्सरिती)

को यह सूचरा जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्मत्ति के वर्णन के संबंध की कांद्र मी बाक्रेप ह

- (क) इत स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीचा के 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति वारा;
- (व) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नशीहस्ताक्षरी के
 पास सिहित में किए वा सकेंगे।

त्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,। हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया वया हैं।

जगुल्ली

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37-ईई/5662//85-86 जो दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त नरीक्षण, अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखागया है।

> ग्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीखा: 5−8−1986

मोहर 🖫

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, मदुराई

मदुराई, दिनांक 4 अगस्त 1986

निवेण सं० 1/विसम्बर/85—-अनः मुझे, ए० के० तालपत्ना वापकर अभिनिवन, 1961 (1961 का 43) है कि के इतने इसने वस्पत विश्वत अधिनियम कहा प्रमाही, जी धारत 269-ए के वजीन सम्माह प्राथकरी को यह विश्वत का कारण है कि स्थानर सम्मरित, विश्वका उचित् वाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नं० 73/3, हैं, जो डोर नं० 8210/85, अबिसेकपुरम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 1, तिस्चिच में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम नारीख अगस्त 1986

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित्र वाकार मूच्य से कम के क्ष्यमान वितर्कत के किए जंतरित की नई है बीर मूझे वह विकास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्ष्य बंग्यति का जिल्ला वाकार मूख्य उसके क्ष्यमान प्रतिकृत से, एसे क्ष्यमान प्रतिकृत का वन्त्रह प्रतिकृत से विध्य है और वन्तरक (बन्तरकों) और वन्तरिती (अन्तरित्रों) की बीच एसे क्ष्यूचन के बिए वन् पावा ग्रंग प्रतिकृत , निक्तिविक्त स्व्योक्ष से जन्म क्ष्यमूचन सिक्ति औं निक्तिक स्व से क्ष्यूचन से क्ष्यूचन से क्ष्यूचन सिक्ति औ

- (क) क्राइप् में हुई किसी बाय की बाब्द। क्या गिर्शित्म्य में क्षीच कहा को के स्वास्थ के वामित्व में कभी करने या कड़के क्याने में मुक्तिया के किए; बीट्/शा
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी थन वा बन्य वंगितवीं कारे, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनाथं अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नथा था या किया जीमा बाहिए था. खियाने में सुविधा वी किए:

1. श्री ए० मुत्तरित्तनम, बुरैयूर, तिरुचिच

(अन्तरक)

 श्री जें० फेडीकदुरै, 18 पुष्पा नगर, सगलान्दपुरम, मदरै रोड़, निरुच्चि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस श्वाम के सक्ष्मण के प्रकारण की शार्थिक के
 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्थान की सर्वक्षण के 30 विन की वर्णीय, की की
 समित की सर्वक्षण को स्थान होती हो, के ब्रिकेट प्रविका
 व्यक्षित्वों में से किसी व्यक्षित सुकार;
- (क) क्षत्र सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पाष्ट्र निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वत्यक्षित्रसम्बद्धः स्वत्यं क्ष्यं कार पर्यो का, भी जनस् अधिनित्रका, के अध्यास 20-क को परिभाषित हो, बहुई कर्य होगा को उस अध्यास में विका भूगा हु⁸।

जग्राची

खाली जमीम्।

ए० के० तालपता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुराई

अत: अब, अध, अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण प्रं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थील्:—— 3—236GI/86

नारीख: 4-8-1986

मोहर 🖫

प्रकार कार्युं हो हो है एम है एस हिल्लान

गायकर भौभौनयम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-न (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकार नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, मदुराई

मदुराई, दिनांक 8 अगस्त 1986

निदेश सं० 2/दिसम्बर/85—अतः मुझे, ए० के० तालपक्षा ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० सं० तं० 242 र, जो नागर कोइल में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध में भीर पूर्ण रूप में बिणत हैं), रिक्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर०-1, नागर कोइल, डा० नं०-2645 भीर 2646/ 85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के उत्थमान ब्रितिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि ब्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिनिलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तियक रूप से क्थित नहीं किया गया है :----

- कि) नेवारण सं दूर किली बाव की बावल, क्यार विधितियम से अधीन कर दोने के अलारक के बायित्व में कभी करने मा उससे बचने में स्विधा से जिए; वरि/सा
- (ब) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्योजनार्थ बंहरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वसा वा या किया जाना वाहिए वा, छिपाने में स्विका वै सिए:

भतः कत्र, उसत अधिनियम की धारा 269-म के बमुहरूक में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) मैं सभीन, निम्नीविद्याद व्यक्तियों, सर्वात करून 1. श्री एस० सुन्द्रलिंगम, कोट्टार

(अन्तरक)

2, मै॰ मागरकोइल को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी मागरकोइल।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के बिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त स्मारित् को मर्जन् को संबंध में कोड भी मार्कप :~

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तायींच से 30 दिन की नतिया, जो भी जबिंग बाद में समाप्त होती हो, के भीतत पूर्वोंक्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन को भीतर अक्त स्थाबर सम्मत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, बही अर्थ होगा वो उस अध्याय में विया नया है।

वन्त्यी

खाली जमीन।

ए० के० तालपक्षा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुराई

विनांक: 8-8--1986

प्रकम बाइ कि टी हु एन हु एस ह कार्यकार

बावकर बधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन बुचना

बार्व प्रस्ता

कार्यंक्य, सहावक जायकर जायुक्त (निर्देशिक) अर्जन रेंज, मसुराई

मदुराई, दिमांक 8 अगस्त 1986

निदेश सं० 3/दिसम्बर/85—अतः मुझे, ए० के० तालपक्षा,

नायकर निर्मित्सम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसमें प्रकार 'उक्त निर्मित्सम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिब्का छचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

श्रौर जिसकी सं०क नं० 74, 75/1, 75/2 श्रौर 79है, जो अस्यिनायकी पुरम में स्थित हैं (श्रोर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एम० आर० मुक्कुडंल डा० नं० 859/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीम, तारीख अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मृस्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (बंतरकों) और अंतरिती [अन्तरितियाँ] के बीच एसे बन्तरण के निष्टु तय पाया गया इतिफस, ज़िस्निविधित उद्योक्त से उसत बन्तरण किश्वित में बास्तिक स्था से क्षित नहीं किया गया है कि

- (क) नंदरण से हुई किसी बाव की बावत , उकत अभिनित्त के ब्रांधित कुछ बीने के बंदारक को दामित्य में कुनी कहने ना उससे नजने में सुविधा के लिए; क्षेप/या
- (क) क्रेसी किसी अस या किसी थन वा अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय जानकार व्यवित्यम, 1922 (1922 का 11) या अक्त व्यवित्यम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया आला चाहिए था, क्रियाने में सुविधा वो जिए;

बतात सर्वा, उपन्न सीमिनियम की बारा 269-म में अनुतरण वो, वों, उपना सीमिनियम की भारत 269-म की सम्भारत (1) में मजीत, निक्तिसित्तत स्परिक्ता, सम्बंत गिश्री एस्सिक कोनार श्रीर दूसरे, रामामि कोइल, मेलबब्बक्य स्ट्रीट, वेरिनमहावेबि।

(अन्तरक)

2. मैं० सन पेप्पर मिल्स (पी०) लिमिटेड, बडुक्युं अरीयनाय की पुरम, नेल्लै डिस्ट्रिक। (अन्तरिती)

का यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्प्रित के वर्णन के लिए कार्यनाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित में नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप 🦫

- (क) इंड सूचना के राजपत्र में प्रक्राचन की सारीच दें 45 किन की जनींच या तत्सक्त्रणी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की बनचि, को भी जनींच नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी वाच व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताक्षरी के वास सिवित में किये का करोंचे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जां रक्तः विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं कर्ष होना यो उस अध्याय में दियः वया हैं।

वनुसूची

खाली जमीन।

ए० के० तालपता मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुराई

तारीख: 8~8−1986

मोहर 🦠

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कायसियं, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अगस्त 1986

निदेश सं० 4/विसम्बर, 85—अतः मुझे, ए०के० तालपत्ना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० टी० एस० नं० 18/3 है, तथा जी तिरूचिंच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिक री के कार्थालय, ज० एम० आर०-I, तिरूचिंच खा० नं० 8346, 8473 और 8348/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख अगस्त, 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमाण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकिंक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, डक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) की सुधील व्यक्तिया व्यक्तियों. सुधील :---- (1) श्री ए०पी० एस० थान्डवरायन पिल्लै भौर दुमरे।
 1) अलक्सांड्रिया रोड, तिरूच्चि -1

(अन्तरक)

(2) श्रीमिति रतन कछर और दुसरे, 14 रामानजम स्ट्रीट, मद्रास-79

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याक 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्यो

खाली जमीन।

ए०के०तालपता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 8-8-1986

प्रास्थ आइ.टी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जुलांई, 1986

निदेश सं० % दिसम्बर, 85—अतः मुझे, आर० जानकी रामन, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 110, मौण्ट रोड, है, तथा जो मद्रास-32 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीयती अधिकारी के कार्यालय, अड्यार लेख स० 3417/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिशम्बर, 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) एम० जी० गुप्ता श्रीर अन्य मद्रीस ।

(अन्तरकः)

(2) में सर्स दी एक्सप्रैंस केंरीज लि० 99 श्र**रमें नियन** स्ट्रीट, मद्रास-1

(अन्तरितो)

को मह स्वात बाड़ी करके वृत्तीक्त सम्मृतित से सूर्वक से जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीक्ष से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टोकरण: --इममें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

मम्स्वी

भूमि--टी॰ एस॰ सं॰ ४, माम्बलम, गिण्डी तालुक, 110 मोउण्ट रोड, भद्रास-32 अडयार/लेख सं॰ 3417/851

> आर० **जानकीरामन** स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास∮6

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 30-7 1986

प्रस्थ बार्ड ् टी., एक., एस., अन्यवस्थानमञ्ज्ञा

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के ब्राधीन सूचना

भारत तरकार

आर्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जुलाई, 1986

निदेश सं० 10/दिसम्बर, 1985--अक्ष: मुझे, आर**० जा**नकी-राभन.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वावार मून्य 100,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिपकी सं अभि-टी ० एस० सं ० 4, 110, माउण्ट रोड, मद्राम-32 है, तथा जो माम्बलु गिण्डी तालुक में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबड अनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अख्यर, लेख सं ० 3418/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ नामा गया प्रतिफल, निम्निलिश्त उद्देश्य से उस्त अन्तरण निम्निलिश्त में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गवत, उक्त विभि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दियल में कमी करने या उससे अकने में सुविधा के निए; वरि/गा
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए का, छिपाने में सुविधा के बिए;

- (1) श्री एस० जी० गुप्ता स्रौर अन्यों की एजण्ट एस० गुप्ता (अन्तरक)
- (2) भेसर्स दी एक्सप्रेस केरियर्स लि०। (अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अपन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त राज्यित के वर्षन के संबंध में कोई बाखेप ह

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अभि नाह में समाप्त होती हो, के धीतर प्रवेक्त व्यक्तियों से किसी अवित द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि--टी॰ एस॰ सं॰ 4, माम्बलम गिण्ही क्षालुक, 110 माउण्ट रोड, मद्रास-32

> आर० जामकीरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास-6

बक्तः अत्र , उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जन्तरण को, भी, उक्त विधिनयम की धारा 269-म की उपभारा (1) के बचीन, निम्नीमिका, व्यक्तियों, कर्णात् ड—

तारीख: 30-1-1986

प्ररूप बाई : टीं, एम : एस : -----

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की बाहा 269-व (1) के बचीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास-6 मद्रास, दिनांक 30 जलाई, 1986

निदेश सं० 12/दिसम्बर 85—अतः मझे, आर० जानकी-रामन.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00.000/- रह. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 546, एम० आर० सी० नगर, आर ए० पुरम, है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्थ में विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर, लेख सं० 1639/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1986 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1986 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के अधिन बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथा व्वक्ति सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवास से अधिक है और अंतरिक (अंतरितों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चियों से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जनतरण से हुद किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो श्रार० रामानाधन चट्टियार, हाई कोर्ट, मद्रास-1

(अन्तरक)

(2) श्री रमेण गांधीं और श्रीमती एम० पी० गांधी 6 एवेन्यु शास्त्री नगर मद्रास-20

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वी त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्क तस्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कार्य भी बार्यन --

- (क) इस ब्यूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त अविकरों में से निस्ती व्यक्ति दुवारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किये जा सकोंगे

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

भूमि——प्नाट सं० 5 श्रौर 6 एम० आर० सी० मगर, आर० ए० प्रम, मद्राम, मैलापुर/लेख सं० 1639/85

> आर० जानकीरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास-6

नारीख: 30-7-1986

प्रकृत कार्यः, टी. एन. एक. अल्लान्यनमञ्

बायकर कॉंधनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बंधीन सूचना

मारत संस्कार

कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जीन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर, 1986 निदेश सं० 13/दिसम्बर/85—अतः मुझे, आर० जानकी-रामन,

शानकर सिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें परकात 'उन्त सींधीनियम', कहा गया है, की भारा 269-श के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह पिरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित जाजार मृह्य 1,00,000/- रहन से गिधिक है

भीर जिमकी सं० प्लाट सं० 12-बी, एम० आर० सी० नगर है, तथा जो आर० ए० पुरम, मद्रास में स्थित हैं (ग्रींग इसले उपावड़ अनुसूची में ग्रींग पूर्णरूप में बाँणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर सूख सं० 1641 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 85,

का प्रॉक्त सम्मित के उपित काजार मस्य से कम औ राज्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरितीं (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, मिम्निसित उद्देश्य से दुश्य अन्तरण विश्वत में गास्तरिक रूप से कायित गहीं किया पना है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उच्य बीध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उचले बचने में सुविधा के किए; बीर/वा
- (ब) घेसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1927 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ खंतरिती हवारा प्रकार सहीं किया गया वा वा किया बाना वाहिए वा, कियाने में मुविधा वे सिक्ट;

कतः जबः, उकत अधिनियम कौ धारा 269-ग को अनुसरक कों, में उपत अधिनियम की धारा 269-व कौ उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री आर॰ रामनाथन चेट्टियार के लिए हाई कोटं की आफीसर।

(अन्तरक)

(2) श्री ए प० रामासामिमअलियास हरी।

(अन्तरिती)

प्रकाशन विभाग व्यारा प्रकाशित सभी पत्रिकाओं में से किसी को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के कि कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

बक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेय :---

- (क) इत स्वमा के राज्यम में प्रकाशन की तारीय हैं
 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी
 विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के हावच्य में प्रकाशन को तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अओहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों नौर पदों का, वा उक्स अधिनियम के बध्याय 20-क में यथा परिभाषित हाँ, वहीं नुर्ध होता े उस नुष्याम में विका गया हो।

जन्स्यी

प्लाट सं० 12-बी, एम० आर० सी० नगर, आर० ए० पुरम मदास । मलापुर लेख सं० 1641/85

> आर० जानकोरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 13-7-1986

१२५ वार्. टो .पुन् .पुन् अवकरण्यास्तरमञ्ज्य

भायकर व्यिधिनयमं, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-व (१) को अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिमांक 30 जुलाई, 1986

निदेश सं० 14/दिसम्बर/85—अतः मुझें, श्रार० जानकी रामन,

ना अकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० 26, पोपस गार्डन, कतीड़ल रोड, है तथा जो मद्रास-86 में स्थित है (श्रांर इससे उपायद्ध अनसुकी में ग्रांर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल लेख सं० 1163/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1986 को पूर्वेक्स सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कभ के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा भी किए; और/माः
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या तक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी दवारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

(1) श्री सेत चन्द्रा बान रामचन्द श्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स दास मीडिया प्राईवेट लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

सकत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की बंबींथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर संख्या की तामील में 30 दिन की बंबींथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (च) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विचित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनके कियाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया व्या है।

समस्री

भूमि श्रीर महाम—प्लाट सं० 48/1, (न्यू सं० 26) पोय गार्डन कतीडूल रोड, मब्रास-86 मद्रास सन्द्रल/लेख सं० 1163/85

> आर० जानकीरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, मद्रास-6

तारी**ख**: 30-7-1986

प्रस्प बाह्यं .टी .एन .एच 🔉 हर्न्यर रहर राज्य

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के वभीन क्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 16 जलाई, 1986

निदेश सं० ए० सी०-42/आर०-2/जी०आई०86 87—— अनः महो, होल किंम्होन,

बायकर विधिनियम, '1961 (1961 का 43) शिवरं स्थाने इसके परवात् 'श्वनत विधिनियम' कहा प्रवाही, की भारा 269-च के अधीन स्थान प्राधिकारी को, यह विश्वाद करवे का कारण हैं कि व्यापुरोक्त बन्गीत्व का संख्य बाखाद बुक्य 1,00,000/- रा. स आधक हैं

आराधातका सं० 2 ई है तथा जो अलिपुर एवेन्यू कलकत्ता में रियत हैं (श्रार इससे उपाबद अनुसुर्चा में श्रार पूर्णरूप से विणत, हैं), रिप्ट्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रिप्ट्रिकरण अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रिप्ट्रिकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-12-1986

का पृतांकत सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्तय वे कम के क्यमान प्रतिक्रम के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें वह विश्वास करन का कारण है कि यथाव्योंकत संपत्ति का उचित बाजार भून्य, असक क्यमान प्रतिक्ष्म से एसं क्ष्यबान प्रविक्षम का पन्द्रह प्रतिक्षत से अभिक है और भंतरक (बंतरकों) और संयक्ति (अन्तरितिया) के बीच एसं अतरण के लिए तब बाया क्या प्रकि-क्या निम्नोस्थित जब्द क्य स क्या अन्यरम् सिक्ति में बास्त्रिक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वर्षावस्य यें कशी करने ने वसने वें सुविधा वे विद्यु: सदिः/वा
- (च) होती कियी आव वा कियी वय वा कर्य वास्तियों करों, विनहीं भारतीय वावकर अभिनियमय, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रवाधनार्थ नेन्द्रीरती द्यारा प्रकट नहीं किया नवा का वा किया वाना चाहिए वा, क्यान वो कृतिका के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं,, मैं अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) श्रीमिति विद्या देवी।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स एक्सेल प्रोजेक्टस लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के सिए कार्यग्रीहमां करता हुं।

बनत बन्धिस के अर्थन के बस्तन्थ में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इत त्वना के राज्यन के तकावन की रार्टीय के 45 दिन की नवीभ या सत्कावनी व्यक्तिकारों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्या कत व्यक्तियों मं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यंक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

च्याचित्रमः —-इतमें प्रमुक्त कर्मा और वर्षों का, को उपत वीधीनयम के अध्यास 20-क में वीदशायिक ही, यही मर्च होगा, को उस सध्याम में दिवा वर्षा ही।

अनुसूची

2ई अलिपुर, एवेन्यु कल कत्ता में अब स्थित मकाम का 9 तल्ला में 3484387 वर्ग फिट आयतन जो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज-2 के पास नं० 37ईई/ 125/आंगर-2/जी०आई०/85-86 के अनुसार 6-12-85 में रिजिस्ट्री हुआ।

> शेख म**ईमुहीन** स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज, कलकत्ता

तारीख: 16-7-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, रहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिक)

अर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 16 जलाई, 1986

निदेश सं० 41/आर०-2/फलकत्ता/86-87-- अतः मुझे, शख मईमुहीन,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें हवाको पश्चात (उपत संधिनियय कहा पत्रा ह**ं**), की पारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विक्याब करने का कारन है कि स्नावर बम्पत्ति, विश्वका अविश बावार अपूर् 1,00,000 ∕- रुः ये अधिक हैं

भौर जिल्ला सं० 8 है तथा जो राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इपने उपाबड अनुसची में और पूर्ण रूप से विणित है), रुष्टिस्ट्रीक्त अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रि:स्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-12-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मृत्य से कन के दश्यमान इतिकास के सिए जंतरित की गई है और शुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापुत्रक्ति संपक्ति का उपित बाजार भूस्य, उसके रस्यमान प्रतिकास से, एते अवन्नान प्रतिकास का बन्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकाँ) और बंतरिली (बंदरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिय नय पाया प्या प्रतिकत निम्मलिक्षित उक्कोच्य से प्रवत बन्तरण सिविद से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्त्ररथ से हुई किसी बाय की यावल, सक्त अभिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरण की खबित्य में कमी करये वा उससे वचने वे सुनिवा भा सियः मीहः/स्र
- (च) ऐसी किसी जान वाकिसी भन वा जन्म वास्तिवी को, जिन्ही भारतीय नाय-कर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विविधव, या वय-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के बरावनार्थ करतरिती क्षारा प्रकट नहीं किया वका बाका किया बाना प्राहिए वा, क्रियाने के स्विधाके लिए;

(1) रेनकस कर्माशयल लि॰।

(अन्तरक)

(2) भेसर्स हिन्दुस्तान मोटर्स लि॰।

(अन्तिःती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उन्ह तल्पील के वर्षन के सम्बन्ध में कोई बाध्येप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिकां में से किसी श्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास लिक्ति में किए वासकों थे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा 🕻 ।

अनुसुची

8, राजा सन्तोष रोड, कलकसा-27 में अब स्थित मकान का 4 था तल्ला में 2294 वर्ग फिट आयतन जगह जो, सक्षम प्राधि-कारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज-2 के पा स नं० 37ईई/118/ आर-।।/ कलकत्ता/85-86 के अनुसार 8-12-1985 में रिल्स्ट्री हुआ है।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

अतः अब उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण मोहर:

तारीख: 16-7-1986

में, में, उक्त विधिनियम की भारा 289-व की उपभारा (1) के जधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, वर्षात्:---

प्रकृत नाहाँ हो हो एक प्रस्तान

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के व्यक्ति व्यक्त

HIST SERVE

कार्यास्य, सञ्चयक बायकर बायूबर (निद्वाबान)

अर्जनरेंज, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 16 जलाई, 1986

निदेश सं० ए० सी० 40/आए-2/ कलकत्ता/ 86-8 7-- अतः मझे, शेख नईमुहीन,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्हें इसमें इसके भवनात् 'उन्तर अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाबार श्रूव्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर िसकी सं० 8 है तथा जो राजा सन्तोष रोड में स्थित हैं (श्रीर इस दे उपाबद्ध अनसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिप्स्ट्री- शर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, हारीख 3-12 86

को पूर्वोक्त सम्मस्ति के उपित बाजार मृस्य वे कम के कसवात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे

नह विश्वास करने का कारण है कि सभावनोंकत सम्मास्त का कांचत बाजार मृन्स, उसके खरमान प्रतिकत है, एसे खरमान श्रांतफल का पंद्रह प्रतिकत से जिथक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरितों। (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरक के मिए तम पामा प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिका में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया थाना पाहिए वा कियाने वे बुनिया के बिष् ॥

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) रेतक्स कमिश्रयल लि०।

(अन्तरक)

(2) स्वदेणी बाइसप कारपोरेणम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष्कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पंड सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बबिंध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इत स्वादा के रावपत्र में प्रकावन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति भें द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यभा परिभाषित रूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया 🗱

अनुसूची

8, राषा सन्तोष रोष कलकत्ता में अब स्थित, पांच तल्ला में 2510 वर्ग फिट जगह जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 के पास सीरियल नं० 37ईई/117 /आर-2/ कलकत्ता/ 85-86 के अनुसार 3-12-85 तारीख में रजिस्ट्री हुन्ना।

शेख नईसुदीम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 16-7-1986

प्रस्थ आहे. टी. एन. एव . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत श्रदकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निराक्षाण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 6 अगस्त, 1986

निदेश सं० एम० डी० 5/8 6-8 7--- अतः मुझे, एघ० आर० दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्नं.र जिसकी सं० 22 हैं तथा जो ईस्ट कनाल रोड, में स्थित हैं (फ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्य में म्नं.र पूर्ण रूप में विणित हैं), रिष्ट्य क्ती अधिकारी के कार्यालय देहणादून में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 10-12-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने रूरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अचित वाचार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और खंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-कस निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त बंतरण सिश्चित्त में वाक्तविक क्य से स्विधत नहीं किया नया है है--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वायत, उपक शिंपियम वी अभीन कर दोने के अक्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा को लिए; और/या
- (व) एंसी किसी जाय या किसी धन या बन्ब वास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या धन-कर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

शतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की अनुसरण में, में, अक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्रत व्यक्तिमों, वर्धात क्ष्मक (1) श्रीमित कीर्ति बेदी विग कमाण्डर कीर्ति सिंह 22 ई०सी० रोड, देहरादून।

(अन्सरक)

(2) मानव कुमार, 5/1, ऋस रोड, देहरादून।

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) उपरोक्त।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ता-क्षरी जातता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन की संबंध में कोई भी आक्षंप हु---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकावन की तारीश सें 45 दिन की जनश्चिमा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्षण बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वीक्तवों में से किसी स्पृत्ति प्रवारा;
- (न) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित्तवस्थ किसी बन्स व्यक्ति द्वारा वभोहरताक्षरी के पास किश्वत में किए या सकति।

स्यत्सीकरणः — इसमें प्रयुक्त वन्से और पर्दों का, जो उत्तर विभीनयम दे कथ्याव 20-क में परिशाविक ही, वही अर्थ होगा, जो उस बध्धाय में दिया गवा ही.।

अनुसूची

सम्पत्ति सं० 22 ईस्ट कॅनाल रोड, देहरादून।

एच०आर० दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारी**ख**: 6-8-1986

मोहरः

प्रकार बाह⁴्र टी_र, हुन्, कुन्_{र विकास स्थार}

नायकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के स्थीन सुपना

हाइत परका

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 6 अगस्त, 1986 निदेश स०एम० डी० 6/86-87--- अतः मझे, एच० आर० दास,

वावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इक्से इसके पश्पात् 'उक्त मिशनियम' कहा गया ही), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 ∕- रु. से अधिक हैं ग्रांर प्रिंसकी सं० है तथा जो देहरादून में, स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनसूचीमें ग्रांर पूर्णरूप से वर्णित है). रिष्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रिष्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-12-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मूल्य से कम के परयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचिक वाजार ब्र्य, उसके दर्यभान प्रतिफाल से, एसे दर्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्योग्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है 2--

- (क) वंतरण से हुई किसी बाव की वावड़, उक्त विधित्वम के बंधीन कर दोने के वंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिध; कौर/या
- (च) एंसी किसी जाय या किसी च्न या जम्य जास्तियां की, जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार व्यिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

बत: शव, उत्तत वॉथिययम को भारा 269-ग के बनुसरण को, जो, उत्तत वॉथियियम की वारा 269-थ को उपधारा (1) अबियोग विक्लिकिटिक व्यक्तिकेट व्यक्ति क्रमा (1) श्री विक्रम सिंह ढिल्लो, 153-बी, राजपुर रोड, देहरादून ।

(अन्तरक)

(2) विद्या मन्दिर द्वारा—सिधव श्री के० एल० खन्ना, 103, राजपुर रोड, देहरादून।

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त।

(वहं व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

(4) उपरोक्त।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को वह ब्याम बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से कर्वन के क्षिप् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इंस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की दामील से 30 दिन की अवधि, थो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-वद्ध किसी अन्य स्थिति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में विशेषा सकते।

स्वक्कृतिकरण: ---इसमें प्रयुक्त कट्यों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ क्षीगा, जो उस अध्याय के किया गया है।

अनुसूची

एक मकात देहरादून।

एच०आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-8-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर निधानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वाजय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, कामपुर

कामपुर, विनांक 6 अगस्त, 1986

निदेश सं० एम० डी० 67/86-87-- अतः मुझे-एच० आर० दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के निर्मात सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करन का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

धार जिसकी सं० 1207 है नथा जो गढ़ी सेन्द्रस में स्थित है (धीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में रिजस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-12-1985

का पृशेका संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण विचित्त में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अस्य या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बतः व्या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमित सुधा मेयी पहित डा० भगवत प्रसाद, श्रीमित प्रेममयी—कमल कुमार निकेतन 50/58 मोती बाजार, देहरादूम।

(अन्तरक)

(2) मैं० भगीरथी सहकारी आवास समिति लि०, 39 राजपुर रोड, देहरादून द्वारा श्री पी० एस० विष्टा 39 राजपुर रोड, देहरादून।

(अन्तरिती)

(1) उपरोक्ता।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(2) उपरोक्ता।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पत्ति में हितबज्ञ हैं)।

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना कै राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गस लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: — इसमें त्रयुक्त शब्दों और पदों बा, जो उक्त अधिनियम, के बभ्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सं०---1207 स्थित ग्राम--गढ़ी परागम सेन्द्रल दून, वेहराद्गन (क्षेत्र---2.68 एकड़)।

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कारीख: 6-8-1986

प्रकार बाही हु की , प्रमान प्रकाल कराया

बायकर निपिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-च (1) के बधीन स्पना

सारव बरकार

कार्यालन, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 अगस्त 1986

निदेश सं० के०-2/86-87-अतः मुझे, एच० आर० दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रांर जिसकी सं भिल है नथा जो खेती पनकी गंगागन्ज कानपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-12-85,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पायन भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) बनारण ते हुद्द किसी भाग वर्ष बावका, उपक वाधिनियम के नधीन कर दोषे की कनारक के दामित्य में कमी करने वा उत्तवे वधने में स्विका ओ लिए; बीड्√वा
- (क) एनेसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों करे किन्छों भारतीय आय-कर जोंधीनयम.

 1922 का 11) या उक्त अधिनियम.

 1 कर जोंधीनयम, 1957 (1957 का 27)

 25 प्रयागनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया दा या जिल्या जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा वे लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री राकेश कुमार गुप्ता सिचय आर० एस० हाउसिंग को० आपरेटिय सोसायटी लि० कानपुर (अन्तरक)
- (2) अपनी सह कारी गृह निर्माण समिति लि० कानपुर । सचित्र विमली दांदव 117/1X ब्लाक, लालादेव कानपुर ।

(अन्तरिती)

का यह क्षमा भारी करके प्रोंक्त संपृत्ति के वर्षन् के हिस्स कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाहोंड़ :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अवधि, वा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इताराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 निवित्त में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुस्ची

खेती की जमीन स्थित कौना पत्रकी गंगा गंज कानपूर।

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 6-8-1986

मोह्र :

प्रकार साह . दी . एव . एस ------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 260-स (1) में बधीर मुख्ता

भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

ज्यानपुर, दियां ह 6 अगस्त 1986

निदेश सं० के-3/86-87--अतः मुझे, एच० आर० दास आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के की एक्स एक्सिएटी को एक्टियास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित दाचार भूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 7/17 एवं 7/18 है तथा जो पार्वती आगल रोड, कानपुर में न्थित है (ग्रीर इससे छपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), राज्यस्ट्रीयर्ता अधिकारी के नार्यालय, कानपुर में, राज्यद्री नरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक 31-12-1985,

को पूर्विक्स वस्पत्ति के उपित बाजार मूटर में कम के स्वामाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मारने का तारण है कि राष्ट्रण संगतित का रातिक का तारण हो कि राष्ट्रण संगतित का तारण हो कि राष्ट्रण संगतित का तारण हो कि राष्ट्रण संगतित का तारण स्वाप्ट्रण स्वाप्ट्रण संगतित के स्वाप्ट्रण संगतिक के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच के एसे अन्तरण के सिष्टु द्यपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के इतिहल में कभी करने या नवने तका में अधिकधा ही निका; और/भा

अतः अब, उपत अधिनियम की धारा 269-म के, अन्तरण में, मैं, अक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 5-236GI/86

- (1) श्री खुणालचन्द नरायन दास (एच० क्यू० एफ०) द्वारा श्री द्वारिका प्रसाद सिंह कर्ता एवं मैनेजर पि 7 जिया प्राप्त मण्डी कामपुर । (अन्तरक)
- (2) हा कादेव रावनपुर सहकारी गृह निर्माण समिति लि॰ 86/303 चन्द्रिका देवी रोड, कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह युष्पना जारी करके पृत्रोंक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को सर्विध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्विष, को औं जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ध) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारी से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्द किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए आ सकी गे।

स्पद्धांकरणः -- इसमे श्यावत शब्दों सीर पर्दों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता जो जस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म० नं० 7/17 एवं 7/18 पावर्ती वागला रोड, कानपुर

एत्र० आर० **दास** सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयुक्त, (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनां ह : 6-8-1983

प्ररूप भाषी, दी, एन । एस , *****

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के जधीन सुचना

नारत तरकार

कार्याक्षयः, त्रशायका वाषकार वाष्ट्रका (निरीक्षण)। अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई/12-85/86---अत: मुझें, अशोक कक्कड़,

नावकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें इसमें वस्तात् 'उन्त विधित्यम' कड़ा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारों को यह विध्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाजार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० पलैट सं० 204 है तथा जो दूसरा खण्ड, ग्रप शाउसिंग काम्पलेक्स में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, सर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985,

को पूर्वे क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे क्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के समझ प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तय साथा गया प्रतिफल, निम्मनिकित उद्देश्य से उच्त कल्यरण विश्वित के बास्तविक रूप से कथित नहीं कि का गया है :---

- (क) वंदरण वे शूर्व कियी नाम की नामछ, छन्त वीधिनयन के नधीन कर दोने के बन्दरक में दामित्य में कमी कर्ष मा वससे वसने में सुमिधा में सिस्: बीट/वा
- (क) देशी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की चिन्हुं भारतीय जायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रवोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुकित के विक्:

वतः जयः, ध्यतः वीर्णाणयमः की भारा 269-त के वयुक्तरण वो, वो, उक्त विभिनियम की भारा 269-त की उपभारा (1) विवेदमीन, निरुपनिधित स्पितसों, नर्यात् :---- (1) रिवन्द्रा श्रोपर्टीज प्रा० लि॰ 2. तिलक मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) सेसर्स उमा लूथना श्रंडीका हाउस, 259, हाँबस्डलेन, कैटरी लेन, यु० के०।

(अन्नरिती)

की वह सूचना चारी करके पृथोंक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपय संपत्ति के वर्षन के संबंध की फोर्ड भी नाओप .---

- (क) इब न्यंता के रायपन में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की सर्वीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तासीन से 30 दिन की सर्वीभ, को औं स्थाभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थापत यों में से किसी स्थित स्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेश हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा विभोहस्ताक्ष्री के पास निवित में किए जा सकीने।

ल्पच्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और वर्षे का, को समस अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होया औ उस अभ्याय में दिया नवा हैं।

यम्भूकी

पलैट सं० 204, तावादी 1500 वर्ग फिट 1 दूसरा खण्ड 1 ग्रुप हाउसिंगकाम्पलेक्स 1 लीज होल्ड 1 2 तिलक मार्ग मई दिल्ली ।

> अशोक कम्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायरकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिशांक : 12-8-86

प्रकल काहो_ल टी_ल प्रकल स्टब्स

भावकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्याव्य, सहायक जानकत बायुक्त (विद्धाला)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई/12-85/7--अत: मुझे, अशोक कवकड़,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक ह"

मौर जिसकी सं० है तथा जो हाफ पोरणन प्रोपर्टी 61, फेड्स कालोनी, में स्थित है (श्रीर इसस पाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता घिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण घिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985,

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापृत्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रम्यान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंदाह प्रतिस्त से विधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (वन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फस निक्तिवित उद्देश्य से उक्त बंतरण निचित में भारतिवक्त क्ष्म से कथित नहीं किया क्या हैं है—

- (क) अन्तर्ध्य में हुइ कियी जाम की वावत , उक्त जिथितियन के वधीन कुछ दोने के मन्तरक के ब्रियित्व में कमी करने वा उससे वचने में स्विधा के लिए; जाँड/वा
- (क) श्रेति किसी जाय या किसी भने या जन्य कास्तिय। को, जिन्हें भारतीय जाव-कर जभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जभिनियम, या भनकर जिन्दीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया असी असी श्रीवर्ध के सिहिं।

भवः वनः, उत्तरं निविद्ययं की पादा 269-न से नवुस्तरं ने, ने, उत्तरं नृभिनियमं की भारा 269-न की उपभारा (1) के नृभीत्, निम्नक्षितिक व्यक्तियों हा अर्थाद् है—

- (1) पी० एस० बी० प्रोपट्रीस प्रा० लिमि० एल-40, कनाट फ्लेस, सर्कंस, नर्द दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) मेससं सरस्वती प्रोपट्रीस लिमि० धामपुर (एम० रेलवे) जिला विजनीर । (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोचत सम्पत्ति में वर्षन भे जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कार्ड औं आहोप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पा सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो और अन्धि नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसार्
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच है. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्य व्यक्ति दुवाय जभोहस्ताक्षरी के वास निवित में किए वा सकोंगे (8)

न्यत्वत्रेक्षरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविष हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विधा

मन्स्ची

हाफ पोरशन प्रोपर्टी तादादी 1250 वर्ग गण। टेनेंनसी 61, फोंड कालोनी, नई दिल्ली।

अशोक कदकड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12-8-1986

मोधुरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1986 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/1-86/ 8--अत: मुझे, अणोक कककड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० जो फ्लैट सं० 414, है तथा जी चौथा खण्ड ग्रुप हाउसिंग काम्पलेक्स, 2 ितलक मार्ग मई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपावद्ध अनमूची में पूर्ण रूप में विणत है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रंज-2, नई दिल्ली के अधीन दिनांक जनवरी 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बनजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अर्थारण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंत्ररक क्रे दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

चतः वय, उक्त विभिनियम, कौ धारा 269-ग से वन्तरण कै, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः— (1) रिवन्द्रा प्रोपट्रीस प्रा० लिमि० 2, तिलक मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेश कुमार धीर नरेश टेक्टाइल्स मिल्स, 422,इण्डस्ट्रियल एरिया ए, लुधियाना-141003 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जानो करके पृथंकित संपत्ति के अर्जन के िसए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के लंबंध के कोई भी वाक्षेप हैं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट सं० 414, नादादी 1500 वर्ग फिट चौथा खण्ड ग्रुप झाउसिंग काम्पलेक्स, निर्माणाधीन 2, तिस्पक मार्ग, निर्दे दिल्ली ।

> अशोक कम्बङ् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-8-1986

इक्ष्य बाहु^{*}् गी_ं पुष्, हुक् :- - + अन्तरः

सान्याङ स्रीम्तिमन्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन क्षत्रा

मार्ड सहस्का

कार्याचय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

ज़ई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/2/37ईई/1—86/9——अन: मुझे, अशोक फक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात 'उकत किथान्यम' कहा गया हैं), की अभ्य 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्द सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उत्तित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एंसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नित्वित उद्देश से उन्त अन्तर किषिद में प्रतिक कर के बीच सही हिन्स स्वा अन्तर हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के रिष्; वार/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सक्त अधिनियम, वा भून-कर विधिनियम, वा भून-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे ज्योजनार्थ अन्सरिती त्वारा प्रकट नहीं किया वया भा या किया जाना जाहिए था, ज्याने में स्विधा के नियं;

(1) रिवन्द्रा प्रोपर्टीस प्रा० लिमि० 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) डा॰ टाकुर बी॰ गांधी

1ए/7, हास्पिटल रोड, जंगपुरा एक्सटेंशन,
मई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को सह स्वना आही कहके प्रतिकृत स्थिति के अर्थन के छिन्न कार्यनाहियां कहता होता।

उक्त कुम्परित को अर्चन को सध्वत्थ में कार्न्द् भी वाक्ष्में हुं---

- (क)) इस स्थान के रायपण में प्रकान को तारीय है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ पृष्ठ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट का कियाँ में में किसी व्यक्ति व्यक्ति हुए।
- (क) इत स्वा जे राजपत्र में श्रकाशन की सारींच से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी कत्य म्याजित ब्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्वध्दोकारण :----ध्समें प्रयुक्त करों और पर्दो का, जो उक्त विधिनियम के अध्याम 20-क में परिभावित हैं, हहीं अर्थ होगा को जस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० ६, तादादी 1500 दर्ग फिट छटवां खण्ड ग्रुप हाउसिंग काम्पलेक्स, लीज-होल्ड अन्डर वॉस्ट्रक्शन, 2 तिलक मार्ग, पर्द दिल्ली ।

> अणोक कक्कड़ सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2,दिल्ली,नईदिल्ली-110002

दिनांक : 12-8-1986

मोहर :

शतः अस उक्त आधानसम् को धारा 269 न के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) वे बधीन, निस्कहिन्दिक व्यक्तियों, जनित् प्रकप थाई दी वन एस : ----

बावकार बीबिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ल (1) के बाबीर मध्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/2/37ईई/ 1-86/ 10--अत: मुझे, अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ए के अधीन प्रक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- ०. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 610, है तथा जो छटकां खण्ड ग्रुप हाउमिंग काम्पलेक्स, 2 तिलक मार्ग में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण कप म विणित है), रिजर्स्ट्रायती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-2, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनकरी 1986, ,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के लिचत बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सं, एक दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक इप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वारियत्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (बा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बाब अब , उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के कु मैं। उसत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) रिवन्द्रा प्रोपर्टीस प्रा० लिमि० 2 लिए मार्ग, नई दिल्ली -110001 । (श्रन्तरक)
- (2) कुमकुम मक्कर पत्नी हेमन्त मक्कर सो-1, पाम्पीस एक्लेब, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्
कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि त को मी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर उपित्त में हितब द्वं फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

शिष्टीकरणः -- इरामें प्रयुक्त शब्दों कांर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

फ्लैट सं० 610 तादादी 1500 वर्ग फीट छटवा खण्ड ग्रुप हार्जीसंग काम्पलेक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली , लीज-होलड ।

> अशोक कन्कड़ं सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-8-86

१क्प मार्थं टौल एनड एस ह जनगणना

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

HIRM TSTATE

कार्याक्षक, नहायक बायकर आधुक्त (निरीक्षक), अर्जन रेंज-2, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांग 12 अगस्त 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/2/37ईई/1-86/ 11-अत: मुझे, अशोक कनकड़,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' भक्त गया हैं), की भाष 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कावज हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिन् बाबार म्स्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रोर जिनको सं० पलैट सं० 714, 7वां खण्ड ग्रुप हाएसिंग काम्पलेक्प 2 तिलक मार्ग, में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वणित हैं), श्रायकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक जनवरी 1986,

को पूर्वोक्षत सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रशामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मित का उचित भाकार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वक के सिए नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी लागु या भन या जन्य जारितयों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयोचनार्थ अन्तरिती व्यारा त्रकट नहीं किया नशा था कि या बाकिया बाना चाहिए जा, कियारों हो स्रोमधा के हिंतरह

वतः वयः, शवस विधितियम की भारा 269-व की वनुसरच को_ल को, सक्त विधितियम की भाषा 269-व की उपभारा (१) को वर्षायाः निस्तिसिक व्यक्तियोः वर्षाय क——

- (1) रिबन्द्रा प्रोपट्रीम प्रा० लिमि० 2 निराह मार्ग, गई दिल्ली--110 001 । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती पत्ती देवी पत्ती स्प्रायि जीवरी राजा राम एण्ड सज्जन कुमार नुपुत चौधरी बलराम जाख्ड द्वारा बलराम सज्जन कुमार नमीणन एजेंट, आबोहर जिला फिरोजणाह (पंजाव)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

जक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से ! कसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच चं 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास दिलोकत में किए आ सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ं अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया क्या है:

अनुसूची

फ्लैट मं० 714, तादादी 1500 वर्ग फिट 7वां खण्ड 1 ग्रुप हाउधिंग काम्पलेक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली, लीज होल्ड 1 अण्डर कंस्ट्रकणन ।

> अशोक कमकड़ सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12-8-1986

प्रकृता । प्रकृत । प्रकृत प्रकृत । प्रकृत

जावकर जिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 क (1) के जभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यां जम, सहायक बायकर आयुक्त (निरोक्कण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/1~86/ 12--अत: मुझे, अशोक कक्कड़,

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

द्यौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 708, है तथा जो 7वां खण्ड लैंड ग्रुप हाउमिंग काम्पलेक्स 2 तिलक मार्ग में स्थित हैं (प्रौर इस में उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विंगत हैं), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, मई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिभियम, 1961 के अधीन दिनांक जनवरी 1986,

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिय-नियम के अधीन कर दीने की बंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विष्ण के जिए; कींद्र/पा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अस्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 77) प्रमोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविभा के निए;

- (1) रिवन्द्रा प्रोपर्टीण प्रा० लिमि०
 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली—110 001
 (अन्तरक)
 (2) निखीलेश प्रोपर्टीण प्रा० लिमि०
- 2) निखीलेग प्रोपर्टीप प्रा० लिमि० चाँद सिनेमा बिल्डिंग हिलोकपुरी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खें 45 दिन की झर्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए का सर्कोंगे।

समब्दीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अभितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा स्या है।

अन्स्ची

फ्लैंट मं० 708, तादादी 1500 वर्ग फीट 7वां खण्ड ग्रुप हाउसिंग स्कीम, 2 तिलक मार्ग, नई दिस्ली। लीज-होल्ड।

> अशोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सिह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

णतः अव, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग को जनसरण को, यो, अक्त जिभिनियम की भारा 269-म की **उ**पभारः (1)

के अधीन, निम्निनिनित व्यक्तियों , वर्षात र---

दिनांक : 12-8-1986

प्रस्थ आहें क दी_ट प्रस्तु प्रस्तु स -- •

णामकर क्रीपनियम, 1961 (1961 का 43) **क्री** धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज-2, मई दिल्ली मई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/1-86/ 13---अत: मझें,. अशोक कक्कड़,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजास मूल्य 1,00,000/- रा. रो अधिक है

1,00,000/- र. रा मिक्त हैं

भीर जिसकी सं० पर्लैट सं० 706, है तथा जो सातवां खण्ड प्रप
हार्जीमंग काम्पलेक्स 2 तिलक मार्ग में स्थित हैं (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), आयकर अधिकारी
के कार्यालय, अर्जेम रेंज-2 मई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक जमवरी 1986,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का
मन्द्रह प्रतिखत से अभिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एके अन्तरक बन्तरक तिचित में बास्तिकक
कम से कथित नहीं किया गवा है है--

- (क) कलाइण री हुइ किसी बाय की शबक क्या विश्-विश्व की अधीन कर दोने की बलाएक में श्रीयत्न में कमी बाइने वा क्या विश्व में श्रीयथा के निए; श्रीक्ष/याः
- (क) ऐती किसी जाय वा किसी भन वा अन्य जास्तियों करें, जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनयन, 1922 (1922 का 11) वा उपन्य जॉप्सिवन, वा प्या-कर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) जें प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा जा किला जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा चे निका:

हात क्षत्र . उक्त बर्जिनियम की भारा 269-य वी सम्बर्भ में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के सभीन, निम्नलिकित स्थितत्यों, सभीत ए⊶

- (1) रिवन्द्रा प्रोपट्रीस प्रा० लिमि० 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली-110001 (अन्सरक)
- (2) रिवन्द्र सिंह भूपृत्र चौधरी हरपरल सिंह 1ए, कैलाश अपार्टमेंट लाला लाजपत राय रोड, मई दिल्ली-110 048

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्थन के विश्

अन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बार्श्य :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र से प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की वनिष, यो भी जन्दि बाद में स्वाप्त होती हो, खें शीवर प्यानिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संवत्ति में हित-वस्थ किसी अन्य व्यक्ति बनाय, वभाइस्ताकड़ी के नाच निश्चित में किए वा शक्ति।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक ह¹, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैट सं० 706, तादादी 1500 वर्ग फीट 7वां खण्ड ग्रुप हाउसिंग काम्पलेक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली, लीज होल्ड ।

> ि अशोक कक्कंड़ सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-8-86

महर :

6-236GI/86

श**क्य वाह**ै.टी.एव.एव.. ------

कायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) में जभीन सुमना

नारत सरकार

कार्याज्य, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, न**ई** दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 अंगस्त 1986

निद्रेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/37ईई/1-86/14---अत: मुझें, अशोक कक्कड़

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 701, तावादी 1500 क्याँ फीट 7वां खण्ड में स्थित है, ग्रुप हाउसिंग काम्पलेक्स 2 तिलक मार्ग, दिल्ली में स्थित (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनसूची में पूर्व रूप से विजित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, मई दिल्ली में भारलीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक जनवरी 1986,

को पूर्वोक्त सम्परित से उपित नाबार मृत्य से कन की दक्तनाय प्रतिकत के लिए अस्तिश्त की गर्द है जीर मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथाय्योंक्त तस्वीत का उचित बाबार कृष्य, उसके क्यमान प्रतिकत ते, ऐसे क्यमान प्रतिकत का क्ष्मह प्रतिवत ते मिथक है बीर संतरक (बंदरका) और बंदरिकी (बन्दरिक्षमा) के बीच ऐसे बन्दरन के बिए तब पावा नवा प्रतिकत, निम्निजित उद्योग्य से उक्त सम्तरण किवित में आस्त्रविक क्य में कवित नहीं हैं अस बना है है—

- (क) अन्तरण वे हुई कितों नाव की बावत सक्छ अधिक विवन के अधीन कह दोने के अन्तरक के द्वावित्य के करी करने वा उत्तर्ध अपने के सुविधा के लिए अटि/या
- (क) श्री किसी जाव या जिसी धन या अस्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था शिक्या धाना धाहिए चा, क्रियान में सुविभा सी सिक्य;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1), के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्पॉ, अभित् ह— (1) रिवन्द्रा प्रोपर्टीज प्रा० लिमि० 2, तिलक मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) चौ० हरपाल सिंह सुपुत्र चौ० कुकम सिंह 1, कैलाण अपार्टमेंट, लाला भाजपन राय रोड, मई दिल्ली-110048

(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाही करता हुं।

उन्तर सम्मरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोद हुनन

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिव की वदिय या तत्स्मान्धी व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की नदिय, यो जी अपिय वाद में समाप्त होती हों, के भीत्र प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इक कृषणा के राजपण में अकासन की शारीब से 45 दिन के शीत्र अक्ष स्थान्य संपक्ति में दिल-कृष्य किसी कृष्य व्यक्ति व्यास अभोहस्ताकरी के याद तिचित् में किस वा सुकेंगे।

राज्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पर्यों का, सो समस श्रीव्याप्त्र के सम्बाद 20-क में परिशासिक ही, नहीं वर्ष होगा औं उस सम्बाद में सिका प्रया हीं।

अनुसूची

फ्लैट सं० 701, तादादी 1500 वर्ग फीट 7वां खण्ड ग्रुप हाउसिंग काम्पलेक्स, 2, तिक्षक मार्ग, नर्ष दिल्ली ।

> अशोक तम्बङ् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनोक : 12-8-1986

अस्ति कार्<u>ष्ट्रे, की.</u> एम , एख , ------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 4/3) की भारा 269-व (1) के मधीन स्थान

THE REAL PROPERTY.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1986 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/37ईई/1-86/ 15--अत: मुझे, अशोक कक्कड़,

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) निसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-खं के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृन्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० फ्लैट सं० 407, तादादी 1500 वर्ग फिट चौथा खण्ड 2 तिलक मार्ग मई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विज्ली है), आयकर श्राधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, मई विल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक जनवरी 1986.

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मुख्य से कम के सम्मान प्रतिकत के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापुर्वोक्त सम्मित का उचित बाबार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकत से, एसे स्थ्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नसिचित उद्वदेश से उक्त बत्रण निम्बत के बास्तिक स्थ से स्थान है क्रिका वा है क्रिका

- (क) जन्तरण है हुई सिक्षी जाय की नावत उक्त जीभीनयम के जभीन कर देने के अंतरक के वाजित्य में क्रियी करने वा स्तत्वे बसने में सुविधा से जिस्ह बहुत/वा
- (क) एंसी किसी आग या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती इवारा प्रकट नहीं किया स्या आ या किया जाना लाहिए आ क्रियाने न्ये त्या आ के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—— (1) रिश्वन्द्रा प्रोपद्रीज प्रा० लिमि० 2 तिलक मार्ग, नई दिख्ली ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री एन० के० जैन सुपुत्न यू०एस० जैन सी-4/112, सफदरजंग डेवेल्पमेंट एरिया, मई दिल्ली ।

(मन्तरिती)

कार्यमह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष हन्त

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बदिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पत्र क्षता की तामीस से 30 दिन की बदिध, जो भी बदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धकरणः -- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्यों का, आं उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस खब्याय में दिया गया है।

अनुसू**ची** :

फ्लैट सं० 407, ताबादी 1500 वर्ग फीट चौथा खण्ड ग्रुप हाउसिंग काम्पलेक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली ।

> अशोक कक्क सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिशांक : 12-8-1986

err eig e alle gra gra erre

नामकड समिन्नियाः 1961 (1961 झा 43) की भारा 268-स (1) में स्पीत भूकता प्राप्त स्थलक

कार्यक्र_ण वहास्य सम्बद्ध वायुक्त (विरोदन)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/2-86/3 7ईई/16-- अतः मझे, अभोक कक्कडु,

श्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाधार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट न० 206, र तथा जो दूसरा खण्ड ग्रप हाउसिंग काम्पलैक्स में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुधूची में श्रीप पूर्व रूप से विणित हैं), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीम, दिनांक फरवरी 1986.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अंतरित की नहीं है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके क्यभान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया यथा प्रतिफल, निम्निसित ज्युबोद्य से ज्यत अंतरण किश्वित में वास्तिकक क्ष्य वे किथात नहीं किया नया है:—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी आय की बाबत, उपस अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा चे बिहा; बॉर/बा
- (व) देशी किसी माय या किसी भन या कत्व आस्तिकां को, जिन्ही भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर सिभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुनिभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) रविन्द्रा प्रोपर्ट्रीज प्रा० लिमि० तिलक मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बृण रानी नागिया पत्नी एस०पी० नागिया एन-27, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त चन्नति के वर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के गर्थन के संबंध के कार्द भी बार्यप र---

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीच थे 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविभ, को भी बंबीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी न्योंक्श प्राय;
- (ब) इस तूचना को राजपण में अकाकान की शारीसा सं 45 विन को भीतर उक्का स्थावर सम्पत्ति में हितनवृथ किसी बन्य व्यक्ति ब्वास वभोहस्ताकारी के पास जिसित में किए का सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस ही।

प्रनुसूची

फ्लैट सं॰ 206, तादादी 1500 वर्ग फीट दूसरा खण्ड ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली ।

> अशोक कनकड़ सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जम रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 12-8-1986

इक्ष प्रार्ट्य हो। इष्य दुवळ ----

बायक<u>ड विभिन्नका 1961 हैं1961 का 43)</u> भी धारा 269-थ (1) को अधीन सुचना

भारत त्रेरकार

कार्याजय, सहायक नायकर बायुक्त ([नर्राक्रक)

अर्जन रेंज-2, मई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/2--86/17---अत: मझे, अशोक कक्कड़,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम कहा गया है), की भाय 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

मीर जितकी फ्लैटनं० 2ए, डी-2, है नथा जो कालिदी, नई दिल्ली में स्थित है (फ्रीर इतसे उपायद्ध अनुसुची में फ्रीर पूर्व रूप से विणत है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक फरवरी 1986,

का प्वांक्त संपत्ति के अधित वाकार मूक्य है कह के क्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिख्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और असरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्निलिखित उद्योष से उसते अन्तरण हिल्ली में वास्तिक क्या से किया नहीं हैं. , गया है —

- ्रिक् अन्तद्रण हो हुन्द्र किन्नी आप की पायक । उसके अभिनियम को अभीन कर दोने को अन्तरक को वासित्य में कुमी कुरते, या उससे बच्चने में सूनिभा के अवा आडि/वा
- (क) एंसी किसी नाम ना किसी थन या नम्म भारितयों कों. जिन्हें आरतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुनिधा में हिन्दु

बतः। अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण नं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) मेसर्स नेहा-दीप स्टेटस बी-2, कालिबी, रिंग रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) मैसर्स विजय कपूर एच० य० एफ० एच-9, महारानी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

श्री वृद्ध कृष्ण वाही कारने पृष्कीयत् वृज्यीत्तः से वृद्धीय श्री कार्यवाहियां वृद्ध करता हो।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस स्वर. के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव पंपत्ति में हित्रव्यूथ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकैंगे।

ल्लाकीकरण:--इसमें प्रमन्त कन्दी और पदों का, जो उन्हें विश्वित के कन्दीय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्थ होंगा को उस अन्याय में विश्वा गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 2ए (निर्माणाधीन) नेहावीप, डी-2, कार्लिदी, नई दिल्ली क्षेत्र लगभग 2148 वर्ग फीट 1 फीहोस्ड ।

> अशोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली~110002

दिनांक: 12-8-1986

प्रकथः बार्चः दीः एतः, एस्.,------

माधकर मिर्मिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासन, सहायक नायकर नायकर (निश्रीका) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/2/37ईई/3-86/
18--अत: मुझे, अशोक कक्कड़,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा

इसक परचात् उपसे आधानयम कहा गया हा, का चारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरंग है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उपनित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 1वी, है तथा जो सागर अपार्टमेंट प्रथम खण्ड किल ह मार्ग में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में पूर्व कप से विजत है), आयकर अधिकारी के वार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिकियम, 1961 के अधीन दिनांक मार्च 1986,

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे एरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है कि—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में दायित्व में कमी करने या उससे जबने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी जान वा किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वास प्रकट महीं किया प्या भा या किया जाना जाहिए का, जिपान में सुनिधा के किया;

दतः जान, उक्त आँभीनयम की भारा 269-ग के जनुसरण मों, मीं., उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री गुरपाल सिंह आनन्द एण्ड राजेन्द्र सिंह **मानन्द** सुपुत्र खजान सिंह आनन्द ।

(अन्तरक)

(2) राजकमल होल्डिंग एण्ड ट्रेडिंग प्रा० लिमि० 1103, रहेजा सेंटर नारीमन प्यांइट 1 बम्बई (अन्तरिती)

को यह भूचना जारी करकं पूर्वोक्त सर्पात्त के वर्षन वी तिथ

क्षमत संपत्ति को अर्जन को अर्जन में करेंद्र भी करनेप ब-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवादा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकी।

स्पट्याकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयक्षर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया हैं।

धनु सूची

1 बी, सागर अपार्टमेंट प्रथम खण्ड 6 तिलक **भागे, मई** दिल्ली, 1700 वर्ग फीट

> अशोक कमकड़ सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण); अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12-8-86

मोहर 🎉

प्रथण दार्च . टी . एव . प्रचार परामाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

नार्थ व्यक्तार

कार्यासम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रज्जान रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 श्रगस्त 1986

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/3-86/19-तः मुझे, श्रशोक ककड़,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिली एसमें इसके पर्वात् 'उक्त जिथिनियम' कहा वयर हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 4वी, है तथा जो सागर ध्रपार्टमेंट 6, तिलक मार्ग में स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूची में पूर्व रूप से विगत है), धायकर प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली ध्रर्थन रेंज-2 में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रधीन दिन कि मार्च 1986,

- (क) अन्तरक प्रश्ना किसी बाय की वावस्तः अपरा अधिनियम में अधीन कर दोने में अन्तरक में शांवरच में कतीं करने वा उससे वच्चों में सुविधा से किस्: संडि/वा
- (क) एकी किसी आब या किसी धन या जन्य वास्तियों की चिन्हों भारतीय नायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अल्लिरती ब्धारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुनिया के लिए।

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज के जगृतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (I) श्री वी०एन० कपूर I22, फैंजाबाद रोड, लखनऊ यू०पी० (श्रन्नरक)
- (2) पृष्पा क्रुमारी अग्रवाल, 5सी सागर अपार्टमेंट, 6 तिलक मार्ग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रों उस सम्पत्ति के नर्जन के जिए कार्यनाहियां कारता हूं।

खनत सम्परित 'को अर्थन को सम्बन्ध में नप्रोई भी आक्षोब ह---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्प्रत होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में सं विक्ती व्यक्ति ब्राया;
- (क) इस स्वाम के शावपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 पित के भीतर तक स्थावर सम्पन्ति में हिसबद्ध किसी अन्य क्योंकि इचारा अर्थाहरूलाक्षरी के पास लिखिन प्रों किस बाहकीये।

स्थव्यीकरणः --- इसमें श्यक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित ध्री बही वर्ष होगा को उस अध्याद में दिशा प्रमा ध्रीक्ष

ARM THE

रा नं अ की सागर श्रयार्टमेंट, 6 सिकक मार्ग मार्ग, नई दिल्ली लोज-होस्ड ।

> श्रगोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2 दिल्ली,नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-8-86ज मोहर :

प्ररूप आहें ही, एन , एक क्रान्स्वरूप

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंश-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 ग्रगस्त 1986

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/3-86/20--ग्रतः सुझे, श्रशोक कक्कड़,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह क्रियास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्ठीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 212, है, तथा जो 2 तिलक मार्ग, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रायकर अधिकारी के कार्यालय, धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन फरवरी, 1986

को प्रतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोंकत संपरित का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे 'दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है '

- (क) बन्तः रण से हुन्द किली बाब की बाबस बन्द वीध-शियम के जभीन कर वेगे के नंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविवा के निए; वरि/वा
- (क) ऐसी किसी जाय का किसी धन या जन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कं अधीन, निम्नलिमितः व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) रिवन्द्रा प्रोपरटीज प्रा० लिमि०। 2, तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री नीह सलुजा एलन रालर फ्लोर मिल्स, पो० श्रो० इजातनगर, बरेली,यू०पी०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कार्ड भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाहा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वगृस्ची

फ्लैट सं० 212, तावादी/दूसरा खण्ड ग्रुप हाउसिंग काम्पलेक्स 2 सिलक मार्ग, नई दिल्ली । 1500 वर्ग फीट।

> श्रशोक कलकड़ सक्षम प्राधिकारी, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनोक : 12-8-1986

प्रकल बादी, टी. एव. एव.,-----

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा २२०-भ (1) के अभीत स्पना

क्षा क्षा क्षा करणा है

कार्यालय, महायस आधकार बायकत (विरोक्तिक) शर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/27ईई/3-86/21---धतः मुझे, अशोक कक्कड़,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाषा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्का अधित बाबार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 202, है तथा जो दूसरी मंजिल, 2, ति तक मार्ग, नई दिल्लो में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाधक श्रानुसुची में पूर्ण रूप से वॉणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्गातप, प्रजीत रेंग-2, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 नई दिल्ली के श्रधीन दिसांक मार्च 1986

को पूर्वेकित सम्पत्ति को उजिया बाजार मुल्य से कर्ज के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके सण्यमान प्रतिफल सं, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बन्तरिती (अंतरितिवों) के बीच एचे बन्तरित के लिए उब पावा प्रया प्रतिक का विश्विक के बीच एचे बन्तरित करारण विश्विक में बाक्तिक का विश्विक में बाक्तिक का विश्विक में बाक्तिक का विश्विक स्वां का स्था है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नत जब, उनत समितियम कौ भारा 269-न सी सन्वरण मैं, मैं, उनत अधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ सभीत निकातिकत स्वित्यों, अर्थात ह—— 7—236GI/86 (1) रिवन्द्रा प्रोपर्टीज (प्रा०) लि०, 2,तिलकमार्गनईदिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रनुपमा कौरा, निवासी——21, पार्क पृष्या, वरोलंबाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह ब्वन वारी करके प्रामित सभ्यति के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित बिद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पटिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वप्सची

फ्लैंट नं० 202, तादादी-1500 वर्ग फिट, दूसरी मंजिल, मुप हार्जीसग काम्पलेक्स, 2, तिलक मार्ग नई दिल्ली।

श्रशोक क्षकड़ सक्षम प्राधिचारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) श्रक्तनरेंज-2 दिल्ली,नईदिल्ली-110002

दिनांक: 12-8-1986

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के घंधीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरोक्षण)

अर्जंन रेंज-2, नई दिल्स नई दिल्ली, दिनांक 12 ग्रगस्त 1986 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37हई/3-86/ 22---श्रतः मुझे, ग्रशोक कक्कड़,

लाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्त पधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विक्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- फ. से मधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पर्लंट सं० 112, है तथा जो 2, तिलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुस्त्री में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, भारतीय ग्रायकर अधिकारी के प्रायति (१), रई कि ग्रिय

को पूर्वीक्ल सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्थास करने का कारण है कि सभा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रति-

पूर्वोक्त सम्परित का उच्नित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रति-फल से ऐसे स्वयमान प्रतिप्तल का पन्त्रह प्रतिस्तत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंत-रण के लिए त्य पाया गया प्रतिपक्ष, निम्निमिस्त उद्देष्य से उक्त अंतरण निस्ति में बास्तियिक रूप से कथित नहीं किया चया हैं ह

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबस, अक्त जिथितियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/व्य
- (क) एंसी किसी जाय का किसी धन या अन्य आहितयों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के आएं;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं रिबन्द्रा प्रोपरटीज (प्रा०) लि॰, 2, तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री इन्दरजीत सिंह, v-8/7, बसन्त विहार, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

की बहु सूचमा चारी करके पूर्वोक्त सम्पर्रेस्त की अर्चन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बक्त सम्मत्ति के बर्चन के सम्हल्य में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताअर्री के पास विविद्ध में किए था सकोंने ।

स्यद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त स्रीधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ स्पेगा जो उस बध्याय में दिया समा है ॥

अमृस्ची

पलट नं ० 112, तादादी-1500 वर्ग फिट, पहली मंजिल, ग्रुप हाउसिंग काम्पलेक्स, 2, तिलक मार्ग, नई दिल्ली ।

> श्रमोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-11000%

दिनोक: 12-8-86

४६४ बार्व हों व हुन्य पुरु_क-----

शायकर निर्मानवन्, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) में स्पीत ब्रुवन

BILL SERIE

क्रवीवन . बद्दानक मानक इ मानुकत (रिनडीक्च)

• ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 श्रगस्त 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/3-86/ 23--ग्रत मुझे, अशोक वक्कड़

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इनके इसके पश्चात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मुक्न 1,00000/-क. से अधिक हैं

स्रोरिति तही लं॰ पर्नेट लं॰ 506, है तथा जो 2, तिलक मार्ग, नई दिल्ली में चिया है (स्रीर इससे उपायद अनुसुची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, भारतीय स्रायकर अधिनियम 19 1961, नई दिल्लो के स्रधीन, दिनांक मार्च 1986

को पूर्वोकः संपत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के **धन्यमान** प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया मया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बाधनियम के अभीन कर दाने के बन्तरक के दाभित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा में जिए; बीर/यः
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों .को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, विवान में नृविधा वी किए?

नतः अव, उन्तं विभिनियम की भारा 269-न वै वनुसरक में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) वै क्रभीन, निम्नतिविद्या स्वनित्यों अवर्षित् क्रम्में 1) मैं॰ रिवन्द्रा प्रोपरटीज (प्रा॰) लि॰, 2, तिलक मार्ग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

मैं० सोना इण्टरप्राइजेज,
 ए-1/149, इन्दरपुरी, नई दिल्ली ।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त चम्पत्ति के वर्षन् के निर्क्ष्

उन्त रुम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस को 30 दिन की जबिध, जो भी नविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अभीहस्ताक्षरी के पास विशिष्ठ में किए जा सकेंगे।

स्थाकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उत्तरु अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं॥

अनुसूची

फ्लैट रं० 506, तादावी-1500 वर्ग फिट, पांचवी मंजिल, ग्रुप हार्जीसंग काम्पलेक्स, 2, तिलक मार्ग,नई दिल्ली।

> श्रमोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रमंन रेंज-2, विल्ली नई दिल्ली-110002

विनोक : 12--8--86

प्ररूप बाड़ . ट<u>ी.</u> एन. एख_{...} 🛪 - 🧸

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-क (1) के अधीन सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1986

निदेश संव आई० ए० सी०/एक्यू०/2-37ईई/3-86/24, अत: मझ, अशोक कक्कडु,

मायकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्कास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृज्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

भीर जितकी संव पलैट नंव 114, है तथा जो 2, तिलक मार्ग नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुनी में भीर पूर्ण रूप वर्षणत है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, नई दिल्ली के अधीन तारीख मार्च, 1986,

करे पर्वाक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल सं, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का गद्रह प्रतिपत्त से अविक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरिध्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्बद्ध से उक्त अन्तरण लिखित में धान्तिक ४५ से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उपक्ष बीधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में बुविधा के लिए; बीट्र/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धम या बन्य बास्तियां को, जिन्ही भारतीय लामकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुधिधा के लिए.

अतः भण उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, पक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं रिवन्द्रा प्रोपर्टीच प्रा० लि०, 2, तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) अमार गण्ता, पूनम गुण्ता, निवासी—55, डी ॰डी ॰ए ॰ फ्लैंट, सिद्धार्थ इन्बेसेव, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्मित्त के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उक्द सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की सर्वाध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की सर्वाध, जो भी अवधि सर्व में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:----इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो अक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हों, वहीं अर्थ हरेगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हों।

अनुसूची

पलैट नं० 114, तादादी-1500 वर्ग फिट, 1ली मंफिल, ग्रुप हाउसिंग कापलक्स, 2, क्षिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> अशोक कक्कड़ स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-2, नई दिल्ली

तारीखा: 12-8-1986

प्ररूप आहू . टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के ब्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1986

शिदेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/3-86/25, अत: मुझे, अभोक कक्कड़,

कायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सापित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,05,000/- रु. से अधिक हैं

श्रार जिल्ली सं० फ्लेट नं० 5, है तथा जो स्पेस नं० 8 5, 8 6, 77, श्रार 86ए, 6, तिलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनुसूची में श्रार पूर्णक्ष से विणत है), रिनस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, भारतीय आयकर अधि-नियम, 1961, नई दिल्ली, आयकर 1961 के अधीन तारीख मार्च, 1986

को पूर्वोक्त संस्थित के लियत बादार मृत्य से का के स्वयं जान विशिक्ष के लिए अन्तिरिया की भर्ज है कीर मुक्के यह विश्वास द्वारण की का कारण ही कि बधापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधिक बादार वृद्ध, उद्धा दिवसा प्रतिकत से, एवे रख्यान प्रतिकत का प्रतिकत का प्रतिकत से किया प्रतिकत से एवे रख्यान प्रतिकत का प्रतिकत से अधिक है भीर जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अस्तिरितियों) के बीच एमें अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उत्त कम्तरण लिखित में भास्तिवक रूप से कथित नदीं किया गया है। ।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने से स्विष्ण के लिए;

सक्त अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अब अधीन, निस्तिलिशित व्यक्तियों. अधीन ६──

(1) कार्यएघल्स प्रा० लि०, ताराभवन- (प्लेत) ब्लू-वर्ड-2, श्रीनगर, कश्मीर-190001

(अन्तरक)

(2) सोनिका कामोरेस प्रा० लि०, बी-34, सागर-अपार्टमेंटस, 6, तिलक मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

आ बहु स्वमा दारी करके पृत्रांक्त सम्परित के अर्थन के सिय कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई जी बाक्षप्:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (ब) इस स्वना के राज्यका में प्रकासने की तारीब वें 45 विक के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबब्ध किसी जन्य स्विकत ब्यास सभोहस्ताक्षरी के पान जिबार में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रश्वत शंब्दो - शौद उल्ले च्या, श्री उक्त श्रीधिनयम क अध्याय २०-क शें परिशाधित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यक्ष में दिया गया ही।

अनृस्ची

प्लेट नं०-5 (11) श्रौर 4 कार पाकिंग स्पेस नं० 85, 86, 77-श्रौर 86ए, सागर अपार्टमेंटस, 6, तिलक मार्ग, नई दिल्ली। 1095 वर्ग फीट।

> अशोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-2, नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1986

प्रकार बार्ड द्वी तुन् पूर्व .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **पाय 269-व (1) के वधीन स्वा**ग

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-2, न**ई विल्ली** नई विल्ली, दिनांक 12 अगस्त, 1986

निदेश सं० आई० ए० सीः०/एक्यू०/2/37ईई/3-86/26, अतः भन्ने, अशोक कक्कड.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

घोर जिन्नकी सं० पलैंट नं० 403 है तथा जो 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबज्ञ अनुमुची में घौर पूर्ण-रूप में बाणत है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, में भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्ज, 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जार मुख्ये यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में अस्तरिवृक्ष रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुद्दै किसी मात्र की, बावत, अक्त मिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में अमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) इसी मिली बाग या किसी भग ना अन्य बहिस्तयों को जिन्हों भारतीय जायकर ग्रीभीनंदन, 1922 (1922 का 11) या उनता जिमिनयन, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकंट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए भा, कियाने में तृत्रिभा केंनिए;

(1) मैं० रिवन्द्रा प्रोपर्टीण प्रा०लि०, 2 तिलक मार्ग, नर्हि दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमिति राज आहूजा परित स्व० श्री जी० आर० नाथ श्रीर एन० एन० आहूजा पुत्र श्री स्व० जी० आर० आहुजा निवासी—21, पार्क एरिया, नई विल्ली । (अन्तरिती)

का वहं सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के किय कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के शर्कन के सम्बन्ध में कांद्र भी वाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी मन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के जंब तिस्ति में किए जा सकरें।

स्पर्शीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही व्यों होना वो उस अध्याय में दिवा नया है।

अनुसूची

फ्लैट नं ० 403, तादादी-1500 वर्ग फिट, ग्रप हाउसिंग-कम्पलैक्स, 2, तिलक मार्ग, नई दिल्ली ।

> अमोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

कतः वदः, उक्त जीविनियम की भारा 269-ग के अनुसदण हो, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 12-8-1986

प्ररूप आहे. टी. एन. एस..-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

.कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 12 अगस्त, 1986 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/3-86/27,

अतः मुझे, अशोक कक्कड़

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० हाउस नं० 0-36, लाजपत नगर, भाग-2, में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसुनी में भौर पूर्णरूप से विणा है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, भ्रजेंन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दूरबमान प्रतिफल को पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तां किया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिकत उद्वेषस्य से उक्त अन्तरण किवित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है के

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बांबत, उक्त अधि-नियम के जभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे सचने में सुविभा के लिए? और/या
- (क) ऐसी किसी क्षाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भगरतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए;

जतः अथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग करी उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) एस० बलवीर जिंह कौधरी, डीब71, गुलमोहर पार्क, नई दिल्लीब110 049

(अन्तरक)

(2) निमी चनाद जैन एणः पुत्रक वर्धन जैन, न्यू शेंसिकालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्योका, जो उक्त अधिनियमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्पी

मकान सं० 0-36, लाजपत नगर, भाग-2, भई दिल्ली-1100241

> भशोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1986

मोहर ह

त्रक्य वार्ड ,डो . एव . एव , ::-::-

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन त्वना

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक बायकर बायक्स (निरीक्षण)

ग्रर्भन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 ग्रगस्त, 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/3-86/27ए, ग्रतः मझे, ग्रशोक कक्कड,

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रूप्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1.00,000∕- फ. से अधिक **ह**ै

धौर जिसकी सं०

है तथा जो कार्या नय स्पेस चौथा खण्ड प्रताप भवन, में स्थित हैं (श्रौर इ नसे उ गब ब प्रनुप्तची से प्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रायकर ग्रिधकारी के कार्या नय, ग्रर्जन रें ज-2, नई दिल्सी में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रधीन तारीख मार्च, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए।

कतः अका, उकत विभिन्तियम की भारा 269-मं के विभूतरण भी, मी, उकत अधिनियम की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीतः :---

(1) कलाश नाथ एण्ड एसोसिएटस, 1006, कंचन जंगा, 18,वसास समना रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मिसेज लिलना देवी रुईया ग्रीर शिव कुमार रूड्या 122, बी, कथा स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के शीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाकतीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उसके अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उकके अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कार्यालयं स्पेस तादादी 750 वर्ग फीट (लगभग) चौथा खण्ड, प्रताप भवन, निर्माणाधीन हैं 1 लीज होल्ड ।

> श्रशोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) श्रर्जनरें ज-2, नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1986

प्रारूप आर्ची .टी .एन .एस्ट _{या स्टब्स्ट} महाराज्य

आथकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 श्रगस्त, 1986

निदेश सं० श्रार० 1908/37ईई/86-87/बी-- श्रतः मुझे, श्रार० भारहाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 53, प्लाट नं० 7, II फ्लोर, रिचमण्ड रोड, नेना टैरेस, बंगलूर है तथा जो बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारोख 2-12-85

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के रहयमाम प्रतिप्रल के लिए जन्तरित की गई और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार प्रमुख, उसके दृश्यमान प्रतिप्रल से एसे दृश्यमान प्रतिप्रल का पन्द्रह प्रतिपात से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिप्रल, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) बन्तरण हे हुई किती बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वयन में सुविधा के लिए। और/मा
- (क) एंबी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या जन्म अधिनियम, की धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना थाहिए था, स्थिपाने में मुविधा जी किए;

शतः शवः, उक्त सीधनियम काँ धारा 269-ग को जनुतरक भाँ, माँ, उक्त सीधिनयम की धारा 269-ग की क्षेत्रधारा (1) में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—-3—236GI/86 (1) मेसर्स जे० जे० ग्रपार्टमेंटस नं० 711, पदमा टावर, राजेन्द्र प्लेम, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) गीता रानी मुखर्जी, नं० 203, सोम्मरसेट प्रपार्ट-मेंटस एम० जी० रोड, बंगलूर-560001

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृथींक्त सञ्पत्ति के अर्थन के बिस् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्मोत्त के नवीन के तंबीय भी कोई। भी बाक्षीय ह—-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में त्रकालन की तार्रींख वें 45 दिन की अवधि या तर्सम्बन्धी व्यक्तिकी पर स्वान की तामीक से 30 दिन की व्यक्ति, वो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिशः
- (क) इत स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तश्रीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा संकींगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रगुक्त कव्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा भया ही।

अनुस्ची

(दस्सावेज सं० 1677 तारीख 2-12-85) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 53, प्लाट नं० 7, III फ्लोर, नैना टेरेस,रिचमण्ड रोड,बंगसूर।

> न्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीखा: 4-8-1986

प्रस्य बाह्ये ही एव एक ------

बासकर विभिनियस, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुवना

शास्त्र सरकाष्ट्र कार्यासय, सहायक गामकड गामकत (निर्दाक्रक)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगसूर, दिनांक 5 ग्रगस्त 1986

निदेश सं० 49402/85-86— श्रतः मुझे; श्रार० भारताज, बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कार्य क्यांत र्यंत अधिनियमं कहा गया है), की भारा 269-व से वर्धान संक्रम प्राधिकारी को यह विकास करने का स्थारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका जिल्ला वाजार मृत्य 1,00,000/- एउ से विधिक है

भीर जिसकी सं० 18 है तथा को विश्वनाथ राव रोड, माबलंकर एक्सटेंशन बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजण्ड्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बंगलूर में रिनस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 18-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूस्य ते कम के स्ववाध बिल्लस के जिए बंतरित की नवी है और मुख्ये यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्वित बाबार मृख्ये, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए'से स्वयमान प्रतिफल का चलाइ भौतफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच ए'से अन्तरण के निए तय बाबा गया प्रतिफल, निम्नतिविक्त उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिविध वे वस्तरिक क्य के किथा नदीं किया गया है।

- र्रेशनी मण्डरण ही शुर्ध कियाँ बाध की शबक, उपन भौगीनवन के स्थीत कार रोगे में अन्तहरूक थी वावित्व में अभी करने या उपने महाने में सुविधा भी किए; मीर/वा
- (व) ऐसी किसी नाम वा किसी क्य का कवा जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नामकर निर्मित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मित्यम, या भनकर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजपार्थ निर्मित्ति क्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जावर चाहिए था, क्लाने में सुविधा के किए,

नितः धनः, उमतः शीधीनयन की धारा 269-ग के नत्त्ररण की, नी, उनत जीधीनधभ की वादा 269-म की वस्थारा (१) के अधीनः निम्नातिचित व्यक्तियों, संश्रीत्

- (1) श्रीमित के० पी० सरदम्मा नं० 18, विश्वनाथ राव रोष्ड, माधव नगर एक्सटेंशन बंगलूर-1
- (ग्रन्तरक)
 (2) जीवराम ग्रीर ग्रादर्श होलसेल कलाथ मचेंट डी०

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ॥

रासलेन, चिकपेट, बंगलूर-53

बक्त क्रमित के बर्चन के तंबंध में कोई भी मार्क्य :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की नविध या तत्त्वस्थन्थी व्यक्तियों वह सूचना की तानील से 30 दिन की नविध, वो भी नविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ स्थितियों में से किसी न्यन्ति बुवाय;
- (क) इस सूचना के साजपन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के औत्तर उक्क स्थावर सम्मत्ति में दित-बब्ध किसी जन्म स्थावत ब्वारा, स्थाहस्ताकारी के बाद सिविक में किए वा स्केंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनयम, के बच्चाय 20-क में परिभाविष्ठ ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याव में विका वया ही।

मगुष्ची

(दस्तावेज सं० 2413 ता० 18-12-1985)। सब सम्पत्ति है जिसका सं० 18, पुराना सं० 43, विषय-नाथ राव, माधव नगर, एक्सटेंशन, बंगलूर-1 कारपोरेशन डिवीजन सं० 44

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 5-8-1986

मोहरः

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगल्र बंगल्र, दिनांक 5 श्रगस्त 1986

निदेश सं० मार० 1913/37ईई/ 85-86-- स्रतः मुझे, भार० भारदाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन प्रक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 237 है तथा जो डिफेंस कालोनी इन्दिरा नगर, है तथा जो बंगलूर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबत अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्या-लय; बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 2-12-1985

को पूर्व क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल हे लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का का एण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पायण गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में बुविधा के डिग्र; और/या
- (६) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जत: भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वो, मैं', उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीर्ा निम्निचित्र व्यक्तियों, अर्थात् ४—— (1) 1. सुकुमार रामनन 2. सुकन्या लग्ध्मीना रायण नं० 37/16, येल्लप्प चेट्टिले धाँट ग्रलसूर रोड बंगलूर ।

(भन्तरक)

(2) मेसर्स गोपालन एण्टरप्राईचोज नं० 21/1, भार० वी०रोड, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्ति के अर्जन के लियु कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ए---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र ती प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यावस द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁵।

सम्स्ची

(दस्तावेज सं० म्नार० 1913 ता० 5-8-86) खालो जगह नं० 237, जो बिन्तमंगल ले म्नाउट, इन्दिरा-नगर, बंगलूर में उपस्थित है।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रें जस, बंगलूर

तारीख: 5-8-1986

प्रकप् भाइं. दी. एव. एस्. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक माधकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 अगस्त 1986

निदेण सं० सी०ग्रार० 62 /49526/85-86-- ग्रतः मुक्को, ग्रार० भारद्वाज,

आगाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें बदणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीय समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संबंधित जिसका कृतिक बावार सून्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं।

मीर जिसकी सं 18 है तथा जो जयमहल रोझ, बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है),रजि-स्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रजिल्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारी ख 20-12-85 को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्री क्व को लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारफ है कि संभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ता शिरात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-स्ता (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के लए तय पाया गया श्रीस्थल के जन्ति से किसत उद्योध से उनत अन्तरण निवित्त में कृत्यक रूप से किशत सहीं किस्स गया है है—

- ्ष) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के क्शीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए: और/या
- (भा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय अध्यक्षद्र अधिनियम, १ 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिक्षध के लिए।

कराः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्री सी॰ ग्रासोक मोनन्पा, नं॰ 18, जयमहल रोख, बंगलूर।

(श्रन्तरक)

(2) 1 सैयद तस्कीन श्राग, 2 सैयद नस्सत बानू, 3 सैयद सलीम श्राग, नं० 29, काकबर्न रोड, बंगलूर।

(श्रन्तरिती)

की यह स्थान चारी करके पूर्वोक्ट सभ्यक्ति ही बर्चन है हिस्स कार्यभाहियां करता हूं।

स्वत सम्मतित के वर्धन के तत्वम्थ में कोई भी आक्षप हुन्न

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन् की जनीभ मा तस्सम्बन्धी व्यक्तियों वर् ज्वा की शामीस से 30 दिन की नविभ, को भी नक्षि गय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इक्ष सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन को तारीन हैं

 4.3 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष

 किसी चन्य कानित ब्वारा अध्योहस्ताक्षरी के पास
 किही का में निष्य का सकति।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, तहीं वर्ष दिया, को उस वध्याय के दिया क्या है।

अनुसूची

सम्पत्ति है जिसका सं० 18 जो जयमहल रोड, जयमहल, बंगलूर-46 ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रें जे, बंगलूर

तारीख: 7-8-1986

प्रक्ष भार् .हो .एन .एस ...------

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सुचन्ना

भारत तरकार

क्रार्याच्य, सहायक आयकर नागुक्त (निरीधण)

ग्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 22 जुलाई 1986

निदेश सं पि० श्रार० तं० 4263—श्रतः मुझे, ए०के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं)।, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव टीव पीव एसव नंव 29 एफव पीव मकान जमीन के साथ है तथा जो 12, जितरं जन कोव्हाव्हाव सोसाइटी में, मेमन रोड, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-12-85

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल सं, एसे ध्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के शिष एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिठ उद्देश्य से उक्त अन्तरण निजित में आस्तिक रूप से कथित पृष्टी किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचाने में, सुविधा के लिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री नवनीत लाल बालाभाई, 'रबी' गुजरात कालेज के सामने, एलिस क्रिज, ग्रहमदाबाद-6
 - (ग्रन्तरक)
 - (2) श्रोमित मालतीबेन चीनुभाई चोकसी 12, चित-रंजन को०ग्रा०हा० सोसाइटी सेंट, जेनियर्स हाईस्कूल के नजदीक, मेम नगररोड, श्रहमदाबाद-13 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्ज्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं से 45 दिन की अविध मा तत्सं मंधीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जरें भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अमसची

टी०पी०एस० 29, एफ० पी०नं० 186 12, चितरं को०ग्रा०हा० मोनाइटी मेननगर रोड मकान जमीन के साथ रजिण्ट्रेशन नं० 10466/18-12-85

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारीख 22-7-1986 मोहर ३ इस्य नाइ ु डी ु एव , एइ . ------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वभीत सुवना

भारत वरकार

कार्यस्य, बहारक वारकतुः वार्यसः (निर्देशक)

धर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई, 1986

निदेश सं० पी० ग्रार०नं० 4274--- ग्रतः मुझे, ए० के० सिन्हा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विदेवास करने का कारण हैं। 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित आजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० खुला जमीन क्षेत्रफल 131 वर्ग या तथा जो 22, 22 जगन्नाथ प्लाट, राजकोट में स्थित है (श्रीरइमसे। उपाबद्धश्रतुमुची में श्रीर पूर्णक्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय, रजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रीक्षित्यम 1908 का 16) के श्रिथीन, तारीख 13512-1985,

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के द्रियमान प्रियम के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके द्रियमान प्रतिकास से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त कम्तरण किश्विक के बास्तविक रूप में किथा नहीं किया गया है हु——

- (क) अन्तरण वे हुई किसी जान की नानग्र, उन्तर अधिनित्त के अधीत केल को की बंदरक के वाजित के क्रमी कारने या अस्ते वज्ये के सुविधा के सिए; मुटि∕या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य शास्तियों को, दिवसूँ भारतीय जामकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती इवारा प्रेकट नहीं किया गया वा वा किया चाना शाहिए था, कियाने में सुविधा वी सिए;

(1) श्री गिरिजाशंकर श्यामप्रसाद रावल हरगोबिन्द दास मजूमदार मार्ग, धनबाद (बिहार) । (ग्रन्सरक) (2) मेसर्स जगन्नाथ इन्टरप्रार्धजोज मार्फस श्री संजय

(2) मेसर्स जगन्नाथ इन्टरप्राईजेज मार्फत श्री संजय करजनभाई गोबानी 32, श्रमी श्रपार्टमैंट, गिरनार सिनेमा के सामने, राजकोट।

(भ्रन्तिरती)

को बहु बुचवा जा<u>री कारके पूर्वोक्स सम्मति</u> के अर्थन के जिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध हो कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) दल त्यमा के राजपण में प्रकाशन की तारीच वें
 45 दिन की जगिंध या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तासील से 30 दिन की अगिंध, जो भी
 जगिंध मां समाध्य होती हो, के भीत्र पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से हिस्सी व्यक्ति हुनानः;
- (ख) इस सुभाग के राभपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्ब्थ किसी व्यक्ति ब्वारा, नभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थळीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उल्लाह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय से दिशा गया है।

अनुसूची

खूला जमीन क्षेत्रफल 1316 वर्ग यार्ड 21, 22 जगन्नाथ प्लाट राजकोट रजिस्ट्रेशन नं० 8562/1 3-12-85 ।

> ए०के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

सक्षः शक्ष, उक्त अधिनियम की भाषा 269-थ के समृतरम मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) धी सभीम, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, सथीत् :---

तारीख: 22-7-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार कार्यातय, सहायक क्षायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई, 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4265—ग्रतः मुझे, ए०के० सिन्हा,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से **अधिक है** चौर जिसकी संब्रुजीन का सोस्

श्रीर जिसकी सं० जमीन का श्रोमारन श्रोमारन प्लाण्ट विकटर बंगला र तथा जो स्कूल अस्पतार श्रीर स्टाफ क्वार्टर्स पोर्ट अस्बर्ट काडीबदर में जिला—श्रमरेली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रापुनो में श्रीर पूर्णे रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कार्यालय, श्रमरेली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीरन, तारीख 17-12-85

का प्वींका संम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार पृथ्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एांसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण किकत में वास्तिक रूप से क्षिण नहीं किया गया है ■—

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य अस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नुविधा के लिए।

अतः त्रका अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, सकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) सौराष्ट्र साल्ट वन्नर्भ, 6 -बी वाल्कन इष्ययोरेन्स, बिल्डिंग, बीर नरीमान रोड, बम्बई-20

(ग्रन्तरक)

(2) गुजरात देवी केमिकल्स लि०, 7 ठा मंजिला मिस्त्री चम्बर्स, खानपुर, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सेमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

अनु सूची

न्नोमारन न्नोमारन प्लान्ट जमीन का, विकटर बंगला, स्कूल । श्रस्पताल ग्रौर स्टाफ क्वार्टर्स पोर्ट श्रफीर्ट पर एडीबादर जिला-श्रमरेली ।

> ए०के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 22~7~1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद दिनांक 22 जुलाई 1986 निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4266—श्रतः मुझे ए० के० सिन्हा

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्लायकर अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन संक्षेम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० अमीन एफ० पी० नं० 28 (पी) सर्वेन०
23 (पी) टी० पी० एस० है तथा जो 18 राजपुर हरिपुर
जमीन क्षेत्रफन पर 235 वर्ग चालर्ड साथ में स्थित
है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन् सूची में पूर्ण रूप से विणित है
रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी 37ईई
श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रोकरण श्रीधनियम 1908 (1908
का 16) के श्रीधीन तारीख 30-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान मितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कार्यक एप से अन्तरण सिंहत

- (क) अंतरण से इर्क किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म- (1) श्री राजेन्द्र हर्षांदलाल शाह श्रीमती सुभद्रा बेन हर्षंदलाल शाह श्रीर श्री हर्षंदलाल शामलदाम शाह 1171, तलीग्रानी पोल, सारंगपुर, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गिरीण श्राई० पारीख सेकटरी लक्ष्मी क्लाथ मारकेट श्रोनसं एसोसिएणन मधूकुंज प्रग्ना सोसायटी नजदीक, नवरंपुरा, श्रहमदाबाद ।

'(श्रवतरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस तृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृजीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्ष किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए या सकोंगे।

स्मण्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीत एफ़० पी० नं० 28 (पी) सर्वे नं० 23 (पी) टो०पी० एस० 18 राजपुर हीरपुर जमीन क्षेत्रफ़ल 4235 वर्गयाई चालीके साथ 37 ईई दिनांक 30-12-1985 को कारले किया।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~1, ग्रहमवाबाद

दिनांक: 22-7-1986

प्रकृष आहु<u>। देरी पुत्र पुत्र व्य</u>ानन्त्रकारण

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक नायकर नाय्क्त (निर्देक्षण)

प्रजीन रेंगे-1, श्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1986

निर्देश सं० पी श्रार० नं० 4267—ग्रनः मुझे ए० के० सिम्हा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर निसकी सं० मकान जमीन के साथ प्रानकुंज श्रम्बावाडी है तथा जो टी० पी एस० उएफ० पी० 64.7 एस० पी० 10-वी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद प्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्नी श्रीधकारी के कार्यालय 37 ईई के कार्यानय सक्षम प्राधिकारी ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन तारीख 27-12-1985

की प्रविक्त सम्पत्ति की उचित बाजार नृत्य से कम के क्यानान मितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रथम, असके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिचात से अभिक है और मंतरक (वंतरका) जौर अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलित उद्देष्य से उचित अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :--

- (क) सन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त जिध-नियम के संधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे संघने में सुविधा के लिए; और/या
- ्यो प्रेसी किसी बाय या किसी थन वा बाल बाहिस्त्यों करें, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उच्च विधिनियम, या थन-कर अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा है लिया

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधान (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ए—— 9—236GI/86 (1) श्री बीपीनचन्त्र रनछोदलाल मेहता 11, पटेल सोसायटी, गुलबई टेकरा , एलिसाबज, ब्रह्मदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महेन्द्रभाई एच० सुतरीया चीफ प्रमोटर प्रपोजड सुखशान्ती की० श्री० ए० हा० सीसायटी, 10ए, प्रानकृंज श्रम्बावाडी शहमदाबाद ।

(भ्रम्तरिसी)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कैं अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हु।

बान्द संपत्ति के बर्जन के संबंध भा कोई भी आक्षाप ८---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (थाँ) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशभ की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए चा सकेंगे।

भ्यव्यक्तिरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं ज वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसा यस हैं '।

अन्स्ची

मकान जमीन के साथ प्रानकुंज में श्रम्बाबाडी टी॰ पी॰ एस॰ 3, एफ़॰ पी॰ 647 एस॰ पी॰ 10-बी, 37 ईई दिनांक 27-12-1985 की फाईल किया।

ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (नरिक्षिण) श्रजैन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 22-7-1985

ए० के० सिन्हा,

त्रकम बार्ड टी. एम. एस.------

नायकर सीधींनवस 1961 (1961 का 43) की धारर 269-थ (1) के संधीन स्वता

मारक सहकार

कार्यांसय, बहायक सायकर भावतत (निरक्षिण)

भ्रजीन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 31 जूलाई 1986 निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4268--यतः मु**म**

बायकर अभिनिक्त, 1961 (1961 का 43) विका इसके पश्चातः 'उन्तर अधिनिम' कहा गा है), की धारा 269-अ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वतः करमें का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० सी० एम० बार्ड नं० 1 स्ट्रीट नं० 165 सर्वे नं० 4823 भीर 4835 है तथा जो निर्मल नगर भावनगर जमीन मकान मशीनरी प्लान्ट भीर गुड़ज देड मार्क में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजन है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 37 ६ई र जिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908) के अधीन तारीख 19-12-1985

की पर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए जंतरित की नहीं है और मुम्ने यह निकास करमें का कारण है कि न्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ब्रुच्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) जौर (जन्तरिक्यों) के बीच एसे बन्तरच के लिए तय पाया नवा प्रतिफल, निम्मलिखित उद्विषय से उच्त जन्तरच निषित्त वास्तिविक रूप में किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आव की नावक, उनक नियस के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के सिए; नौड़/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अवः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ण के जन्सरण वा, वी, उक्त जीधिनियमं की भारा 269-ल की उपभारा (1) के जातिन निम्मीलिक्ति क्यक्तियों अर्थात :— (1) मैंसर्स भावनगर इलक्ट्रीसिटी कंपनी लि० पावर हाउस, निर्मेल नगर, भावनगर-364001 ।

(भ्रम्सरक)

(2) विप्रो लिमिटेड भक्तावर चौदहवां मंजिल, 229, बेकवें रिक्लेमेंशन, नारीमन पोईट, बम्बई-400021

(भन्तरिती)

को यह ब्रुचना चारी करके नृमीनत सम्पृत्ति के नर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां कुक करता हुई '।'

वक्त सम्पत्ति के वर्षन के तंबंध में कोई भी नाक्षेप ह—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाभ की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोड्स्टाशरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

अनुसूची

सी० एस० बार्ड नं० 1, स्ट्रीट नं० 165 सर्वे नं० 4823 ग्रीर 4835 निर्मल नगर भावनगर जमीन ग्रीर मकान प्लान्ट मशानरी की नीगड गुडम रा मेटियल गुड बिल ट्रेड मार्क ट्रेड नेम अपावर कने क्शन बेनी फिट श्राफ कोटा राईटस श्रादि।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-1, श्रहमदाबाद

दिनांक : 31-7-1986

भूक्ष मार्चु हो <u>तु पुत्र पुत्र तुम्</u>यसम्बद्धाः

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वे मेपीय बुज्या

THE PLAN

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई, 1986 निवेण सं० पी० श्रार० नं० 4269--श्रतः मुझ ए० के० सिन्हा,

आयकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भाड़ा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह निवदास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाकार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं टी पी एस की एफ पी 461/2 धीर 462 एस पी नं में जमीन तथा जो क्षेत्रफल 10034: 55 वर्ग यार्ड छोटे बडे खुल लायफ रोड़ जमी 102 वर्ग यार्ड में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची मैं भीर पूर्ण क्ष से विणत है) रिजस्ट्रीर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भ्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908का 16) के अधीन तारीख 17-12-1985

को पूर्वेश्वत सम्पत्ति के उचित नाचार मूल्य से कम को दस्तजान प्रतिफन. को सिए जन्तरित की गई है और मूक्षे मह निर्वास कहने का कारण है कि यथापूर्वेश्वत सम्पत्ति का उचित वाचार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए उस पाया बना प्रतिफल, निम्नीचित्रत उद्देश्य से उच्त बन्तर्य सिचित्र में शस्तिविक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (थं) अन्तर्भ से हुई किसी बाव की बायतः, उनक वर्षि-हिनयन से अभीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे वचने में मुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी थम वा बम्य वास्तिर्वां को जिन्हें भारतीय जायकर जिम्मिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भमकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए या, जियाने में स्विधा के टिक्ट;
- कर, अप, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री नौशीर मानेक्ष पटेल जगावत श्रम्बवाडी श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राकणभाई नरपत लाल णाह नुख्य प्रमटर प्रपोक्ष राधव एसोसिए शन नगी। पोल, रतन पोल, ग्रहमदासाव।

(भ्रन्तरिती)

को वह बुचमा प्रारी करके पूर्वोक्त संपत्ति थे। वृत्तं ह के विहु कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशोप :---

- (क) इस त्यान के ग्रायम में प्रकाशन की तारीश स 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ग्रायना की दासील से 30 दिन की सर्वीध, को भी स्वीध कार में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित स्वीयस्यों में से किसी व्यक्तिस्त हुवाग्रः
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकावन की तारीस से बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधोहरताक्षरी को 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्-पास निवित में किए वा सकेंगें।

स्वत्यीकारण '— इसमं प्रयूक्त सम्बागित वर्षे काः, वा उनके विभागित को सभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्थ होगा को उन्स सभ्याग में दिवा वजा है।

अनुसूची

टी पी०ए र० नं० एफ भो 461/2 श्रीर 462 एस० भो १८० ९ अमीदक्तकण 1034-35 वर्गथाई 40 छोटे-बड, रहने लायक मकान के साथ रोड, जमीन का क्षेत्रफल 102 वर्गथाई रिक्ट्रियन नं० 150669/17-12--85

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्रि£धकारी सहायक क्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, फ्राइमदाबा**द**

दिन।क: 31--7-1986

क्ष्म् बार् एटरिट्यम् <u>। युक्त श्रम्भागम् सम्</u>यक्षम

बायकड विभिनिय्म् 1961 (1961 का 43) वर्ष धाडा 269-म् (1) में स्पीन यूडामा

HISO SECTION

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1, अहमवाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई, 1986

सं०पी० ग्रार्०नं० 4270——ग्रतः मुझे, ए० के० ना

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहविष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं टी पी० एस० 6, एक० पी० 461/2 श्रीर 462 एस० पी० नं 0 6, जमीन 1057. 78 है तथा भी वर्ग यार्ड 40 छोटे बड़े रहने लायक मकान के साथ, रोड 102 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रीर इनने उनाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख 17-12-1985,

को ब्वॉक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से काम के क्यमान प्रतिकास को लिए बन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुग्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास सं, एसे दृश्यमान प्रतिकास का बन्तह प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब बाबा ज्या प्रतिकास, निम्निसित उच्चेह्य से स्वत्त बन्तरण् सिचित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया ज्या है !!—

- (क) बन्दरम से हुई किसी गाम की गामत, उन्हें की न पिनम में सभीन कहा की में मन्दरम के वाहित्य में कमी करने या उन्हों नमने में सुविधा में सिए; बार/ना
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अक्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना जाहिए था, जिन्या ब्रांशिया के सिया;

लतः अस, तक्त भीवशिषम की भारा 269-न भी अनुबद्धभ में, में उक्त भिधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निस्नितिक्षत व्यक्तियों, अर्थात् २(1) नौशीर मानेकजी पटेल, 'गायन्नी', ग्रावांबाडी, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्मरक)

(2) श्री जयेश कान्तीलाल शाह, मुख्य प्रमोटर-प्रपोज्ड ज्योति एसोसिएशन, नया वाज, ग्रहमदाबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्ट सम्पत्ति वृष्टिक के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

क्यत क्रमारित के बर्चन ने मुम्मान्त में कोई भी बार्बाद्य--

- (क) इब ब्रूचना में डाच्युक में प्रकाशन की ताड़ीक से 45 दिन की नवींच या तत्त्वन्त्रभी स्थितवर्धी पड़ स्चात की तामील से 30 दिन की नवींभ, को भी अपनित में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्य स्थितियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकारण की तारीब से 45 दिन के भीतर अक्त स्थानर सम्पत्ति में दित-बहुध किसी जन्म स्थानत ह्वारा जुधोहस्ताक्ष्ठी के पास निवित में किस वा सकेंचे ॥

सम्बोक रणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्यों का, जो उक्स जीपनियम के अध्याय 20-क में परिशाविक हैं, नहीं अर्थ होगा को उस कथ्यान में दिया ग्या है।

अनुसूची

टी०पी० एस० 6, एफ०पी 461/2 और 462 एस० पी० नं० 6, जमीन क्षेत्रफल 1057-78 बर्ग यार्ड 40 छोटे-बड़े रहने लायक मकाम के साथ और शेड का जमीन का क्षेत्रफल 102 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेशन नं० 15031। तारीख 17-12-1985।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1; अहमवाबाद

दिनांक: 31-7-1986

मोहर 😗

प्रकृत भाषां हुटी दुष्य दुष्य हुन-अक्टनक

बाय्कार विधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के वधीन क्षवा

HELD RESIDE

कार्यालय, सहाबक जायकर जायूक्त (चिर्यक्रिक)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई, 1986

निदेश सं०पी०आर० नं० 4271—-अतः मुझी, ए०के० सिन्हा

भागकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्तरं निभिनियम' न्द्रां पता हैं), की भाष्य 269-थ के नभीन सक्षम प्राधिकारी को वह निश्नास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका श्रीविक बाबार भूक्य 1,00.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० टी० भी एस० 6, एफ० भी० 461/2 और 462 एस० भी० नं० 7 जमीन 1007-55 याई 40 छोटे-बडे रहने लायक मकान के साथ रोड़ 102 वर्ग याई में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड़ अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीती अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम से कम स्वमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती म्बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्यदेश से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिचक रूप से किथत नहीं किया गया हैं—

- ्रिक्ष्म् वस्तारम् चं हुः चा विकासि वाय करि वायतः, वस्त्यः विकासित्यम् कं स्थीतः काष्ट्रः वोत्रे के सम्बद्धः कं वारित्यः भी कारी कारते वा सत्तते व्यवे की स्वीत्रधाः वर्षः (बाषः) कार्यः/वा
- (श) ऐसी किसी बाव या किसी भन गा बन्य बाजियां को, बिन्हें भारतीय बाय-कर बांधनियम, 1922 १1922 का 11) वा उपत बांधनियम, या यन-कर बांधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु—- (1) नौशीर मानेकजी पटेल 'गाण्ती' आंबाधाडी अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री परशोतम भाई नारनभाई मुख्य प्रमोटर प्रयोजंड भवानी एसोसिएशन चन्द्रगुप्त अपार्टमेंट आंबावाड़ी; अहमदाबाद ।

(अन्सरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के निष्
कार्यवाहियां करता हूं ।

उन्त तम्पति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ८---

- (क) इंड ब्याग के रायपत्र में प्रकाशन की वारीश से 45 दिन की सर्वाध या तत्त्रंतंथी व्यक्तियों पद सूचना की वानील से 30 दिन की शवधि, यो भी वृद्धि नाद में समाप्त होती हो, से भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धारा;
- (क) इस सूचना के राजवन में त्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उन्तर स्थानर संपत्ति में हित्त ब्र्थ किसी जन्म व्यक्ति इतारा नभोहस्ताक्षरी के पास सिविस में किए वा ककेंचे।

समस्त्रीकरूगः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

टी० पी एस० 6, एफ० पी 461/2 फ्रांर 462 एस० पी० नं० 7, जमोन क्षेत्रफल 1007-55 वर्ग यार्ड 40 छोटें-बड़े रहने लायक मकान के साथ, रोड़ जमीन का क्षेत्रफल 102 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेंशन नं० 15056 तारीख 17-12-85 ।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 31~7-1986

मोहर 🖫

प्रकल कार्य <u>टॉ.</u> पुन_् प्र_{क्ष}्यक्र

नायकर निपानियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) ने नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कार्यकर बाब्युक्त (निर्दाक्षक)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 31 जुलाई, 1986

निवेश सं० पी० आर० नं० 4272—अतः मुझे, ए० के० सिन्हा

बावकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं),, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ष हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

फ्रीर जिसकी सं० टीं० पी० एस० 6, एफ० पी 461/2 फ्रीर 462 एस० पी नं० 10 जमीन क्षेत्रफल 1032.89 वर्ग यार्ड 40 छोटे-बड़े रहने लायक मकान के साथ रोड़ 102 वर्ग यार्ड में स्थित हैं (फ्रीर इससे उपाबद अनुसूची में फ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीति अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-12-1985

की पूर्वांक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान वितिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिकत से, एसे ध्यमान प्रतिकत का पन्त्रह वित्यास के अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच ए ते अन्वरण के लिए त्रम पाया क्या प्रतिकत, निम्निलिखत उक्रें में उक्त अन्तरण लिखित में बालाविक रूप से कथित नहीं किया गया है क्षे

- (क) वन्तरण से हुई किसी बाक की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने हैं जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उग्रसे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन रा बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनयम, या धनकर बिधिनयम, या धनकर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदरिती स्वारा प्रकः नहीं किया गया या या किया जाना खाहिए णा कियाने में सुनिया के सिए;

अतः जन, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग जी अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिशित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री नौशीर मानेकजी पटेल 'गायत्नी' अवावाड़ी, अहमदाबाद ।

(अन्सरक)

(2) श्री मनभाई सेंधाभाई जादव मुख्य प्रमोटर-प्रयोजङ उर्वशी एसोसिएणन बी-जादव एन्ड कम्पनी 'विकम' आश्रम रोड़, अहमदाबाद ।

(अन्तरितीः)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के रावपन में प्रकाशन की शारीय के 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की ताजीब से 30 दिन की वनभि, को भी जनभि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तरा
- (क) इस ब्रुवना के राजपत्र में प्रकावन की बारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए का सकेंगे।

स्वब्दोकरणः -इसमें प्रयुक्त खब्दों और पवों का, को सवस अभिनियम, को बच्याय 20-क में परिभावित हैं, बहुी अर्थ होना वो उस अध्याय में दिमा नया है।

नगृत्वी

टी पी० एस० 6, एफ० पी० ए० 461/2 और 462 एस० पी० नं० 10 जमीन क्षेत्रफल 1032.89 वर्ग गर्ड 40 छोटे-बड़े रहने लायक मकान के साथ और शेंड जनीन का क्षेत्रफल 102 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेशन नं० 15037 तारीख 17-12-1935

ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजेड1, अ**ृमदाबाद**

दिनांक : 31-7-1986

प्रचम बाई .डी.एन.एव . ========

कारकर वीभीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) से बभीन सूचना

भारत चरुकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-1, श्रह्मदाबाद श्रह्मदाबाद, दिमांक 31 जुलाई, 1986

(मर्वेश सं० पी० आर० नं० 4273/85-86—अतः मुझे, ए० के० सिन्हा,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्णास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं टी॰ पी एस॰ 4, एफ॰ पी॰ 139, हिस्सा नं 2 दो मंजला मकान है तथा जो जमीन का क्षेत्रफल 604 वर्ग मीटर में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख 23-12-1985

क्ये प्योंकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृज्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृतोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिखत से अधिक है और बंतरक (अंतरका) बौर अंतरिती (अंतरितिमों) के बौच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्निलिक्ति उद्वेश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण ते हुइ किसी बाय की बाबता, उपध निधिनियम के जधीन कर देने के जस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुनिधा के सिए: बॉर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य झास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए:

सत- अब, उक्त आंधिनियम, की वारा 269-ग के अनुसरणी में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती प्रभावेन रमनलाल श्रंबलाल अमीन की विधवा पत्नी श्रीर श्री सुनील कुमार आर अमीन स्वामीनारायन मंदिर की वाडी के नजदीक मनीनगर, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री मानाजी प्रेमजी हीरानी भौर सात अन्य— लंडन के मुखत्यार—श्री बसन्त कुमार भलाभाई पटेल 'मुक्ता महल' स्वामीरायन मंदिर के सामने मनीनगर, अहमदाबाद ।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी अयिक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो शी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोफ्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन के भातर उकत स्थावर संपत्ति में हितवपुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णाव लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों बरि पहों का, को उच्च अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

टी०पी एस० 4, एफ०पी०नं० 139 हिस्सा नं० 2, दो मंजलामकान जमीनपरक्षेत्रफल 604 वर्गमीटर रिजस्ट्रेशन नं० 12078 तारीख 23-12-1985

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षग) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 31-7-1986

योहर:

प्रकृष् वार्थः हो । एन । एस् । ::----

आयक्तद अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत तरकार

कार्यात्तय, तहायक जायकर आयुक्त (निर्मेशक) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 31 जलाई, 1986

सं० पी० आर० न० 7274:——अतः मुझें, ए०के० सिन्हा,

कायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इत्तरों इसको पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या टी० पी० एस नं० 6 एफ० पी० 461/2 श्रीर 462 एस०पी० नं० 8, जमीन है तथा जो 1056,55 वर्ग यार्ड 40 छोट बड़े रहने लायक मकान रोड जमीन 102 वर्ग यार्ड में स्थित है (और उससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन्त बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतकाल के लिए जन्तिरित की गई हैं बौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त बम्पत्ति का स्वित बाजार मूल्य, उसके स्थममान प्रतिपन्न से, एसे स्थममान प्रतिपन्न के पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरित (जंतरितियों) के बौच ऐसे जंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिपन्न, मिम्नलिकित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिक क्या से कार्यन के किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, बक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में केमी करने या उससे वचने में स्विधा के सिए; और/बा
- (क) एसी जिल्ली काय या किसी भन या अल्य जास्तियों को, जिल्हां भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

जन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण को, को उक्त अभिनियम की धारा 269-व की वपधारा (1) के जभीन किलाबित व्यक्तियों, अधित् ढ—- श्री नौशीर मानेकजी पटेल 'गायती' आबावाडी, अहमदाबाद।

(अन्सरक)

2 श्री धीरजभाई राजमल भाई प्रमोटर प्रपोजड दर्शन ऐसोसियेशन नया थाडा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के वर्षन के किस कार्यवाहियां अच्छा हुई।

समत संपत्ति के वर्णन के संबंध को कोई भी जाकोर ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो की जबिष बाद में समाप्त हातेती हो, के जीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिवित में किए वा सकींगे।

न्यक्षीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, वा अवत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा, जी उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

टी० पी० एस० नं० 6 एफ० पी० 461/2 श्रीर 462 एस० पी० नं० 8 जमीन क्षेत्रफल 1056.55 वर्ग यार्ड 40 छोटे बड़े रहने लायक मकान के पास श्रीर शेड जिमीन का क्षेत्रफल 102 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेशन नं० 15057/1 17-12-1985।

ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

ता**रीख**: 31-7-1986

प्ररूप आई. टी. एम. एस. -----

षायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) की धारत 269-म के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यातरः, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त, 1986 सं० पी० आर० नं० 4275:—अतः मझें, ए० के० प्रन्हा,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्णात् 'उक्त निधिनियमें कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कीं, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिपकी संख्या दो० मंजिला, मकान ह० वी'गुजरत कालेज मुख्य दरवाजा के हैं तथा जो सामने जमीन 263. 66 वर्ग मीटर एफ० एफ० 163.96 जी० एफ० 13.28 वर्ग मीटर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 23-12-1985

की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है जीर मूझे यह निश्नास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित जाजार मृज्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे क्रियमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिजत से अधिक है जीर अंतरक (अंतरका) जीर अंतरिती (अन्तरितियाँ) के क्रिय एसे अन्तरण के लिए तम वामा गवा प्रतिफल निम्निविक स्था से क्रिया नहीं किया जवा कर्या क्रिया निम्निविक स्था से क्रिया नहीं किया जवा क्रियान से क्रियान से क्रियान क्

- (क) जन्तरण से हाई किसी जाज की बाबता, उपके पित्रम के जभीन कर दोने के जंतरक के वाजित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; जीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्ह^न भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैत्रभा के लिए;

अत: अव, इक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों,, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) में भारीर रिकालिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— : 10—236GI/86 मालतीबेन चीनू भाई चोकसी 12, चित्तरंजन को० श्रो० हा० सोसायटी सेंट जेंबीयर्स हाई स्कूल के नजदीक, समनगर, रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 श्री नवनीत लाल बालाभाई 'रूबी' गुजरात कालेज के मुख्य दरवाजे के सामने, ऐसीस क्रीज अहमदाबाद-380006।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पांक के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्यक्तियों में से मि/सी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान 'रूबी' गुजरात कोलेज के मुख्य दरवाजे के सामने जमीन 263.66 वर्ग मीटर एफ० एफ० 163.96 वर्ग मीटर और जी० एफ० 13.28 वर्ग मीटर रिजस्ट्रेशन नं० 10470/23-12-1985।

ए० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; अहमदाबाद

तारीखा: 1-8-1986

मोहर 👔

प्रकप बाह्र .टी. एन. एस. -----

आग्रंभर अधिनियम, 196। (1961 क्षा 43) কী धारा 269-ছ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अहमवाबाद
अहमवाबाद, दिनांक 1 अगस्त, 1986

सं० पी० आर० नं० 4276:——मतः मुझे, ए० के० सिन्हा,

आयकार अधिनियम , 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गधा इ'), को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या पी० पी० एफ० 6, एफ० पी० 461/2 भीर 462 एस० पी० नं० 2 जमीन है। तथा जो 1008. 44 वर्ग यार्ड 40 छोटे बड़े मकान रोड 102 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 17-12-1985।

को पृथा कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्हरित की गई है और मुम्ने बहु विवयास करने का कारण है कि यथा पृवेक्ति संपत्ति का उचित नाजार मृल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदात से मिथक है जीर वंतरित (वंतरितवाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिक्क , निम्मी जीव दृश्य से उनत मन्तरण लिखिश में वास्तिवक क्य से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आव की वावसा, उक्त वाधिनियम के सभीत कर दोने के अन्तरक के साथित्य में कमी करने या उत्तक वचने में सुविधा के सिह; और/बा
- (क) एरी किसी बाय वा किसी बन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, सा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के किहा:

जताः अकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, सैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तिकों, अर्थात :--- श्री नांकीर मानेकजी पटेल 'गायली' औवापाड़ी अहमवाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री भूमेन्द्र भाई छेलाभाई मुख्य प्रमोटर प्रयोजन जनानी ऐसीयसीयेणन नया वाडण, अहमदाबाद ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वास्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की शविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी
 जविश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों वे वे किसी व्यक्ति द्वाकः;
- (च) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में किया किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिकीचत में किए जा सकेंगे।

स्थल किरण: ---इसमें प्रयुक्त गन्यों नौर पर्यों का, को अवस नौभनियम, के नभ्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं नर्थ होगा जो उस नभ्याय में दिया गन्ना है।

नगृत्यों

टी० पी० एस० 6 एफ० पी० 461/2 और 462 एस पी० नं० 2 जमीन क्षेत्रफल 1008.44 वर्ग यार्ड 40 छोटें बड़े रहने लायक मकान के साथ रोड जमीन का क्षेत्रफल 102 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेशन नं० 15020/17-12-1985।

> ए० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अहमदाबाद

तारीखा: 1-8-1986

पुष्प आर्ष*्* हो ुप्प_ा पुष_{्य वि}रु

नायकर निर्मानयम्, 1961 ((1961 का 43) की पाछ 269-म (1) में अपरेंग क्षमा

RIEG SECTION

ख्यांबन्न , सहारक नायकर नायुक्त (निहासिक)

अर्जन रेंज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त, 1986

सं० पी० आर० नं० 4277 यत मुझे, ए० के० सिन्हा, शायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विववास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उपनित बाबार मूज्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या टी० पी० एस नं० 6 एफं० पी० 361/2, 462 एस० पी० नं. 1 जमीन 999 है तथा जो वर्ष यार्ड 40 छोटे बड़े मकान के साथ रोड जमीन 102 वर्ष यार्ड में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 क 16) के अधीन, तारीख 17-12-1985

क्यं पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्निलिसित उद्विदेशों से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जब्सरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थोत् :--- श्री नौशीर मानेशजी लाल पटेल 'गायत्ती' आंबापाडी अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री जयन्तीलाल सुराभाई मृख्य प्रमोटर प्रयोजन जगत ऐसोसियेणन नया वार्डज, अहमदानाव।

(अन्तरिती)

की वह ज्वा वारी करकी पूर्वोक्स सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुने ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीफरण: -- इसमें प्रवृक्त शन्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

टी० पी० एस० 6 एस० पी० 461/2 और 462 एस पी० नं. 1 जमीन क्षेत्रफल 999 वर्ग यार्ड 4 छोटे मड़े रहने लायक मकान के साथ रोड की जमीन का क्षेत्रफल 102 वर्ग यार्ड रिजिस्ट्रेशन नं० 15012/17-12-1985।

ए० के० थिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंन अहमदाबाद

नारीख: 1-8-1986

द्रकर नार्<u>ष्ट्री हुन्। एत् हुः - अस्तर</u>-

बागकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन सुचया

भारत सरकार

कार्यासक , तहायक कारकर बायुक्त (विर्यास्त्र)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1986
सं० पी० आर० नं० 4278 — प्रतः मुझें, ए० के०
सिन्हा,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रस्वात् 'उनतं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के निषीत सक्षा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति निस्नका उचित बाजार मूल्य

1.00,000/~ रह. से अधिक ह

भौर जिसकी संख्या मीठाखली सीम टी० पी० एस० 3 एफ पी० नं० तथा जो जमीन क्षेत्रफल 952 वर्ग यार्ड श्रीर मकान जी० एफ० श्रीर एफ० एफ० में स्थित हैं। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए कल्तिरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पावा गया प्रतिफल निम्मलिखित उबूदोय से उच्त अन्तरण कि जिए तमें वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबस, उक्त प्रीथिनियम के क्शीन कर वोगे को ब्रिंतरक के शांकित वो कमी करने का क्षत्रसे बजने थे सुक्रिशा के सिए? प्रार/वा
- (व) ऐसी किसी नाय या किसी वस या जन्म जास्तिनों की, जिन्हों भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा जिना जाना जाहिए था, स्थिनने में बूरियचा के निए:

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के. के. इस्त विधिनयक की गरा 269-व की उपधारा (1) के नशीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १--- श्री नवनीत लाल रमन लाल परीख एच० यू० एफ० 362, राम कुपा मीठाखली ए रास्ता महाराष्ट्र सोसायटी अहमदाबाद।

(अन्तरक)

श्री नन्दकुमार मनीलाल शाह
प्रमोटर फाउन्डेगन को० श्रो० हो० सोसायटी
586 पटेल श्रांर शाह विल्डिंग
ऐलीसक्रीज, अहमदाबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्का सम्मिति के नर्पन के संबंध में कोई औ आरोप ह—

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य बिक्त व्यारा अधोहस्त्याक्षरी के पास निस्ति में किए आ सकोंगे!

स्यक्कीकरण: भूसमें प्रयुक्त सम्बंधित पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा यहा है।

जन्स्ची

मीठाखली सीम टी० पी० एस० 3 एफ० पी० नं० 362 एस०पी० नं० 1 जमीन क्षेत्रफल 952 वर्ग यार्ड और मकान जी० एफ० भीर एफ० एफ० रिजस्ट्रेशन नं० 14441, 14442; 14443, और 14449/6-12-85।

ए० के० सिन्हा, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 अहमदाबाद

तारीख: 1-8-1986

मोहर ।

क्षान् । बार्च न क्षील पुत्रान पुरा_य -----

बायकर अधिनियम् । 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन मृचमा

भारत सरकार

कार्यास्त्रव्ह तहावक जायकर शावुक्त (निडीक्रण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त 1986

निर्दोग सं० अई-1/37 ईई/9286/85-86:--अत मुझें, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें समें प्राचित उपत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रहत से अधिक है

प्रौर जिसकी संख्या पलैट नं० 303, जो, उद्यान दर्शन, 3 री मंजिल, सयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई—25 में स्थिन हैं (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनसुनी में फ्रांर पूर्ण रूप से विणत हैं), धौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 20—12--1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिकत के निए वंतरित की गर्र हैं और मूओ यह विश्वास करने करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिकत्त से, एसे दश्यमान प्रतिकत का पत्त्व प्रतिकत के कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिकत्त से, एसे दश्यमान प्रतिकत का पत्त्व प्रतिकत के विषय मान प्रतिकत से विषय कारण है जीर बचारका (बन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय भागा गा प्रतिकत्त, निम्नानिचित उद्योध्य से अकत कन्तरण जिल्ला में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) बतरण ते हुइ किसी बाय की बावत, उक्त विभिनियत के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिकती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा को लिए।

जितः अग, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के जनसरण में, में, सक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निस्नी**नकित अ**धिकतमों, अर्थात् क्र—- ा मैसर्स फेरानी डेवलपर्स।

(अन्त्रक

2 श्री राजेन्द्र डी० मेहना,
भुमारी जयाबेन डी० मेहना,
भुमारी निलनीबेन डी० मेहना श्रीर
श्रीमती जयश्री आर० मेहना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के रित्तपू कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध भे कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अन्ध अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाणित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया ही।

अनुसूची

फ्लैट नं० 303, जी, 3री मंजिल, उद्यान दर्शन, सयानी रोड. प्रभादेनी, बम्बई-400025 में स्थित हैं।

अनमुची जैसा कि क्रम सं० अई-1/37ईई/8764/85-86 फ्रांरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-12-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहम १ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयका (निरीक्षण); अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 1-8-1986

प्रकल नाइ. टी. एन. एस.-----

भावकड मधिनियम्,: 1961 (1961 का 43) मधि पछा 269-स हो) से सपीन स्वास

भारत तरकार

कार्यां नय, सक्षायक नायकार नायुक्त (निद्धीकार)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त 1986

निर्वेश सं० अई-1/37ईई/9089/85-86:--अत मझे, निसा अहमद,

नायक र निभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (धिसे इसमें इसके प्रशान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है . की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रुपये से अधिक ही

श्रौर निसकी संख्या फ्लैंट नं० 703, तो, 7वीं मंजित, उद्यान दर्शन, भयानी रोड, प्रभादेषी, बम्बई—25 में स्थित हैं श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप ने विणत हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियस, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 5-12-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से मूज के दश्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते नह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उपयमान प्रतिफल से, एसे उपयमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और बन्दरक (अन्दरकों) और (अन्दरित्यों) के बीच एके जन्दरक के लिए स्य पासा क्या कब निर्मालिक उद्देश्य से उक्त बन्दरक जिल्ह में बास्तिक क्ये से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) नक्तरण ले तूर्ड विश्वी गाम की बावत, बनके निर्मानस्य के बधीन कर योगे के अन्तरक के ारिका में कली करने या उत्तर्भ समने में सुविधा के लिए। बॉफ्टर
- प) एरे किसी पाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की है चिन्हों भारतीय जायकर अधिनिषय , 1922 । १२० जा ११० जा भारतीय अस्तिया अस्ति क्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत्य जभः , उक्त वीधीनवन की धारा 269-ग के अब्हरण वो , में उक्त विधिनिवम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सधीन , निम्नीलीवत व्यक्तियों , अर्थात् :--- ग्रेमिसर्व फैरानी डेवलपर्स।

(अन्सरक)

 श्रीमती पुष्पा जयिकशत भारवानी भ्रौर श्रीमती लक्ष्मी भेक्ष्मल तिल्लानी।

(अन्तरिती)

की यह समझ कारी करके पूर्वीयत कंग्यरित के अर्थन के देखा कार्यग्रहिमां कुरू करता हुं।

दश्य दश्यीत से शर्मन के होमेंन में केंद्र' मी शरकोर ह---

- (क), इक स्वता के शावपत में प्रकारत की तारीय से 45 दिवं की संवर्षि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों धर स्वता की तानीय से 30 दिन की बद्धीय, भी और संवर्षि कर में समान्त होती हो, के शीवर प्रोंक्त व्यक्तिसमें में से दिस्सी स्वतिक स्वाराह
- (च) इस स्वता के राजपन में प्रकादन की तारीच हैं 45 दिव के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्सवृष्ट्र किसी सन्य व्यक्ति इत्रारा अधोहस्ताक्षरी के पात जिक्ति में किए जा सकति।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त खन्दों और पदों का, वो उन्ह अधि-नियम वो अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्यास में विदा गया है।

वम्स्की

फ्लैट नं० 703, जो, 7वीं मंजिल, उद्यान दर्शन; सयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि क सं० अई-1/37ईई/8580/85→ 86 जीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 6-12 1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार **अहमद,** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, **बम्बई**

दिनोक: 1-8-1986

मोहरः

प्ररूप कार्यः दी प्रमाः प्रस्तानन्त्रन

भ∨यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यांतस्त, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरें ज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक । अगस्त, 1986

निर्देश सं० अई-1/37ईई/9115/85-86:--अत मुर्झें, निसार अहमद,

ायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ज्यान नं 6, जो, 2री मंजिल, नवरे, प्रियामसेस को अप-हाउसिंग सोसायटी लि , स्कीम नं 6 बम्बई-22 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाद्यद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 10-12-1985

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की जावत, जनत नियम के जभीन कर दोने के जंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के फिए; और/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को भिए;

भवांश सम, उन्त स्विभिनयम की भारा 269-ए के सन्सरण ते, से, राज्य सभिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के सभीता, गिक्लिति कित अधिताओं. स्थाति कु— गृश्वी उभेदचन्द्र दुर्लभजी भेहना श्रीर रिवन्द्र अभेदचन्द्र भेहता

(अन्तरक)

2 श्रीमती जवरबाई लखमणी।

(ग्रन्तरितो)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप ह—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबढ़ ध्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पर्काकरणः — इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में ९रिभाधित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स् ची

पलट नं० 6, जो, 2री मंणिल, नवरे प्रिमायसेस को-आप० हाउसिंग सोतायटी स्कीम नं० ८, व ∓ वई- 22 में स्थि है।

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/8596/85-86 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नितारः अहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयकः (निरीक्षण) अर्जन रेंज−1, बस्बई

दिनांक: 1-8-1996

प्रकृष बाह् . टी . बद . एस ह्वन्यव्यवस्थान

सावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत परकाइ

भावांतय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अम्बई

षम्बई, दिनांक 13 अगस्त, 1986 निर्देश सं० अई--1/37ईई/10118/85-86:--अतः, मुझें, निसार अहमद.

कायकर शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'अस्त अधिनियम' कहा गया ही की धारा 269-क की सभीन सभाग प्राधिकारी को यह विकास भारने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिमकी सं० फ्लैंट नं० 21, जो, 2री मंजिल, गुलिस्थान न्यू गुलिस्थान को०अ।प-हाउधिग सोसायटी लि० 13, कार-मायोकेल रोड, बम्बई-26 में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीण पूर्ण रूप में बिणत हैं), भ्रीर जिसका करार नामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, नारीख 27-12-1985

को पृथा कित सम्पत्ति को उचित वाचार मून्य से कम को क्षयमान अतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने वा कारण है कि सथापूर्वोक्स सम्पत्ति का लिचत बाजार पूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतर्क के सिए तय पाया निया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उचत अन्तरण विविद्य में वास्तरिक कप से किया नहीं किया वा है है

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाव की बावछ, उपद कीपविषय के ज्योंन कर बने के बन्तरक के द्यायत्व में कभी करने या उसके व्यवं में सुविधा के जिए; बार/शा
- श्री किसी बाय या किसी धन या कर्य आस्तियों करों, जिन्हों भगरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्स अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्स अधिनियम, या धन-अप्रतिपाण, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृविधा के लिए;

श्रवः मण, उनत माधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरम मो, मी, अक्त मिधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत, निम्नलिकित व्यक्तियों। अर्थात् :--- । टाटा एक्सपोटर्स लिमिटेड।

(अन्त्रक)

2 श्री श्यामल गुप्ता।

(अन्तरिसी)

3 टाटा एक्सपोर्टस लिमिटेड।

(बह् क्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति औं अर्जन के खिए कार्यवाहियां कड़ता हुं:

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष् है---

- (क) इस क्यमा में राज्यम में प्रकारक की राज्यम से 45 जिप की अपीक ना स्टब्स्मी क्रियां पर क्यमा की सामील से 30 दिन की सर्वीप, जो भी अविथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिक क्रियां में से किसी क्रिया हुवाराह
- (ज्रां इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन को भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितनदृश किसी अन्य व्यक्ति वृवारा वभोहस्ताकारी को पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्पन्धिकरणः ---- इसमें अयुक्त सब्दों और पर्दों का थी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं ० 21, जो, 2री मंजिल, गुलिस्थान, न्यू गुलिस्थान को ० आप-हार्जीमग सोसायटी लि ०, 13, कारमायकेल रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-1/37ईई/8672/85-86 धीर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 27-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 13-8-1986

मोहरः

प्र**ाक्ष्य आह**ै. टी. एन . एस .,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) की अधीन सचन

भारत संरक्षार

स्थापिका, भरापक मायका काग्यस (निन्दीसक)

अर्जन रेंग-1, बम्बई

वम्बई दिनांक 1 श्रगस्त 1986

निर्देश मं० अई-1/37ईई/9320/85-86:---अत मुझें, निगार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए वे ंीन अप गाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या पलैट नं 32-बी, जो, 3री मंजिल साइसून अपार्टमेटस, फाए नं 78, पालखी गल्ली, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनचूसो में और पूर्ण रूप से बीणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1931 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राजिकारों े कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 26-12-1985

क्या प्रशासन संपादा के अभित बाजार मरूप से कम के दृश्यमान प्रितिफल को निष्ण अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि जारपूर्वोंकत राष्प्रित का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमार प्रतिकार से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह अतिवात से अधिक हो और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के तीच एसे संतरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नीजिखत उद्देश्य से उसत अंतरण निश्चित में अस्तिकल कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नम्तरण से हुई किसी बाय की बायता, उकत शिक्तियम की नशीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व औं उसी अरने या तससे बचने में स्विधा के लिए: वरिप्ता
- (क) छिसा किसी बाब या किसी कर या बच्च वास्तियों की जिन्ही भारतीय नाय-कर जिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था ए किया बाना बाहिए था, खियाने में सविधा से किए:

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग को, अनूसरण कों, र्म, अक्त अधिनियम को धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन, जिस्तिनियत व्यक्तियों, अर्थात् :—
11—236GI/86

1, डा० के० एन० **ग्रै**यर भ्रीर डा० (श्रीमती) प्रिया के० ग्रैयर।

(अन्तरक)

2, श्री किरीट कुमार एस० मेहता, श्री भास्कर एस० मेहता, श्रीर श्री प्रभाकर एस० मेहता।

(अन्तरिती)

3 अन्तरकों

(वह व्यक्ति; जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रोप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के मीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्ववारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर कम्पत्ति में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा वशोहस्ताकारी के शास लिखित में किए या ककींचे !

स्थलकीकरण:----इसमें प्रयुक्त सम्बं की पूर्वों का, को स्वक्ष विधिनयम के वश्याव 20-क में परिभावित हैं, वहीं वृधि होता भी उस ब्ध्याय में दिस्क पूर्या हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं ० 32 बी, जो, 3री मंजिल, माइमून अपार्टमेंटस को-आप-सोसायटी लि०, प्लाट नं० 78, पालखी गली, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क स० अई-1/37ईई/8795/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-12-1985 को रंजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 1-8-1986

मुख्य जार्थं <u>ज टौक र्</u>यस् ् एस् ्≥======

नायुक्त विभिनित्त : 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के न्योत स्वा

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1, धम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त, 1986

निर्देश सं० अई-1/37/ईई/9075/85-86:—अतः मुझें, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीर सक्षम प्रधिकारों को, यह विश्वात करने कारण है कि भ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य ३,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रांर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 2, जो, 15वी मंजिल, इमारत नं० 5, सम्पत्ति जिसका सी० एस० नं० 868 ग्रीर 1/868, बी० जी० खेर मार्गे, वरली, बम्बई-18 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 5-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्यथमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंद-रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरक के सिए तथ पाया क्या प्रतिफल विस्कृतिविद्य उन्नविद्य से उन्दर्भ अंतरक कि सिए तथ पाया क्या

- (क्य) करणाण में हुन्ते जिल्ली बाय की बाब्ध_ी कन्ध कींचिमित्रत के बजीय कर दोने के बन्धरक जे दादित्य में कभी करने वा समुसे अन्तरे में भृतिथा को सिध: कोंद्र/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्च विधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया या धिया जाना चाहिये था, फियाने कें सरिश्य के लिए;

असतः **घर**, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग से अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :- 1 श्री बाय । बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरका)

2 श्री वन्दना एन० मिरानी।

(अन्तरिती)

3 अन्तरक

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

करे वह सूचना चारी करके पूर्वोधनः संपत्ति के वर्णन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्ह सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ६

- (क) इस स्वान के प्रावपन में प्रकादन की तारींक से 45 दिन की अनिधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सावींक वे 30 दिन की अनिधि, जो भी अविध नाम में अवाद्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त का कितम में के किसी क्षित कुनारा;
- (क) इद स्थना की राज्यक में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन के भीदर उक्त स्थाव्य सम्मित में हितवब्ध किसी वृत्य व्यक्ति द्वारा नभोहत्ताकारी के पास विवित में किए वा सकतें।

स्वच्छीकरण्ड—इसमें प्रपृष्त सन्दों और पर्यों का, जो उक्त वीचीनस्त्र में सध्याय 20-के में परिभावित कृति, बड़ी क्षत्र होता, जो उस सध्याय में दिवा स्ता कृति।

भन्सर्वी

फ्लैट नं० 2, जो, 15वी मंजिल, इमारत नं० 5, सम्पत्ति जिसका सी० एस०नं० 868 श्रौर 1/868, बी० जी० खैर मार्ग, बम्बई 18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ सं० अई-1/37ईई/8557/85-86 ग्रें।र जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-12-1985 को रजिस्टई किया गया है।

निसार अहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 1-8-1986

प्ररूप आहें दी एन एस .-----

कायकार भारेशनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासन, वहानक नावकर नानुक्त (निर्द्रीकर्प)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 अगस्त 1986 मं० अई-1/37ईई/9303/85-86:--अतः मुझे, निसार अहमद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-161, जो, 16 वीं मंजिल, चिनार इमारत, प्लाट सीं० एस० नं० 336 श्रीर 506, आर० ए० किरवई रोड, बडाला, बम्बई-31 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसकी में श्रीर पूर्ण रूप में विजित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 23-12-1985

को पूर्विषत सम्पत्ति के अभित नाजार मूल्य से कम के करमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभागुर्विका संपित्ति का जाजत शाजार मूल्य, उसके करमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरिक (अन्तरकार्गे) और अन्तरिक (अन्तरिकार्य) के भीष एसे अन्तर्श को सिए तब पाना नया प्रतिकास, निम्निकारित उन्नरिय से उसत सम्बद्ध विश्व के निर्माण कर सिक्त सम्बद्ध के अन्तर्श कर से कार्य कर्ति कर्म नहीं किया गया है है—

- (क) श्रीतरण से हुई किसी जान की बाबता, उक्त प्रतिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक की परिवरत में कभी कारने वा उससे बचने में सुविधा हो निष्: प्रति/शा
- (ध) एसी किसी बाय या किसी धन वा बन्त बास्तियों को, जिन्हों भारतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ बन्तारती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था खियाने यो स्विधा के लिए:

वतक वन, उक्त सिमिनयम की भारा 269-ण वी सन्तरच में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् क्र— 1 मैसर्स दिनेश चन्द्र विजयकुमार।

(अन्तरक)

2 श्रीमती जवेर टोकरशी शहा (विरा)। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करको पूर्वेषिक सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां सूक्त करता हुं।

उक्त संपत्ति भी शर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिष या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रश् सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पार्श निवित में किए या सकेने।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित -है, यहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय का क्या है।

अन्स्ची

प्लट नं ए - 61, जो, 16वीं मंजिल, जिनार इमारत प्लाट नं भी एसा नं 336 श्रीर 506, दादर नायगांव, डिविजन, सिवरी कास रोड श्रीर स्फीक किंदबाई रोड, बडाला, डिम्बई - 31 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-1/37ईई/8779/85- 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-12-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−1, बम्बई

दिनांक: 1-8-1986

प्रकष् बार्डः की. एन. एस. ------

जावकर अर्डिभनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासन्, सहायक नायकर नायुक्त ([नर्राक्रण)

अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 अंगस्त 1986

सं० अई-1/37ईई/9172/85-86—अतः मुझे, निसार अहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिह्रवास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रार जिसकी संख्या फ्लैंट नं ० ७४, जो, 10 वीं मंजिल, सागर महल, 65-ए, बालकेष्वा रोड, बस्बई-6 श्रीए गरेज नं ० 19 के लाथ में स्थित है (श्रीए इसेंग अपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विधित है), श्रीर जिक्रसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 16-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के शिए जन्तरित की गई बार मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार करूप, उसके क्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिस्ति से अधिक है और जन्तरक (बन्दरका) और जन्तरिता (जन्तरितियाँ) के बीच ऐस जन्तरण के लिए तय बागा गया प्रतिफल, जिम्नीलिक उद्देष्य से उक्क अन्तरक लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई फिडी बाव की वावत् अचल ब्राप्टिनियत्र के अधीन कर दोने के बनारण के ज़ादित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; ब्रॉट/मा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भग या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया भवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दिवा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- किरीट आर० पटेल, रोहित आर० पटेल, हरजी आर० पटेल और रमणीक लाल एच० पटेल।

(जन्तरक)

2. विरेन्द्र कुमार गोपाल दास श्रीर कमल कुमार। (ःन्तरिती)

को यह सृष्या **जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के** रणण कार्यवाहियां स्**रू करता हुं।**

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाध्येप उन्न

- (क) इस त्वना के द्राजपण में प्रकाशन की सारीच सै 45 दिन की सर्वीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र स्वना की तामील से 30 दिन की अशिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (क) इस सुपना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीश से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधिह ताक्षरी व्यक्ति सकत्ते ।

न्तर्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त सिभ-नियम के अध्याम 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया भी।

अनुस्ची

पत्नैट नं० 64 श्रीर जो 10 वीं मंधित, धागर महल, 65-ए, बालकेश्वर रोड, बम्बई, श्रीर 1 गरेज नं० 19 के साथ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-1/37ईई/8666/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-12-1985 को रजिस्टई किया गया है।

निसार अहमद, जक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज–1, बम्बई

दिनांक: 4-8-1986

प्ररूप आहूरं.टी.एन.एस् ु=---==

भाधकार गणिनियस. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) को सुनीन सुनुना

भारत गरकार

कार्यात्रमः, सहायक आयक्तर **माप्क्त (निरोक्तक)** एकीए रेज-1, धम्बई

वस्त्रई, दिनांक 31 जुलाई, 1986 सं० ाई-ा/37ईई/9087/85-86- अतः **मुझे,** निसार इमद

आग्रकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके परचाम् 'जन्त अभिनियम' कहा गया हैं)', की भारा 259-च के अभीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित धिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर पिनकी गंव कार्या वि प्रिमायकी नंव 32 ग्रीप 32 ए जो, उसी प्रिनिट केला चेक्क्से-3, प्रति नंव 223, वर्रायन पाईट, बक्चई-21 ग्रीप खुलीकार पार्कींग जगह नं 36 के साथ में स्थित है आर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीप पूर्ण रूप के विणा है), ग्रीर जिसका करारतामा धायकर अधिनियम, 1901 की धारा 269 के, ख के अधीन, बक्चई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 6-12-1985

का प्रतिकत रंपरित के उचित बाजार म्स्य से कम् के क्यमाब्
प्रतिकत के लिए बन्तरित की यहाँ हाँ और मुम्हें यह विकास
करते का कारण हो कि मजाप्रॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मन्द्र, नकि नान कि के ले के कि क्यमाव पिटका का पंद्र
प्रतिशत से जिमक हो और मन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरम के लिए तम पावा गया प्रतिकल निम्निवित उच्चेष्य से उस्त अन्तरम जिल्ला में वास्तविक कप से कियत नहीं किया गया हैं——

- 8) अस्ति । ते हुई फिक्की आम क्षी भागता, खन्यत अधिनिक्या के अधीन कर दोने के अन्तिक की स्विध्य मा कभी करने मा उससे बलने के सुविधा के लिए; बर्फि/मा
- (क्ष) एं भी किसी जाग या किसी धन या अन्य जान्तियों का, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धनकर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना भाष्ट्रिय में क्षिया के जिन्हां

श्रा: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिष्ट व्यक्तियों, वर्षात्

- 1 सिद्धार्थ एण्ड क्षथ द्रस्ट, मास्टर अनिवास प्रवीण संकर पण्डया, श्रीमती नमीता पी० पण्डया, श्रीमती अल्का राजिवसकर पण्डया, महाराजा श्री गण सिंग द्रस्ट नं० 3, महाराज श्री गण सिंग द्रस्ट नं० 4, महाराज गण विंग द्रस्ट नं 5, श्रीर जोधपुर द्रस्ट (अन्तरक)
- 2 बैंक आफ क्रैडिट एण्ड कामर्स इण्टरनेशनल (स्रोवरसीस) लि०।

(अन्तरिती)

3 अन्तरकों

(वह ट्यक्ति; जिसके अधिमोग में सम्पत्ति हैं)

भी यह सूचना जारी करके पृथिक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिय की बनींच वा तत्त्वीं की किस्तवों दर बूचना की ठालीन से 30 दिन की जबाँच, जो मीं वक्ष बाद में सभाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के बीठार उक्त स्थान्द सम्पत्ति में द्वितवद्य किसी वृन्द क्विंक्ट दुवाछ वयोहस्ताकरी के पास विवित में किए वा स्थीने!

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, हैं वहीं अर्थ क्षांगा, जो उस अध्याय में दिसा है।

नम्स्यो

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 32 श्रांर 322ए, जो, 3री मंजि ल, मेकर चैम्बर्स-3, प्लाट नं० 223, नरीमन पाइण्ट, बम्बई-21 में खुला कार पाकिंग जगह नं० 36 के साथ स्थित है।

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/8569/85-86 ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-12 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद, सक्षमप्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त निरीक्षण),** अर्जन रेंज~1, बम्ब**ई**

विनांक: 31-7-1986

प्ररूप बाह्र टी एन एस . :--- -

आधाकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा** 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक थायकर वायुक्त (निर्काण) अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त, 1986

सं० अई-1/37ईई/9197/85-86 अतः मर्झे, निसार अहमद,

रेस्स्य अस्मिन्स्य , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमी इसके परवास् 'जिस्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के सभीन समय प्राधिकारी की वह निकास करने का कारण करने के एक स्थापन सम्बद्धित, विस्तास विचार मुख्य 1,00,000/- क. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव प्लैट नंव 112 बी, जो, 11वीं मंजिल, पुरूषोतम टावर्स, बाँफ गोखले, रोड (दक्षिण), दादर, बम्बई-28 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं), श्रीरियका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 18-12-85

े प्रविक्त सम्परित के उनित बाजार नृत्य से कम के स्थानाव विकास के निरंप जंतरित की नद्दें हैं जौर नृत्ये यह जिन्दाव करने का कार्या है कि बयाप्योंकर सम्पर्ति का उपित बाजार जुल्मा, चक्को उत्पन्नान जीतफत से एसि स्थानान प्रतिकास का निरंह प्रतिकार से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरक की निष् तन पाना क्या प्रतिकास, विक्वितिष्ठ उद्देश्य से उन्स क्यारक विशिव्य से बास्स्ट्रिक रूप से क्यित नहीं किया गया है के

- (क) जीवरण से शुर्द किसी नाम की नामकः स्वयं अधिन-निवस के जधीन कर योगे से वीतरक से दाविस्य में क्षत्री करने वा उत्तरे वयने में सुविधा के दिस्हा और/दा
- (थ) एसी किसी बान ना किसी भग ना नप्त वास्तियों की विस्तृ भारतीय बायकर अभिनित्रम, 1922 (1922 का 11) ना चक्त निश्चिम, मा भन-का जिल्लामा, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ नंतरिती ब्नारा प्रसंद नहीं किया प्रसंद ना वा किया बाना वाहिए था, क्रियाने ने बुद्धिया है लिए।

बतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ह—- 1 ठाकुर कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

2, मैसर्स कार्न प्रोडक्टस कम्पनी (इण्डिया) लि०। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वाप के राज्यम में प्रकाशन की तारीज हैं 45 दिन की जबीध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत सूचना की तासील से 30 दिन की नवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, जे श्रीतड प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवाडा;
- (क) इस श्वना से राजपन में प्रकाधन की तारीय थे 45 दिन के भीतर उच्कर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किश्वित में किए का दुनौंगे !

स्वध्यक्तिक्ष्मः — इसमें प्रयुक्त कव्यों बीह पवा का, की उपने विभिन्नियम के बध्याव 20-क में पिट्नावित इं, नहीं वर्ष होगा को उस बध्याय में विद्या मना हैं।

वन्तुनी

प्लैट नं० 112 बीं, जो, 11वो मंजिल, पुरूषोतम टावर्स, आफ गोखले रोड (साउथ), दादर, बम्बई-28 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई--1/37ईई/8677/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद, प्रक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

विमांक: 2-8-1986

मोहरः

प्रकप अल्डी, टी., प्रमान प्रस्तानक

बायश्वर अधिनियम; 1967 (1961 का 43) की बाछ 269-व (1) से अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्ञयः सहायक वायकर नायुक्तः (निर्देशन)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त, 1986 सं० अई--1/37ईई/9113/85-86--अतः मुर्से, निसार इमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्पास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित शावाह मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

भीर जिसकी सं यू निट नं 201 से 210 भीर 214 से 217 तक, जो, 2री मंजिल, अमीर इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, सन मिल कम्पाइण्ड, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है। (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची भीर पूर्ण रूप से बणित है), भीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, स के अधीन बम्बई स्थित सक्षम गाधिकारी के कार्यालय में रिस्ट्री है, तारीख 9-12-1985।

को पूर्वोक्त सम्मिन के उनित बाकार मूल्य से कम के स्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिकृत से विश्वास है और बंतरक (बंतरका) जीर बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तर्य के लिए तय पाया चया प्रतिकृत से नम्बीसिता उच्चे देन से उनत बन्तर्य सिवित में बालाविक स्प वे कालात नहीं किया गया है प्रस्ता कर के लिए स्वर्थ से कालाविक स्प वे कालात नहीं किया गया है प्रस्ता कर के लिए से कालाविक स्प वे कालाविक स्प व

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग की गावल उसत बाधिनियम में अधीन कह दोने में बन्तरक में बादित्य में कमी कड़ने या उससे मुख्य में सुनिधा के जिए; बारि/या
- (क) एस किसी कार्य ना किसी अन वा अन्य आस्तियों कार्, जिन्हों भारतीय आसकर श्रीभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रीभिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुनिया औं जिए?"

अतः; अदः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणः क्षें, भें, उक्त अधिनियमं की भारा 269-चं की उपधारा (1) वे अन्रेन, निस्तिविक व्यक्तिकों क स्थाति करू

1 श्री अमीरअली आर० जाफ़र।

(अन्तरक)

2 मैसर्सं इण्डो सायमन एजेन्सी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचवा की तासीब, से 30 दिन की सविधि, जो और बदिध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उस्त स्थान्द सम्पत्ति में हित-न्द्भ किसी स्पृतित क्वारा, अभोहस्ताक्ष्री के पास निकित में किए था सकेंग।

स्थव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पर्वों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एया है।

जनस्वी

यूनिट नं० 201 से 210 और 214 से 217 तक, जो, 2री मंजिल, अमीर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, सन भिल कम्पाउण्ड, सन मिल रोड, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-1/37ईई/9594/85-86 धीर जो सक्षम प्राधिकारी बध्वई तारा दिनांक 4-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है '

> निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1 बम्बई

विनांक: 1-8-1986

प्रकृष बाह्य टाँश वर् ्य प्रमानन्त्र

आजकार किपिनियस, 1961 (1961 का 43) की कार्र्स 269-व (1) वे अधीन स्वाम

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त, 1986 सं० अई-1/37ईई/9289/85-86---अनः मुझे, निसार हमय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें इसमें प्रमाद उक्त कि जिले का गया हीं), की बारा 269-छ को अधीन संशोध प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार ज्या 1,00,000/- ए. से अधिक हैं

प्रांश जिसकी सं कलाक नं 3, जो, प्लाट नं 220 (उत्तर), सिवरी बडाला, इस्टेट, स्कीम नं 57, अम्बई-31 में स्थित हैं अं उसार उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 23-12-85 को पूर्वोक्त संपरित के जीर्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 23-12-85 को पूर्वोक्त संपरित के जीर्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 23-12-85 को पूर्वोक्त संपरित के जीर्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 23-12-85 को पूर्वोक्त संपर्ध के हिस्साव प्रतिक के लिए अन्तरित ही गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सरम्पति का उपलत बाबार मूल्य, उसके हस्यवान प्रतिकाल से, एसे अन्तरित वामान प्रतिकाल का पराह प्रतिकात से विश्वक है बीर अन्तरिक (अन्तरित वा) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय गावा प्रतिकाल निम्तिविद्यत तहीं पाया वचा है :---

- (क) पत्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्क विधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जान या किसी थन या अन्य जास्तियों का प्रेंग किसी काय-कर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अभिनियम, वा भन-कर जीभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना जाहिए था, किया में सुविधा के जिल्हा

कतात अस, उकत कांधिनियम कांधारा 269-य की कनुवरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभात (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री भागजन्द ए० पर्यानी,
 श्री दुर्गादास ए० पर्यानी,
 श्रीमती बिमला बी० मर्यानी श्रौर ,,
 श्रीमती कमला डी० पर्यानी

(अन्तरकः)

2 श्री नन्दलाल एच० वालिया।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्स सम्पत्ति भी बर्णन् के संबंध की अर्था और आवर्ति ।

- (क) इस सुबता के राजपण में प्रधासन की तारीब भी 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी क्यक्तियों प्र सुबना की तामील में 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के शीतर स्वेंक्स स्थितिकारों की ते दिन्नी कारीकृत नुशारा;
- (क) इस स्थान के हाजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वार, बधाहस्ताक्षरी के शब रिक्षित में किस का सकेंगे।

अनुसूची

•लाक नं. 3 जो प्लाट नं० 220 (उतर), सिवरी भडाला इस्टेट, स्कीम नं० 57, बम्बई-31 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कं सं० अई-1/37ईई/8767/85-86 क्रीर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई ढारा दिनांक 23-12 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी अहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 1-8-1986

प्ररूप नाइं.टी.एम.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--1, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 अगस्त 1986

सं० अई-1/37 /9297/85-86--अतः मर्झे, निसार अहमद,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पर्लंट नं० 404; जो, मेरी लैण्ड कानंर को-आप० हाउसिंग सोसायटी, सायन, बम्बई-22 में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबड अनुमुखी में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी हैं, तारीख 23-12-1985

को पूर्णेक्स सम्पन्ति के उचित बाजार मूका से कम के दृष्यमान प्रतिकाश के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह बिद्धास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उत्तवद्य में उक्त अन्तरण तिस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाव की बाबत, अक्त जिम्हीनयम के जभीन कर दोने के अंतरक की दारित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा की लिए: जौर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
12—236GI/86

1 श्रीमतो रेनू मोहनलाल हरीसियानी।

(अन्तरक)

2 श्री सुन्दर लक्ष्मण शेट्टी।

(अन्ति रती)

3 अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह स्वमा कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :—
(क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारण की तारीच से
45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पृथेकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मित में हित- बद्ध किसी जना स्थिता तुसान, अभोनस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्रीकरण : इसमें प्रयुक्त करों और पर्यों का, जो अवह वर्तिकाम के कथ्याय 20-क में 'िरभावित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अधाय में दिया कमा हैं क्षे

अनु सुची

फ्लैंट नं० 404, जो, मेरी लैण्ड कार्नेर को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सायन, बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-1/37ईई/8773/85-86 और जो मक्षम प्राधिकारी, अम्बई हारा दिलांक 23-12 1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 1-8-1986

मोहरः

प्ररूप आर्ड . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त, 1986

सं॰ अई-1/37ईई/9109/85-86-अत: मुझे; निसार अहमद,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,90,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं प्रितिट नं 201, जो, ए-झेड इण्डस्ट्रियल इस्टेट, गणपतराव कदम मार्ग, लोअर परेल, बम्बई—13 में स्थित हैं (भीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत हैं), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 9-12-85 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, एमे इश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- मैससं एसोसिएटेड लैबोरेटोरीज प्राइधेट लि॰। (अन्तरक)
- 2 मैसर्स किरन क्लिट इण्डस्ट्रियल प्राइवेट लि०। (अन्सरिती)
- 3 अन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी का सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

ह्यच्छीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

यूनिट नं० 201; जो; 2री मंजिल, ए क्षेड इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, गणपतराव कदम मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/8591/85-86 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निमार अहमद, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, सम्बर्ध

दिनांक: 1-8-1986

प्रकृत सार्वे, दर्वे , एव . एस् , -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भास 269-भ (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयंकर आयुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1986 सं० अई-1/37ईई/9226/85-86-अतः मझें, निसार सम्ब

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर सकी सं प्रिमायसंस नं 813, जो, 39, केनेडी क्रिल, बस्बई में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 19-12-1985।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वदेश से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के की किए।

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अभित् ह

- अतिला एस० कोठारी, गाडींयन ऑफ सन्स राजीब और संजीव कोठारी (अन्तरक)
- 2 पी० अभोक कुमार एण्ड कम्पनी
 श्री अशोक जयन्ती लाल णहा भार
 श्री प्रकाश जयन्ती लाल शहा—भागीदार

(अन्तर्रास्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

वन्ययी

प्रिमायसेस नं० 813, जो, 39, केनेडी ब्रीज, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-1/37ईई/8705/85-86 फ्रांर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-12-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1,बस्बई

दिनांक: 31-7-1986

प्ररूप आहें.टी.एव.एस<u>....------</u>

सायक्षर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यासम्, सहायक नायकरु आयुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1, **बम्बई**

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1986

निर्वोग सं० अई-1/37 ईई/9100/85-86---अत: **मुझें** निसार अहमव

शायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका छिकत बाबार मूख्य 1,00,000/- रु से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं ज पलैट नं ज 14, जो, हरी निवास, 2री मंजिल सी-रोड, चर्चगेट, बम्बई-20 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिजन है) ग्रीर जिसका करारनाम-आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 6-2-85 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 6-2-85 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के अधान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है बौर मूक्त यह विश्वाध करने का कारण ही कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके अध्यमान प्रतिकत से एसे अथान प्रतिकत का पन्यइ प्रतिवत से अधिक है और अन्तरित कि स्थापत प्रतिकत के निए वर्षारिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिक के विश्व वर्षार प्रतिकत से सिक्त कि विश्व उद्देश्य से उक्त कन्तरिक निवच में वास्तिक रूप से सिकत नहीं किया वर्षा है कन्तरिक की सिक्त रूप से सिकत नहीं किया वर्षा है कन्तरिक की सिक्त रूप से सिकत नहीं किया वर्षा है कन्तरिक की सिक्त रूप से सिकत नहीं किया वर्षा है कन्तरिक की सिक्त स्थापत की सिक्त से सिक्त से सिक्त से सिक्त से सिक्त से सिक्त से सिक्त स्थापत स्थापत स्थापत से सिक्त स्थापत से सिक्त से

- (क) बन्तरूप ते हुई जिल्ली भाग की बाबस का अपन अभिनियम की अभीत कर दोने की अन्तरक की वायित्व में कुमी करने वा संबंध वचने में सुविधा को सिह्द; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आरितथी का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध जन्तरिती द्वारा प्रकट हाहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिक्;

जरा भव, उक्त अभिनियम की भारा 2'69-व को अनुसरण कों, मी, सबस अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को ल्योन, निस्मोमिक्का व्यक्तियों, वर्षात् का--- (1) श्री मनमोहन सिंग

(अन्तरक)

(2) प्रधुमान ए० उनेशी, श्रीमती रेखा पी० उनेशी, मास्टर प्रकाश पी० उनेशी श्रीर मास्टर ऋषी पी० उनेशी:

(अम्सरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्मित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

सबस सम्मत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप हिन्स

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कथि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन मी तारीख तै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वास, अभोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्विकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाकित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृत्यी

पलट नं ० 14, जो, हरी निवास, 2री मंजिल, सी-रोड, चर्च गेंट; बम्बई-20 में स्वित

अनुसूची जैसा कि भ० सं० अई-1/37 ईई/8582/85-86 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-12-1985 की रजिस्टई किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाक: 31-7-1986

भाग III---वाण्ड 11

प्रकप नार्द्धः टी । पुन्ः यस हन्यस्यस्य

भायकर विधितियम; 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/9230/85-86--अतः **मुहों** निसार अहमद

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 102ए, जो, सुखसागर इमारत, एन० एस० पाटकर, मार्ग, बम्बई-7 में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद अनसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) भ्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं) तारीख 9-12-85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रतिण गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में बास्तिक रूप से किया गया है है—

- (क) अन्तरण से शुर्द किसी जाता की बादता, उक्त नियम के अभीन कर देने के अंतरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के चिए? और/या
- (क) हुंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा है सिए%

्र कलः जलः, धनतं जीधनियमं की धारा 269-गं की जणुतस्य की, भी, उनतं जिथनियमं की धारा 269 व की उपधारा (1) को जधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, जर्थात् ः— (1) डा॰ खलिद कासिम हाजी

(अन्तरक)

(2) डा॰ अनिमेश चन्द्रलाल शहा और श्रीमती परलंबी अनिभेश शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बार् करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिद्ध कार्यत्राहियां करता हूं।

उस्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकते में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 102ए, जो, सुखमागर इमारत, एन० एस० पाटकर मार्ग, बम्बई-7 में स्थित हैं

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8709/85--86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19--12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार **अहमद** सक्षम **प्राधिकारी** सहायक आयकर आयु**क्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-1, **सम्बर्ध**

दिनांक: 31-7-1986

प्रकार मार्चा, दी . एन , एस ., अन्यवकृष्ण व्यवस्थ

जायकर वीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-क(1) जे वर्धीय कुछवा

गाउत सङ्ख्या

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जलाई 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/9122/85-86---अतः मुझे निसार अक्षमद

कायकर किंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके परकात 'उक्त जिथिनयम' कहा गया हैं), की पारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट जो 4र्था मंजिल पर, पोदार हाउस, मरीन ड्राइस, प्लाटनं० 10, ब्लाल 1, बबाबे रेक्लमेणन इस्टेट, सी०एस०नं० 1688, फोर्ट डिविजन, बस्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं) श्रीर सिजक रारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खंके अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीहैरीख 10-12-86

को पूर्वोक्स सम्मित्त के स्विच बाबार मूक्य से कम के सम्मान तिफल के लिए बंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास अर्ज का कारण है कि यथाय्योंक्स संगत्ति का उचित बाबार ब्ल्म, जसके स्वकान प्रतिफल से एंसे सम्मान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरिक्षिमों) के दौथ एसे अन्तरिक के विश् स्व क्या गुम प्रतिकत, निकासिकत स्व्योग से सक्त कृतर्य जिल्हा मूंग प्रतिकत, निकासिकत स्व्योग से सक्त कृतर्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय करें बाबत, उक्त संचित्रक के वर्षील कर वेरे के कल्फरक कें सार्थिक में कभी करने या उससे क्याने में स्विधा के शिक्षक; बर्दि/क
- (क) एसी किसी वाथ था किसी थन या अस्य मास्तिकी की चिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या अन- अस् विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित्ती बुक्तरा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुदिशा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के वन्सरण वो, वो, यक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) वो वचीन, निकारियाचा अधिककों, अभीत् क्र-ल (1) श्रीमती स्नेहलका कांतीकुमार **पोदार ग्रौर श्री** राजीव कांतीकुमार पोदार

(अन्तरक)

- (2) भेफलोवर टेन्सटाईल इंडस्ट्रिज प्राईवेट लिमिटेंड (अन्सरिती)
- (3) अन्तरितियों (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भी यह स्वना पारी करके प्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के निक् कार्यवाहियों शुरू करता हुई।

लक्त सम्बरित के कर्यन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ८---

- (क) इस स्थान से रायपन में प्रकाशन की तारींस है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर एक स्थावर सम्पत्ति में हितवयुष किसी अच्या पिक द्वारा अधाहरताक्षरी के पास निकंपत में विद्यु का सकींगी।

स्पष्कीकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दाें और पदाें का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

फ्लैट जो 4थी मंजिल पर, पोदार हाउस, मरीन ड्राइवः एन०एस०रोड,बम्बई-20 में स्थित है।

अन्मूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8603/85-86 फ्राँर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 10-12-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बर्ड

दिनांक: 31-7-1986

मोहरः

इस्य बार् े हो। सुर्वे हत्त् व्यान्त्रान्य

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भाव 269-भ (1) वें नधीन तुमना

बाइत बद्धान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निदीक्ण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/9368/85-86-अत: मुझे निसार अहमद

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्रे इसमें इसके परवात (उन्त अधिनियम कहा गया ह"), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उधिस बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अ**धिक है**

क्रीर िसकी सं० फ्लैट नं० 23, जो, 5वी मंजिल, मानव मंदिर रोड, बम्बई-6 में स्थित हैं (ग्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं तारीख 31-12-85 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बारण है के यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाचार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जनसरम वे हुई किछी भाग की बाबस्न, सकत वीधीनवस के वर्षीन कर देने के बन्धहरू के कवितन में क्षत्री सुरने वा उससे बच्चने में सुविधा में तिक्; बीड/बा
- (क) एसी किसी बाव या किसी अन या बन्स जास्तियों का, विक् भारतीय बायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर विशिवक, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, छिपाने ये युविधा भें किया

बतः अन्, उत्तर विभिनितम की भारा 269-ए की बन्सरण की, की उपत विभिन्दम की भारा 269-ए की बन्धारा (1) के बभीन, निकासियन व्यक्तिकों, जर्थात :--- (1) श्रीमती श्यामलनाकुमार णाडेंजा

(अन्तरक)

- (2) पिआयको उलैक्ट्रानिक्स एण्ड इलैक्ट्रीक्षरुस लिमिटेड (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिक्षियों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का सह सूचना करती कहके पूर्वोधतः संपरित के वर्जन में विश्व कार्यशाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई सी बालोप ह---

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की त्यरींव से 45 दिव की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपण में प्रकाशन की तर्राव थे 45 किन के मीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षदी के पास निवित में किए जा सकों ने वा

स्वक्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सम्बाँ औ<u>र पवाँ का, को स्वक्ष</u> अधिनियम के अध्यास 20-क में परिकारिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गमा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 23, जो, 5वीं मंजिल, कापरी **इमारत, मानव** मन्दिर रोड, बम्बई-6 में स्थित हैं।

अनुसूची जी कि क० सं० ॐई-1/37-ईई/8841/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 31-12-1986 को प्रिस्टर्ड किया गया है।

> निसार म**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज-1, **बस्बई**

दिनांक : 13-8-1986

बक्क सार्द्र हों. एवं द्वा स्ट ---

भागकर अभिनित्य है (1961 के 43) की पाड़ा 269-व (1) के वर्षीय क्यांग

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अगस्त 1986

निर्वेश सं० अई-1/37-ईई/9339/85-86--अत: मुझैं निसार अहमद

नायकर निर्माननन, 1961 (1961 का 43) (जिये इसने इसने परणात् जिनत अभिनितमं कहा नगा है), की भारा 269-थ के अभीन सक्तन प्राप्तिकारों को वह विकास करते का कारण है कि स्थानर कनरित. जिन्ना अभिन नायार अस्व 1,00,000/रु. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेस नं० 303, जो, 3री मंजिल, अटलांटा प्रिमायसेस को-आप० सोसायटी लि० इसारत, 209, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है)/श्रीर जिसका करारनामा आयकर अथिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन सम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 30-12-1985

को पूर्विका संपरित के उचित बाकार मृत्य से काम के कामजात प्रतिफक्त को लिए अंतरित की गई है और मुक्कें यह विकास करने का कारण है कि समापूर्विक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसकें कामजात प्रतिफक्त हो, इसे कामजात प्रतिफक्त का विवाद का प्रतिफक्त का विवाद का प्रतिफक्त का विवाद प्रतिफक्त का विवाद प्रतिफक्त के बीच एके कान्तरक (बंतरकों) और बंतरितों (बान्तरितावों) के बीच एके बान्तरक के बिक् तब धामा बमा प्रक्रिक फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक कम से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरम व हुन्द किसी बाब का बावरा है उनसे व्यक्तिक्य ही वर्षीय कर दोने में अन्तरक में वर्षिक में कामी कहते वा उन्हों क्याने में ज़िया में निर्देश सोक्षिक
- (क) पृथी किही बाय गा किसी बन या जन्म बाहितकों कां, जिल्हों भारतीय बाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की नगभारा (1) डे बफी**त, निम्मसिक्ति व्यक्तियों, वर्षाक् ४

- (1) श्री के॰ मोहन एण्ड कम्पनी (एक्सपोटर्स) (अन्तरक)
- (2) मैसर्स पूरीलान लिमिटेड

(अन्तरिती)

(3) भैसर्स फ्रेंच कनेक्शन (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की वह स्थान जाती करने प्यॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उपत कार्यात में अर्जन में कार्यन में कार्य थी वासेप अ---

- (क) इस स्थान के राज्यमा में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की नवीभ वा तत्संत्री व्यक्तियों पर स्वान की दायील से 30 दिन की नवीभ, को औं नवीभ बाद में तमान्य होती हो, से भीतर पूर्वोत्स व्यक्तियों में से दिन्दी करिया स्वारात
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से के 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पर्कत में हितवपुर्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वयोक्षरम्:--शुरुने प्रमुक्तः वृथ्ये श्रीह वृक्षे का_{ले} हा स्वय वृद्धिपृत्यकः में शुक्राम् 20-व वे वृद्धिप्रमिष् वृ_{ष्टि} सूर्वी वृष्टं क्षेत्रा क्षेत्रच अध्याव में दिवस वृष्टा हो।

प्रनपूषी

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 303, जो, 3री मंजिल, अटलांटा प्रिमायसेस को-आप० सोसायटी लि० 209, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि कि सं० अई-1/37-ईई/8812/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 30-12-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 8-8-1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन

भारत सरकार

भागांसय. तहायक वायकर आवृक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई,दिनांक 1 अगस्त 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/9268/85-86--अत: मुझे निमार अहमद

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रमके पर्यात् 'उक्त समिनियम' कहा परा हैं), की भारा 269-क से नवीन सक्तन प्राधिकारी को वह निकास करने का कारण है कि स्थानर सम्मिक्त, विसका उचित वाकार न्यन 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

भ्रार जिसकी मं० फ्लैंट नं० 2, जो, नटराज-ए, प्लाट नं० 404, लक्ष्मीनारायण लेन, माटुगा, बम्बई-०9 में स्थित हैं (श्रार इसमें उपाग्रद्ध अनुसुत्री में श्रार पूर्ण रूप में विणत हैं)/श्रार जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिष्ट्री हैं) तारीख 20-12-85

का पूर्वेक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान बिरु को निर्म को निए जन्तरित की गर्ध है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विचित्रक के नधीन कर दोनें के अन्तरक के दावित्व ने कमी करने वा उससे क्यने में स्विधा के लिए; क्रीक्र/ हा
- (स) एसी किसी अय या किसी धन दा अन्य जास्सियी की जिस्ही भारतीय जायकर क्षीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उर्कत जिधिनयम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अवस्थितियम, 1957 वा, क्रियान यो स्थान का निराम का स्थान का कियान यो स्थान का निराम का स्थान का क्रियान के सुनिधा के विष्या

मतः ग्राह, उक्त अधिनियम की धारा 269-न से अनुसरम भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाषा (1) के अधीतः निम्नितिमित व्यक्तियों, अर्थातः :---- (1) मैसर्स नटराज बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) मणिलाल चनाभाई मोहर और श्रीमती पुष्पाबेन मणिलाल गोसर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्पन के संभ्यत्य में कोई भी मान्नेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, को भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के उपअपन में प्रकाशन की तारीख ले 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पाच जिक्ति में किए जा तकोंगे।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो, नटराष-ए, प्लाट नं० 404, लक्ष्मीनारायण लेन, मार्टुगा, बम्बई-19 में स्थित है।

अनमुची जैसा कि कि० सं० अई-1/37-ईई/87 87/85-86 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-12-1985 को र्राजस्टई किया गया है।

> निसार अ**हमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंफ-1, बम्बई

दिनांक : 1-8-1986

प्रस्थ बाह्", टी. एन. एस.-----

शासकात गीधनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-ज (1) के गधीन स्वना

मारत शरकार

कार्पालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेल-1, बमबई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/9176/85→86——थाः **मझे** निराध अहम्ब

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विक्यान करमें जा कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर ितकी संव पलैट तंव 8, जो, 2री मंदित, धगवाण अपर्ट-मेंटफ, प्लाट तंव 12, बप्ली सी फेग, बस्बई-18 में विधा है (श्रीण इस्ति अपायत अनसूची में श्रीण पूर्ण रूप के विधा है)/श्रीण जिपका कराणनामा अधकर अधिनयम, 1961 के धाना 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्य में एक्स्ट्री है तारीख 16-12-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्य, उशके स्वरमान प्रतिफल से एसे इच्यमान प्रतिफल का सम्प्रतिकार से अपिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंकरितियों) के बीच एसे अंकरण के लिए तय पाया नमा ब्रांतिफल निर्ितियों उद्योग्य से उचत अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी शास की अध्यक्त, जकत्र णिशिनियस के अधीन कर दोने के सन्तरक के दासिक्य में कामी कामने एए उसस नजाने था। अगालका की निज्युः कांग्रियाः
- (क) एसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, १००० (1922 का 11) या जावत अधिनियम, १८ धन-कार अधिनियम, १८ धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रयोज नहीं कि या अस्य बा या किया काता चाहिए था, छिपाने में सुविधा खें लिए:

कत: सब उवत अधिनियम की भारा 269-म की जनकरण ब , बी , ववत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) कृषाक्षित विस्तिमिक्क स्थापितमी, सथित के -- (1) श्रीमती भागित्थी सितलदास कश्यप

(अन्तरक

(৪) জাত (श्रीमनी) प्रिया कें । अध्यापश्चीर জাত ইতে চুন্ত अध्यार

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के तिर कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की नविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की नविध, चो भी वविध भाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति व्यादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपरित में हितबद्व किल्टी कवा क्योंकित इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किल जा सकतें।

स्पद्धीकारण:--इसमें अयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त विभिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याम में दिया गया हैं।

नन्त्री

फ्लैंट नं ० ८, जो, 2री मंजिल, भगधान अपार्टमेंटम को-प ० हाउपित मोज्ययद्यां पि०, प्लाट नं० 2, उब्दुल गफार खान रोड, बरली मी० पेल बम्बई-75 में स्थित है।

अनमुकी जैपा कि करु संर शई-1/37-ईई/8656/85-86 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-12-1985 को रिष्टिई निया गया है।

> निजार अहमद मक्षम प्राधिकारी महायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) कर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-8-1986

मोहिंग :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भागकर भागकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/9219/85-86--अतः मुझे निसार अहमद

बायकर विधितियमं, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें उपलब्ध (उपलब्ध अधितियमं कहा गया है), की भारा 269 ल को अधीय सक्ष्य गामिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपवत बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्राँर जिसकी सठ० कार्यालय नं० 313, जो, 13व मंधिल, वालामल टावर, प्लाट नं० 21, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है (श्राँर इसमें उपाबद्ध अनुसुची में श्राँर पूर्ण रूप में वर्णित है)/श्राँर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है) तारख 19-12-85

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का नगरण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का स्थित बाबार मूख्य, उसाई दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का नंत्रह प्रतिकत से विश्वक है और मंतर्थ (मंतरकों) जीर अंत-रिती (मंत्रीरितयों) के नीय एसे नंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, विम्नीतियत उद्दृष्टिय के उस्त बंदरण विश्विक में बास्तिकत, विम्नीतियत उद्दृष्टिय के उस्त बंदरण विश्विक में

- (क) बन्तरम में हुई फिसी बान की नायत, उपत श्रीपियद के वर्षीय कर दोने में बंतरम में दायित में कभी कारने वा अवसे बलने में सुविका में लिए। भौर/वा
- (च) एंसी किसी आय वा हैंकसी धन वा बन्य वास्तिकों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) जै विभीन_{ु नि}म्मतिष्कृत व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्रीमती पी० वो० शेवकरामानी (द्वारा—कन्स्टीटयुटेड अटर्नी श्री हरकिशनदास एव० अयबानी

(अन्तर्क)

(2) श्री एस०पी० खन्ना

(अन्तरिती)

का बहु सूचना जारी कारके पृथीक्त सम्परित के सूर्वन के लिए कार्यगाहियां करता हो।

उक्त सम्पूष्टि के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🌤

- (क) इन राज्यमा में भारता हो गालाहात को शारील से 45 विन की अनीध या तत्ताभ्यत्भी व्यक्तित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की समीध, को भी अनीध नाद न समाप्त होती हो, के भीतर पुनाँकत स्वत्रिक्ताओं से जिल्ही की हो दकारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वहुध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताकारी के गास िखिल में किए जा सकोंगे।

स्यक्कांकरणः - इसमं प्रयूक्त कव्यों और पर्यों का, को उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिजावित हैं,, यहीं मर्थ होंगा जो उस अध्याय में विवा त्या हैं।

अनसर्ची

कार्यालय नं० 1314, जो, 13वी मंजिल, दालमल टावर, ^{प्}लाट नं० 21, नरीममनपाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8699/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-12-1985 को रुजिस्टर्ड किया गया है।

> निभार अहमद सक्षम प्र'धिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजि-1, नस्बई

दिनांक: 31-7-1986

प्रक्य भार्दे, दी. एक्, एक्, न्य-स्थन

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

काशिलवः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त, 1986

निर्वेश सं० अई-1/37-ईई/9097/85--86---अतः मुझे निसार अहमद

नायकर अभिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

भीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 404, जो, उपान दर्णन इमारत सयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित हैं (प्रींर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रींर पूर्ण रूप में वीणत हैं) /प्रींर जिसका करार-नामा आयक अधिनियम, 1961 की थारा 269 के, खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है नारीख 6-12-86

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरितः की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नितित उद्वेदय से उक्त अन्तरण जिन्ति में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की वावत, उक्त नियम के अभीन कर देने को अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अचने में सुविधा के फिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हां भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया याना जाहिए था, जिल्पाने में सुविधा के लिए;

वतः वन, उसत जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुवस्थ वे, मैं, उक्त जिभीनयम की भारा 269-व की उपभाश (1) कुँ बधीम,, मिन्निकिटिवा स्थानिकर्यों, अव्यत् ४(1) मैं पर्स फेरानी डेवलपर्स

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती शिलाएम० शहा और श्री महेंद्र एस शहां (अन्तरिती)

को यह सूचना घारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए, कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ू--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में त्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अविध, को भी जबिध और में समाप्त होता हो, के भीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधेहस्ताक्षरी के वास शिक्षित में किए वा कर्केंगे।

स्यक्षीकरणः — इसमें प्रयूक्त शन्दों जीर पदों का, जो उन्हा अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वनसंची

प्लैट नं० 404, 4थी मंजिल, उद्यान वर्णन इमारत, सयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8579/85-86 श्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-2-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, **बस्बई**

दिनांक: 1-8-1986

प्रकृष बाइ .टी.एन.एस. ------

जायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-च (1) के बभीन स्थना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986

निर्देण सं० अई-०/37-ईई/9217/85-86--अतः मझे निसार अहमद

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रीधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

मीर जिसकी सं० फ्लैट नठ० 12-सी, जो, णाबाज, 90, नेपियनसी रोड, बम्बई-6 में स्थित है (श्रार इसमे उपाबद्ध अनुमुची में श्रार पूर्ण रूप में बणित है)/श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दारीख 18-12-85 को पूर्वांचन सम्बद्धित के बार्यालय में रजिस्ट्री है दारीख 18-12-85 को पूर्वांचन सम्बद्धित के स्थित के स्थाप में रजिस्ट्री है दारीख 18-12-85 को पूर्वांचन सम्बद्धित के स्थाप के स्थाप में स्थाप के स्थाप में स्थाप स्थाप में स्थाप में स्थाप के सिंग पूर्व प्राथ स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप में स्थाप के सिंग पूर्व प्राथ स्थाप स्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपल अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाव या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सूविभा के सिए;

जत: अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्रीमती सलविन्दर कॉर स्रोबेराय श्रौर बी० सन्त सिंग नल्या

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुलबानू बी० अजानी, सन्दीप बी० अजानी बादीर बी० अजानी श्रीर सदू बी० अजानी

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्स संपत्ति के अर्कन के संबंध में कोई भी आक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी अपिकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत अपिकतयों मों से किसी ब्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वापा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीप्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उच्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

फ्लैट नं० 12-सी, जो, शाबाज, 90 नेपियनसी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनभुची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8697/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-12-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-1. अम्बर्ष

दिनांक : 11-8-1986

भक्ष **नार्य**्टी. एन<u>ः</u> एसः,------

जायकर जाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अगस्त, 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/9023/85--86---अतः **मुझे** निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहिषद्वास करने का काएण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

भौर जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेस नं० 101, जो, मिण महल, 11/21, मैंथ्यूरोड, बम्बई-4 में स्थित हैं (भौर इसमें उप(बढ़ अनमुनी में प्रौर पूर्ण स्प में व्यापत है)/भौर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 क धारा 269 के, खें अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिष्ट्री है नारीख 2-12-85

को पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त जिपिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के खुक्तिर में कभी करने या उचने क्यमें में सुन्या के लिए; जॉर/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी अन या जन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन,, निम्नीसिक्त स्यम्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री मुरलीधर एल० अदनानी, नरेन्द्र एम० श्रदनानी, बलदेव एम० अदनानी ग्राँ(र बिनोद एम० अदनानी (अन्तरक)
- (2) मैसर्स जेवेल काफ्ट कारपोरेशन

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसकः अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के मर्फान के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की दारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकींगे।

स्पन्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

वनुसूची

कार्यालय त्रिमायसेस तं० 101, जो, मणि महल, 11/21, मैथ्यू रोड, बम्बई-4 में स्थित है।

अनसुची जैशा कि कि० सं० अई-1/37-ईई/8506/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2~2-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक · 8·8 1986

प्रकथ बाइ .टी. एन . एस . ------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत वर्षांव

कार्यातच , सहायक जायकर काय्युक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंत-1, बम्बई

धम्बई, दिनांक 31 जलाई, 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/9204/85-86--अतः मुझे निसार अहमद

आयकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौ भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहः से अधिक है

भौं जिसक सं० कार्यालय नं० 1302, जो, 13वी मंजिल. दालमा: टावर्स, प्लाट नं० 211, ब्लाक-3, नरीमन पांइंट. वम्बई-21 में स्थित है (भ्रीर इसमे उपावद्ध अनुसुनी में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है)/भ्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिप्स्ट् है तारीख 18-12-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्थित बाजार मूल्य कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए जल्तिरित की गर्ड है जार मुक्ते यह निक्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिक्त बाजार मून्य उसके स्वयमान प्रतिफल का नंद्रह प्रतिश्वत से यथिक है और अंतरक (अंतरका) और जंतरित (बन्तिरितिगों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्षत्त , निक्तिसिचित उच्चेच्य से उक्त बन्तरण विशिष्क में बास्त- जिक्त कर से स्वीषक मुंब किया प्रवा कर कर कर से स्वीषक में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की, बाधत, बक्त श्रीवित्यप के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे दचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ल) एम्प्री किसी भाग या किसी भन या करन 'कास्तिकों क्ष्में, जिल्हों भारतीय जायकर किमिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना थाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अरः, उक्तः अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, लेक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निकासिनित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) कुमारी गोभा छोटाभाईपटेल

(अन्तरकः)

(2) (1) श्रीमत शिला की निवलानी (2) श्री रंग बीं विन्तानी, (3) श्री भगवादपास एक निवलानी, (4) श्रीमती मिता आर्व निवलानी (5) श्री राज बीं विन्तानी, (6) श्रीमती गायत्री आर्व निवलानी (7) श्री प्रेम बीं विवलानी (8) श्रीमती गोरी पीं विन्तानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थम के क्षिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हो।

क्षमक बंगरि को अर्थन को संबंध के कोई की कार्योप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींकरू व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीक्ष थ 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित्तबस्थ किसी जन्म स्मिक्त स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए या सकोंगे।

स्वक्षीकरण: -- इसमें प्रमुवत शब्दौ और पदों का, जो अक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय भी दिया गया है।

नन्ध्यी

कार्यालय नं० 1302, जो, 13वां मंधित, दालामल टावर्स, ब्लाट नं० 211, ब्लाक-3, नरीमत पाइंट, बम्बई-21 स्थित है।

अनुसुची जैमा कि ऋ० मं० अई-1/37-ईई/8684/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दियांक 18-12-1985 को रिफ्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, बम्बई

दिनांक: 31-7-1986

प्रकृष आहु", ट्री. एन . एस

भाषाक र क्रीभीनयभ, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1986
निदेश सं० अई-1/37-ईई/9229/85-86-अत: मुझे,
निसार अहमद.

बायकर टिशिनमम, 1964 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-अ के जभीन सक्षत्र प्राधिकारों को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उपित वाचार मुख्य 1,00.000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं० अपार्ट मेंटस, म० 102, 103, 108 और 109 श्रीर खुला पाकिंग जगह मं० 27 श्रीर 28, रहेजा सेंटर प्रिमायमेस को०-आप० मोसायटी लि०, 214, नरीमन प्लाइट, बम्बई—21 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमुधी में श्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), श्रीर जिसका करारलामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 19-12-85,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि बधाप्योंक्त सम्मृत्ति का उचित बाजार बुल्य उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का क्ल्यह प्रतिशत से बिधक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्त-रिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए दब पावा पना प्रतिफल निश्निक उज़्देश्य से उन्तर बन्तरफ जिलिस कें। बास्तिक रूप से कवित पहीं किया गया है कि

- (क) सन्तरक ने हुई फिसी भाग की गायत उक्त विधिनियम के बधीन घर वीमें के सन्तरक से द्वासिश्य में कमी करने वा उसमें कचने में स्थिप के शिय, व्यदिन्या
- (क) एंगी किसी जाय मान धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आपन्य प्राधानस्थ , 192. (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, प्राध्य-कर बाधिनियम, प्राध्य-कर बाधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रधायनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट पही फिया गया था या किया बाना थाहिए था. छिपाने में स्थिया के बिए;

क्त क्ष क्ष , उक्त क्षिनियम की भारा 269-न के अभृतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकिक व्यक्तियों. अर्थात :—

- (1) मालती जयन्त दलाल पेरीटेबल ट्रस्ट । (अन्सरक)
- (2) में नर्स जयनः विद्यासिन्य लिसिटेड । (अन्तरिती)

को यह सम्बना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वनक् बन्दरिक् के अर्थन् के एन्वरूप में कोई भी बाखेकुन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्षों, को बी वर्षों दें, के बीवर पूर्वों का व्यक्तियों में दें किसी व्यक्ति कुराह्म
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन भे भीतर उक्त स्थावर कम्पेटित में हितवपुर किसी क-व अधित द्वारा भेवोहस्ताकारी के नाक निवित में किए या दक्षी ।

स्पष्टोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिन्यम के अध्याद 20-क में सथा परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मना है।

वन्स्ची

अपार्टमेंटस मं० 102, 103, 108 श्रीर 109 श्रीर खुल पाकिंग जगह सं० 27 आर 23, 8 रहेजा सेंटर प्रिमायसेस को—आप० सोक्षायटी लि०, 214, नरीमन पांइट, बम्बई— $\frac{1}{12}$ में स्थित हैं।

अनुसुची जैमा कि कि सं अई-1/37-ईई/8708/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-12-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी_ई महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज—1, बम्बई

दिनांक : 31-7-1986

क्षर वार्<u>ष्टी. एन. एच., ≥====</u>

नायफर विभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के विभीन सुनना

HINE HERE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अगस्त 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/9363/85-86--अतः मुझे, निसार अहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

स्रोर जिनेकी सं० पर्लंट सं० 202, जो, दूनरी मंजिल, दोशी पशुस इमारत, प्लाट सं० 5, बालकेश्वर रोड, बस्वई, और एक कार पार्किंग के साथ में स्थित (स्रोर इसमें उपाबद्ध अनुसुची में स्रोर पूर्ण रूप से बिणत हैं) स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री हैं, दिनांक 31—12—1985,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बज्जार भून्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पुर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के धीच एसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के किए; और/या
- (म) ऐसी किमी आम या किटी पर या शत्म आरिसधों को, भिन्हों स्वाधिक अरु के अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिल अधिनियम, का करकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे द्योजपार्श अन्तरिती द्वारा भक्त नहीं किया गया था था किया भाग भागि था, जिल्ला के अधिनात में जिल्ला

सतः भवः, अकतः अधिनियमं की धारा 269-व के अनगरण में, में, तकतं अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) ल क्यांज 'प्रशाक्तिका व्यक्तियां, प्रदोप करने 14—236GI/86 (1) मेसर्स सिद्धी कन्स्ट्रवशन कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्रो विजयकुमार एति अग्रवाल, श्रीमती निधा वि० कन्डोई ग्रारिश्री पूनमचन्द एति कन्डोई । (अन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किंद कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के नर्पन के संबंध में कोई भी वासंब :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा की 45 दिन की व्यक्तियां पर सृप्या की तापील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्तिशः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख में किए का सकेंगे।

स्थाधिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वहाँ का, वो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ होगा को उस वध्याय में विदा गया है।

जनुसूची

फ्लट सं० 202, जो, दूसरी मंजिल, दोशी प्लेस इमारत, प्लाट सं० 5, वालकेक्वर रोड, बम्बई, एक कार पार्किंग के साथ, में स्थित हैं।

अनसुची जैसा कि कि० सं० अई-1/37-ईई/8836/85-86 थ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 31-12-1985 को रिजिस्टई किया गया है ।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, बम्बर्क

दिनांक: 4-8-1986

ब्रस्य बार्'्टो, एन . एव ् -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यास्य, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अंजीन रेंज-1, बमबई

बम्बई, दिनांक 4 अगस्त 1986

निदेश सं० अई-- 1/37--ईई/9067/85-86---अत: मझे निसार अहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रकात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट सं० 602, जो, छठी मंजिल, दोशी पलेत इसारत, प्लाट सं० 5, वालकेष्वर रोड, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इपने प्रमान्न अनमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी हैं, दिनांक 5-12-1985,

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बून्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रशिक्त ध्रय पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत, निम्निलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- भित्र विकास वं सूर्य किसी बाय की बायस , उनके विविधिया में बधीय कर बोने के बलारक के द्यायक वी कमी कड़ने वा समुचे वचने में बूजिया के किए बीट्र/मा
- (स) एसी किसी लाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) में सर्स सिद्धी कन्स्ट्रमंशन कम्पनी । (अन्तरक)
- (2) श्री मूकेण बी० श्रंबानी ग्रांर श्रीमती माधवी बी० अम्बानी ।

(अन्तरिती)

को बहु सुचना बारी कर्ज पृत्रोंकर बज्योंत्य में वर्षन् में विष कार्यवाहियां करता हो।

उनद क्षमारिय के वर्षन के तम्बरूप में कोई जी बाक्या---

- (क) इस त्वार के राजपूत्र में प्रकारण की वार्तीय से 45 दिन की समीध या तत्त्रंत्रंथी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की नशीध, या भी नशीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकत व्यक्तियों में से किसी कांश्य सूनारा;
- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दित-व्यूध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, वधोइस्ताकारी के शक्त जिस्तित में किसे का वर्षों में!

स्वक्शीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदाँ का, वा उथस सीधीयनम को सभ्यान 20-स में परिवासित हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्यान में विचा गया हैं।

अन्स्ची

फ्लैट सं० 602, जो, 65ी मंजिल, दोशी पलेस इमारत, प्लाट सं० 5, वालकेश्वर रोड, बम्बर्ड में स्थित हैं।

अनुमुची जैसा कि क० सं० अई-1/37-ईई/8549/85-86 ब्रॉप जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-12-1985 को एष्टिस्टई किया गया है।

> निमार अहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 4-8-1986

प्रकप हार्ड <u>.</u>टो . पुन<u>्</u>रत ...----

बायकर विधिनियम / 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासन, बहायक भायकर भावकर (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अगस्त 1986 निदेश सं० अई-1/37-ईई/9307/85-86--अतः मझे, निसार अहमदः

वाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रांर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 2401/ए, जो, 24वी मंजिल, श्रोम विकास, 105/107, वालंकेष्टवर रोड, अम्बई

में स्थित हैं (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनसुची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणत हैं) ग्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, दिनांक 23-12-1985;

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए जन्तिरत की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरित (जन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के निए तब वाबा वया प्रतिफल, निम्निसिख उक्केंच्य से उक्त जन्तरण किश्वत में वास्तिबङ कम से किश्वत नहीं किया व्या है द—

- (क) बन्तरण से हुई किसी वाय की बावत, अक्त विविवय के अधीन कर वाने के ब्रिंग्स की वायित्व वी कमी करने या सकते बचने वी ब्रिंग्स के किए; कर्र/वा
- (श) एसी किसी भाय था किसी भन या बन्यं जास्तियों की, चिन्हें भारतीय अयुक्तर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ अंकरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाता जाहिए था, कियाने यें सुविधा के जिल्हा

सतः नव, स्वयं वीपीन्यवं की वादा 209-गं वे बन्दर्भ वी;, वी, स्वयः कीपीनियंत्र की वादा 269-तं की स्वथारा (1) के बभीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स विकास प्रिमायसेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बिन् जैन ग्रांश मास्टर सोहराब जैन । (अन्तरिती)

का वह क्षत्रना चारीं कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बालोप ह---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीण है 45 विन की स्विधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की व्यक्ति, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाधन की शारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्षभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी को शाक् निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्वच्छित्वरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दा और पदा का, का खब्दा विधिनियम, के वश्वाब 20 क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

फ्लैट सं० $2401/\pi$, 24वी मंजिल, श्रोम विकास, 105/107, वालकेश्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित है ।

अनसुची जैसा कि कि० सं० अई-1/37-ईई/8782/85- 86 फ्राँर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-12- 1985 को रिजस्टर्ड किया गया। है ।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी; सष्टायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 4-8-1986

प्रकप बाइ दृटी पुन एस ..----

नायुक्तर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचमा

भारत सुरका

कार्याभव, बहायक बायकर बायकत (जिल्लीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/9148/85-86---अत: मुझे, निसार ग्रहमद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

भौर जिसकी सं पलैट नं 9-बी, जो, गितांजली, एन गमाडिया कॉस रोड, बम्बई 26 में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप सं विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक

12-12-85

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उपित बाजार मृत्य से कम के क्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उपित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का मृत्यू प्रतिकात से बिश्चक है बीड अन्तरक (अन्तरक) बीड अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया बा प्रतिकास मिम्निसिच उच्चेक्य से उसत अंतरण विचित्त में बारक्षिक क्य से किया नहीं किया नवा है है—

- [क) विश्वस्थ औं हुई किसी लाग की बाबस्त, उनक विधिनियम के स्थीन कार दोने के बन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्याने में स्विधा को लिए; बाँड√या
- (क) ऐसी किसी अब या किसी भून या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आया-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में प्रिया वे विद्याः

नेता अन उन्त नीर्धनियम की भाग 269-य को अनुसरण की कि कि कार्य मिर्टिश्यम की भारा 269-य की उपधारा रूप् की निमास की भारा 269-य की उपधारा रूप की निमास की भारा 269-य की उपधारा रूप की निमास की निमा

(1) रंजन बीठ लाखानी ।

(अन्तरक)

(2) नंल क्रेयाडो और ग्रन्य

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती रंजन लाखानी।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह तुमना लाहाँ कहन्द्रे पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन में सिए कार्यधाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति एवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त तथायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, मभोहस्ताकरी के पास सिश्चित में किए था सकारी।

श्यम्बीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों जौर पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क मो परिभाषित हो, वहीं अर्थ होंगा जो जम अध्याय मों दिया

प्रनुसूची

फ्लैट सं० 9-बी, जो, गितांजली, एन० गमाडिया क्रास रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुमुची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/8629/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 12-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद स**क्षम प्रा**धिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 31-7-1986

प्रकार नार्षं । टी । एव । एस ० ----

भागकार मधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ए र्री है वर्गीय स्वयंग

भारत बर्कार

कार्याजन, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1986 निदेश सं० अई-1/37—ईई/9311/85-86—अतः मुझे, निसार अहमद,

काथकर जिथितियम 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसके इसके वस्तात (उन्त स्थितियम स्कू गया है), की वार्य 269-व के अभीन संसम् प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का काइन है कि स्थावत राज्यित विश्वका अधित श्वाप मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्थार जिसकी सं० पलैट नं० 27, जो, नील कमल, पदम टेकडी पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है (अर्थर इसमे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 26-12-1985

को प्वेंक्ति सम्मित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर, का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित का उचित बाजार भूल्य, उसके अवसान प्रतिफल से एसे अवस्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितयों) के भीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिक नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरम से हुन्। किसी बान की बावब, अन्तर करिय-निवन की अधीन कर बोने के बावरक के वाधित्य को कनी कहने वा उच्छे बचने को वृतिभा के लिए; बीक्ट/वा
- (क) एंसी किसी बाप या किसी धन ना बन्त बारितकों को चिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत बिन्नियम, ना अनकार अधिनियम, ना अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ बन्तरियो ब्वारा प्रकट नहीं किसा बना वा वा किसा बना वा वा किसा के ब्रियम में जिला

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उधीन, निम्नीसित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री प्रविण हंसराज बिन्दे ।

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक जयन्तीलाल तलाजीया स्रीर सुधा दीपक तलाजिया ।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिने की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन का तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी सन्य व्यक्ति ब्याय सभाहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किस् का तकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 27, जो, नील कमल, पदम टेकडी, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित हैं।

अनुमुची जैंगा कि कि० सं० अई-1/37-ईई/8786/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-12-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्ब्रई

दिनांक : 31-7-1986

प्रथम असुर्धे स्रीत स्थित स्थित

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बजीन सुवना

कार्यालय, सहायक मामकर नायुक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1986

निदेश सं० अई-1/37—ईई/9059/85—86—अतः मुझे, निसार अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (विसे इक्कों इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० डी-206, जो, दूसरी मंजिल, न्यू पूणिमा अपार्टमेंटस, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है (मीर इससे उपाबद अनु सुची में म्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) म्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, दिनांक 4-12-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई अहर मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्यविक रूप से करियत नहीं किया गया है:—

- (क) सम्बद्धम् व द्वादं विद्याती मान गरी वास्त्रक्तः सन्य वास्त्रिक्षम् को वशीन् चार प्रोते वी सन्तरकः वी वास्त्रिक्ष को कशी करणे वा क्याचे वसने को वृत्तिया को क्रियः; ब्योड/वा
- (श) एची किसी जान या किसी धन वा अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयु-कर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उच्च जिन्हों को तिन्यम्, वा वन्त-कर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रजानवार्थ अन्तरिती इवास प्रकट नहीं किया वा था या किया खाना जाहिए था,। कियाने के स्विधा से जिए।

अतः अकः, उक्तः अधिजियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, किन्नि[लिख्द व्यक्तिस्यों, अर्थात् ध— (1) श्री कल्याण भारती ।

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र मोतीलाल गांधी ।

को यह सूचना जार् करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्षमण्ड सम्पत्ति भी मूर्वय में वंद्यु में कादि भी नालेप अ---

- (क) इस त्यान के द्रावपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी स्वित्तमों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की नवीं भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्य स्वित्यों में से किसी स्वीक्त सुवारा;
- (क) इस स्पृता के राज्यन में प्रकारन की तारीश से 45 विन के जीतृर स्वत स्थान्य स्थानित में हित्- क्षण किसी अन्य स्थानित स्थानित स्थानित से पास किसित में किए था स्केनी,

त्रका कहन द - इसमें प्रमुक्त धन्यों मृद्धि पूर्वों का ह को उनके स्थितियम के सभ्याय 20-क में परिभाषिक हैं। वहीं अर्थ होगड को उस स्थ्याय में दिया प्रमुक्ति हैं।

अनुसूची

फ्लैट सं० डी-206, जो, दूसरी मंजिल, न्यू पूर्णिमा अपार्ट-मेंट्स, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कर सं० अई-1/37-ईई/8541/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-12-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 31-7-1986

प्रका कार्य हैं देश दन्य प्रस्तु--------

भारकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर वायुक्त (निर्दीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/9089/85-86--अतः मुझे, निसार अहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उन्द अधिनियम' कहा गया हैं), की पाड़ा 269-इ से अधीन समय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेस नं० 202, जो, ताडदेव, बाबबे एअर कंडिमण्ड मार्केंट, ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है (मौर इसमे उपावड अनुसुची में भौर पूर्ण रूप से वींणत है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 6-12-85

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधि-पिन्स के ब्योन कर दोने के बन्दरक के दादिएस में क्यों करने या उन्नयं नचने में बृद्दिश के किये; क्यों

बत: अब:, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण भैं, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उप्धारा (1) ं अधीन, निम्नलिखिट व्यक्तियों, अधीत् — (1) मैं सर्से शकील पिक्चर्स, भागीदार श्री उस्मानशरीफ कादर गरीफ ।

(अन्तरकः)

- (2) श्रीमती जुबिदाम मोहम्मद यूभूफ अन्सारी ग्रीर श्रीमती रेहना मोहम्मदअली घिवाला । (अन्तरिती)
- (3) अन्तरितियों [▼]। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में राम्पत्ति है)

की वह प्या बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अवन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

बनव बन्द्रित् के ब्रवंद के बन्दन्त में कोर्य ही बाह्येंप् ड---

- (क) इस स्पूषा के राजपूत्र में प्रकासन की तारीक से 45 दिन की बदीय ना उत्सम्मन्त्री कानितमों पर सूचना की साबीय से 30 दिन की ननिम, यो भी अवस्थि बाद में समाप्त होती हो, के भीटर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी कानित स्थारा;
- (ए) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की राशीय से 45 दिन के भीरतु अनद स्थानर संपरित में शिव-नव्य किसी मन्य न्यनित व्वास अभोहस्ताकारी के पास मिचित में किए वा सकेंगे।

स्वक्षीकरणं : इसमें प्रयुक्त कव्यों और पयों का, जो उसल अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 202, जो, बाम्बे एअर कंडिकण्ड मार्केट ता**डदे**व, बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8571/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-12-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-), बम्बई

दिनांक : 31-7-1986

प्रकप् आर्च ,टी .एन , एव ,------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 प्रगस्त 1986

निदेश सं० आई० I 37 ईई/9362/85-83--अतः मुझे, निमार म्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य और जिसकी संव वेसमेंट नं 0 2 जो, विना अपार्ट मेंटस, 2/176 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

वालकेश्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद श्रतुमुची सें ग्रीरपूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधी बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्य में रिजस्ट्री हैं, दिनांक

की पूर्वोक्स सम्पस्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित अरजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था, खिपाने में सुविधा के खिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) होनेस्टी बिल्डर्स प्राइवेट लिए।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स णांती इण्टरप्रायसेज।

(ग्रन्तिरती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निप्र कार्यवाहियां करता। हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविध का तत्संबंधी व्यक्तियाँ वर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, को और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के और पूर्वोक्त क्यित्तयों में किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निकिस में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---६समें प्रयुक्त सम्बों और पवीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

बेममेंट नं० 2, जो, बिना श्रपार्ट मेंस, 2, 176, वालकेश्वर रोड़, बम्बई-6 में स्थित है। अनुसूची जैमा कि ऋ० 1 सं० ग्राई-०/37-ईई/8835/85-86 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 31-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ऋहम**द** सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर श्राय क्त (निरक्षिण) शर्जन रोज–1**, बस्बई**

दिनांक: 4-8-1986

प्रकप बाइ'. हो. एन. एस. -----

भागकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में नभीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/9171/85-86--ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

शायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

नियम जिसकी सं० फ्लंट नं० 14, जो, छठी मंजिल, मातृ मंदिर को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 278, ताडदेव, रोड, बम्बई-7 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित ह)/ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थिस सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-12-1985,

को पूर्वोक्त सम्मित् के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य उसके द्रायमान प्रतिकल से, एसे द्रायमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तस पासा मना प्रतिकस, निष्नितिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निचित्त वो वास्तिक रूप से कथित नहीं किया वना है कि

- (क) बन्धरण वे हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्त वचने में सुविधा के निस्तृ आहर/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अस्य सास्तियों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ बंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाता बातिए था खियाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यभित्वयों, अर्थात्:——
15—236GI/86

(1) श्री मलेगडी० ठक्कर।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री हितेश कुमारडी० वावेना, श्रीमती मंजूलाबन डी० वादेला, श्रौर श्री गिरीशचन्द्र डी० वादेला। (श्रुग्नरिती)

को यह सूचना बारी करके पृवॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उच्छ सम्प्रति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिनित में किए वा सकींगे।

स्वध्यक्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदौं का, वो जनतं विशिवस के जन्माय 20-क में परिभाषितं हैं, वहीं कर्म होगा जो उस जन्माय में दिया। वबा है।

अम्सूची

पलैट नं∘ 14, जो, 6ठी मंजिल मात्रमन्दिर को०-काप० हाउमिंग मोपायटी लि॰, 278, नाडदेव रोड, बम्बई-7 में स्थित हैं।

श्रनुसुची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37-६ई/8651/85-86 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर चापुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज–1,बम्बई

दिनांक: 31-7-1986

प्ररूप बाहाँ, बी. एन. एवं.-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन सृचना

मारत सरकार

प्रजीन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 ग्रगस्त 1986

निदेश मं० ग्रई-1/37-ईई/9188/85-86--- प्रतः मुझे निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूस्य 1500,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी लंग पलैंट संग 72, जो, 12वी संजिल, दर्या महल संग 2, 80, नेपियन सी रोड, बस्बई-6 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो मे भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के पत्रीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 17-12-1985,

को प्वेंकिस सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान केतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वादक करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिचल से बंधिक है और अंतरिक (बंतरकाँ) और अंतरिती जीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिकत स्व्वेंक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया क्या है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबब, उक्त जो नियम के अधीन कर बने के अमारक के पायित्व में कमी करने था उससे अचने में सुविधा के लिए; अंग/या
- (क) एसी किसी अध्य या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

(1) श्री कन्हैयालाल बी० गहा।

(ग्र€तरक)

(2) श्री डी०बी० शहा।

(ग्रम्परिती)

को बहुस्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हु---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अपिक्तयों पर गृचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक को 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसक्ब्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वसाहाँ।

अम्स्ची

फ्लैंट सं० 72, जो, 12वी मंजिल, दर्यामहरू नं० 2, 80, नेपियनसी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/8668/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 17-12-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ऋहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्रत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विदः जन, बन्त विविधित्यमं की धारा 269-सं की अनुप्रश ने, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-मं की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

दिनांक: 4-8-1986

त्रका वार्षं .सी.का.का.का.

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा १८९-४ (1) के अधीन सुचना

शास्त्र संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 श्रगस्त 1986

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/9105/85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

नामकर नांभनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परवाध् जन्म निर्मित्तममें अहा पदा हैं), की भाषा 269-स के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विक्रमां करने का कार्य हैं कि स्वावर कर्मित, विसका उचित शाचार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० 204, जो, दूसरी मंजिल, ई ब्लाक सिमला हाउस, नेपियन सी रोड, बस्बई—36 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप ने विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 9-12-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित वाचार मृत्य से काम के क्यमाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और अप्रीयह विश्वास

करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार प्रस्थ, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पर्मे प्रतिकत से बिश्व है और बंदरक (बंदरकों) और अंदरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे कन्तरण के लिए तय पाया क्वा दिक्क के, विकासिकत उन्हों किया गया है :---

- (क) कर्कारण वे हुन्दी निक्की काम की बावस्त्र क्या क्रिक्टिक्य के क्यीन कर योगे के अस्तरक की क्यीक करने वा क्या क्या के वृधिका के सिक्ट; क्यांत्र/वा
- (सं) एंक्षें किसी बाम ना किसी धन ना नम्ब व्यक्तिकों मो, जिन्हें बारतीम आम्-कर कर्षितनका, 1922 (1922 का 11) ना उन्तर वंजितिकेब, का धन-कर जीविजना, 1957 (1957 का 27) के प्रकोदमार्थ जन्मरियों कृतारा अवक वहीं किना क्षें भा का जिला काना चाहिए जा, किमाने जे क्षिका के स्थिए;

नधः शब्द, उक्त नाधिनियम की बारा 269-न के ननुसर्व २, मैं, उक्त निधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (t) वे नधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, नधीत :---- (1) श्रा गो बन्द के० दर्यनानी (मालक-इन्डो सायगन एजेंसी)।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बकूल नेमचन्द गहा श्रीरश्रीमती उल्का बी० णहा ।

(ग्रन्तरिती)

का यह ब्रुवना बादी करके वृत्रोंकर राज्यंति के अर्थन के शिवह कार्यवाहियां करका हूं।

क्का सम्बक्ति के कर्मन के मंत्रेष्ठ में कोड़ें भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस भी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्तक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

प्लैंट नं० 204, जो, दूसरी मंजिल, ई-इलाक, सिमला हाउम, नेपियनसी रोड, (लक्ष्मीबाई जगमोहन रोड), बम्बई— 37 में स्थित है।

यनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-1/37–ईई/8582/85–86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बजाई द्वारा दिनांक 9-12–1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है ।

निमार प्रह्मद नक्षम प्राधिकार। सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निर्दक्षण) स्रजीन रेज-1, बस्बई

दिनांक : 4-8-1986

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/9062/85-86-अत: **मन्न** निसार अहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 9, जो, दूसरी मंजिल, 72, भारतीय भवन, मरीन ड़ाइह्न, बम्बई-20 में स्थित हैं (भ्रौर इस से उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), भ्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। दिनांक 4-12-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिस्ति उद्वरेष से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविशा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधिनिय, निम्निकित व्यक्तियों, अभित् ः—

(1) श्री श्रीप्रकाण एन० सोमानी, श्रीमती राजकमल श्री प्रकाण सोमानी श्रीर श्रीप्रकाण जी० सोमानी (हि० अ० कु०)

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्त बिहारी राठी, श्रीमती सत्यबाला राठी ग्रीर श्री अरुण के० राठी।

(अन्तरिती)

(3) श्री प्रकाश एन० सोमानी श्रीर श्रीमती राजकमल सोमानी ।

> (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री प्रकाश गौतमकुमार, (हि० अ० कु०), श्रीप्रकाश सोमानी, श्रीमती राज्कमलदेवी सोमानी, गौतमकुमार सोमानी श्रीर सिद्धार्थ सोमानी ।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हरनाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

 यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोझ में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, चर्मी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त जीभनियम के अभ्याय 20-क में परि-वित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विया गया है।

नन्त्र्ची

फ्लैट सं० 9, जो, दूपरी मंजिल, 72, भारतीय भवन, मरीन ड्राइल्ल, बस्बई-20 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-1/37-ईई/8544/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-12-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार **अहमद** सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आ**युक्**त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, **बस्बई**

दिनांक: 31-7-1986

प्रकृष बाहें, टी. एन. एस.: ----

नायकर निधीनयन, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुधना

नारत परकार

कार्यासय, सहायक आवकर बाब्क्स (विरोधक)

अर्जन रेंज-1, **बम्बई** बम्बई, दिनांक 1 अगस्त 1986

निदेश सं० अई-1/37—ईई/9046/85—86—अतः मुझें, निसार अहमद,

शायकर अधिनियम . 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह जिल्लास करने का झारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. सो अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो, दूसरी मंजिल,,टावर इमारत, बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी हैं, दिनांक 3-12-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के क्रयमाय शितका के तिए कंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरियों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तय पाया गवा शितकत. निम्मसिवित उद्योगों से उच्त बन्तरण किवित है बास्तविक रूप से कवित गई हैं किया च्या है

- (क) बन्तारम् वं हुएं किशी बाव की बन्ता, काम वर्षितिस्य के अभीत कर वने के बन्तारक के कवित्य सो कभी करने था समस्य अपने मी स्विधा के नित्र; श्रीष्ट्र/मा

नत: सन, उस्त विधिननन की पास 269-न के ननुसरण में, में: उस्त अधिनियन की धारा 269-न की उण्धादा (1) ने वधीर, निम्मनिधित स्पितकों हा नगाँउ क्र--- (1) श्री युसुफ अध्दुल्ला पटेल ।

(अन्तरक)

(2) श्री ज्हीरुद्दीन बाजिजनीन,श्री मुन्बिद्दीन बाजी-उद्दीन श्रीर श्री गयासुद्दीन बाजीउद्दीन । (अन्तरिती)

को बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्षन को जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की शारीज में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी नवीध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित्बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का गर्कों है

स्वच्यीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्री अक्ष श्रीष्टिवस के अध्याव 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवाः स्वा हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो,दूसरी मंजिल, टावर इमारत, बी० जी० खोर रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8528/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-12-1985 को रजिस्टाई किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–1, बम्बई

रिनांक : 1-8-1986

प्रकार कार्ष . थी . भूग . एव ु------

न्यकार बर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याक्षयः, सञ्चाक बायकर आयुक्तं (निर्देशिक)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त 1986

निदेश सं० अई-1/37—ईई/9341/85-86—अतः मुझे, निसार अहमद,

आधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार बृश्व 1,00,000/-क से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो, तीसरी मंजिल, इमारत नं० 6, बी० जी. खेर रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनसूची में भीर पूर्ण रूप सं विजित है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 30~12-1985,

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित वाचार मूक्य से का के जानकान नितप्त के निए बन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने मूक्य, असके दश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दल्बनान प्रतिपत्त का मन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब शाम गया प्रतिपत्त , निम्नसिक्त उद्वेश्य से उच्त अन्तरण जिस्ति भें गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जिसी जान की, बानत, उचक विधिनियम को अधीन कर योगे को अन्तरक को दायित्व में कमी करने वा उससे बचमें में सुविधा के दिन्द; कॉर/या
- (भं) होती किसी साथ-या किसी भग या जान्य सात्तिकों को जिन्हें भारतीय नायकर निभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या संबंद निभिन्नम, ना भंग-कर अभिनियम, ना भंग-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) जे प्रयोजनार्थ जन्दिरोदी इवारा प्रकट नहीं किया गंधा था या किया वाथा चाहिए चर, कियाने में सुविधा से सिम्प;

(1) श्री युसूफ अब्दुल्ला पटेल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शेनाज मोहम्मद शकी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

जनत सम्मत्ति के अर्चन की सम्बन्ध में कार्च की आक्रोप रू--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ड व्यक्तियों में किसी व्यक्ति सुदारा;
- (क) इसस्वमा के राजनन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिश्वसूध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच सिवित में किए वा सकती।

न्यच्यीकरण — इसमें प्रयुक्त सब्दों और दवों का, को सब्देश विधितिसमा, को वध्याम 29 क में परिभावित इं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याम में विक्र क्या हैं ∷

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो, 3री मंजिल, इमारत नं० 6, बी० जी० खेर रोड, बरली, बम्बई-18 में स्थित है ।

अनसूची जैसा कि कि० सं० अई-1/37—ईई/8814/85—86 झौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-12—1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

अश: अस, उक्त अविनियम की भारा 269-व के अनुकरण म, सी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)

इ. ब्रधीम, निरुत्तिवित व्यक्तियाँ, वर्षात्र 🖚

चिनांक : 1-8-1986

प्रका बाई. टी. एत. एस------

नायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ज (1) के विधीन युक्ता

भारत बहुकार

कार्याचय, सहायक भागकर मानुनत (रिवरीक्षक)
अर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 1 अगस्त 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/9283/85-86---अत: मुझे, निसार अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पोत्त, जिसका उचित आजार मृस्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिल्लि सं० फ्लैंट नं० 1, जो, 15वी मंजिल, पटेल टावर्स, बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिषस्ट्री है, दिनांक 20~12-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य बे कम के उपमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उपमान प्रतिफल सं, ऐसे उपमान प्रतिफल बा पन्तृह् प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अंतरित्री (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा च्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त अंतरण है बिखत में जास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है अ-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बावत, आवक्कर जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (च) एसी किसी बाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिवाने में स्विधा चे सिए;

बस: शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, बैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) श्री यसुक अब्दुल्ला पटेल ।

(अन्तरक)

(2) सुप्रिम ड।यमण्ड्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जल्दी अवको प्रजित्त सम्पत्ति को अर्थन 🖜 । लए कार्यवरहिमां व्यक्ता हुं।

उनका सम्परित को अर्जन को संबंध में कोई भी नाक्षीय :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की कालीन से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि वास में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक व्यक्तियों में कालीन को समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिया द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं सं
 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवर्ष किसी जन्य का कित क्वारा जभोहस्ताकारों के
 वास किसी का में निष्णा सर्वोगे:

स्वच्दीकरण:—हत्त्वमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचल व्यक्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्ष होगा, जो उस अध्याय में विदा गया हुँथी

प्रस्त्र की

फ्लैंट नं \circ 1, जो, 15वी मंजिल, पटेल टावर्स, बी \circ जी \circ खेर रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है ।

अनुसुकी जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8761/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-12-1985 की रजिस्टई किया गया है।

> निसार अहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 1-8-1986

प्रकृष् वार्षं .टी .एन .एस . -----

नायकड वृत्पिन्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्मना

बारव ब्युक्त

कार्यांसम, सहायक बायकर बाब्क्त (रिनरीक्रण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 अगस्त 1986

निदेश सं० अई-1/37—ईई/9291/85-86—अत: मझे, निसार अहमध,

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वभीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, विसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, जो, 9वी मंजिल, ए-विग, शान अपार्टमेंट, काशीनाथ धुर रोड, बम्बई-28 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 23-12-1985

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित वाकार मृत्य से कम के अध्यक्षक प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मृत्रे यह विववास करने का कारण है कि कथापूर्वोचत संपरित का उचित वाबार मृत्य, उसके अध्यक्षान प्रतिफल से, ऐसे अध्यक्षान प्रतिफल के पंक्रह प्रतिचात से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फला, निम्नतिबित उद्देश्य से उच्च अन्तरण कि बित में वास्त- किक रूप से अधित नहीं कि वा भवा है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अस्य की शायस, उक्क मधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक बी दासिस्य में कामी कारणे सा उत्तरसे वचने में सुविधा के सिक्; अरि/भः
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों और, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनवम, 1922 (1922 का 11) या अवल विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ क्लारिती ब्राया प्रकट वहीं किया का या या किया जाना आहिए था, कियाने में सुन्धि। के जिल्हा

बतः सव, धन्त जीवनियम की धारा 269-न के बभुसरण वं, में, दक्त विधिनयम की धारा 269-न की उपधारा (1) वं वधीन, निस्तिविक ज्यक्तिकों, समृद्धि ड---

- (1) श्रीमती भावना महेन्द्र दोशी । (अन्तरक)
 - (2) श्री कांतीलाल जगजीवनदास मेहना । (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथाँक्त सम्मृत्ति के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

ब करा संपत्ति के वर्षक् के संबंध में काई भी माक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की जनिथ ना तत्तंतंभी व्यक्तियों पड़ स्वना की तानीन से 30 दिन की अविभ, को भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाम के राजपन में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन के भीतर उनत स्थादर संपत्ति में हित्वद्ध
 किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 किसित में किए जा सकोंगे।

स्वकटीकरण: इसमें प्रमृत्य सन्दों बीर पदों का, वो उक विधिनियम के बंध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया विश्व हैं॥

नप्यची

फ्लैट नं ० 2, जो, 9बी मंजिल, ए-बिंग, शान अपार्टमेंट, काशिनाथ धुरु रोड, बम्बई-28 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8769/85-

अनुसूची जसा कि के से अई-1/37-इंश्विशिक्ष 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-12-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है ।

> निसार अहंमद सक्षम प्राघिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1, बम्बई

दिनांक : 1-8-1986

प्रकप नाहाँ . टी . एन . एक . ------

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृचना भारत चरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 1 अगस्त 1986

निदेश सं० अई-1/37—ईई/9140/85-86—अतः मझे, निसार अहमद,

कायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रांर जिसकी संव "जोतेट", पर्लेट संव 8, जो, दूसरी मंजिल, 554, संठ बोव एतवरोड श्रीर जमशेद रोड, माटुंगा, वस्वई—19 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध ानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ञात है) श्रीर जिसका कर रतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 11-12-1985,

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरक से हुं इं किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में 'सी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/पा
- (ध) एसी किसी आय या किसी धन या कम्य आस्तियों करें जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिसी द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, टिल्पाने में स्विधा के सिए;

(1) श्रीमतो ए० फरीय।

(अन्तरक)

(१) श्री भूपेन्द्र यि० मेहता ।

(अन्तरिसी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त कथ्दों और पदों का, को उक्त अधि-नियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

44.0

"जोनेट", फ्लैंट सं० 8, जो, दूसरी मंजिल, 554, सेठ बी० एन० रोड फ्रीर जमशेद रोड, माटुंगा, बम्बई-19 में स्थित है।

अनुसूची जैना कि कर्नि अई-1/37-ईई/8621/85-86 क्रांर जो सक्षा प्राधिकारो, बम्बई ब्राग दिनांक 11-12-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है ।

> निसार अ**हमद** सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), वस्बई रेंक्टन, अन्बई

दिनांक : 1-8-1986

मोहर : ं

वस्य बाह्य देशे एक , एक ु------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-क (1) के अभीन स्वना

भारत लडुकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986 निदेश सं० अई-1/37-ईई/9118/85-86--- अतः मुझे, निसार अक्टमद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 24, जो, दूसरी मंजिल, गुलिस्थान इसारत, न्यू गुलिस्थान को०-आप० हाउसिंग मोतायटी लि० 13, कारमायकेल रोड, बम्बई-26 में स्थित है (श्रीर इसरो उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्थ से विणत है) श्रीर जिनका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 10-12-1985,

अर अशास्त सर्पारत के उत्तिस बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसीं बाय की बावत , उनक रुपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्स क्वने में सुविधा क लिए, और/या
- (स) एभी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों कां, जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-अप अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतिप्रार्थ अन्तिर्वति दृशारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा है निष्:

मरा: अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-म को अनुसरम मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, अर्थात् :--- (1) श्रो सतिम आर० पुरोहित ।

(अन्दरका)

(2) श्री मिलिद एसिकलाल संघर्वा ।

(अन्तरिती)

को यह सृचना भारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की वबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर मृचना की तामील से 30 दिन की खबीध, जो भी अविध बाय में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तार्राख से 45 दिन के भीतर उजन स्थानर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य स्थानित स्थारी अभोहस्ताक्षरी के पास निकित मों किए जा सकाँगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त झायकर अभिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं. यहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया नवा है।

ममुस्ची

पलट सं० 24, जो दूसरी मंजिल, गुलिस्थान उमारत स्यू गुलिस्थान को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 13, कारमायकेल रोड, बम्बई-26 में स्थित है ।

अनुसूची जैपा कि ऋ० सं० ग्राई-1/37-ईई/8599/85-86 योग जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 10-12-1985 को रिकस्टिई किया गया है :

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी, यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 11-8-1986

प्रसम् आर्वः, दौ , एव , एक , -----------

कायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सुरक्षाद

कार्यालयः, सहायक शायकर जागुक्त (निडाक्किक)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986 निदेश सं० अई--1/37-ईई/9305/85~86---अतः मुझे, निसार अहमद,

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 9, जो, 4थी मंजिल, आर्क रायल, गैरेज तल मालेपर, गोपालदास देणमुख मार्ग, (पेडर रोड), बम्बई-26 में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिण्ल हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिइस्ट्री हैं, दिनांक 23-12-1985.

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह बिर्धास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल में, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरिस्यों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निवित्त में रूपसिक रूप से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हू भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान जें त्विधा छै लिए?

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत,

- (1) आसोसिएटेड स्टोन इंडस्ट्रिज (कोटह) लि०। (अन्तरक)
- ্(2) अञ्चिल्ता प्राइवेट কিং০ ।

(अन्धरिती)

(3) अन्तरितियों ।

(बह व्यक्ति, जिसके अ**धिभोग में** सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत कार्य करें में ये किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-ऋ में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसुची

पलैंट मं० 9, जो, 4थी मंजिल, आर्क रायल, श्रौर गैरेज तल मालेगर, पोदार रोड, बम्बई-400 026 में स्थित हैं। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37-ईई/8780/85-86 श्रौर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-12-1985 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिगांक : 11-8-1986

प्रका बाह् हो पुन एस

बाबकर बाँभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बार्स 269-व (1) के बभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अम्बई यम्बई, दिलांक 31 जुलाई 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/9175/85-86--अनः मुझे, निसार अहमद,

बायकर सिंधिनयम, 1961 (1962 का 43) (जिसे इतमें इसके परवात 'उक्त सिंधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269- क क अधीन सक्षय प्रधिकारी की, यह जिस्सास करने का कारण हैं। यि स्थानर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से सिंधक हैं।

श्रौर जिनकी सं० फ्लैट सं० 107, जो, धरम पंनेस, ह्यूजेस रोड, बम्बई-7 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), /श्रौर जिसका करायनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 कछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-12-1985,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ए से कम के करणान बित्रकल के लिए अस्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजाए बूक्ब, उसके दक्यजान बतिफ क से, एसे दक्यमान बतिफ ल से पल्द्रह बतिखत से व्यापन बतिफ क है और जन्तरक (अन्तरकार) जिल्ला का कार्योरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा क्या बतिकस, निज्निसिक्त उच्चेक्य से उस्त सन्तर्भ विश्वस में वास्तिकस कम से कथित नहीं किया स्था है ए---

- (क) बन्तरण वे धूर्य किसी आप की बाबत छवल अधिक नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के सामित्व में कार्य करने या अवसे वचने में समिथा के लिए; ब्रीडि/वा
- (क) देखी किसी जाब वा किसी धन या अन्य आरित्यारें की, जिस्हों भारतीय जायकर ऑभिनियम, 1370 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना शाहिए था, कियाने में सुविध, के जिए;

कतः वर्षः, उपत मधिनियमं की धारा 260 सं के अनुसरकः की मी, उपत जीभीनयमं की धारा 269-घं की अपधारा (१) के अभीन, निम्निविधित व्यक्तित्यों, अर्थात् :---

(1) डा० दुश्यंत जै० मोहला।

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र एच० पारीख, श्रीमती इंदू एम० पारीख, श्री मितण एम० पारीख, श्रांर श्रीमती शेवेता एम० पारीख ।

(अन्तरिती)

की यह क्षा वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए

उनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींव से 4.5 विन की अवधि या तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वत्र की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वासा;
- (स) इस मुखना के राजपण में प्रकाशन की वार्य सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वहन किसी जन्म स्थावन द्वारा अभोहस्ताक्षणी के भाष सिन्दा अ स्थान स्थावन .

क्ष्मक्षीक्षरक्:----इसमें प्रतुक्त जन्में और पदीका, को सक्त अभिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया। क्या हैंं।

मन्स्यी

पर्लंट सं० 107, जो, धरम पैलेस, हयुजेस रोड, बम्बई--7 में स्थित हैं ।

अनुसूची जैया कि करु मं अई-1/37-ईई/8655/85- 86 श्रीप जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-12- 1985 को रजिस्टई किया गया है ।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग्र-1, बम्बई

दिनांब : 31-7-1986

प्ररूप आहूं. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1986

निदेश स० अई-1/37—ईई/9202/85-86—अत: मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० आफिस प्रिमायसेस सं० 205, जो, प्रसाद चेंबर्स, बम्बई-4 में स्थित हैं (भ्रांग् इससे उपायत अनुसूची में भ्रोंग् पूर्ण रूप से विणित हैं), भ्रांग् जिसका कराएनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 18-12-

कां पूर्विकत सम्पत्ति के दिषक बाजार मूक्य से क्य के दश्यमान प्रतिकत्त के निए बंतिरित की गई है और मूझे यह विक्यास करने का कारण है कि बचापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाकार बुक्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकास का पत्यूह प्रतिकास से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के सिए तय पाया भवा प्रतिकास, जिन्निसिकत उद्विकारों से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) कन्यक्रम् ची सुवं किसी बाय काँ वान्यु, उच्या विविध्यक्ष की अधीन कार दोने की अमरण्ड की शायित्य में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा की क्षिए; और/या
- (क) हंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया चाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के दिन्छ।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण े, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभास (1) के अधीन, निम्निसित्त व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) नेलर्स जोगानी एक्सपोर्टस् कारपोरेशन । (अन्तरक)
- (2) मेसर्स ए० हिमांशू एण्ड कम्पनी । (अन्तिश्ति)
- (3) मेसर्स जेवेल कापट्म कारपोरेशन । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपत्ति के अर्थन के स्टिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी शक्षेप :---

- (ह) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्यत्ति में हितबद्ध फिसी बन्न व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निकास में किए जा सकेंगे!

स्थष्टिकरण:---हसमी प्रगुक्त शब्दी और पवी भा, जो लक्त अधिनियम के अध्याय 20-क भी परिभाषित हैं, बही बर्भ होगा को जस अध्याय में विसा समा है।

अनुसूची

श्राफिस प्रिमायसेस मं० 205, जो, प्रसाद चेंबर्स, बम्बई— 4 में स्थित है ।

अतसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8682/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी, स**हायक आ**यकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज~1, बम्बई

दिनांक : 31--7-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस . -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारः 269 ध (1) के अधीन स्चना

बाह्रत सहस्राय

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1986

निदेश सं० अई--1/37-ईई/9156/85-86--अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

अोग जिसकी मं० यूजिट सं० 422, जो, 4थी मंजिल, पंचरस्त, मामा परमानन्द मार्ग, आपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है (श्रीण इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयक्य अधिनियम, 1961 की धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 19-12-1985,

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमाम प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिखित भ वास्त्रिक रूप से किलत नहीं किया नवा है कुन्

- (क) कलारण से हुई किसी नाम की बाबत, टक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कसी करने या उससे बचने में पृतिशा के हिला। और/भा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या कन्य कारितवों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या वन-कर अधिनियम या वन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिमान में सुविधा सुविध

भतः गव, उक्त किंभिनियम की भारा 269-ग को जन्सरण सः, में उभत अभिनियम की भारा 269-च की उपभादा (1) क अभीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, शर्मात् :--- (1) मेसर्स विजय ब्रदर्स ।

(अन्सरक)

- (2) मेसर्स हिराको इंडिया प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरिती)
- (3) अन्तरितियों

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सच्चना जारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहि। 'करता हैं।

उक अम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाछीप अ-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की वारी से 45 दिन की अविश्व या तत्संदिती व्यक्तियों पड़ स्थान की वामील से 30 दिन की अविश्व औं भी अविश्व को सामाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इत सूचना के शावपण में प्रकाशन की पारीब से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा क्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुख्त शब्दों और पर्दों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, भो उस अध्याय में दिवा गया है।

and the

यूनिट सं० 422, जो 4थी मंजिल, पंचरत्न, मामा परमानन्द मार्ग, आपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है । अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8707/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-12-1985 को रजिस्टई किया गया है ।

निसार अहम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, **ब**म्बई

दिनांक : 31-7-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जनाई 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/9137/85-86--अन: मुझे, निमार अहमद,

बायकर व्यापितयम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसके इसके पश्चात् 'उक्त व्याधितयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के बंधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- क. से विधिक हैं

म्रौर (असकी मं० पलैट मं० 53, जो, 8वी मंजिल, मागर दर्णम न्यू कागर दर्णन को०-अप० हाउसिंग सोनायटी लि०, 81/83, भुला भाई देसाई रोड, बम्बई-36 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 11-12-1985,

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्या, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया पातफल निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि विकल में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बनारच से हुई किसी नाम की बानत, उच्छ अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्सरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी काम का किसी भन या अध्य अशिक्षां का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृतिका सुविधा के स्थि।

बत् । श्रमः, उत्तर विधिनियम की धारा 269-भ के वनुसरण कें, में, उत्तर विधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के वधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों. वधीत :--- (1) श्रीमती आयेशा बेगम शेख।

(अन्त्रक)

(2) श्री लाल बी० अवतरामानी और श्रीमती बीना एल० अवसरामानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कृष्ट करता हुं।

सम्बद्ध सन्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी बालेप ह-

- (क) इस तृष्णा औ राष्पत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्णा की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी वस्थि याद में समाप्त होती हो, से शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से दिन्सी व्यक्ति बुकारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उच्छा स्थावर संपत्ति में हिरायद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकती।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,। यही कर्म होगा, जो उस कथ्याय में विश्वा भया है।

अनुसुची

फ्लैंट सं० 53, जो, 8बी मंदिल, सागर दर्शन, न्यू सागर दर्शन को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लिं०, 81/83, धुलाभाई देसाई रोड, अम्बई-36 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-1/37-ईई/8616/85-86 श्रीर जो नक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 11-12-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है ।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ेर्फांश रेंज-1, बस्बई

दिनांक : 31-7-1986

प्रकृष बार्ड, टी. एन. एस. ------

मायभार व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के बंधीन मुखना

भारत सरकार

कार्बालय, यहानक **गामका जाएकत (गिरीक्य)** अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अगस्त, 1986

निदेश मं० अर्ध--1/37ईई/9083/85--86---अतः मुझे, निसार अहमद,

भागकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर नम्पत्ति, विश्वका उपित नाजार मृज्य 1,00,000/- क. से मधिक है

प्रांत जिनकी संख्या फ्लैंट नं० 902, जो, 9वी मंजिल, जमूना आगर, कुलाबा बम डिपो के पाम, कुताबा रोड, कुनाबा, बम्बई—5 में स्थिन हैं (प्रांत उपाबद्ध अनुसूची में प्रांत पूर्ण रूप ने वणित हैं), प्रांत जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में एजिस्ट्री हैं, भारीख 6—12—1985

द्धी पृवांकित संपर्तित के उपित बाजार मृत्य से कम खें श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण हैं कि ज्याप्योंकित बंपित का उपित बाजार न्स्य, असके श्रयमान प्रतिफल में एमें ख्रवमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिस्त से विध्व हैं बीर यह कि बंदरक (बंदरका) वौर संबर्धि रिसी (बन्तरितिका) के बींच एसे बन्तरण के लिए तम पामा नमा प्रतिकान, निम्निलिशित उद्देश्य ने उदल अन्तरण लिखित में अस्तरण के किया कम से कींचल महीं किया गया है के

- (क) बन्तरक से हाई कियी जाव की बाबट, उक्त बीधिनियम के अधीन कर दोने के बस्तरक के बाधिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/मा
- ंश) न्सी किसी आय या किसी धन वा वस्य बास्तियों करो, सिस्हें भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर प्रीधिनयम, या धनकर प्रीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ स्वीक्रियों देवारा प्रयोज सहीं किया गया था का किया करा साहिए का किया के सिक्स के सिक्स

भतः कण, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म के बनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीतः, निम्निलिमित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. जे० एम० सी० कनस्ट्रमणन कम्पनी।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स पेरो एण्ड कैलाश रोड लाईन्स प्राइवेट लि०। (अन्तरिती)

को यह स्थान पारी करके प्रॉक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिय फार्यनाहियां करता हुं।

रक्त सम्पत्ति के कर्णन के तम्बन्ध में कोई भी शाक्षेत्र :---

- (क) इस ब्रांचन के समय में प्रकालन की तारीक के 45 दिन की मनीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सर्वीभ, को भी सर्वीभ वास में समस्य होती हो, के भीतर पृथांक व्यक्तियों में से किसी क्षतिय व्यक्तियां में से किसी क्षतिय व्यक्तियां में से किसी क्षतिय व्यक्तियां में से किसी क्षतिय व्यक्तियां
- (क) इत स्वना के हाजपन में प्रकाशन की करीत है 45 दिन के धीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दितनक्ष किसी मन्य भ्यक्ति क्लाय नथोहस्ताक्षरी के पास मिजित में किए वा सकोंगे।

स्वक्टीकरण: इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, वो क्वथ अभिनियम के अध्याय 20-क में परिशाहिकत हैं, वहीं अर्थ होगा, वा उस अध्याय में दिया नवा है।

नसरी

फ्लैट नं० 902; जो, 9वीं मंजिल, जमुना सागर; कुलाबा बस डिपो के पास, कुलाबा रोड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/8565/85-86 फ्रींए जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 6-12-1985 को रिजस्टिं किया गया है।

निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी महायह आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 4-8-1986

मोहरः

(1) मैसर्स अंसाबिल्डर्स. प्रक्य बाह्य टी. एन. एस : -----

(अन्भएक)

2 श्री अन्तैयानी सूरी।

(अन्तरिती)

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्प्रमा

नारत सरकार

कार्याभय, सहायक नायकर नायुक्त (विदक्षिण) अर्जन रेंज-1, धम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अगस्त, 1986 सं० अई-1/3 7ईई/9173/85-86:--अत मुझें, निसार अहमद,

नायकर जॉंपनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसे इसजें इसके परचाल् 'उच्छ अभिनियम' कहा चया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य **र**त. 1,00,000∕- से अधिक हैं।

न्नीर जिसकी सं० फ्लैटन० सी 2 में, जो 1ली मंजिल_, तिरूपित अपार्टमेंटस, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है और इससे उपाधन अनुभूची में फ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), फ्रीर जिपका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 16-12-85 को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृस्य से काम को इत्यमान प्रिक्षिक के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्थान कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकास का पन्द्रहप्रतिश्वत से अधिक ही और वन्तरक (अन्तरकाँ) और अतिरिती (अंतरितियाँ) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्दर्शय से उक्त बंतरण सिक्कित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 📞 ---

- (क) सम्तरण से हुई किसी भाग की बायत, उक्त मिपिनियम के बधीन कर दोने से सन्तरक के **व्यक्तिक में कभी** करने या उससे बच्नने में सुविधा ले जिए; बहु-या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियः को, विक्ते भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्दरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था वाकिया वाना जाहिए था, क्रियाने में सुविधा 🕏 प्रिए:

क्तः अव, उक्त वामिनिवन की भारा 269-ग के वनुसरण **कों, कों, उक्त विधिनियम की भाग 269-थ की उपधार्य (1)** 🛋 मधीन , जिम्मसिवित व्यक्तिकाँ 🗗 वर्षात् 🛊 🕶

को यह शुक्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता 🚒 🕕

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी माओप :----

- (का) इस स्**चना के राज**पत्र में प्रस्थायन की तारीखें से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ सुचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवासः
- (वा) इस सूचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 किंग को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिहित में किए वा सकें ने।

स्वक्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गर्थ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित डी बड़ी बर्ध होगा को जस अध्यास में दिवा गया है 🔞

वन्त्वा

फ्लैट नं० सी० 2, जो, 1ली मंजिल, तिरूपति अपार्ट मेंटस, भुलाभाई देशाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है 🔻 अन्**भूची जै**मा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/8653/85--86 फ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-12-1985 को राजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमध, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-1, अम्बई

दिनांक: 4-8-1986

ंकरा बार्ड <mark>टी . एनं एकं</mark> लल्लनमञ्जासन

बाधकर कींपनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-ए (1) वो वधीन स्थान

STATE OFFICE

भारतिक, बहायक वायकत् वायुक्त (निडीकान)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 अगस्त, 1986 सं० अई-1/37ईई/9352/85-86:--अतः मझे, निसार अहमद,

शायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्व 1,00,000/- रू. से मंभिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 51, जो, बी विंग, 5 वी मंजिल, हिरा पन्ना को-आप हाउसिंग सोसायटी लि०, हाजी असी, बम्बई-26 में स्थित है। श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 30-12-1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके खरमान प्रतिफल से एसे खरमान प्रतिफल का पन्ताह प्रतिशत से विभक्त है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा नवा प्रतिफल, निम्नीजीवत उद्वेषम से उक्त कन्तरण जिल्लाका के बास्तिक रूप से क्यांजन नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जीभी मध्य के जिलीन कीर दोने के जन्तरक की प्रतिप्रकारों को की कारने या असले बासी में सुधि।; की लिए; बाँद्र/शाः
- (ब) एसी किसी जाब वा किसी धन वा अस्य जास्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए वा स्थितने में स्विधा के लिए;

क्षतः १व, उस्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण भो, भी, उस्त अभिनियम की भारा 269-ग की स्थाबारा (1) को अभीन, निम्मकिकित व्यक्तियां, अर्थात् ४——

- (1) श्रीमती शोधा पी० घिया (मंगला भार० दवाडे) (धन्तरक)
- (2) श्रीमती चदाँबेन भाईलाल गाहा। (श्रन्सरिती)

को वह श्वाम बारी करके नुवांक्त सम्मात्व में नुवंक में किय कार्यवर्तहर्मा स्थान करता हो।!

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ध--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की बारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की कामील से 30 दिन की अविध, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी जन्म स्पन्ति द्वारा वभोहस्ताकारी के वास कि बिदा में किए वा सकेंगे।

्लक्कोक्कार्ण:----इसमें प्रयुक्त कव्यों और पत्नों का, यो उत्या श्रीधनियम के अध्यान 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होया थों अध्यान में विका नवा हैं।

नन्त्री

फ्लैंट नं० 51, जो, 5वी मंजिल, बी विंग, हिरा पन्ना को आप हाउसिंग सोसायटी लि०, हाजी अली, बम्बई-25 में स्थित है।

अनस्ची जैसाकि क सं० अई-1/37ईई/8825/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्राग दिनांक 30-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमध,, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 4-8-1986

rec argin aluga, que ----

नावकर व्यक्तिपान, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-व (1) के बचीन ब्यना

कार्यांतव, तहावक वाधकर वाय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 अगस्त 1986 सं० अई-1/37ई/9203/85-86:--अतः मुझे, निसार अहमद,

बायकर लिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इत्यों इसके परवाद 'उक्त अभिनयम' कहा वया हैं), की बाह्र 269-व ने सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाकार मुख्य

1,00,000/- र. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1303, जो, 13वीं मंजिल,
सूत्रणा अपार्टमेंट्स, आर० आर० ठक्कर मार्ग, बम्बई-6 में
स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबदा अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से
विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 18-12-85
को पूर्वोक्त बम्पति के उचित बाजार मृन्य से कम के क्यमान
प्रविक्त के निए बन्तरित की गृह हैं और मुखे यह विश्वास
अदने का कारण है कि मभाप्नोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार
पूर्व, उसके व्ययमान प्रतिक्षम स एसे व्ययमान श्रीत्कम का
वन्द प्रविक्त से निएक हैं बाँड मंतदक (मंतदकों) और नंतदिती
(जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया
श्रीतक्त, निम्नजिबित उन्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में
वास्तिक अप से कथित नहीं किया गया है

- (क) न्लारण वं हार किसी मास की बाबत्, उक्त अभिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को वासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को स्थिए; बीर्/वा
- (क) ऐसी किसी जान या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर किसीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यह धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिसी इवारा प्रकट नहीं किया बना का वा किया जाना आहिए था, कियाने में शुंधिया के शिष्टः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती संध्या एम० कोठारी भौर श्रीमोहन लाल एम० कोठारी।

(अन्तरक)

श्री अन्तराय बी० शाहा,
 श्रोमती दमयन्ती बेन ए० शाहा,
 श्रो विरेन्द्र ए० शाहा भौर
 श्रो प्रदाप ए० शाहा।

(अन्तरिती)

को यह ध्याना चारी करके पूर्वोक्त तस्पत्ति से वर्गन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाध्येप :---

- (क) इस स्वान के राज्यक में प्रकारण की तारीं हैं
 45 दिन की जनभिया तत्सवंधी व्यक्तिमों पह
 स्वान की तामीस से 30 दिन की जनभि, यो भी
 व्यक्ति नाद में समाप्त होती हो, के भोतार प्रवेक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित स्वाधः;
- [ब्री मुख बुक्ता ने प्राप्तकृत में मकाकृत की सारीन के 45 वित्र के भीत्र उत्तत् स्थायद स्थायद स्थादित में हिस-ब्रुष किसी सम्य कान्सि स्थादा, अभावस्थाक्ष्यों के बास निवाद में किस वा सकेंचे के

स्वक्क हुन ह--हरूने प्रमुक्त शक्त नार पर्यो का, को सबस की पर रिवस के बच्चाव 20-क में पहिस्तास्त है, बही वर्ष होगा, को उस जम्याय में दिया नवां है।

अन्स्ची

ि पर्लंट न'० 1303 जो सुल्या अपार्टमेंट्न, आए० आए० ठक्तर मार्ग, बम्बई--० में स्थित हैं !

अनुमूत्री जैसा कि क्र०सं० अई-1/37ईई/8683/85-86 ग्रोंर जो सक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक :8--12-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> निसा∵ अहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेघ∹ा, धम्बई

दिनांक: 4-8-1986

मोहर 🖫

प्रस्त नाहु^{*}ु द<u>ि.</u> युन्_ं पुस्_ं

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अंगस्त; 1986

निर्देश सं० अई-1/37ईई/9168/85-86:--अतः मुझे, निसार अहमद,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य की, 00,000/÷ रुद्ध से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या पलैट नं० 13, जो, कीज कुटीर, स्थाटा लेन, नेपियनभी रोड, बम्बई-6 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में ब्लिंगत हैं), ग्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 13-12-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गद्द हैं और मुझे बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रश्र प्रतिफात से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती ((अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया व्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित अं

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन बा बन्स आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधि नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पिश्तियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा को लिए;

अतः अस, जन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के सभीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, सभीत :— 1. श्री सी० महादेव भट्ट।

(अन्तरक)

डा० बीलतचन्द कोठारी,
 उर्फ धुदालाल जे० कोठारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्स अपित्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं ० 13, जो; श्रिण कुटीर, रूगटा लेत, नेपियनसी रोड, बम्बई--6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-1/37ईई/8668/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-12-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज़-1, बम्बई

दिनांक: 4-8-1986

स्रोहर 🖫

प्ररूप बार्ड् ट्री.एन.एस.-=-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 अगस्त 1986

निर्देश सं० अई-1/37ईई9167/85-86--अतः मुझे, निसार अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

र्मार जिसकी संख्या पलैंट नं० 32, जो, 3री मंजिल, पुनिता इमारत, महीद भगतिसह रोड, ब्रम्बई-5 में स्थित है (ग्रांर इसने उपाबद्ध अनुभूची में ग्रांर पूर्ण रूप न विणत है), ग्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 13-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत अन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अजने में सुविधा के सिए;। और/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, शिपाने में सुविधा के लिए?

1. श्री रोशन सोराब खजोटिया।

(अन्तरक)

2. कैप्टन सोली होशांग डाल्लास।

(अन्तरितीः)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्दीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का जो उक्त अधिर नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवसर्वा

पलैंट नं २ 32, जो; 3री मंजिल, पुनिता इमा त, शहीद भगत सिंह ीड, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-1/37ईई/8061/85-86 श्रीर जो सम्बम्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-12-1985 को अस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम शिधकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 स को उपधारार (1) के अधीन, निम्निजिबित स्वित्यों, अर्थात् —

दिनांक: 4-8-1986

मोहरः

रहम् अर्ह्_ष सी<u>त शुन्ता स्थात ५ ० ० ० ० ०</u>

बावकड विधिनवम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-प (1) में भ्योन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय , बहायक मायकर मानुक्त (निद्रीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अगस्त, 1986

निर्वोग सं० अई-1/37ईई/9214/85-86-अत:, मुझे, निसार अहमद,

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या पर्लंट नं 1 बी, जो, इमारत नं 1, गरेज नं 1 बी 66, लेन्डस एण्ड इमारत, 29 डी, डुंगरशी रोड, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण खप से विजत है), ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 18-12-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य है कन के दृष्यमान द्विकल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह निक्शास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाबार सूल्य, इसके क्ष्यमान प्रतिकल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त कृषिष्ठिक के क्षीन कर वेचे के क्षाइरक के स्वित्व में कभी करने या कर्न्ड वचने में रविषा के सिए; कृष्टि/या
- (त) पृथी किसी बाव ना किसी भव का अन्य वास्तियों कां, श्वनहां भाउतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा वी किया

ज्ञात अभा, जन्त अधिनियम की भारा 269-ग की जनसरण औं, मैं जन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) औं अधीन निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

डा० मुनिश चन्द्र बात्रा श्रीर
 डा० (श्रीमती) कौशस्या बाला।

(अन्तरक)

- 2. श्रीमती रणमा चोकसी, मास्टर रूणिन चोकसी, पालक हुएमा चोकसी, मास्टर हुनिण चोकसी, पालक श्रीमती हुएमा चोकसी , कुमारी मीना चौकसी (पालक श्रीमती हुएमा चौकसी (अन्तरिती)
- 3. अन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

का यह स्वना चारी करके प्वींका सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यमाहियां करता हूं।

उपत कर्मात्त में वर्जन के सम्बन्ध जो कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को शी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृश्वीक्त स्थितियों में से किसी स्थितत हुनाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथाहस्ताकारी के पाक लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं बर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

अनुस्यी

पर्लंट तंल 1 बी, जो, इमारत नंल 1 श्रौर गरेज नंल 1 बी 66, लैन्ड एण्ड इमारत, 29 डी, डूंगरणी रोड, मलबार हिल, बम्बई $-6\frac{1}{2}$ में $\frac{1}{2}$ स्थित है $\frac{1}{2}$ ।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-1/37ईई/8694/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-12-1936 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--1, बम्बई

दिनांक: 4-8-1986

माहर:

प्रकार बार्षु 🖟 हों । हुन् । हुन् 🖰 📨 🕶 🚥

नायकार निर्धातयम् , 1961 (1961 का 43) की गारा 289-न (1) के मभीन कुछना

TIST STATE

कार्याच्य , बहारक बावक इ सम्बद्ध (विद्रीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4-8-1986

निवेश सं ० अई--1/37ईई/9295/86--86:---अत:मुझें, निसार अहमद,

बावकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (किये एसर्वे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या गोडाउन नं० बी-5, भीर दालामल टावर बेसमेंट, 211, नरीमन पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी

कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 23-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्त से कम के दिवसान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विवसास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह्
बतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण वं धुद्दं किलों बाय की बायतः, उपका अधिनियम के अधीन कर वाने के बन्तरफ के वायित्य को कभी करने वा उसके बचने में सुविधा के जिए; अधि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बताः वंब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म वै अनुबर्ध मं, मं, उक्त अधिवियम की भारा 269-म की उक्शारा (1) के अधीन, निम्न्लिखित व्यक्तियों, अभीत् ुक्ल

- मैसर्स सिम्पलीमिटी इंजिनियर्स प्रा० लि०।
 (अन्तरक)
- 2. मैसर्स मनचनानी एक्सपोर्टस प्रा० लि०। (अन्तरिती)

को वह स्थान पाती करके प्याप्त संपृत्ति से अर्थन से विद्य कार्यवाहियां काष्ट्रवा होतु।

क्ष्म बन्मीत् से वर्षक् में बन्धम् वे' कोई' ही बाबेंच्यत

- (क) वर्ष क्या के श्वापन में प्रकारन की तारींच के 45 किन की मुद्देश का तरकारनी मास्तिकों वर सुमत की ताबीत से 30 दिन की नविधा, को भी कर्मन बाद में समान्य होती हो, के मीतर प्रवेशिक महिताकों में से किसी मासिस कुवाराष्ट्र
- (क) इस स्थान को राष्प्रत में प्रकाशन की तारीच वो 45 दिन के जीवर उक्त स्थानर बस्परित में हितवहण किसी नस्य व्यक्तित वृशास अधोइस्तासरी की पांचे लिखिट में निष्ठ का सकों ने 1

ह्मच्चीकरण : — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, यो उतक अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभावित है, वही अर्थ होगा, यो उस अध्याय में विया गया है।

बन्स्ची

गोडाउन नं० बी 5, जो, पालामल टावर बेंसमेंट, 211 नरीमन पाइण्ट, बस्बई-21में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/8772/85-86 मौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 23-12-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमव, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 4-8-1986

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यातम, सहायक आवकर नायुक्त (निर्दीक्रण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 4 अगस्त, 1986

निदेश सं ० अई-1/37ईई/9323/85-86--अतः मुझे, निसार अहमद,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया ही), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं 1702 जो 17वीं मंजिल वाल्लेस अपार्टमेंट्स-1 इमारत, टी जे मार्ग भीर स्लेटर रोड का जंक्शन, ग्रेन्ट रोड, बम्बई में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 26-12-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूक्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एोसे इश्तमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत्तः से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया विकल, निम्नसिचित उद्वोद्य से उनत बंतरण सिचित में बास्तिकक रूप से क्षित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त लिधिनियस के अधीन कर बोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी नाम या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के सिए;

बराध जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण जी, जी, उथ्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) व अधीन, निस्तिविक व्यक्तिकिंग वर्षात क्रिक्त

- मैंसर्स यूनिक इस्टेंटस डेबलपमेंट कम्पनी लि॰। (अन्तरक)
- 2. मैसर्स स्पेस एज इंजिनियरिंग प्रोजेक्टस प्रा० लि० (अन्तरिती)

को यह सुचना वारी करके वृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिद्ध कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रांसत्त व्यक्तियों
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध हैं इसी जन्य क्यांक्त द्वारा अधोहस्टाक्षरीं के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त खब्दों और ५६ाँ कर, जो उक्त अधि-नियम, को जभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 1702, जो, 17वीं मंजिल, बाल्लेस अपार्टमेंट्स 1 इसारत, जंक्शन आफ तुकाराम जीवाजी मार्ग ध्रौर स्लेटर रोड, ग्रैन्ट रोड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई 1/37ईई/8798/85--86 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26--12--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 4-8-1986

पुरुष बाह्र ही एवं, एहं . -- -- --

बागामर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

शारत सरकार

भावतिक, सहायक आयकर जायकर (किरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 शगस्त, 1985

निर्जोग सं० अई-1/37ईई/9088/85-86:---अतः मुझे, निसार अहमद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 इ. के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाल करने का फारण है कि स्थावर संपरित जिसका उच्चित बाजार मृल्य

1,00,000/- क. से अधिक 💕

श्रीर जिसकी संख्या इमारत नं० बी-1, फ्लैट्स नं० 21 22, 31 श्रीर 32, इमारत नं० बी-2, फ्लैट्स नं० 26, 27, 28, 35, जो, कर्म क्षेत्र, हरखंसलाल मार्ग, यध्मुखानत्द हाल के पाम, बम्बई-37 में स्थित हैं (श्रीर इसरी उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण खप से विणित हैं), श्रीर जिसका कपार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, कारीख 6-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रित्यक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते गढ़ विष्कृम करने का आरण है कि यजानूर्वोक्त संपरित का उचित याजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिक्षण से, एसे दश्यमान प्रतिकृत का पल्यह प्रतिकृत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पासा बबा प्रतिक्ष्म, निम्निजिस्त उद्देशय से उक्त अंतरण लिस्ति में वास्त-विक कप से अधिस नहीं किया नवा है ;——

- (क) जन्मरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधन , मियन के जजीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उनले अचने में मृतिधर के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से किए:

अप. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त आधिनियम को धारा 269-घ की उपारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----18—236GI/86 1. कल्पवरू (इण्डो गायमन) कन्स्ट्रमणन्स प्राइवेट लि०।

(अन्तरक)

2. दि महाराष्ट्र स्टेट को-आप काटन ग्रोवर्स मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्परित के अर्चन के तिहु कार्यवाहियां करता हूं।

श्व सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में को**ई भी वास्रो**प:→ः

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन को तार्रीय तें 45 दिन की अवधि या अस्टम्ब्ली व्यक्तियाँ देश हुम्बल की तामील से 30 दिन की अवधि, या भी वविष शद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस तुमना के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वस्था किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकों में 1

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यी

इसारत नं० बी-1, फ्लैट्र, नं० 21, 22, 31 श्रीर 32, इसारत नं० बी-2, फ्लैट्स नं० 26, 27, 28 श्रीर 35, जो, कर्म क्षेत्र, हरबंसलाल मार्ग, पण्मुनानन्द हास के पास, बस्ब $$\hat{z}$ -37 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क सै० अई-1/37ईई/8570/85-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 6-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया हैं।

> निमार अहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजि–1, वम्ब [%]

दिनोक: 1-8-1986

प्रकथ बाह्य, दर्शः एवः एकः 🕞 🕞

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा 269-म (1) के अधीन स्**पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 अगरा, 1986

निर्देश सं० अई—1/37ईई/9136/85-86:---अनः, मुझे, निसार अहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक 1,00,000/- रु. से अधिक है

सौर श्राँर जिसकी संख्या पलैट नं० 231, जो, बी इमारत, ग्रेन्ड पराडी अपाट्मेंट्स, धार्दाशेठ अप्यारी लेंस, ए० के० मार्ग, बम्बई-36 में ज्यित हैं (श्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से बॉणत हैं) श्राँर जिसका करारतामा आयकर अधिन्यम, 1961की धारा 269 क, खते अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरड़ी हैं नारीख 11-12-1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृन्य उसके धश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा मशा प्रतिकल, गिम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त बन्तरण निक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (फ) अन्तरम ने हुई फिबी बाय की बावत । उपन अभिनियत्र के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्त मों कमी करने या उसमें अपने मों मुलिया के लिए; आं∨या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आसितायों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त कार्न कार्न का 27) के धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिष्ठपाने दें स्वित्रा के जिला;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती जया उर्फ जवेर टी० शाहा।

(अन्तरक)

2. श्री गोविन्द सुन्ती।

(अन्तरि**ती**)

3. अन्तरिती

्यह् व्यक्ति, जिल्लो अधिभोग में तम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकनी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिशिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसकी

फ्लैंट लंक 231, जो, बो इसारत, ग्रॅन्ड पराडी अपार्टमेंट, दाविषोठ अग्यारी सुन, आगस्त कांती मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैना कि करसंर अई-1/37ईई/8717/85-१८ श्रीप जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-12-1986 को प्राप्तिकारी किया गया है।

> निगार अहमद, यक्षम प्राधिकारी, गण्यायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज- 1, बस्बई

दिसांक: 4-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सूचना

HEEF REPORT

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 अगस्त, 1986

निदेश सं० अई-1/37ईई/9269/85-86:--अत: मुझे, निसार अहमव,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसमें पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-७ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट तं० 5, जो, कि श्री रिव को आप हार्टींग सोमायटी कि० 73, भुलाभाई देसाई रोष्ट, बम्बई 26 में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांश पुर्ण रूप से विणित हैं), भ्रौर जिसका करारनामा आयकर अधि नियम, 1961 की धारा 269 के ख वे अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, सारीख 20-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति ने उचित बाजार मूल्य से कन के कलागन प्रतिपत्त को जिए अंतरित की नहीं हैं और मुक्ते यह विकास करने का कारण हैं कि अधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूग्य, उसके क्ष्यमान प्रतिपत्त से, एसे क्ष्यमान प्रतिपत्त का पन्नह प्रतिवात से समिक हैं और मंतरक मंतरकों) मार मंत-क्ति। (अंतरितियाँ) के बीक एसे मंतरण के लिए तय पाया पथा मतिपाल, निकाणियात उद्देश्य ते सम्बद्ध भंतरण विकास में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :--

- (क) वंतरक से हुई किसी शाव की नक्षत, उनत स्वीय-धिवस से अपीन कर दोने के वंतरक के वादित्य में क्षरी करने वा उससे नचने में सुधिया के निष्; वरि/का
- (थ) होती किसी बाब वा किसी धर्म वा बन्त बारितावी कार विनहीं आरतीय वावकर वीवनियम, 1922 (1922 का 11) का उपन्त वीवनियम, वा वम-कर अविभिन्न, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अधिरेती इनाक अकट नहीं किया नवा धर्म का किया काल प्रसिद्ध का, कियान में बुलिया के विवा:

बधः इव, उक्त वीधनियम की धारा 269-ण के बन्धरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- । अर्जन जी० इदनानी।

(अन्त्रक्त)

श्रे अगोक पी० जैंत, सूरेश पी० महता, श्रीमती पारूबेन पी० महता श्रीर श्रीमती कलावती बेन एम० महता।

(अन्तरिती)

3 अन्धरक

(बह् व्यक्ति, जिसके <mark>श्रधिभोग</mark> में तस्पत्ति **है**)।

को यह सृषका बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षक के विष्

उक्त सम्पांस के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्से :---

- (क) इस स्वान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितववृष्य माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों की तामील से 30 विन की सविध, जो भी जनिष वृद्धी वर्ष होंगा जो उस अध्याय में विका नगर है।
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 शिविनियम के अर्थाल कर वार्त के अस्तरक खें किसी जन्म व्यक्ति स्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीक्षरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं हैं, वहीं क्षे होगा को सब कथाय में विका बना है।

अन श्वी

पलट नं० 5, जो, श्री रिव को आप हाउगिम सोसायटी लि०, 73, भुराभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क सं० अई-1/37ईई/8748/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-12-1986 को राजस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज~1,बम्बई

दिनांक: 4-8-1986

मोहर.

प्रकृप मार्ड वी. एन . एस . -----

भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कायोजन, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1986 निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/9107/85-86--ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा पया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या कार्यालय नं० 1303 जो, दालामल टावर्स, प्लाट नं० 211, नरीमन याइण्ट, ब्लाक – 3, बम्बई 21 में स्थित हैं (स्रोर इससे पहले उपाबद्ध अनुसूची पुर्ण रूप से वर्णित हैं), स्रोर जिसका करारनामा आयकर स्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तार्राख 9-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान बितिफस के लिए जन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पदह अतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया नया प्रसिक्क के से किसत उद्योग्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्त्विक कर से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने म सृविध के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मंं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) की अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीम :---

ासकार कुरा भेंक पेंब पासानी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बी० ए० विलानी ग्रीर भ्रन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षंप एक-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश है 45 दिन की अविध सा तस्संबंधी व्यक्तिमां पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से भिक्ती व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसमब्ध किसी अन्य व्याप्ति इतारा, अधाहस्साक्षरी के पास लिखित में किथे जा सकने।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अध हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ु</u>स्**ची**

कार्यालय नं० 1303, जो, दालामल टावर्स, प्लाट नं० 311, बनाक-3 नरीमन पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित हैं। श्रनुसूची जमा कि क मं० श्रई-1/37ईई/8589/85-86 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-12-1985 को र्याजस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 31-7-1986

प्ररूप नार्चे .टी . एम . एस . ------

नायकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ने (1) के नभीन सूचना

शारव वरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जलाई, 1986

निर्देश सं० श्रर्द-1/37ईई/9231/85-86:--श्रत: मुझे, निसार श्रहमद,

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 2'69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिमकी संख्या कार्यालय नं 112 मी, जो, मिलल कोर्ट, नरीमन पाइण्ट, वम्बई-21 में स्थित है (श्रीप इससे पहले उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करीरनामा भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 19-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अध्यक लिए और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिचित में बास्तुविक रूप से क्षीचत महीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के निए; और/मा
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, अबत अभिनियम की भारा 269-ण की, अनुसरण भों, भीं उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) इं अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवित् स्——

- ा मैसर्थ लासंविन इंजिनियरिंग प्राइवेट लिए। (ग्रन्तरक)
- मैं सर्स झें निथ कोलबरेशन कन्सलटेन्स प्राइवेट लि०। (ग्रन्तरिती)
- 3. ग्रन्तियों

(वह व्यक्ति, जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में क्ष्रोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की धामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए का सकेंगे।

हपष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कार्यालय नं ० 112-बी, जो, मित्तलकोर्ट, नरीमन पाईण्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि फि० मं० ग्रि $\xi-1/37$ ई $\xi/4710/85-86$ श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्ब ξ बारा दिनांक 19-12-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार ऋहमद,, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, वस्बई

दिनोक: 31-7-1986

मोहर

अरूप नाइ^क्, ट]. एव_ं एत_ं-----

आयकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269≥म (1) में वर्षीन स्वता

शारत बरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्स (निरीक्स)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1986

निर्देश सं० अ-1/37ईई/9066/85-86:—-अत:, मुझे, निसार शहमद,

प्रायकार अभिनियम, 1961 (1961 का. 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद (उक्त अभिनियम) कहा गया है), की भारा 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृस्य ,,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या कार्यालय प्रिमायसेम कमरा नं 16 जाली मेकर चेम्बर्स नं 2, नरीमन पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख :-12-85

का प्वोंकत सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के ध्यमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, इसके ध्रयमान प्रतिफल में, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह हित्रियत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा हित्रिकल, निम्नलिखित उद्योध से उक्त अंतरण निवित में ।।।तिकिक रूप म किंगन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाथ की शायत, जलत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दर्शायल सो कभी करने या उससे जलने मां सुनिधा १ ११९९, १९५,११
- (य) एक किया लाय या किया पन या अस्य आस्थित कार्य, शिन्ही भारतीय जाब-कर निभिनिषम, 1922 (1922 का 11) या लक्क आभानस्था, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयाजनार्थ जीतिराहे द्वारा प्रकृत नहां किया पया ना सा किया आना जाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बच, उक्त विधिनियम, की धारा 269-न के बन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को को अधीन, निम्निसिखत व्यक्तित्वां, अधीन् क्ष--- 1. परीस (इस्टर्न) प्राइवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

2. समम्ब्राट शिपिंग कम्पनी प्राइवेट लि०।

(ग्रन्सरिती)

को यह बुधना चारी करके पूर्वोक्त सम्प्रीत के अर्थन के निए कार्यवाहियां खुक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र है---

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान। की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिविक में किसे का सकते।

स्यव्योकरण: इसमें प्रयुक्त कर्न्यां और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा वसा है।

अनुसूची

कार्यालय प्रियामसेस जो, कमरा नं० 16, जाली मेकर वेम्बर्ग नं० 2, नरीमन पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि अ० ग्रई-1/37ईई/8548/85-86 ग्रीरा: त्रा त्याप्तारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-12-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-1, बस्बई

दिनोक: 3-7-1986

प्ररूप वाइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 श्रगस्त, 1986 सं० ग्रह-1/37हही/9220/85-86:---श्रतः मझे

मं० गई-1/37ईई/9220/85-86:---श्रत: मुझे, निसार श्रहमद,

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके एक्वास् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीरिशिसकी संख्या फ्लैंट नं० 52, जो, 5 वीं मंजिल, ए-1 अपार्टमेंट्स, 270, बालके क्ष्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित है। (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूण क्ष्य से विणित है श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 260 के ख के पश्चीतवाबई स्थान सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 19-12-1985

को पर्योक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दण्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देष्य से उच्त भंतरण लिखित में जाम्तिक कप से किशा नहीं किया नया है:—

- (क) अंतरक से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायिएक में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिधा के लिए;

शहर अप, स्कृत आधिनियम की धारा 269-ग **के अन्सरण** में. में. उक्षत अधिनियम की धारा 269-घ की **उपधारा (1)** के अधीन. निम्नलिकित व्यक्तियों अधीत :--- श्री चन्द्र लाल एन० मेहता श्रीप श्रीमतं (निर्माला सी० मेहता)

(ग्रहारका)

2 पिएम हॉटेल्स लिमिटेड।

(अन्तर्गरती)

3 अन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसकें प्रश्निमोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुषारा;
- (व) इस स्वरः के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सूची

फ्लैंट नं० 52, जो, 5वी मंजिल, ए 1 श्रपार्टमेंट्स, 270, बालकेण्यर रोड बम्बई ७ में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क सं० कई-1/37ई /8700/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हास दिनांक <math>19-12-1985 को स्थिरटडर्ड किया गया है।

निसार शहमद, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रापकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोज~ा, बस्बई

दिनांक: 4-9-1986

श्रुव बार्स . जी . एवं . एवं . ----

शासकर अभिनिष्ठम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्वयना

नारत वर्षकार

फार्याक्य, सहायक नायकर वायुक्त (निर्शिक्षक)

अर्जन रेंष, अमृतसर

अमृतस्र , दिशांक 17 जलाई 1986

तिदेश सं० अमृतसर/86-87/12---यत: मझे, जसपाल सिंह (आई० आर० एए०)

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की पह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रीर जिसकी स० विक्टोरिया होस्टल क्वीन रोड़, अमृतसर है, तथा जो अमृतसर में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध है अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणत है), रिलस्ट्रीनर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीनरण अधिनियम, 1908 (1908 में 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1986

को पृथोकत सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) बौड़ अन्तरिति (अंतरितियाँ) को नीच एसे अन्तरण को निए तय पासा गया प्रतिफल, निक्निलिसित उद्देष्य से उस्त अन्तरण सिसित में बास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- अभ एसी किसी काय या किसी धन या बन्य वास्तियों की, विन्हें भारतीय वाय-धर विभिनियम, 1922 (1902 का 11) या तथ्या विधिनियम, या धन-कार विभिनियम, 1057 (1957 का 27) अभ प्रतिवासी कालियों दुशारा अकट नहीं किया भाग था या किया काना करिया सा, किया में शिक्था चे सियः

कतः अत्र उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अमृसरण हो, के उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) हे लगी। निम्मिनिक्त कार्किस्ता, अभिक्ष क्

1 श्री मूरजीत सिंह मूल श्री जीत सिंह, विकटोरिया होस्टल, क्वीन रोड़, अमृतसर।

(अन्तरक)

2, श्री प्यारा भिह, पलविद्य सिह, सतनाम मिह पुत्र प्यारा भिह श्री गुरमें ज सिह पुत्र श्री धर्णन सिह, बीबी राविन्द्र कार पुत्री प्यारा मिह, 15-16, शिव कृष्ण बिल्डिंग, मालावार हिन रोड़, मुकद कालोनी; बम्बई-82।

(अन्तरिती)

3 मं० 2 यदि कोई हैं (इस सावित

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षत्र के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधिभ बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वेष्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यवृध किसी जन्म व्यक्ति वृदारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिवत में किय वा ककेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत विधिनयम, के सभ्याय 20-क में विद्धावित हैं, वहीं वर्ष शोगा को जस अभ्याय में विद्धा वसा हैं।

नन्सूची

एक जायदाद जो कि विक्टोरिया होस्टल, क्वीन रोड़, अमृतसर में हैं। जिसका रिष्ट्रिणा डीड न० 13160 की विभांक 28-2-86 रिजस्टर में इन्दराज है।

> जसपाल सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, असृतसर

तारीख: 17-7-1986

1

3

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 1st July 1986

No. F.6/86-SCA(I).—Shri R. Subha Rao, Registrar, has retired from the service of the Registry of the Supreme Court of India with effect from the afternoon of June 30, 1986 on his attaining the age of superannuation.

The 1st August 1986

No. F. 6/86-SCA(I).—Shri P. K. Basu, Officiating Assistant Registrar, has retired from the service of this Registry with effect from the afternoon of July 31, 1986 on his attaining the age of superannuation.

The 6th August 1986

No. F. 6/86-SCA(I)-Hon' ble the Chief Justice of India has promoted and appointed the following members of the staff of this Registry to the posts and with effect from the forenoon of the date mentioned against each, until furtheour ders;-

OI	the date mentioned against ea	ich, until Turtheogr ders;
SI No	Name & Designation	Post to which appointed and date of appintment
1	2	3
1.	Shri R. S. Suri, Offg. Jt. Registerar	Appointed to officiate as Addl. Registrar with effect from April 26, 1986.
2.	Shri Surender Lal, Offg. Dy. Registrar	Appointed to officiate as Joint Regisgtrar with effect from April 26, 1986.
3,	Shri K. Chandramouli, Offg. Dy. Registrar	Appointed to officiate as Joint Registrar with effect from April 26, 1986.
4.	Shri R. N. Joshi Offg. Dy. Registrar	Appointed to officiate as Joint Registrar with effect from April 30, 1986.
5.	Shri S. S. Srivastava, Offg. Dy. Registrar	Appointed to officiate as Joint Registrar with effect from April 30, 1986.
6.	Shri Ved Parkash Sharma, Assistant Registrar	Appointed to officiate as Deputy Registrar with effect from July 19, 198 6.
7,	Shri T. Bhattacharya,- Asslatant Registrar	Appointed to officiate as Deputy Registrar with effect from July 19, 1986.
8.	Shri S. Ghosh, Assistant Registrar	Appointed to officiate as Deputy Registrar with effect from July 19, 1986.
9.	Shri P. N. Likhyani, Assistant Registrar	Appointed to officiate as Deputy Registrar with effect from July 19, 1986.
10.	Shri Satish Chandre	Appointed to officiate as Director (Ex-cadre), Supreme Court Librrery with effect from May 1, 1986.
11.	Shri Darshan Singh, Section Officer	Appointed to officiate as Assistant Registrar with effect from July 19, 1986.
12.	Shri M.L. Aneja, Offg. Assistant Editor, S.C.R (Pt. Court Master)	Appointed to officiate as
13.	Shri Jagan Nath, Section Officer	Appointed to officiate as Assistant Registrar with effect from July 19, 1986.
14.	Shri Som Dev Sharda, Court Master	Appointed to officiate as Assistant Registrar (Pro- forma) with effect from July 19, 1986.
15.	Shri Krishan Lal, Court Master	Appointed to officiate as Assistant Registrar with effect from July 19, 1986.
16.	Shri Amrit Lal Jain, P.S. to Hon'ble Judge	Appointed to officiate as Assistnant Registrar with effect from July 19, 1986

effect from July 19, 1986.

	4	3
17.	. Shri Santosh Kumar Sharme Assistant	Appointed to officiate as Court Master (Proforma) with effect from April, 10, 1986.
18.	Shri R.K. Talwar, Assistant	Appointed to officiate as Court Master with effect from April 10, 1986.
19.	Shri R. N. Lakhanpal, Assistant	Appointed to officiate as Court Master with effect from April 10, 1986.
20.	Miss Prom Bala, Offg. Stenographer	Appointed to officiate as P. S. to Hon'ble Judge with effect from April 30, 1986.
21.	Shri V.K. Wahi, Offg. Stenographer	Appointed to officiate as Court Master with effect from April 30, 1986.
22.	Shri Jawahar Lal Jain, Assistan	Appointed to officiate as Court Master with effect rom April 30, 1986.
	Shri N. A. Siddiqui, Assistant	Appointed to officiate as Section Officer with effect from July 19, 1986.
24.	Shri Raj Gopal, Assistant	Appointed to officiate as Section Officer with effect from July 19, 1986,
	Shri Gian Chand, Assistant	Appointed to officiate as Court Master with effect from July 19, 1986.
		A, N, OBERAI
		Registrar

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 31st July 1986

No. A.38012/3/85.Admn.-II.- Consequent upon his retirement on attaining the age of Superannuation, Shri M. M. Sharma, a permanent Assistant Superintendent (Holl) and officiating as Assistant Controller (DP) in the office of the Union Public Service Commission has relinquished the charge of the office of AC(DP) in the afternoon of 31-7-1986.

> MRS. NITA KAPOOR Dy. Secy. (Adma.).
> Union Public Service Commission.

New Delhi, the 5th August 1986

No. A-32011/3/85-Admn.I.-The Chairman, Union Public No. A-32011/3/83-Admin.1.—The Charman, Onion Public Service Commission, is pleased to appoint Shri N. N. Andrews, Deputy Secretary, UPSC, to officiate as Joint Secretary, UPSC, in the scale of Rs. 2000-2250 for a period of 3 months w.e.f. 5-8-1986 to 4-11-1986, under the powers vested in him vide Regulation 7 of UPSC (Staff) Regulations, 1958.

Under Secy. (Personnel Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING ADMINISTRATVIE REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

New Delhi-110003, the 21st August 1986

No. 1-20/82-CFSL/6796.—The President is pleased to extend the appointment of Shri N. K. Prasad, Senior Scientific Assistant, Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi as Senior Scientific Officer (Gr.II), Chemistry Division, Central Forensic Science Laboratory, Central Bureau of Investigation, New Delhi with effect from 22-7-1986 (Forenoon) on ad-hoc basis for a further period of 3 months or till the post is filled on regular basis, whichever is carlier.

> D. P. BHALLA, Administrative Officer (E).

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

BUREAU OF POLICE RESEARCH AND DEVELOPMENT

New Delhi-110003, the 19th August 1986

No. 3/27/82-Adm.I.—Consequent upon his appointment as Deputy Director General (Security) in All India Radio, New Delhi, Shri Rajender Prasad Gadegawanlia, IPS (KTK-1970) has relinquished the charge of the post of Assistant Director, Bureau of Police Research and Development, New Delhi on the forenoon of 19th August, 1986.

> S. K. MALLIK, Director General.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

No. O.II.2241/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. Ashok Kumar Pathak as General Duty Officer, Grade-II (Dy. Supdt of Police/Coy Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 26th July, 1986 till further orders.

New Delhi-110003, the 19th August 1986

No. O.II.2242/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. Deepak Kumar Verma as General Duty Officer, Grade-II (Dy. Supdt. of Police/Coy Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th July, 1986 till further orders.

No. O.II.2243/86-Estt.I,—The President is pleased to appoint Dr. Soumendra Nath Biswas as General Duty Officer, II (Dy. Supdt. of Police/Coy Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 29th July, 1986 till further orders.

No. O.II.2244/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. Soumendra Nath Biswas as General Duty Officer, Grade-II in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 9th August, 1986 till further orders.

> KISHAN LAL, Dy. Director (Estt.).

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 7th August 1986

No. E-28017/10/84-Pers. II-1307.—Shri G. S. Kapoor, Assistant Commandant, CISF Unit BSHEP, Chamba expired on 4th March, 1986. He is struck off from the strength of Central Industrial Security Force with effect from the forenoon of 5th March, 1986.

New Delhi-110003, tht 12th August 1986

No. E-16014(2)/4/86-Pers.I.—On appointment on deputation. Shri M. C. Mahapatra, Dy. Comdt. (BSF), assumed charge of the post of Commandant (Trg.) CISF HOrs New Dolhi with offect from the forenoon of 1st August, 1986.

The 13th August 1986

No. E-32015(4)/86-Pers. I.—President is pleased to appoint Shri P. K. Mondal, on promotion as Assistant Commandant (JAO), W/Zone HQrs. CISF, Bombay with effect from the forenoon of 25th July, 1986.

The 14th August 1986

No. E-32015(3)/3/86-Pers.I.—President is pleased to appoint Shri C. D. Rai, Asstt. Comdt., on promotion as Deputy Commandant, CISF Unit, NPP Nowgong with effect from the forenoon of 16th July, 1986.

The 21st August 1986

No. E-32015(3) /6/84-Pers.I—President is pleased to appoint Shri K. K. Kaul, Asstt. Comdt. (Ad-hoc Commandant) to the rank of Deputy Commandant, CISF Unit, TPT Tuticorin with effect from the forenoon of 25th July, 1986 on regular basis.

No. F-32015(3)/1/86-Pers.I.—President is pleased to appoint Shri Bhup Singh Rana, Asstt. Comdt. on promotion as Deputy Commandant, CISF Unit, HFC, Namrup with effect from the forenoon of 7th July, 1986, on regular basis.

D. M. MISRA Director General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 18th August 1986

No. 10/16/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint No. 10/16/81-Add.—The President is pleased to appoint Shri K. Narayanan Unni, an officer of Grade IV of the Indian Statistical Service (Research Officer) on his promotion to Grade III of Indian Statistical Service as Senior Research Officer in the office of the Registrar General, India, with effect from the forenoon of 22nd July, 1983, until further orders.

The headquarters of Shri Unni will be at New Delhi

No. 10/22/83-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. L. Gulati, an Office Superintendent in the Central Bureau of Investigation. Delhi Branch, New Delhi officiating as Deputy Director of Census Operations in the office of the Registrar General, India to the post of Depuy Director of Census Operations in the same office on transfer basis with effect from the forenoon of 7-4-1984.

Shri Gulati has since retired on superannuation from service with effect from 30-6-86 (A.N.), vide notification No. 13/18/ 85-Ad.I, dated 8-7-1986.

> V. S. VERMA, Registrar General, India

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

(DEPARTMENT OF LABOUR) LABOUR BUREAU

Shimla-171004, the 5th September 1986

No. 5/1/86-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 inceased by ten points to reach 668 (Six hundred sixty eight) for the month of July, 1986. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of July, 1986 works out to 812 (Eight hundred twelve).

> K. R. PAI Jt. Director/Head of, Department Labour Bureau

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVFNUFS-I

New Delhi, the 18th August 1986

No. Admn.I/O.O.No.135.—Consequent upon his attaining the age of superannuation, Shri Amar Nath-I, as Assistant Audit Officer of this office will be retiring from service of the Government of India with effect from the afternoon of the 31st of August, 1986.

The date of birth of Shri Amar Nath-I A.A.O. is 2-8-1928.

The 20th August 1986

No. Admn. 1/O.O.No.136.—The Director of Audit, Contran Revenues I, hereby appoints the undermentioned officiating Audit Officers of this office, in a substantive capacity against permanent post of Audit offices in the time scale of Rs. 840—1200 from the dates shown against each.

- (1) Shri P. L. Singhal—1-4-1986 (2) Shri K. K. Malhotra—1-4-1986 (3) Shri J. L. Dandona—1-4-1986 (4) Shri R. B. N. Sexena—1-4-1986 (5) Shri R. C. Srivastava—1-4-1986 (6) Shri Hardwar Singh—1-5-1986 (7) Shri K. N. Bagai—1-5-1986 (8) Shri Har Dayal—1-5-1986 (9) Shri D. K. Das—1-7-1986 (10) Shri S. R. Manchanda—1-7-1986

Sd/- ILLEGIBLE Deputy Director of Audit

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 14th August 1986

No. Admn.I/8-132/86-87/82.—Sri V. S. Venkataraman and Sri K. Ramamohan Rao, Audit Officers Office of A. G. (Audit), Andhra Pradesh, Hyderabad, retired from service on the A.N. of 31-07-1986.

> Sd/- ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

(Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I KARNATAKA

Bangalore, the 14th August 1986

AG(Au)I/Admn.-I/A-1/86-87/277.--The tant General (Audit)-I is pleased to promote Sri K. Ram Raj, Section Officer as Asst. Audit officer in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of seniors, if any, with effect from the date of taking over charge as Assistant Audit Officer.

Consequent on his promotion as Asstt. Audit officer, the option to be exercised for fixation of pay in the higher scale as per Government of India decision (15) below F.R. 22(C) Swamy's Compilation (VIIth Edition) (GIMHA Department of Personnel and A.R. OM No. F.7/1/80 Estt. P I dated 26th September, 1981) should be exercised by him within one month from the date of promotion. within one month from the date of promotion.

Sd/- ILLEGIBLE Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) KERALA

Trivandrum, the 20th August 1986

No. ENTT/10-3/86-87.-The following Audit Officers of the Office of the Accountant General (Audit) Kerala, Trivandrum retired from Government service on superannuation on the dates noted against each.

- 1. Shri V. V. Kuttisankaran, Audit Officer-31-7-1986
- 2. Shri K. Bhaskaran, Audit Officer-31-7-1986 (AN)

3. Shri George Joseph, Audit Officer (Commercial)-31-7-1986 AN

Smt, Edith Simon, Assistant Audit Officer retired voluntarily from Government service on 1-5-1986 FN.

> Sd/- ILLEGIBLE Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A& E)-1 MADHYA PRADESH

Gwalior, the 3rd July 1986

No. Admn. I/GO's Prom/79/432—Accountant General (A & E)—I Madhya Pradesh, Gwalior, has been pleased to promote the undermentioned permanent Section Officers as Accounts Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 until further orders with effect from the dates noted against each.

Si Name No.	Permanent No.	Date from which pro- moted,		
S/Shri				
1. J.P. Gupta	02/372	13-6-86 FN		
2. S. M. Shukla	02/423	14-3-86 AN		
[Authority:—Accounts	ant General (A & E)	I's order dated		

14-3-86]

T.K. SANYAL. Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E)-I UTTAR PRADESH

Allahabad, the 31st July 1986

No. Admn-I/1629.—Shri Ram Kishore Agarwal, Substantive Accounts Officer, in the office of the Accountant General, U.P. (A&E), Allahabad has retired from Govt. service on attaining the age of superannuation with effect from 30-6-1986 (A.N.).

MINAKSHI CHAK Deputy Accountant General (A)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL Calcutta, the 20th August 1986

/C/Gaz. /1402-1403. No. Admn-I Audit, Central, The Director Audit, Central, Calcutta has been pleased to appoint the following Section Officers to Cofficiate as Assistant Audit Officers (Gr. 'B') in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 from the date noted against each in the office of the Director of Audit, Central, Calcutta until further orders.

SI. Name No.		Date of assumption of charge.
1. Shri Ramen Ghosh	,	8-7-1986 (F/N)
2. Shri Santi Sadhan De		8-7-1986 (F/N)
3. Shrl Samir Kumar Chowdhury		8-7-1986 (F/N)
4. Shri Pranab Kumar Dutta		8-7-1986 (F/N)
		D MITDA

KM. R. MITRA Dy. Director of Audit (Admn).

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 22nd August 1986

No. 39/G/86—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Temporary Assistant works Manager

with effect from the day orders:—	tes she	nwc	against	themn	unitl	further
Sl. Name No.	•					Date of
1. Shri B.B. Rao .		•				24-6-85
2. Shri A. K. Maliti			•			4-11-85
3, Shri V.R.B. Shastry					1	18-12 - 85
4. Shri P. K. Ghosh						5-2-86
5. Shri M. M. Karmak	ar.					11-3-86
6. Shri S. S. Dwivedi						11-3-86
7. Shri A. K. Dalal						17-3-86
8. Shri B.D. Vishwakan	ma					19-3-86
9. Shri A. G. Mohidee	n,					20-3-86
10. Shri M. K. Choubey						20-3-86
11. Shrl S. K. Purkait						20-3-86
12. Shrl C.D. Moorthy						21-3-80
13. Shri S. K. Ghosh						25-4-80
14. Shri Sanlay Chawla						6-05-80
15. Shri S. Ahlmsairai			•			17-3-86
16. Shri P. K. Pal						27-3-86
17. Shrl T.K. Basu						27-3-8
18. Shri P. C. Jose .						8-5-86
19. Shri T. Mahalingam						12-5-80

(M. A. ALAHAN) JM Director

MINISTRY OF TEXTILES DEPARTMENT OF TEXTILES OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400 020, the 18th August 1986

No. 2(4)/EST.I/86/4196.—Shri R. S. Mathur, Deputy Director, Regional Office of the Textile Commissioner, Madras, retired from service on superannuation from the afternoon of 30-6-1986.

ARUN KUMAR Textile Commissioner

Bombay-20, the 21st August 1986

No. CER/5(1)/86-CLB.—In exercise of the powers conferred on me by Sub-Clause (1) of Clause 24 of the Textiles (Control) Order, 1986, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/5/86-CLB dated the 29th April, 1986, namely:—

In the Table appended to the said Notification after the words, Technical investigators" appearing in entry (ii) in column 3 against S. No. 7, the words, "and Enforcement Inspectors" shall be added.

Np. 5(1)/86-CIB—in exercise of the powers conferred on me by Sub-Clause (1) of Clause 24 of the Textiles (Control) Order, 1986, I hereby authorise each of the Officers specified in column (2) of the Table below, to exercise on my behalf within the Jurisdiction specified in the corresponding entry in column (3) of that Table, the functions of the Textile Commissioner under clause 21 of the said Order:—

Sl No.	Designation of Officers	Name of the State
(1)	(2)	(3)
1.	(i) The Secretary to the Govern of Andrra Pradesh Indu- stries Department, Hyderaba	

(2)	(3)
(ii) State Director of Handlooms and Textiles.	ANDHRA PRADESH
(III) Deputy Directors of Hand- looms and Textiles in the offic of the Director of Handlooms and Textiles and Deputy Re-	c

(iv) Assistant Directors of Industries Assistant Directors of Handlooms and Textile, Deputy Registrars of Co-Operative Societies in the Districts.

tor of Handlooms and Textiles.

- (v) Senior Inspectors of Cooperative Societies or super ervisors of Industries placed in charge of Textiles.
- (vi) Officer of the Revenue Department not below the rank of revenue Inspector.
- (vii) Officers of the Police Department not below the rank of Sub-Inspector.
- (i) Secretary to the Government ASSAM of Assam, Textile Department.
 - (ii) The State Textile Commissioner.
 - (iii) Sub-Divisional Officers.
 - (iv) Deputy Registrar of Co-op. Secleties.
 - (v) Director, Sericulture & Wvg.
 - (vi) Jt. Director, Wvg., Assam
 - (vii) Deputy Director, Wvs. Assam
 - (viii) Assistant Directors of Wvg. Assam.
 - (ix) Supdts. of Weaving, Assam
- 3. (i) Director of Industries (Textiles) BIHAR
 - (ii) Jt. Director of Industries Textiles) (Dy. Director of Industries) (Textiles).
 - (iii) Textile Controller, Bihar.
 - (iv) All Regional Officers (Industires Additional/Joint Director of Industires.
 - (v) All District Collectors.
 - (vi) All Community Project Officers.
 - (vii) All-District Industries Officers
 - (viii) All Supply Inspectors
 - (ix) General Managers, District Industries Centres.

	THE GAZETTE C	OF INDIA PRIM	MBER 13, 1900 (BHADRA 22, 1906) 22889
(1)	(2)	(3)	(1) (2) (3)
	(i) Officers of the Industries Department not below the rank of Sub-Inspectors (ii) Commissioner, Food and Supplies. (iii) Deputy Commr., Food and Supplies. (iv) Food and Supply Officer. (v) Civil supplies officer. (vi) Chief Inspector, Food & Supplies. (vii) Inspector, Food & Supplies. (viii) Asstt. Commissioner, Food & Supplies. (i) Collectors & District Megistrates DADRA NAGAR (ii) The Secretary to the Administrator. (iii) Officers of the Mamlatdars, Office (Rural), not below	A (AND) R HAVELI	(iv) Deputy Director Food & Supplies, Haryana. (v) Assistant Director Food & Supplies, Haryana. (vi) District Food & Supplies Controller/Officers, Haryana. (vii) Assistant Food & Supplies officers, Haryana. viii) Inspectors, Food & Supplies, Haryana. (ix) Sub-Inspector, Food & Supplies, Haryana. (x) Director of Industries (xi) Joint Director of Industries. (xii) Senior District Industries Officer. (xiii) District Industries Officer. (xiv) Assistant District Industries Officer. (xv) Textile Officer (Marketing &
	the rank of circle Inspector. (iv) Supply Inspector. (v) Officers of the police and excise deptt. not below the rank of sub-Inspectors. (vi) Officer of the Industries deptt. not blow the rank of Industries Officers.	9.	Development) 1. (i) Director of civil supplies. (ii) Deputy Director, Food & Supplies. (iii) District Food & Supplies Controllers. (iv) District Inspectors, Food &
6.	Officers. (i) State Textiles Controller Gujarat GUJAI State. (ii) Under Secretary to the Government of Gujarat Health &		Supplies. (v) Inspector Food & Supplies. (vi) Sub-Inspectors, Food & Supplies.
	Industries Department. (iii) Textile Inspectors. (iv) All district Magistrates & Collectors. (v) Food Inspectors. (vi) Officers of the Industries department not below the rank of Industries Inspectors.	10.	(ii) Director of Industries and Commerce, Jammu & Kashmir (ii) Deputy Commissioner Food & Supplies Jammu/Srinagar (iii) Deputy Commissioners of the Districts. (iv) Asstt. Commissioners/Supply Officers & Inspectors, Food & Supplies Department.
	 (vii) Officers of the revenue Department not below the rank of circle Iuspector. (viii) Officers of the police and excise department not below the rank of sub-Inspectors. (ix) Registrar of Co-op. Societies. 	11.	and the second s
	 (x) All district supply officers, Zonal officers, Chief supply inspectors and supply AVAL KARKUNS not below the rank of AVAL KARKUNS of holder of equivalent office. (xi) All officers in the office of the Director of civil supplies and Director of Food, Gujarat State, not below the rank of inspectors. 		Industries & Commerce. (v) District Industries Officer. (vi) Assistant District Industries Officers. (vii) Joint Directors Handlooms. (viii) Commissioner of civil supplies. (ix) Director of civil supplies, Board of Revenue (C.S.), Trivandrum.
7.	(i) Director of Industries and Mines (ii) Officers of the Civil supplies Department not below the rank of Sub-Inspectors (iii) Civil Administrator, Div. (iv) Block Development Officer, Daman.		(xi) Controller of Rationing. (xi) District Collectors. (xii) District supply officer. (xiii) Taluka supply Officer. (xiv) City Rationing Officers. (xv) Asstt. Taluka supply officers. (xvi) Rationing Inspectors.
8.	(i) Director, Food & Supplies, Haryana (ii) Joint Director, Food & Supplies, Haryana (iii) Under Secretary Food & Supplies, Department, Haryana.	ANA 12.	(i) The Commissioner for Industrial Development & Director of Industries & Commerce, Bangalore

2289	THE GAZETTE OF	INDIA, SEPTEMBE	R 13, 198	36 (BHADRA 22, 1908)	[PART III—Sec. :
(1)	(2)	(3)	(1))	(2)	(3)
	i) Addl. Director of Industries & K Commerce, Bangalore i) Jt. Director of Industries & Commerce and Ex-officio Jt. Registrar of Industries Cooperative, Bangalore.	ARNATKA(Conte)		(x)	Director/Dy. Director/Asstt. Director of Food and Civil Supplies. All Tahsildars. Director of Industries.	MANIPUR
•	y) Jt. Director of Food & Civil Supplies, Bangalore.			(ii)	Officers of the Police Department not below the rank of sub-Inspector.	
	f) General Manager (Jt. Directors of Industries & Commerce) of District Industries centres.		16.		The State Textile Commissioner. Joint Director of supply & Trade.	MEGHALAYA
-	i) Asstt. Director of Food & Civil supplies (C. S.), Bangalore.				All Dy. Commissioners. All sub-Divisional Officers.	
`	lii) Food & Civil Supplies Assistants to Dy. Commissioners, of Districts.				All Magistrates. Registrar/Joint Registrar/Dy. Registrar of Co-op. Societies.	
(j:	 t) Dy. Directors/Asstt. Directors of all Districts & sub divisions in Districts Industries cen- tres. 		17.	(ii)	Controller of supplies. Dy. Secy, to the Govt, supply Deptt.	ORISSA.
	t) Tahsildar of Revenue Taluka— respective Taluka. i) Cloth Development officer of				Under Secy. to the Govt., Supply Deptt. Spl. Officer-cum-Under Secy. to Govt. Supply Deptt.	
•	Taluka respective Taluka. i) Inspectors of Civil supplies. i) Food Inspectors.			(vi)	All Magistrates. All Tahsildars.	
•	y) Revenue Inspectors.) Textile Inspectors,	MAHARASHTRA			Revenue Inspectors. Officers of the Police Deptt.	
(li) Food Inspector i) All District Magistrates and Collectors.			• •	not below the rank of sub- Inspectors of Police, Civil supplies officers. Asstt. Civil supplies officers.	
·	v) Officers of the Police and Excise Department not below the rank of sub-Inspectors. v) Officers of the Directorate of		(1	(xi) xii)	Inspectors of supplies. Asstt. Inspector of supplies. Inspector of Excise.	
,	Industries Maharashtra State now below the rank of Industries Inspectors.		(x	iv)	Sub-Inspector of Excise. Asstt. Director of Food supplies.	
	 Officers of the Revenue Department not below the rank of Circle Inspector. Officers of the Civil supplies 				Registrar of Co-op. Societies. Director of Textiles-cum- Addl. Registrar, Co-op. So-	
`	Department not below the rank of supply Inspector. Joint Registrar/Deputy Regis-		(x	ix)	cleties, Orissa. Jt. Director of Textiles. Dy. Director of Textiles.	
	trar/Assistant Registrar of Co-operative Societies (Consumers).		(i) J	Asstt. Director of Textiles. Director of Food & Supplies— Under Secy. Food & Supplies.	-PUNJAB
(ix	The Regional Deputy Director, Directorate of Handlooms, Powerlooms & Co-op. Textiles, Nagpur/Bombay/Solapur/Aurangabad.		`	,	Dy. Director of Food & Supplies. Asstt. Director of Food & Supplies.	
(x)	Joint Director of Handlooms, Powerlooms & Co-op. Tex- tiles, Nagpur.		•	٠,	Officers of the Food and Supplies Department, Punjab not below the rank of Sub-Inspectors.	
(ii)	Joint Director-cum-Jt. Regis- trar (Handlooms).	.DHYA PRADESH	,	-	Jt. Director (V. I)-Cum-Jt. Registrar of Co -op. Societies, Govt. of Punjab. Director of Industries.	
	Textile Exports. All Jt. Directors of Indus-		(vi	ΞÉ).	Jt. Director of Industries. State Textile Officers.	
(v)	tries. All Dy. Director of Industries.			(x)	All District Industries Officers and Asstt. District Industries	
• ,	All Collectors/Dy. Collectors.		,		Officers.	
	All Officers of Police deptt. not below the rank of sub- Inspectors.		•	(i) S	Additional Deputy Wool Controllers. Secy. to the Govt. Local &	PONDICHERRY
(viii)	Asstt. Registrar of Co-op. Societies.				Administration Deptt. (Civil Supplies), Pondicherry.	

	1 2					
	(il) Registrar of Co-op. Societies,		(1)	(2)	(3)
1	Pondic herry. (ili) Director of Industries, Pon-				Pistt. Supply officers. Officers of the police D	tant+
(dicherry. (iv) Asstt. Registrar of Co-op.			n	ot below the rank of sub-	· ·
	Societies, Co-op. Deptt.				nspector. Noth Inspectors.	
((v) Co-op, sub-Registrar, Co-op. Doptt.				Officers on Spl. Duty (Tex-	-
(1	vi) Asstt. Director of Industries, Industries Deptt.			ţi	les), Office of the Provisiona	1
((vii) Supervisors of Industries.			(ix) S	extile Controllers, Kanpur. ub-Divisional Magistrates.	
(v	viii) Administrator, Karikal/ Mahe/Yanam.			(x) A	rea Rationing Officers.	
1	(ix) Dy. Secy. to the Govt., Local				ahsildars. upply/Circle Inspectors.	
	Admn. (Civil Supplies) De- partment, Pondicherry.		(2	xiii) T	he Director of Industries.	
	(x) Civil supplies Inspectors.		(onal Officers of the Indus- ies Deptt.	-
	(xi) Officers of the revenue Deptt. not below the rank of Con- trollers.		•	(xv) A	sstt. Director of Industries tached to the Zonal Offi-	
	(xii) Officers of the police Deptt. not below the rank of sub-			C	ors.	
	Inspectors.		(:	-	sstt. Director Industries Iandlooms).	1
((xiii) Director of Civil supplies, Pondicherry.		(х		ristrict Industries Officers.	
20.	(i) Director of Industries and		24.		istrict Food & Supplies	UNION
	Civil supplies. (ii) Jt. Director of Industries, R.	AJASTHAN			fficer, Union Territory Chandigarh,	TERRITORY OF CHANDIGARH.
(Rajasthan. (iii) Dy. Director of Industries &				sstt. Food & Supplies offi-	CHAIDIOAGI.
	Supplies. (iv) District Industries Officers.		((iii) In	spectors, Food & Supplies.	
	(v) District Magistrates.		•		y. Commissioner-cum-Di- ctor, Food & Supplies,	
	(vi) City Magistrates.			U	nion Territory of Chandi-	
	(vii) Sub-Divisional Magistrates. viii) District supply officers.				rh.	
	(ix) Asstt. Director of Industries.		25.	(i) Dia	rector and ex-officio Secy.	UNION
	(x) Registrar of Co-operative So- cieties.			Su	the Govt os Mizoram, upply & Transport Deptt.,	TERRITORY OF MIZORAM.
	(xi) District Collectors,			M	izoram.	, or maconnin.
	(xii) Area Supply officers. xiii) Enforcement Officers.		26.	(i) Al	l District Magistrates/Dy.	WEST BENGAL.
	xiv) Industries Officers.				Ommissioners. Ommissioner of Police.	
	(xv) Enforcement Inspectors.		'		ommissioner of Police, ilcutta.	
21.	(i) Secy. to the Govt., Deptt. of TA Industries, Madras.(ii) Director of Handlooms and	MIL NADU.	(irector of Handlooms & extiles.	
	Txtiles, Madras.		(Director Handloom &	
((iii) All Officers in the Office of				oxtiles. 1 Dy. Directors of Hand-	
	the Director of Handloom and Textiles not below the			loc	oms & Textiles.	
	rank of Assistant Director.		((vi) Su	b-Division Controller of	
	(iv) All Textile Inspectors. (v) Handloom officers, Hand-			Fo	ood and Civil Supplies.	
	loom Inspectors Junior Technical Assistantr.			100	ll Asstt. Directors of Hand- oms & Textiles.	
((vi) Officers of the revenue deptt.				l Asstt. Directors (Textiles).	
	not below the rank of Asstt. Commercial Tax Officers.		,		spectors of Food and Sup-	
(vii) Officers of the Police and		((x) Of	ficers of Police & Excise	
	Excise deptt. not below the rank of sub-Inspectors.			De	eptt. not below the rank sub-inspectors.	
22.	·	FRIPURA,	((xi) A1	l Asstt. Registrar of Co-	
23.	(i) Secy. to the Govt. of U. P., U. Industries Branch, Lucknow.	ITAR PRADËSH.	1.	_	. Societies.	
	(ii) Secy. to the Govt. of U. P., Food & Civil Supplies.			cie	l Inspectors of Co-op. So-	
	(ili) Provincial Textile Controller.					
	(iv) Distt. Magistrates.	·			VIF Joint 7	RENDRA B. VERMA

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 20th August 1986

No. 1/5/86-DCH/Estt. I.—The President is pleased to appoint Shri B. R. Gupta, Accounts Officer as Deputy Development Commissioner (Handlooms) on ad-hoc basis for a period of six months with effect from the forenoon of 14th August, 1986, in the office of the Development Commissioner for Handlooms, Ministry of Textiles.

N. N. VASUDEV Addl. Development Commissioner for Handlooms

New Delhi, the 8th August 1986

No. A-31013(1)/86-F. IL—The President is pleased to appoint the following officers substantively in the Weavers Service Centres under the originate ion of the Office of the Development Commissioner for Fundacous as under :—

Sl. Name of Officer No.	Category of Post	Date of substantive appoint- ment
S/Shri	**************************************	
1. P. L. Panda	Assistant Director Grade-I (Weaving)	10-9-1979
2. P.C.S.M. Raja	· Assistant Director Grade-I (Weaving)	10-9-1979
3. G. Parandamaiah	· Assistant Director Grade-I (Weaving)	31-7-1982
4 .V. Sriramulu -	· Assistant Director Grade-I (Weaving)	10-12-1982
5. H. Sanjeeva Setty	· Assistant Director Grade-I (Weaving)	7-7-1982
6. A. K. Mukherjee	Assistant Director Grade-I (Designs)	10-9-1979
7. S. K. Das .	Assistant Director Grade-I (Designs)	10-9-1979
8. J. N. Supakar	Assistant Director Grade-I (Designs)	10-9-197 9
9, Y. D. Deolalikar	· Assistant Director Grade-I (Designs)	10-9-1979
10. Balaram Bhar	· Assistant Director Grade-I (Processing)	10-9-1979
11. S. C. Jain · ·	Assistant Director Grade-I (Processing)	10-9-1979
12. S. K. Ghosh	· Assistant Director Grade-I (Processing)	10-9-1979

The 20th August 1986

No. A-31013(1)/86-E. H.—The President is bleased to appoint the following officers substantively in the Weavers Service Centres/Indian Institutes of Handlooms Technology under the organisation of Office of the Development Commissioner for Handlooms as under:—

Si. Name of Officer No.	Category of post	Date of Substan- tive appoint- ment	
1. Shri B. P. Anjanappa	Senior Lecturer (Textile Designs)	10-9-1979	
2. Shri G.R. Gurumurthy	Senior Lecturer in	10-9-1979	

1	2	3	4
3. Shr	R.M. Gautam	Textile Chemistry Senior Lecturer in Textile Chemistry.	21-5-1983

INDIRA MANSINGH
Joint Development Commissioner for
Handlooms.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110001, the 11th August 1986

No. A-6/247/(331)/61.—Shri P. K. Gayan, permanent Assistant Director of Inspection (Met) (Grade III of Indan Inspection Service, Group 'A') (Met. Branch) and officiating as Deputy Director of Inspection (Met.) Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A') (Met. Branch) in the office of Deputy Director of Inspection (Met.) Rourkela under Jamshedpur Metallurgical Inspectorate retired from Government service on the afternoon of 30th June, 1986 on attaining the age of superannuation.

The 14th August 1986

No. A-6/247(205).—Shri Roshan Lal, permanent Assistant Inspecting Officer (Engineering) and officiating Deputy Director of Inspection (Engineering) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A') (Engineering Branch) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi retired from Government service on the afternoon of 31st July, 1986 on attaining the age of superanguation.

R. P. SHAHI
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies and Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 14th August 1986

No. A-19012(142)/81-Estt. A.—The Controller General, Indian Bureau of Mines, had declared Dr. Anwar Rais, Assistant Mining Geologist in the Indian Bureau of Menis as Quasi-permanent in the Grade of Assistant Mining Geologist with effect from 3-6-1985

P. P. WADHI Administrative Officer Indian Bureau of Mines

New Delhi, the 19th August 1986

No. A. 19012(228)/86-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri Nand Lal, Senior Technical Assistant (Geo.), Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 10th July, 1986.

P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

Nagpur, the 21st August 1986

No. A-19011(252/84-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri A. J. Reddy, Assistant Mineral Economist (Int.), Indian Burcau of Mines has been promoted to officiate in the post of Deputy Mineral Economist (Int.) in the Indian Burcau of Mines w.e.f. 22-7-1986 (A/N).

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-110011, the 4th August 1986

No. 11/6-86-M.—In exercise of powers conferred under rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959. I. M. D. Khare, Director (Monuments), hereby direct that no fee shall be charged for entry to monument at Safdarjung Tomb, New Delhi on 17th August, 1986 on account of Id-ul-Zuha.

M. D. KHARE Director (Monuments)

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 21st August 1986

No. F. 12-3/85-Estt.—The undersigned hereby appoints Shri Shoorvir Singh, Asstt. Chemist (Grade 1) to the post of Scientific Officer in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 18th August, 1986, until further orders.

The ad-hoc appointment of the above mentioned officer will not confer any right or claim for his regular appointment and will not count for the purpose of his seniority and for eligibility for promotions to next higher grade.

(Sd.) ILLEGIBLE Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO New Delhi-1, the 20th August 1986

No. 4(30)/77-SI.—Shri Kumar Chatterjee Programme Executive, All India Radio, Shillong resigned from Government service with effect from 16th March, 1985.

Dy. Director of Ad ministration (WL)

for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 6th August 1986

No. 40/PF II/48-Est. I.—The Competent Authority is pleased to grant an extension of service to Shri V, R. Peswani, Asstt. Administrative Officer, Films Division, Bombay in the same capacity for a period of one year beyond the date of superannuation i.e. 31st August, 1986 (AN).

Authority: Ministry of Information & Broadcasting's letter No. A-42020/40. 86-FA dated 1st July, 1986.

VIJAY SASNUR
Director of Administration
for Chief Producer

MINISTRY OF AGRICULTURE

DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION

DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION, QUARANTINE & STORAGE

Faridabad, the 19th August 1986

F. No. 7-10/86-Adm. I.—On nomination by the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, New Delhi vide their letter No. 5/8/84-OL(S) dated 2-5-86, Shri Avdesh Kumar Misra, Senior Translator is kereby appointed as Hindi Officer in the scale of Rs. 650-1200 on ad-hoc basis in this Directorate with effect from 2-7-1986 (FN) until further orders.

R. L. RAJAK Plant Protection Adviser to the Govt. of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 21st August 1986

No. B/2207/UED/Est.II/3460.—Kum. Nandita Ravindranath Bhattacharya relinquished charge of the post of Scientific Officer/Engineer, Grade (SC) on 16-4-1986 FN consequent on resignation.

T. A. LAKSHMINARAYANAN Controller

Bombay-400085, the 21st August 1986

No. G-391/Est.II/3458.—Shri Laxman Balajee Gawde relinquished charge of the post of Assistant Personnel Officer on 31-7-1986 AN consequent on superannuation.

K. VENKATAKRISHNAN Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 9th August 1986

Further to this office notification No. NFC/PAR/0703/1101 dated May 24, 1986, the appointment of Shri N. Bharathan, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accouns Officer in the scale of pay of Rs 650—30—740—35—880—EG—40—960/- on ad-hoc basis is extended up to 16-8-1986 or until further orders, whichever is earlier.

GOPAL SINGH Manager, Personnel & Admn.

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 21st August 1986

No. AMD-4/1/86-Rectt. Vol. III/12382.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints the undermentioned officers of the Atomic Minerals Division to the posts mentioned against)each in the same Division in an officiating capacity until further orders:

Sl. Name of the No. officer	Present grade	Promo- tion to grade	Substan- tive post	Date of appointment to the grade
S/Shri 1. Hira Singh	Trades- man 'G'	Scientific Officer/ Engineer	Trades- man 'F'	1-2-1986
2. Lachman Singh	Trades-	'SB' Do.	Do.	Do.
3. Surinder Singh	man 'G' Surveyor	'B' Do,	Surveyor	Do.
4. G. Srceramulu Chowdhary	Scientific Assistant			Do.

S. PADMANABHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE

ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560017, the 14th August, 1986

No. 020/1 (15·1)/86-Est.-I.—Director ISRO Satellite Centrf is pleased to appoint the following personnel to the past of

Scientist/Engineer 'SB' with effect from the dates shown against their names, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a temprary basis and until further orders:—

SI. No.	Name	.	Designation	Date	
S/S	hri				
1. S. F	alanisami ·		Sci./Engr. 'SB'	07-5-1986	
2. R. I	Muralidharan		Sci/Engr. 'SB'	09-4-1986	
3. Biki	am Keshari Pati	•	Sci./Engr. 'SB'	21-1-1986	
4. V. I	C. Hariharan		Sci./Engr. 'SB'	13-1-1986	
5. J. Raghavan			Sci./Engr. 'SB'	30-1-1986	

No. 020/1 (15·1)/86-Est.-I.—Director ISRO Satellite Centre is bleased to accept the resignation from the service of the following employees from the post of Scientist/Eny neers in the ISRO Satellite Centre Bangalorcof the Department of Space with effect from the dates mentioned against thi names:—

	<u></u>				
Sl. No,			Post	Date of	
S/SI	ıri			.	
1. R. V	√enurama Verma		Scientist/Engineer 'SB'	23-7-86	
2. Mar	ijunath Hegde	•	Scientist/Engineer 'SC'	29-7-86	
3. Raje	esh Bansal ·	•	Scientist/Engineer	03-6-86	

H. S. RAMADAS Administrative Officer-II

MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 18th August 1986

No. E(I)05397.—In supersession of this office Gazette Notification No. E(I) 05397 dated 8th August, 1985, Shri K. B. Punnaiah, Meterologist Grade I stands retired voluntarily from Government service with effect from 25-1-J985 (AN) under FR 56(K).

The 20th August 1986

No. A.38019/II/84-F.I.—Shri M. Jayaram, Director, Regional Meteorological Centre, Madras, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from 31-5-1986 on attaining the age of superannuation.

S. K. SAHA
Director (Establishment)
for Director General of Meteorology

New DelhiThe, 21st Auust 1986

No. A. 32013 (Dir.)/6/84-E. I.—The President has been pleased to appoint the undermentioned Meteorological Grade-I to offic ate as Director in India Meteorological Department with

offect from the dates indicated against their names and untifurther orders:—

S. No. Name						Date from which officiating as Directo
1 2						3
1. Shri B. Prasad	-				•	30-5-198
2 Dr. G. Appa Rao						(A.N) 7-5-198
3. Dr. A. K. Chaudhur	v					7-5-198
4, Shri G. V. Nilakanta	-					7-5-198
5. Shri B. Lakshmanas	wamy	•	•	•		7-5-198
6. Shri B. N. Dewan	•	٠	•	•	•	7-5-198
7. Dr. S. N. Chatterjee	•	•		•		21-5-198
8. Shri S. Niranjan 9. Dr. P. N. Sen			Ċ			7-5-198 7-5-198
10. Shri P. J. Rajagopala	ichari					26-5-198
11. Shri V. K. Raghaven						7-5-198
12. Shri S. P. Saxena						7-5-198
		-,	-			=
13, Shri G. S. Sarwade	•	•	•	•	•	7-5-198
14. Dr. B. C. Biswas	•	•	•	•	•	7-5-198
15. Shri S.I.T. Thomas	•	٠	•	•	•	7-5-198
16, Dr. M. K. Guha	•	٠	•	•	•	7-5-198
17. Shri D. V. Rao	•	•	•	•	•	7-5-198
18. Shri M. L. Basandra	•	•	٠	٠	•	7-5-198
19. Shri S. Raghavendra	n	•	•	•	•	7-5-198
20. Dr. S. N. Bhattachar	·ya				•	7-5-198
21. Shri Manoranjan Da	S					7-5-198
22. Dr. R. K. Dube						26-5-198
23. Shri S. R. Kalsi						7-5-19
24. Shri R. C. Bhatia						7-5-19
25. Dr. S. N. Srivastava						19-5-198
26. Shri J. S. Day						
	·		·	·	·	7-5-198
27. Dr. S. K. Dikshit	•	•	•	•	•	7-5-198
28. Dr. V. Thapliyal	•	•	•	•	•	7-5-198
29. Shri Sharma Kumar		٠	•	•	•	16-5-198
30. Shri M. M. Kundu	•	•	•	•	•	7-5-198
31. Shri A. V. R. Krishi	ia Rao	•	•	•	•	29-5-198
32. Shri V. Srinivasan	•	•	•	•	•	7-5-198
33. Shri A. Narayanan 1	Kutty				•	7-5-19
34. Shri A. K. Bhatnaga	ır ·		•			8-5-19
35. Shri S. C. Sharma	•					7-5-19
36. Shri M. S. Rajagopa	lan					22-5-198
37. Shri H. N. Gupta						7-5-198
38. Shri A. D. Ravishan	kar					7-5-19
39. Shri L. Krishnamuri						26-6-19
40. Shri T. K. Ray	٠,					7-5-19
41. Shri A. M. Sud						16-5-19
42. Shri A, T. Das						29-5-198
43. Shri S. K. Shaha						
44. Shri B. Biswas					•	7-5-198
44. Shri S. K. Saha						7-5-198 7 - 5-198
46. Shri P. Sarcar						
			•	•	•	7-5-198
47, Shri K. K. Kapoor		•	•	•	•	19-5-198
48. Shri D. S. Upadhyay	у.	•	•	٠	•	26-6-198
49. Shri P. S. Jain						(A.N
TV. DIDITI.D. JOH			-	-	•	12-5-19

1	2		 	 	z
50. Shri V. Desik 51. Shri B. S. Mu		,			16-6-1986 7-5-1986

REGULATED A.D.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF METEOROLOGY

New Delhi-110003, the 18th November 1985

OFFICE MEMORANDUM

No. E(2)10110.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 5 of the Central Civil Service (Temporary Service) Rule, 1965, I hereby give notice to Shri Trilochan Singh (Temporary Senior Observer) that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on or as the case may be, tendered to him.

S. D. S. ABBI Dy. Director General of Mettorology (Administration & Stores)

Shri Trilochan Singh, Temporary Senior Observer, H-5 Mukhram Garden, Post Office Tilak Nagar, New Delhi-110018

N.B.:—The enclosed acknowledgement slip may be filled up and returned to this office.

Acknowledgement

I hereby acknowledge the receipt on this day of the notice of termination for service.

Signature of the individual Designation

Plate:
Date:

MINISTRY OF WATER RESOURCES RAVI & BEAS WATER TRIBUNAL

New Delhi-110066, the 25th July 1986

No. F.1/RBWT/86.—The Hon'ble Chairman, Ravi and Beas Waters Tribunal, has been pleased to promote and appoint Shri Ashok Kumar Rana, Grade 'D' Stenographer of the Ministry of Defence at present working as Stenographer Grade 'C' in this Tribunal on deputation basis to officiate as Stenographer Grade 'B' in this Tribunal in the time scale of pay of Rs. 650—1040/- with effect from the forenoon of July 1, 1986, until further orders.

R. SUBBA RAO Registrar Ravi & Beas Water Tribunal

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 18th August 1986

No. A-19012/1163/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Vijay Kumar, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—1200—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 14-4-1986.

MEENAKSHI ARORA Under Secy. Central Water Commission

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

MAHARASHTRA

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Time Parts Industries Pvt. Ltd.

Bombay-2, the 4th August 1986

No. 716/11765/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Time Parts Industries Pvt. Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE Addl. Registrar of Companies Maharashtra

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 5th August 1986

No. F.48-Ad(AT)/1986.—Shri D. K. Gupta, Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabad Benches, Ahmedabad who was appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 5-5-1986 vide this office notification No. F.48-Ad(AT)/1986, dated 16th May. 1986 is permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar for a further period of 3 months with effect from the 5th August 1986 or till the post is filled up regular basis whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri D. K. Gupta, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

CH. G. KRISHNAMURTHY Sr. Vice-President

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 5th August 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5662|1985-86.—Whereas, I, ANIANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable synapsis having a fair market value exceeding immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. bearing Sub Plot No. 14, out of Plot No. 194, Survey No. 347/A-5, A-2 and S. No. 348/A/1-3|1 at Boat Club Road, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. I.A.C., Acqn. Range, Pune on Dec. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the end Apt, or the Wealth-text Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Hashmukhrai Ramji Khombhadia & Smt. Shanta Ramji Khombadia, A/12 Lal Deval Co-operative Housing Society Ltd. Synagogue Street, Pune.

(Transferor)

(2) Smt. Savitridevi Mamraj Saraf, & Shri Pawankumar Mamraj Saraf, 92 Laxmi Vilas, 87 Napean Sca Road, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days n the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Sub Plot No. 14, out of Plot No. 194, out of Survey No. 347/A-5, A-2 and Survey No. 348/A|1-3|1 situated at Boat Club Road, Punc.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5662/1985-86 in the month of Dec. 1985)

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :---

Date: 5-8-1986

(1) Shri A. Muthurathinam, Woraiyur, Trichy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri J. Fedricthurai,18, Pushpa Nagar,Sagalnandapuram,Madura Road, Trichy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 8th August 1986

Ref. No. 1/Dec/85.—Whereas, I, A. K. TALAPATRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 73/3 situated at (D. No. 8210/85) Abishekapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Trichy on Aug 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant Site.

A. K. TALAPATRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Madural-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-86.

(1) Shri S. Sundaralingam, Kottar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Nageskoil Co-operative Housing Society, Nagerkoil.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 8th August 1986

Ref. No. 2/Dec/85,---Whereas, I,

A. K. TALAPATRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. 242 situated at Nagerkoil

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. JSR I, Nagercoil D. No. 2645 & 2646/85) on Aug 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this gotice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site.

A. K. TALAPATRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Madurai-625 002

Date: 8-8-86.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri E, Essakki Konar & others, Ramasamy Koil, Melavadukku St., Cheramahadevi.

(Transferor)

(2) Mffls. Sun Paper Mills (P) Ltd., Vadukku Ariyanayakipuram, Nellai Dt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 8th August 1986

Ref. No. 3. Dec./85.—Whereas, I,
A. K. TALAPATRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
S. No. 74, 75/1, 75/2 & 79 situated at Ariyanayakipuram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Ollice of the Registering Officer at
S.R. Mukkudal (D. No. 859/85) in August 86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the afodesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
'transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant Site.

A. K. TALAPATRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-86.

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 8th Augus 1986

Rcf. No. 4/Dec/85.—Whereas, I,

A. K. TALAPATRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing T.S. No. 18/3 situated at Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registerig Officer at JSR I, Trichy D. No. 8346, 8347 & 8348/85) on Aug. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri AP.S. Thandavaryan Pillai & others, 1. Alexandria Road. Trichy-1.

(Transferor)

(2) Smt. Rattan Kavur & others, 14, Ramanujam St., Madras-79.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whishever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site.

A. K. TALAPATRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 8-8-86,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 30th July 1986

Ref. No. 9/Dcc/85.—Whereas, I.
R. JANAKIRAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 110. Mount Road, Madras-32, situated at Madras-32,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
ADAYAR/Doc. No. 3417/85,
on December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t---

(a) facilitating the reduction or evenion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conveniment of any inseems or any memorys or other assets which have put been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New therefore, in pursuance of Section 269°C of the mild Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons name 17:—
21—236GI/86

 Sri S. G. Gupta and Others, Represented by their Power Agent S. G. Gupta, Madras.

(Transferor)

(2) Messrs Trichy Everest Automobiles Ltd., 99 Armenian St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at T. S. No. 4, Extent 22220 sft., Mambalam Guindy Taluk, 110, Mount Road, Madras-32.

Adayar/Doc. No. 3417/85.

R. JANAKIRAMAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II .i/c)

Madras-600 006

Date: 30-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 30th July 1986

Ref. No. 10/Dec./85.—Whereas, I, R. JANAKIRAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vacant Land at T.S. No. 4, Exten 22220 sq. ft. situated at Mambalam Guindy Taluk, 110, Mount Road, Madras-32, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar/Doc. No. 3418/85 on December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the prefer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri S. S. Gupta and others, Represented by their Agent S. Gupta, Madras.

(Transferor)

(2) Messrs The Express Carries Ltd., 99, Armenian St. Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the acrise of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land T.S. No. 4, Extent: 22220 sq. ft., Mambalam Guindy Taluk, 110, Mount Road, Madras-32.

Adayar/Doc. No. 3418/85.

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons: namely:—

Date: 30-7-1986

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) For and on behalf of Sri R. Ramanathan Chettiar, Sale executed by Officer of High Court, Madras. (Transferor)
- (2) Sri Ramesh Gandhi, and Mrs. M. P. Gandhi, Both residing at No. 6th Avenue, Sastri Nagar, Madras-20.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

Madras-600 006, the 30th July 1986

Ref. No. 12/Dec. 85.—Whereas, I,

Ref. No. 12/Dec. 85.—Whereas, I, R. JANAKIRAMAN, being the Competent Auhority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot Nos. 5 and 6. M.R.C. Nagar, situated at R. A. Puram, Madras, (and more full described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1968, (16 of

(and more full described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc No. 1639/85 in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Plot Nos. 5 and 6, M.R.C. Nagar, R. A. Puram, Madras

Mylapore/Doc. No. 1639/85.

R. JANAKIRAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-7-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 30th July 1986

Ref. No. 13/Dec. 85.—Whereas, I.

R. JANAKIRAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 12B, M.R.C. Nagar, situated at R. A. Puram,

Madras,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 1641/85, on December, 1985

on December, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than lifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) For and on behalf of Sri R. Ramanathan Chettiar, Sale executed by Officer of High Court, Madras. (Transferor)
- (2) Sri S. Ramaswamy alias 'CHO', 67, Seethamma Road, Alwarpet, Madras-600 018. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12-B, M.R.C. Nagar, R. A. Puram, Madras. Mylapore/Doc. No. 1641/85.

> R. JANAKIRAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 (i/c) Madras-600 006

Date: 30-7-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 30th July 1986

Ref. No. 14/Dec.—Whereas, I,

R. JANAKIRAMAN, being the Competent Authority

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing

New No. 26, Poes Garden, Cathodral Road, situated at Madras-86,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madrae Central/Doc. No. 1163/85 on December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Seth Chandra Bhan Ramchand and Others, 26, Poes Garden, Cathodral Road, Madras-86.

(Transferor)

(2) Messir. Dass Media Private Ltd., No. 4, Sardar Patel Road, Adyar, Madras-600 020.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I.and and Building: Plot No. 48/1 (New No. 26), Poes Garden, Cathodral Road, Madras-86, Madras Central/Doc. No. 1163/85.

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (i/c)
Madras-600 006

Date: 30-7-1986

Scal:

(1) Smt. Baidya Devi, 13, Ballygungue park Rd., Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(2) M/S Excell Projects Ltd., 1 & 2, Old Court house st., Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **CALCUTTA**

Calcutta, the 16th July 1986

Ref. No. AC-42/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I. SHAIKII NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 2E, situated at Alipore Avenue, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at II/85-86 dated 6-12-85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the eaid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by key of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said for shie property, within 45 days from the date of the tion of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 3484.87 sft. on the 1st floor, situated at 2E, Alipore Avenue, Calcutta. Registered by the Competent Authority being No. 37EE/125/R-II/Cal/85-86 dated 6-12-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 16-7-1986

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 16th July 1986

Ref. No. AC-41/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 8 situated at Raia Santosh Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Competent Authority on 4-12-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said transfer with the object of:—

- (6) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Renox Commercials Limited, 8, Raja Sentosh Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) M/s Hindustan Motors Ltd. 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of action on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area 2294 Sft. on the 4th floor at 8, Raja Santosh Road, Calcutta-27. Registered by the Competent Authority being No. 37EE/118/R-II/Cal/85-86 dated 4-12-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 16-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 16th July 1986

Ref. No. AC-40/R-II/Cal 86-87.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 8 situated at Raja Santosh Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule appayed haveto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Competent Authority on 3-12-1985,

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evacion of the finishing of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Renox Commercials Limited. 8, Raja_Santosh Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Swadeshi Burlap Corporation, 3-B, Lal Bazar Street, Calcutta-1,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 2510 Sft. on the 5th floor a 8, Raja Santosh Road, Calcutta. Registered by the Competent Authority being No. 37EE/117/R-II/Cal/85-86 dated 3-12-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 16-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

22 E.C. Road Dehradun.

(1) Mrs. Kirat Bedi, W/o Wing Comm. Kirat Singh Bedi

(Transferor)

(2) Sri Manav Kanwar S/o Sri Raj Kanvar, 5/1 Cross Road Dehradun,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th August 1986

No. MQ-5/86-87.—Whereas, I. H. R. DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 22, situated at East Canal Road, Dehra Dun, (and stopped like described in the Schedule approach havets) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Regisering Officer at Dehradun under registration No. 9614 dated 10-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-22-236G1/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 22 East Canal Road Dehradun. (Area 2536 sq. meters).

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-8-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th August 1986

Ref. No. 6/86-87,—Whereas, I, H. R. DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

a house situated at Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi Dehradun under registration No. 9717 dated 13-12-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Vikram Singh Dhillo 153-B Rajpur Road—Dehradun,

(Transferor)

(2) Vidya Mandir, Through—Society, Sri K. L. Khanna, 103—Rajpur Road, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House at Dehradun.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/282. KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th August 1986.

No. MD-7/86-87.—Whereas, I. H. R. DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the infinovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1207 situated at Vill. Garhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Dehradun under registration No. 9926 dated 20-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the protein has not been retained in the cold between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sudha Mayce W. o late Dr. Bhagwat Pd. and Smt. Prem Mayee Mahant Kamal Kumar Niketan, 50/58 Moti Bazar, Dehradun.

(Transferor)

(2) B/S Bhagirathi Sehkari Avas Samiti Ltd. Head Office-39 Rajpur Road. Dehradun. Through Sri P. S. Bist, 39-Rajpur Road Dehradun. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publi-Cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ag. land area 2.68 acres, khasta nos. 1207, in village-Garhi, pargana Centraldoon, Dist. Dehradun.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Dute: 6-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Rakesh Kumar Gupta Secy. R. S. Coop. Housing Society Ltd. Kanpur. (Transferor)

(2) Apni Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd. Kanpur. Through Shri Bimla Yadav Sachiv, R/o 117/1 N Block, Kakadeo Kanpur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th August 1986

No. K-2/86-87.—Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Agricultural Land, situated at Panki,

Ganga Ganj, Kanpur,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of he Registering Officer at Kanpur under registration No. 2676 dated 20-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfor with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evanion of 2 of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; said/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural Land at Mauja Panki Ganga Ganj, Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 6-8-1986

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Khushai Chand, Narain Das (H.U.F.) Through Shri Dwarika Prasad Singh, Karta & Manager r/o 76/279, Sabji Mandi, Kanpur.

(2) Kaka Deo Ruwatpur Sahkari Grih Nirman, Samiti Ltd. 86/303, Chandrika Devi Road, Kanpur.

(Transferee)

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th August 1986

No. K-3/86-87.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 7/17 & 7/18 situated at Parvati Bagla Road, Kanpur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 3487 dated 31-12-85, for an apparent consideration which is less than the fair registration of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 7/17 7/18, situated at Parvati Bagla Road, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-8-1986

FURM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986.

Ref. No. IAC/Ac. II/37-EE/12-85-86.--Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable roperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/r and bearing Flat No. 204, 2nd floor, on proposed situated at Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market. Value of the arcressin property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aformuld exceeds; the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac., in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others essets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 19577(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following. persons, namely :-

(1) Shri Ravinder Properties Pvt., Ltd., 2, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Uma Luthra, Andrica House, 259, Hoybs Lane, Crattari Prestion Lane, U.K.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used: herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 204, measuring 1500 sq. ft. on 2nd floor on proposed Group Housing Complex, Leasehold. 2, Tilak Marg New Delhi.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range, New Delhi.

Date: 12-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/12-85-7.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the factors tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the important having a fair modest value according movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,10,000/- and bearing

Hall Portion, property situated at 61, Friends Colony, New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

in the Office of the Registering Officer a New Delhi in

December, 1985

pecember, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lishibity of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (1) M/s. PSB Properties Pvt Ltd., L-40, Connaught Circus, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Saraswati Properties Ltd., Dhampur (N.Rly.). Distt. Bijnor. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the talif property may be made in writing to the uniterligibed:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-nble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of the property measuring 1250 sq. yards, which is in the tenancy in 61, Friends Colony, New Delhi...

ASHOKK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesale property by the issue of this notice under Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/1-86/8.-Whereas, I, ASHOK KACKÉR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing

Flat No. 414, 4th floor situated in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the I.T. Act, 1961

(43 of 1961)

in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in January, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by races than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sed/er
- (b) facilitating the conceniment of any income or any noneys or ether nesses which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely :-

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd., 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Naresh Kumar Dhir, Varesh Textiles Mills. 422, Ind. Area-A, Ludhiana-141003.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from he service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeryable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat_No. 414, measuring 1500 sq. ft. on 4th floor in Proposed Group Housing Complex. Under construction, Leashold, 2, Tilak Marg, New Delhi,

ASHOK KACKER Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-8-1986

Seal;

FORM NO. LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (40 OF 1961)

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd., 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

 Dr. Thakur V. Gandhi, 1Λ/7. Hospital Road, Jangpura Extn., New Delhi-110 014.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/1-86/9.—Whereas, I, ASHOK KACKER

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 608, 6th floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Mary, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961

(43 of 1961) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in January, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 185/);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 608 measuring 1500 sq. ft. on 6th floor in proposed Group Housing Complex. Leashold. Under Construction. 2 Tilak Marg, New Delhi.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-8-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 23-236GI/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd., 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mis. Kumkum Makkar, w/o Shri Hemant Makkar, C-1 Pamposh Enclave, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37-HE/1-86/10.—Whereas, 1, ASHOK KACKÉR,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reasen

to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Flat No. 610, 6th Floor n proposed Group Housing Complex,

2 Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961

(43 of 1961) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in January, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servic c of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(s) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transferil/a

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Flat No. 610 Measuring 1500 Sq. Ft. on 6th floor in proposed Group Housing Complex at 2. Tilak Marg, New Delhi. Leaschold.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd., 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pato Devi, wd/o Ch. Raja Ram and Sajjan Kumar, S/o Ch. Balram Jakhar, C/i M/s Balram Sajjan Kumar, Commission Agent, Abohar District, Ferozpur, Punjab.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/1-86/11.—Whereas, I,

ASHOK KACKER.

Deing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 714, on 7th floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)

in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in January, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to be transfer. that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 714 measuring 1500 sq. ft. on 7th Floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi. Leasehold. Under Construction.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-8-1986

Scal:

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd., 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TANK ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/4 Nikhilesh Properties Pvt. Ltd., Chand Cinema Building, Trilokpuri, New Delhi-91.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/1-86/12.—Whereas, I, ASHOK KACKÉR.

ASHOK RACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 708 on 7th floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule approved acreta).

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in January, 1986

there are apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the linkling of the trunsferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

THE SCHEDULE

Flat No. 708 measuring 1500 Sq. ft, on 7th floor in proposed Group Housing Scheme 2, Tilak Marg. New Delhi. Ì easehold.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

New, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-8-1986

WOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.II-37EE/1-86/13.--Whereas, I, ASHOK KACKER

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 706, on 7th floor in proposed Group Housing Complex at 2 Tilak Marg, New Delbi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per seat of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the redustion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mail/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sold Act, or the Westlet to Act 1922 (12 of 1922) or the sold Act or the Westlet to Act 1922 (13 of 1922). 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely: -

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd., 2 Tilak Marg, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mr. Ravinder Singh, S/o Ch. Harpal Singh, 1A, Kailash Apartments, Lala Lajpat Rai Road, New Delhi-110 048.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 706 Measuring 1500 Sq. ft. on 7th floor in proposed Group Housing Complex at 2, Tilak Marg, New Delhi. Leasehold. Under Construction.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/1-86/14.—Whereas, I, ASHOK KACKER.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax' Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 701, in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak

Marg. New Delhi

rand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in January, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid Exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and)ce
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:-

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd., 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

Ch. Harpal Singh, S/o Ch. Hukam Singh, 1, Kailash Apartments, Lala Lajpat Rai Road, New Delhi-110 048,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701 Measuring 1500 Sq. ft. 7th floor in proposed Group Housing Complex at 2, Tilak Marg, New Delhi. Leasehold.

> ASHOK KACKER Competent Authority 'nspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-8-1986

Scal

FORM ITNS----

Ravindera Properties Pvt. 1.td.,
 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) N. K. Jain, S/o Shri U. S. Jain, C-4/112, Safdarjang Development Area, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.II37EE/1-86/15.—Whereas, I, ASHOK KACKER.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 407, in proposed Group Housing Complex at 2,

Tilak Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/ar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 407, measuring 1500 sq. ft. on 4th floor in proposed Group Housing Complex at 2, Tilak Marg, New Delhi,

ASHOK KACKER
Competent Authority
Insecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-8-1986

Scal:

Taren or the theory, and the contract of the product the transform of the contract of the cont FORM ITNS-

MITTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/2-86/37FE/16.—Whereas, I. ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 206, 2nd floor in proposed Group Housing Complex,

2, Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1. T. Act, 1961 (43 of 1961)

in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay our under the said Act, in respect of any income arising from the transfers EDA /OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferer for purposes of the Indian Locome-tax. Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx 4.4, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd., 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Brij Rani Nangia, W/o Shri S. P. Nangia, N-27 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable prpoerty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206, Measuring 1500 Sq. ft. on 2nd floor in proposed Group Housing Complex at 2, Tilak Marg, New Delhi. Leasehold.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.II-37-EE-/2-86/17.—Whereas, I. ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2A, Ncha-Dee/D-2 Kalindi New Delhi

Flat No. 2A, Ncha-Dee/D-2 Kalindi New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1986 for an appropriate consideration

New Delhi in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in repect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24—236 GI/86

(1) Messrs, Neha-Deep Estates, D-2, Kalindi, Ring Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Messrs. Vijai Kapur HUF, H/9, Maharani Bagh, New Delhi-110065.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The erms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flut No. 2A (Under-Construction) at Neha-Deep, D-2, Kalindi, New Delhi. Area approx. 2148 sft. on 1st floor, Freehold.

ASHOK KACKAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuision Range-II,
Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 12-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

www.magazawa.competer.pagazawa.compateka.ga.compateka.com.compateka.com

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/3-86.—Whereas, I, ASHOK KACKER.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1B Sagar Apartments, first Floor Tilak Marg, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/es
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, the refore, in pursuance of Section 269°C of the mad Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of 'his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Gurpal Singh Anand and Shri Rajendra Singh Anand S/o Khazan Singh Anand.
 - (Transferor)
- (2) M/s. Rajkamal Holdings and Trading Pvt. Ltd., 1103, Raheja Centre Nariman Point, Bombay. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

IB, Sagar Apartments, First Floor, 6 Tilak Marg, New Delhi. 1700 sq. ft.

ASHOK KACKAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Date: 12-8-1986

The second of th

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/3-86/19.—Whereas, I. ASHOK KACKER.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4B in Sagar situated at Apartments, 6, Tilak Marg, Naw Dulbi

New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sai exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer i and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest id property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. V. N. Kapur, 122, Faizabad Road, Lucknow U.P.

(Transferor)

(2) Mrs. Pushpa Kumari Agarwal 3C Sagar Apartments, 6, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date o' the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4B in Sagar Apartments, 6, Tilak Marg, New Delhi-110 001 Lease hold. 1847 sq. it.

> ASHOK KACKAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Delhi New Delhi

Date: 12-8-1986

FORM NO. ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ravindra Properties Pvt. Ltd., 2 Tilak Marg, New Delbi.

(Transferor)

(2) Smt. Neeru Saluja, Allen Roller Flour Mills, P.O. Izatagar Bareilly (U.P.).

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC/Acq. II/37EE/3-86/20.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have feason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 212, measuring 1200 Sq. ft. on 2nd floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, N.D. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1.T. Act, 1961

in the Office of the registering Officer at

New Delhi in March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imomvable property, within 15 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 212, measuring 1200 Sq. ft. on 2nd floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, N.D. Leaschold.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisitior Range II Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-8-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ravindra Properties Pvt. Ltd., 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Anupam Kaura, 21, Park Area, Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. 1AC|Acq. II|37EE|3|86|21,-Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202, 2nd floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ntteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to ne disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 measuring 1500 Sq. ft. on 2nd floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, Hew Delhi, Leasehold.

> ASHOK KACKER Competen Authority In pecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitio 1 Range-II Aggar al House, 4/14A, Asaf Ali Road, Vew Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Date: 12-8-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ravindra Properties Pvt. Ltd., 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Inderjeet Singh, A-8/7, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC|Acq. II|37EE|3-86|22.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 112, on 1st floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1986 for an apparent consideration which is less than the following the consideration which is less than the following the consideration which is less than the following the constant of the constant of the following the constant of the following the constant of the co

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaptes

THE SCHEDULE

Flat No. 112, measuring 1500 sq. ft. on 1st floor in Proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, Ilew Delhi. Leasehold.

> ASHOK KACKER Competen: Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggar val House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 12-8-1986

Scal

FORM TINE

(1) Ravindra Properties Pvt. Ltd., 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Sona Enterprises, A-1/149 Inderpuri, New Delhi-110012.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCMOE-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC|Acq II|37EE|3-86|23.—Whereas, I,

ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 506, on 5th floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961

in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 195?);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 506, measuring 1500 Sq. ft, on 5th floor in proposed Group Housing Complex 2, Tilak Marg, New Delhi.

ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-8-1986

FORM I.T.N.S.

(1) Ravindra Properties Pvt. Ltd., 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amar Gupta, Poonam Gupta, 55 DDA Flats Siddhartha Enclave, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Rcf. No. IAC|Acq. II|37EE|3-86|24.—Whereas, I, ASHOK KACKER, ASHON KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 114, in proposed Group Housing Complex 2, Tilak Mark Now Delbi Marg, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immero-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Habitaty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frem the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 114, measuring 1500 sq. ft. on 1st floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi, Leasehold.

(b) facilitating the consciament of any income or any meneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House. 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

Date: 12-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Kai Travels Private Lt., Tara Bhawan (Palace), Boulevard-2, Srinagar, Kashmir-19001.

(Transferor)

(2) Sonika Commerce Pvt. Ltd., B-34, Sagar Apartments, 6, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC|Acq Π|37EE|3-86|25,-Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 5 (II) and 4 Car Parking Space No. 85, 86, 77 and 86A Sagar Apartmen 5, Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act. 1961

in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in he Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incorretax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, is the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 5(II) and 4 Car Parking Space No. 85, 86, 77 and 86A in Sagar Apartment, 6, Tilak Marg, New Delhi-110001 Freehold. 1095 sq. ft.

ASHOK KACKER Competers Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex, Acquisition Range-II Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delbi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heroby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, remely :-25-236 GI/86

Date: 12-8-1986

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd., 2, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Raj Ahuja, w/o late Shri G R Nath & N. N. Ahuja s/o Late Shri GR Nath 21, Park Area New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Rcf. No. 1AC/Acq.11/37EE/3-86|26.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 403, 4th floor in proposed Group Housing Complex 2, Tilak Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961

in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evalue of the highlity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 403 measuring 1500 sq. ft. on 24th 4th floor in proposed Group Complexes, 2 Tilak Marg, New Delhi. Leasehold.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road
New Delai.

Now, therefore, in sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

AGGARWAL HOUSE,

4/14A ASAF ALI ROAD

NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/3-86|27.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'mid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. House No. 0-36 Lajpat Nagar Part-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S. Balbir Singh Chaudhry, D-71 Gulmohar Park New Delhi-110049 (Transferor)
- (2) Shri Nemi Chand Jain & Shri Pulak Wardhan Jain B-410 New Friends Colony, New Delhi. (Transferee)
- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. O-36 Lajpat Nagar Part-II, New Delhi-110024.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road
New Delbi.

Dato: 12-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/37-EE/3-86/27A.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Office Space on the 4th floor in Pratap Bhawan, situated

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1986

New Dethi on March, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of imment of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

(1) M/s. Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunga 18, Barakhamba Road, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Lalita Devi Ruiya and Mr. Shiv Kumar Ruiya 122-B, Karaya Street, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Space admeasuring 750 sq. ft. approximately the 4th floor in Pratap Bhawan, where additional space is to be constructed. Leasehold.

> ASHOK KACKAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, New Delhi

Date: 12-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th August 1986

No. C.R. No. 62/R.1908/37EE/86-87/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 7, III Floor, situated at No. 53, Naina Terrace, Richmond Road, Civil Station, Bangalore,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore on 2-12-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. J. J. Apartments, No. 711, Padma Tower, Rajendra Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Gita Rani Mukherjee,No. 203, Sommerset Apartments,M. G. Road, Bangalore-560 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1677 dated 2-12-1985]. All that property bearing Flat No. 7, III Floor, No. 53, Naina Terrace, Richard Road, Civil Station, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-8-1986 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th August 1986

C.R. No. 62/49402/85-86/9CQ/B.—Whereas, I,

R. BHARDWAJ. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. New No. 18, situated at Vishwanatha Rao Road,

Madhavnagar Extension Bangalore-1,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

G. Nagar, on 18-12-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or as moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. K. P. Sharadamma, W/o Late K. R. Parthasarathy, Vishwanatha Rao Road, Madhavnagar Extension, Old No. 43, New 18, Bangalore-560 001.

(Transferor)

(2) Jeevaraj & Others, Wholesale Cloth Merchant, D. S. Lane, Chickpet, Bangalore-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2413 dated 18-12-1985]. Premises Old No. 43, New No. 18, Vishwanatha Rao Road, Madhavnagar Extension Bangalore-1.
Corporation Division No. 44.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-8-1986 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquiition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

namen and the company of the company

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 5th August 1986

C.R. No. 62/R.1913/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

237, situated at Defence Colony, Indiranagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

237, situated at Defence Colony, Indiranagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the oilice of the Registering Officer at Bangalore on 2-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid succeeds the apparent consideration therefor by more than aftern por cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, his respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri Sugumar Ramanan.
 Smt. Kukanya Lakshminarayan,
 No. 37/16, Yellappa Chetty Layout,
 Ulsoor Road, Bangalore.

(Transferor)

 M/s. Gopalan Enterprises, No. 21/I, R. V. Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. R. 1913/37EE Dated 2-12-85] Vacant site bearing No. 237, Binnamangala Lay out, Defence Colony Indiranagar, Bangalore-38.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 5-8-86 Seal :

FORM ITNS .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri C. Ashok K. Monappa, No. 18, Jayamahal Road, Jayamahal, Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Syed Taskeen Aga, Syeeda Nusrat Banu,

 Syed Salim Aga, No. 29, Cockburn Road, Bangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th August 1986

R. No 62/49526/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18 situated at Jayamahal Road, Jayamahal, Bangalore-46 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 20-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2547 Dated 20-12-85] Premises bearing No. 18, Jayamahal Road, Jayamahal, Bangalore-46.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following corsons, namely :---

Seal:

Date: 7-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Navnitlal Balabhai, 'RUBY' Opp: Gujarat College, E.B.—Ahmedabad-380 006.

(Transferor)

 Smt. Maltiben Chinubhai Chokshi,
 Chitranjan Co. op. Hsg. Socy.,
 Nr. St. Xavier's High School, Memnagar Road, Ahmedabad-380 013.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd July 1986

Ref. No. P. R. No. 4263 Acq. 23/86-87.—Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (.12 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.P.S. 29 F.P. No. 186 Building with land in 12, Chitaranjan

Co. op. Hsg. Socy. Memnagar Road, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-12-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

T.P.S - 29 F.P. No. 186, 12, Chitranjan Co. op. Hsg. Socy. Memnagar Road Bldg, with land R. No. 10466 Dt: 18-12-85.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

26-236 GI/86

Date: 22-7-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd July 1986

Ref. No. P. R. No. 4264 Acq. 23/1/86-87.—Whereas, I Λ. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.
Open land adm. 1316 sq. yds. at 21, 22 Jagnath Plot, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 13-12-1985

Raykot on 13-12-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfr with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the sald Ast, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 Shri Girijashankar Shyamprasad Raval, Hargovinddas Majumdar Marg, Dhanbad (Bibar).

(Transferor)

(2) M/s. Jagnath Enterprise, C/o Shri Sanjay Karjanbhai Govani, 32, Ami Apartment, Opp: Girnar Cinema, Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underslaned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land adm. 1316 sq. yds. at 21, 22 Jagnath Plot Rajkot R. No. 8562 Dt : 13-12-85.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-7-86

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd July 1986

Ref. No. P. R. No. 4265 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I A. K. SINHA,

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bromine, Bromine Plant's land, victor Bunglow, School, Hospital and Staff Quarters situated at Port Albert in Kathiwadar Diet', America

Dist: Amreli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amreli on 17-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said knownment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, is respect of any income arteing from the tre and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Saurashtra Salt Works,
 6-B Vulcan Insurance Building, Veer Nariman Road, Bombay-400 020.

(Transferor)

229.13

(2) Gujarat Heavy Chemicals Ltd. 6th Floor. Mistri Chambers, Khanpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bromine, Bromine Plant's land Victor Bunglow, School, Hospital and staff quarters at Port Albert Kathiwadar Disti. Amreli.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-7-86

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD **AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1986

Ref. No. P.R. No. 4266 Acq. 23/1/86-87.—Whereas I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing F. P. No. 28(p) S. No. 23(p) T. P. S. 18 Rajpur Hirpur land adm. 4235 sq. yds. with chawls 37EE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thet transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Rajendra Harshadlal Shah Smt. Subhadraben Harshadlal Shah and Shri Harshadlal Shamaldos Shah All residing at 1171, Taliani Pole Sarangpur Ahmedabad-380 001,

(Transferer)

(2) Shri Girish I. Parikh Secretary Laxi Cloth Market Owners Association 'Madhukunj' Nr. Pragna Society Navrangpura Ahmedabad-380 009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing F. P. No. 28(p) S. No. 23(p) T. P. S. 18 Hajpur Hippur land adm. 4235 sq. y.ls. with Chawls 37EE filed on 3012-1985.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 22-7-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Bipinchandra Ranchhodlal Mehta 11, Patel Society, Gulbai Tekra, E. B.—Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Mahendrabhai H. Sutaria Chief Promoter of proposed Sukhshanti Co-op. Hsg. Socy. 10-A, Pranakunj, Ambawadi, Amehdabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1986

Ref. No. P.R. No. 4267 Acq.23/I/86-87.— Whereas I, A, K, SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Building with land at Pranakunj, Ambawadi T.P.S. 3 F.P. 647 S.P. 10-B 37EE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-12-85

for an expanent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and /or

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building with land at Pranakunj Ambawadi TPS 3 F. P. 647 SP 10B 37EE filed on 27-12-1985.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 22-7-1986

FORM IFNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1986

Ref.No. P.R. No. 4268 Acq.23/I/86-87.— Whereas I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Incime-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C. S. Wd. No. 1 Street No. 165 S. Nos. 4823 & 4835, Nirmal Nagar, Bhavnagar, Land buildings, Machineries Plant finished goods, raw materials, goodwill trade marks 37EE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transierred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-12-1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Bhavnagar Electricity Co. Ltd. Power House, Nirmal Nagar, Bhavnagar-364 001.

(Transferor)

(2) WIPBO Ltd.. Bakhtawar, 14th Floor 229, Backbay Reclamation Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C. S. Wd. No. 1 Street No. 165 S. Nos. 4823 & 4835, Nirmal Nagar, Bhavnagar, Land & Buildings Plant & Machineries, finished goods, raw materials trade names, power connection benefit of quota rights etc.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range, Abmedabad

Date: 1-8-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1986

Ref. No. P.R. No. 4269 Acq.23/J/86-87.-Whereas I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.P.S. 6 F. P. 461/2 and 462 S. P. No. 9 land adm. /1034.55 sq. yds. with 40 small—bigger residential units and noad land adm. 102 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the Sad Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mooms or any manages or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922. (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Naushir Manekji Patel 'Gayatri' Ambawadi' Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Rakeshbhai Narpatlal Main Promoter of Proposed Raghav Association Nagina Pole, Ratan Pole, Ahmedabad.

(Transferce)

(4) M/s. Bharat Builders M/s. Jay Bharat Builders

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

T.P.S. 6 F. P. 461/2 and 462 S. P. No. 9 land adm. 1034.55 sq. yds. with 40 small—bigger residential units and road land adm. 102 sq. yds. R. No. 15060 Date: 16-12-1985.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedahad

Date 1-8-1986 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st August 1986

Ref. No. P. R. No. 4270 Acq. 23 /I /86-87.—Whereas, I A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

T.P.S. 6 F.P. 461/2 and 462 S. P. No. 6 land adm. 1057.78 sq. yds. with 40 small—big residential units and road land adm. 102 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-12-1985

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market volue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Naushir Manekji Patel, 'Gayatri'—Ambadwadi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Jayesh Kantilal Shah, Main Promotor of Proposed. Jyoti Association, Nawa Wadai, Ahmedabad.

(Transferee)

(3) M/s. Bharat Builders,
 M/s. Jay Bharat Builders,
 M/s. Jay Bharat Builders.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

T.P.S. 6 F.P. 461/2 and 462 S.P. No. 6 land adm. 1057.78 sq. yds. with 40 small—big residential units and road land adm. 102 sq. yds. R. No. 15031 dt: 17-12-1985.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue or this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st August 1986

Ref. No. P. R. No. 4271 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
T.P.S. 6 F.P. 461/2 and 462 S.P. No. 7 land adm. 1007.55 sq. yds, with 40 small big residential units and road land adm. 102 sq yds.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-12-1985

Ahmedabad on 17-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mose than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the eleject of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income usising from the transfer said of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Naushir Manekji Patel, Gayatri'-Ambawadi-Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Parsottambhai Naranbhai, Main Promotor of Proposed, Bhawani Association, Chandragupta Apartment, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

(4) M/s. Bharat Builders. M/s Jay Bharat Builders. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

T.P.S. 6 F.P. 461/2 and 402 S.P. No. 7 land adm. 1007.55 sq. yds. with 400 small—bigger residential units and road land adm. 102 sq. yds. R. No. 15056 Dt: 17-12-1985.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---27-236 GI/86

Date: 1-8-1986

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 31st July 1986

Ref. No. P. R. No. 4272 Acq. 23-1/86-87.—Whereas, I A. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.P.S. 6 F.P. 461/2 and 462 S.P. No. 10 land adm. 1032.89

sq. yds. with 40 small-bigger residential units and road land

sq. yds. With 40 small-orget restricted man, 102 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-12-1985

Anneadad on 17-12-1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: stansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shir Naushir Manckji Patel, 'Gayatri' Ambawadi, Abmedabad.

(Transferør)

(2) Shri Manubhai Sedhabhai Jadav, Main Promoter of proposed Urvashi Association, B. Jadav & Co., "Vikram", Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

(4) M/s. Bharat Builders, M/s. Jay Bharat Builders, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquision of the said properts may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

T.P.S. 6 F.P. 461/2 and 462 S.P. No. 10 fand adm. 1032.89 sq. yds. with 40 small-bigger residential units and road land adm. R. No. 15037 dt. 17-12-1985,

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

New, therefore, hi pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, namely :-

Date: 30-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 28th July 1986

Ref. No. P. R. No. 4273 Acq. 23-I/86-87.—Whereas, I

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.P.S.—4 F.P. 139 Hissa No. 2, Double storeyed building

on the land adm. 604 sq. mtrs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-12-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to se disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following specialis, partiety;---

(1) Prabhaben Wd/o Ramanlal Ambalal Amin and Sunilkumar R. Amin, Near Swaminarayan Temple's Wadi, Maninagar, Ahmedabad-380 008,

(Transferor)

(2) Manaji Premji Hirani & 7 others of London, Mukhtyar Vasamkumar Bhalabhai Patel, "Muktamahal", Opp. Swaminarayan Mandir, Maninagar, Ahmedabad-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

T.P.S. No. 4 F.P. No. 139 Hissa No. 2 Double storeyed building on the land adm. 604 sq. mtrs. R. No. 12078 dt. 23-12-85.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date :28-7-86 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

22952

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 31st July 1986

Ref. No. P. R. No. 4274 Acq. 23-I/86-87.—Whereas, I A. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
T.P.S. 6 F.P. 461/2 and 462 S.P. No. 8 land adm. 1056.55 sq. yds. with 40 small-big residential units and road land adm. 102 sq. yds.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not occur truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) shellinging the reduction or evhelon of the Hebility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ac

ab) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

 Shri Naushir Manckji Patel, 'Gayatri', Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferor)

 Dhirajbhai Rajmalbhai, Promoter of proposed Darshan Association, Nawa Vadaj, Ahmedabad.

(Transferee)

(4) M/s. Bharat Builders,
 M/s. Jaya Bharat Builders,
 (Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

T.P.S. 6 F.P. 461/2 and 462 S.P. No. 8 land adm, 1056.55 sq. yds. with 40 small-bigger residential units and road land adm. R. No. 15057 dt. 17-12-1985.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 31-7-1986

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1986

Ref. No. P.R. 4275 Acq. 23-I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Double storeyed building "Ruby" Opp. Gujarat College Main Gate, Land 263.66 sq. mtrs. FF 162.96 sq. mtrs. and stair case GF 13.28 sq. mtrs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 23-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income oor any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Maltiben Chinubhai Choksi, 12, Chittaranjan Co-op. Housing Society, Near St. Xavier's High School, Hemnagar Road, Ahmedabad-380009.

(Transferor)

(2) Navnitlal Balabhai, "Ruby", Opp. Gujarat College, Main Gate, E.B. Ahmedabad-380006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires laser:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building "Ruby", Opp. Gujarat College Main Gate, Land 263.66 sq. mtrs. FF 163.96 sq. mtrs. and and staircase GF 13.28 sq. mtrs. R. No. 10470 dt. 23-12-85. 13-12-1985.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 29-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st July 1986

Ref. No. P.R. No. 4276 Acq. 23-I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.P.S. 6 F.P. 461/2 and 462 S.P. No. 2 land adm. 1008.44

T.P.S. 6 F.P. 461/2 and 462 S.P. No. 2 land adm. 1008.44 sq. yds. with 40 small—bigger residential units and road land adm. 102 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 17-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Naushir Manekji Patel, "Gayatri", Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Bhupendrabhai Ghelabhai Main Promoter of Proposed Janani Association, Nava Vadaj, Ahmedabad.

(Transferce)

(4) M/s, Bharat Builders, M/s. Jay Bharat Builders, M/s. Jai Bharat Builders.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorphile property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

T.P.S. 6 F.P. 461/2 and 462 S.P. No. 2 Land adm. 1008.44 sq. yds. with 40 small—bigger residential units and road land adm. 102 sq. yds. R. No. 15020 dt. 17-12-1985.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 31-7-1986

(1) Shri Naushir Manckji Patel, 'Gayatri", Ambawadi, Ahmedabad,

(4) M/s. Bharat Builders,

M/s. Jay Bharat Builders, M/s. Jay Bharat Builders.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jayantilal Sarabhai, Main promotor of proposed Jagat Association, Nawa Vadaj, Ahmedabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st July 1986

Ref. No. P.R. 4277 Acq,23-I/86-87.-Whereas, I,

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.P.S. 6 F.P. 461/2 and 462 S.P. No. 1 Land adm. 999 sq. with 40 small-history maidantial units and model in 1,21

yds, with 40 small-bigger residential units and road land adm. 162 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 17-12-1985 for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein is

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

THE SCHEDULE

T.P.S. 6 F.P. 461/2 and 462 S.P. No. 1 Land adm. 999 sq. yds. with 40 small-bigger residential units and road land adm. R. No. 15012 dt. 17-12-1985.

> A. K. SINHA Competen: Authority In specting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. .'.hmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2000 of the add Act, to the following persons, ...mely:--

Date: 31-7-1986

(1) Shri Navnitlal Ramanlal Parikh (H.U.F.), 362, Ramkrupa, Mithakhali Six Roads, Maharashtra Society, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Nandkumar Manilal Shah, Promoter of Fountain Co-op. Housing Society, 506, Patel & Shah Building, Ahmedabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st July 1986

Ref. No. P.R. No. 4278 Acq.23-1/86-87.--Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property having a fair market value avanding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Mithakhali sim T.P.S. 3 F.P. No. 362 S.P. No. 1 Land adm.

952 sq. yds. and building GF & FF thereon.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 6-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cant of such appeared consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evaples of the liability of the transferor to pay text under the said Ast, in respect of any insense arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or a moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Incomptant Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANAMEN :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Mithakhali Sim T.P.S. 3 F.P. No. 362 S.P. No. 1 land adm. 962 sq. yds, and building thereon GF and FI R. Nos. 14441, 14442, 14443 and 14469 dt. 6-12-1985.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Alımedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inklate preceedings for the acquisition of the aforemic preparty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

Date: 31-7-1986

(1) M/s. Ferani Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9286/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 303, Udyan Darshan, 3rd floo", Sayani Road,
Prabhadevi, Bombay-400025
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 121 of 1922) or the said Act, or the Wexide an Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following necessary answers. persons, namely :-- 28-236 GI/86

(2) Mr. Rajendra D. Mehta and Miss Jayaben D. Mehta, Miss Naliniben D. Mehta and Mrs. Jayshree R. Mchta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 'UDYAN DARSHAN, 3rd floor, Sayani

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/8764/85-86 on 20-12-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-8-1986

(1) M/s. Ferani Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Pushpa Jaikishan Bharwani Mrs. Laxmo Bherumal Tillani,

may be made in writing to the undersigned-

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 1st August 1986

Ref. No. AR-1/37EE/9098/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-(ax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 703, 7th floor, 'UDYAN DARSHAN', Sayani
Road, Prabhadevi, Bombay-25

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said tratrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/

(a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 703, 7th floor, 'UDYAN DARSHAN', Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-25

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8580/85-86 on 20-12-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid (1) of Section 269D of the Said Act to the following recens, namely :—

Date: 1-8-1986

(1) Umedchand Durlabhji Mehta & Ravindra Umedchand Mehta.

(Transferor)

HOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 CF 1961)

(2) Smt. Javerbai Lakhamshi.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9115/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and btaring No.
Flat No. 6, 2nd floor Navare Premises Co-op Housing Society Ltd. Scheme No. 6, Bombay-400022

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section

269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Component Authority at Bombay on 10-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforemid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforewelleve that the fair market value of the property as afgre-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and time the consideration for such transfer as agreed to between the parties has set been truly sessed in the said instrument of transfer with the object of 1—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tex under the said Aut. in respect of any income arising from the seasofer; الان المحد
- facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or (b) incititating the consenhent which ought to be disclosed by the transferent the purposes of the Indian Income tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persor's, namely :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from notice on the respective persons, the service of chever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from date of the publications of this notice in Official Gazette. other person interested in the said the

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd floor Navare Premises Co-op Housing Society Ltd., Scheme No. 6, Bombay-400022

The agreement has been registered by the Competent Authority, ombay, under No. AR-I/37EE/8596/85-86 on 10-12-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-8-1986 Seal:

(1) Tata Exports Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Shyamal Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Tata Exports Ltd.
(Person in occupat

may be made in writing to the undersigned ;--

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1986

Ref. No. ΔR -I/37EE/10118/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 21, 2nd floor, Gulistan, New Gulistan CHSL 13, Carmichael Road, Bombay-400026.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21, on 2nd floor, Gulistan, belonging to New Gulistan CHSL 13, Carmichael Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8672/85-86 on 27-12-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely:—

Date: 13-8-1986

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1986

Ref. No. AR-1/37EE/9320/85-86.—Whereas, I, VISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (thereinafter referred to as the saidd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and btaring No.

Flat No. 32-B, 3rd floor, Maimoon Apartments, Plot No. 78, Palkhi Gully Prabhadevi, Bombay-400 025 situated at Bombay (and more fully described in the enhance approach beauty)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Dr. K. N. Iver and Dr. (Mrs.) Priya K. Iyer.

(Tansferor)

(2) Shri Kiritkumar L. Mehta, Shri Bhaskar L. Mehta and Shri Prabhakar L. Mehta.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid person: within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32-B, 3rd floor, Maimoon Apartments, Co-op. Society Ltd., Plot No. 78, Palkhi Gully Prabhadevi, Bombay-00 025.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8795/85-86 on 26-12-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-8-1986

Scal:

FORM ITNS----

(1) B. Y. Builders Pvt. Ltd.

(Tansferor)

(2) Vandana N. Mirani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1986

Rtf. No. AR-I/37EE/9075/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the isemevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and btaring No.

Flat No. 2, 15th floor, Building No. 5, property bearing No. C.S. No. 868 and 1/868, B.G. Kher Marg, Worli, Bombay-400018.

situated at Bombay

has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-12-1985

Competent Authority at Bombay on 5-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evation of the limbility of the trunsferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/o;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 15th floor, Building No. 5, Property bearing No. C.S. No. 868 and 1/868, B.G. Kher Marg, Worli, Bombay-400018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, undtr No. AR-I/37EE/8557/85-86 on 5-12-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 4ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 1-8-1986

FORM ITNS ----

- (1) M/s. Dineshchandra Vijaykumar.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Javer Tokarshi Shah (Vecra),

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1986

No. AR-I/37EE/9303/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-161, 16th floor, Chinar Bldg., Plot No. C.S. No. 336 & 506, R. A. Kidwai Road, Wadala, Bombay-400 031 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section

has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-12-1985

for an apparent consideration which it less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition to the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-161, 16th floor, Chinar Bldg., Plot No. C.S. No. 336 & 506 Dadar Nigam Div. Sewri Cross Road & Rafiq Kidwai Road, Wadala, Bombay-400 031.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE 8779/85-86 on 23-12-1985.

NISAR AHMED, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 1-8-1986

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th August 1986

No. AR-I/37EE/9172/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 64, 10th floor,

Sagar Dahal, 65-A, Walkeshwar Road, Bombay-6, alongwith Garage No. 19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 16-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Kirit R. Patel, Rohit R. Patel, Harji R. Patel and Ramniklal H. Patel. (Transferor)
- (2) Virendrakumar Gopaldas & Kamalkumar. Gopaldas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 64, 10th floor Sagar Mahal, 65-A, Walkeshwar Road, Bombay, alongwith one Garage No. 19.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/371:E-8666/85-86 dated 16-12-1985.

> NISAR AHMED, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the corresaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 4-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1986

AR-I/37EE/9087/85-86.—Whereas. NISAR AHMED. NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office premises Nos. 32 & 32-A 3rd floor, Maker Chambers III, Plot No. 223, Nariman Pt. Bombay-21 along with open car parking space No. 36. situated at Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market will be fair mar believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 29—236 GI/86

(1) Siddharth & Akshaya Trust, Maharaja Shri Gaj Singh Trust No. IV Mrs. Namita P. Pandya, Mrs. Alka Rajvshankar Pandya.

(Transferor) (2) Maharaja Shri Gaj Singh Trust No. III Maharaja Shri Gaj Singh Trust No. IV Maharaja Shri Gaj Singh Trust No. V and Jodhpur Trust

(Transferce)

(4) Bank of Credit and Commerce International (Overseas) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises Nos. 32 & 32-A, 3rd floor, Maker Chambers III, Plot No. 223, Nariman Point, Bombay-21 alongwith open car parking space No. 36.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-1/37EE/8569/85-86 on 6-12-1985.

NISAR AHMED, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Bombay.

Date: 31-7-1986

FORM ITNE-

(1) Thakour constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Corn Products Co. (India) Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1986

No. AR-I/37FE/9197/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Fiat No. 112-B, 11th floor,

Flat No. 112-B, 11th floor Purshottam Towers, Off Gokhale Road (S) Dadar, Bombay-28.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfers to pay tax under the said Act, in application income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 112-B, 11th floor, Purshottam Towers, Off Gokhale Road (S), Dadar, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8677/85-86 on 18-12-1985.

NISAR AHMED, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated 1-8-1986 Seal:

(1) Mr. Amirali R Jaffer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Indo Saigon Agency.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1986

No. AR-I/37EE/9113/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 201 to 210 & 214 to 217, 2nd floor, Amir Industrial Estate, Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be transfer the property as a stores and the substitute of the property and the substitute of the property and the substitute of the property and the consideration for such transfer as agreed to be transfer as agreed to be transfer the property.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or

between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of noitce on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as able property, within 45 days from the date of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 201 to 210 & 214, to 217, 2nd floor, Amir Industrial Estate, Sun Mill Compound, Sun Mill Road, Lower Parel, Bombay-13.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8594/85-86 on 4-12-1985.

NISAR AHMID,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bomboo

Date: 1-8-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Bhagchand A. Paryani, Sh. Durgadas A Paryani, Smt. Vimla B Paryani & Smt. Kamla D Paryani.

(Transferor)

(2) Sh. Nandlal H Valia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1986

No. AR-I/37EE/9289/85-86.-Whereas, I. NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 3, Plot No. 220 (North) of Sewri Wadala

Estate, Scheme No. 57, Bombay-400 031.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section

269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 3, Plot No. 220 (North) of Sewri Wadala Estate, Scheme No. 57, Bombay-400 031.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8767/85-86 on 23-12-1985.

NISAR AHMED. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 1-8-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

.....

(1) Mrs. Renu Mohanlal Harisinghani.

(Transferor)

(2) Sh. Sunder Laxman Shetty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1986

No. AR-I/37EE/9297/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 404, of Marry Land Corner CHSL, Sion, Bombay-400 022.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-12-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 404, Marry Land Corner CHEL, Sion, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE, 8773/85-86 on 23-12-1985.

> NISAR AHMED. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance or Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 1-8-1986

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1986

No. AR-I/37EE/9109/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 201, A-Z Indl. Estate, Ganpatrao Kadam Marg,

Lower Parel, Bombay-13, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section

269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-12-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the treasfer; eed/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Associated Laboratories Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) Messts Kiran Knit Industries Pvt. Ltd. (Transferce)
- (3) (Transferor) (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 201 on the 2nd floor, A-Z Industrial Estate, Ganpatrao Kadam Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8591/85-86 on 9-12-1985.

> NISAR AHMED. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-8-1986

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) ANILA S., KOTHARI,

(Transferor)

Guardian of minor sons Rajiv & Sanjiv Kothar. (2) P. Ashok Kumar & Co. Mr. Ashok Jayantilal Shah Mr. Prakash Jayantilal Shah

Partners. (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 31st July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9226/85-86.—Whereas I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Premises No. 813, situated at 39, Kennedy Bridge, Bombay-

400 004, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

situated at Bombay

Bombay on 19-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) Incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 813, situated at 39, Kennedy Bridge, Bombay-400 004

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8705/85-86 on 19-12-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1986

FORM ITNS----

(1) Shri Manmohan Singh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pradhuman A. Udeshi, Mrs. Rekha P. Udeshi Moster Prakash P. Udeshi & Master Rishi P. Udeshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 31st July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9100/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 14, Hari Niwas, 2nd floor, 'C' Road, Churchgate, Bombay-20 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section Competent Authority at

Bombay on 6-12-1985

البدا

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giverin that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, Hari Niwas, 2nd floor, 'C' Road, Churchgate, Bombay-400 020,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8582/85-86 on 6-12-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 31-7-1986

(1) Dr. Khalid Kasim Haji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Animesh Chandulal Shah & Mrs. Pallavi Animesh Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION' RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1986

No. AR-I/37EE/9230/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable projectly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102A, Sukhsagar Bldg., N. S. Patkar Marg, Bombay-400 007 situated at Bombay 400 more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at

Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-12-1985

in December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Would-tax Act, 1997 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in 1 . that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102A, Sukhsagar Building, N. S. Patkar Marg, Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8709/85-86 on 19-12-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

30-236 GI/86

Date: 31-7-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Snehlata Kantikumar Podar & Shri Rajiv Kantikumar Podar.

(Transferor)

(2) Mayflower Textile Industries Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1986

No. AR-I/37EE/9122/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat on 4th floor, Podar House, Marine Drive, Plot No. 10 in Block 1 Backbay Reclamation Estate C.S. No. 1688 of Fort Division situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHRDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat on 4th floor, Podar House, Marine Drive, N. S. Road, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8603/85-86 on 10-12-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Alow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1986

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE RESERVE OF THE PARTY OF THE (1) Mrs. Shyamlatakumaru Jadoja.

(Transferor)

(2) Peico Electronics & Electricals Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 13th August 1986

No. AR-I/37EE/9368/85-86,---Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 23 on 5th floor, Capri building, Manay Mandir Road, Bombay-400 006 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed herety).

(and more fully described in the Schedule annexed herete). has been transferred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 31-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. 23 on the 5th floor, Capri building, Manav Mandir Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8841/85-86 on 31-12-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-8-1986.

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS-

(2) K. Mohan & Co. (Exports).

(Transferor)

(2) M/s. Purilon Limited.

(3) Ms. French Connection.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1986

No. AR-1/37EE/9339/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'saidd Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/Office premises No. 303 on 3rd floor, Atlanta Premises Coop. Soc. building, 209, Nariman Point, Bombay-1 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 30-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteenpercent f such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the porties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Asc, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office premises No. 303 on 3rd floor, Atlanta Premises CSL, 209, Nariman Point, Bombay-400-021.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-I/37EE/8812/85-86 on 30-12-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1986.

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Natraj Builders.

(Transferor)

(2) Manilal Chanabhai Goshar & Smt. Pushpaben Manilal Goshar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1986

No. AR-I/37EE/9268/85-86.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Auhority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Flat No. 2, Natraj "A" Plot No. 404, Laxmi Narayan Lane, Matunga, Bombay-400 019 situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated at the said instrument transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evenion of the liabil of the transferor to pay tax under the said Act, of ina e artifug from the transfe and /or

(b) is ditating the consealment of any income or any moneys or other seeds which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirer later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 "Natraj A" Plot No. 404, Laxminarayan Lane, Matunga, Bombay-400 019.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8767/85-86 on 20-12-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-8-1986

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1986

No. AR-I/37EE/9176/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hat No. 8, 2nd floor, Bhagwan Apartments, Worli Sea Face, Plot No. 12, Bombay-400 018 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule and excel here(o), has been transferred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and thave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weal'h-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Bhagirathi Sitaldas Kashyap,

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Priya K. Iyer & Dr. K. N. lyer. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the altoressal persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd floor, Bhagwan Apartments Co-op. Hsg. Society Ltd., Plot No. 12, Abdul Gaffar Khan Road, Worli Sca Face, Bombay-400 025.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/8656/85-86 on 16-12-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Bombay

Date: 1-8-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 31st July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9219/85-86.—
Whereas I, NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office No. 1313, 13th floor, Dalamal Tower, Plot No. 211,
Nariman Point, Bombay-400 021
situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed herety) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 19-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) CMT, TUSHIA VISSUMAL SLEWAKRAMANI, thro' has con tituted attorney; and Herki hinder Hundruj Adnani,
 - (Transferor)
- (2) Shri S. P. Khanna.

(Tansferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office No. 1314 on 13th floor, Dalamal Tower, Plot No. 211, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8699/85-86 on 19-12-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 31-7-1986

(1) M/s. Ferani Developers.

(Transferor)

(2) Mrs. Sheela M Shah & Mr. Mahendra S Shah.

may be made in writing to the undersigned:—

(Tansferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 1st August 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9097/85-86.— Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 404. Udyan Darshan, Sayani Road, Pinbhadevi, Bombay-25

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred at the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of 5—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 404 on the 4th floor, in the building 'UDYAN DARSHAN' situated on Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-400 025.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8579/85-86 on 6-12-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in oursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-8-1986

(1) Smt. Malvinder Kaur Oberoi Shri Sunt Singh Nalwa.

(2) Smt. Goolbanoo B Ajani,

Sadruddin B Ajani, Nadir B Ajani & Sadru B Ajani.

(Transferor)

(Tansferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9217/85-86.— Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 12-C, Shahnaz, 90, Napeansca Road, Bombay-6 situated at Bombay.

situated at Bombay

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 18-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazutte.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same morning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12-C, Shahnaz, 90, Napear sea Road, Bombay-6 The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombuy, under No. AR-1/37EE/8697/85-86 on 18-12-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

31-236 G1/86

Date: 11-8-1986

Scal :

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th August 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9023/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 101, Mani Mahal, 11/21, Mathew Road,

Bombay-4

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 2-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers المارية (المارية ا
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Murlidhar L. Adnani, Narendra M Adnani Baldev M Adnani & Vinod M Adnani.

(Transferor)

(2) M/s. Jewel Crafts Corporation.

(Tansferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 101, Mani Mahal, 11/21. Mathew Road, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8506/85-86 on 2-12-1985

> NISAR AHMFD Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :-

Date: 8-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1986

No. AR-I₁/37EE/9204/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 1302, 13th floor, Dalamal Towers, Plot No. 211, Block III, Nariman Point, Bombay-400 021 (and more fully described in the Schedule annexed hereio),

has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 18-12-1985

at Bombay on 18-12-1985 for an apparent consideration which is I ess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, in respect of any income arising from the transfer
- b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

1. MISS SHOBHA CHHOTUBHAI PATEL.

(Transferor)

2. (1) Mrs. Sheela B. Nichlani

- (2) Mr. Ramesh B. Nichlani(3) Mr. Bhagwandas A. Nichlani,
- (4) Mrs. Geeta R. Nichlani,
- (5) Mr. Raj B. Nichlani,
- (6) Mrs. Gayatri R. Nichlani, (7) Mr. Prem B. Nichlani and
- (8) Mrs. Gauri P. Nichlani

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 1302, 13th floor, Dalamal Towers, Plot No. 211, Block III, Narimon Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8684/85-86 on 18-12-1985

> NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Dated: 31-7-1986

FORM 1.T.N.S.----

(1) Malati Jayant Dalal Charitable Trust

(Transferor)

(2) M/s. Jayant Vitamins Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 31st July, 1986

No, AR-1/37EE/9229/85-86,-Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Apartment Nos. 102, 103, 108 and 109 and Open Parking spaces Nos. 27 & 28, Raheja Centre Premises Co-op. Society Ltd., 214, Nariman Point, Bombay-400 021

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 19-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment Nos. 102, 103, 108 and 109 and open parking spaces Nos. 27 & 28 in the building known as Raheja Centre Premises Co-op. Society Ltd., 214, Nariman Point, Bombay-400.021

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8708/85-86 on 19-12-1985.

> NISÁR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I **Bom**bay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 31-7-1986

(1) M/s Sidhi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vijaykumar L Agarwal, Mrs. Nita V Kandoi & Mr. Poonamchand L Kandoi.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-I. **BOMBAY**

Bombay, the 4th August 1986

No. AR-1/37EE/9363/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a rair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing Flat No. 202, 2nd floor, Doshi Palace building, Plo. No. 5, Walkeshwar Road, Bombay, with one car-parking (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

31-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires later;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 202 on 2nd floor, Doshi Palace building. No. 5 Walkeshwar Road, Bombay, with one car parking. The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-1/37EE/8836/85-86 on 31-12-1985.

> NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Dated: 4-8-1986

(1) M/s. Sidhi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mukesh B. Ambani & Mrs. Madhavi B. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th August 1986

Rcf. No. AR-1/37EE/9067/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 602, 6th floor, Doshi Palace building, Plot No. 5,

Walkeshwar Road, Bombay

situated at Bombay has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 5-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602 on 6th floor, Doshi Palace building, Plot No. 5, Walkeshwar Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8549/85-86 on 5-12-1985.

> **NISAR AHMED** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay.

Date : 4-8-1986

Scal:

(1) M/s, Vikas Premises.

(Transferor)

(2) Mrs. Beenu Jain & Master Sohrab Jain.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-I, BOMBAY

Bombay, the 4th August 1986

No. AR-1/37EE/9307/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

and bearing No. Flat No. 2401/A, 24th Fl. Om Vikas, 105/107,

Walkeshwar Road, Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 23-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2401/A on 24th floor, Om Vikas, 105/107, Walkeshwar Road, Bombay-6,

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/8782/85-86 on on 23-12-1985.

NISHAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 4-8-1986

Scal :

(1) Ranjan B. Lakhani.

(Transferor)

(2) Neil Creado & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Smt. Ranjan Lakhani,

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF DIDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1986

Ref. No. AR-I/37EF/9148/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 9B, Gitanjali, N. Gamadia X Rood, Bombay-400 026

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 12-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any managers or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 111, 1417 127 at 1957;2

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the anish immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9-B, Gitanjali, N. Gamadia Cross Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8629/85-86 on 12-12-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom-e-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 31-7-1986

Scal:

NOTICE UDNER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9311/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 27, Neel Kamal, Padam Tekri, Pedder Road,
Bombay-400026.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

32---236 G1/86

- (1) Pravin Hansraj Binday.
- (Transferor)
- (2) Deepak Jayantilal Talajia & Sadhna Deepak Talajia.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 27, Neel Kamal, Padam Tekri, Pedder Road, Bombay-400026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8786/85-86 on 26-12-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Bombay

Date: 31-7-1986

FORM ITNS----

(1) Kalyan Bharati.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahendra Motilal Gandhi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9059/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. D-206, 2nd floor, New Poornima Apartments,

Peddar Road, Bombay-26 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same s registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 at 1922) or the said Act or the Wealth-tar Act, 1957 (27 at 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-206, 2nd floor, New Poornima Apartments, Peddar Road, Bombay-26

The opposite that have been registered by the Computent

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8541/85-86 on 4-12-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Bombay

Date: 31-7-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Shakeel Pictures. Partner Shri Usman Sharif Kadar Sharif

(Transferor)

(2) Mrs. Zubida Mohamed Yusuf Ansari, Mrs. Rehana Mohamedali Gheewala.

(Transferce)

(2) Transferes.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 31st July 1986

AR-I/37EE/9089/85-86.—Whereas, I, Ref. No. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Office Premises No. 202, at Bombay A. C. Market, Tardeo

Bombay-400034.

situated at Bombay

has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLAMATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office Premises No. 202, Bombay A. C. Market, Tardeo, Bombay-400034.

The agreement has been registered by the Competent athorit: Bombay under No. AR-I/37EE/8571/85-86 on Authorit[,] 6-12-198

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1986

(1) Honesty Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Shanti Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 31st July 1986

Ref. No. AR-1/37EE/9362/85-86.—Whereas, 1.

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imbeing the Competent movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Basement No. 2. Venus Apartments, 2/176, Walkeshwar

Road, Bombay-400 006

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 31-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act. 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Basement No. 2, Venus Apartments, 2/176, Walkeshwar Road, ombay-400006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8835/85-86 on 31-12-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-7-1986

FORM ITNS ---

(1) Shri Shailesh D Thakkar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hitesh Kumar D Vadera, Smt. Manjulaben D Vadera & Shri Girishehandra D Vadera.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY-38**

Bombay-38, the 31st July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9171/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 14, 6th floor, Matru Mandir CHSL, 278, Tardeo Road, Bombay-7

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Competent Authority at Bombay on 16-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter ANA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evacion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the amil for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 14 on the 6th floor, Matru Mandir, Co-op. Housing Soc. Ltd., 278, Tardeo Road, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8651/85-86, on 16-12-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1986

(1) Shri Kanaiyalal B Shah.

(2) Shri D. B. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY-38**

Bombay, the 4th August 1986

Rcf. No. AR-I/37EE/9188/85-86.—Whereas, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 72, 17th floor, Darya Mahal No. 2, 80, Napean

Sea Road, Bombay-6. situated at Bombay

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 17-12-1985

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 72, 17th floor, Darya Mahal No. 2, 80, Napean Sea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8668/85-86 on 17-12-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

> NISAR AHMED Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 4th August 1986

Ref. No. AR-1/37EE/9105/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.

situated at Bombay

Flat No. 204, 2nd floor, E-Block, Simla House, Napean Sca

Road, Bombay-36.

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Gobind K. Daryanani, Prop. of Indo Saigon Agency.

(Transferor)

(2) Mr. Bakul Nemchand Shah, Mrs. Ulka B Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, E-Block, Simla House, Napean Sea Road, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8582/85-86 on 9-12-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date: 4-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 31st July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9062/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 9, 2nd oor, 72, Bharatiya Bhavan, Marine Drive, Bombay-400 020.

situated at Bombay

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; Andic:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr Shreeprakash N Somani, Mrs. Rajkamal Shreeprakash Somani & Shreeprakash G. Somani, HUF.

(Transferor)

(2) Mr Krishan Bihari Rathi, Mrs. Satyabala Rathi, Mr. Arun K Rathi.

(Transferec)

- (3) Shree Prakash N. Somani, Smt. Rajkamal Somani.
- (4) Shreeprakash Gautamkumar, HUF (Person whom the undersigned knows
- (4) Shreeprakash Gautamkumar, HUF Shreeprakash Somani, Smt. Rajkamaldevi Somani, Gautamkumar Somani, Siddarth Somani.

Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd oor, 72, Bharatiya Bhavan, Marine Drive, Bombay-100 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8544/85-86, on 4-12-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissionor of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 31-7-1986

PORM ITNS

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Zahiruddin Vajjuddin, Mr. Mujibuddin Bajiuddin, Mr. Gyasuddin Bajiuddin.

(Transferce)

GOVERNMENT OF IMPLA

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1986

No. AR-I/37EE/9046/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 3, 2nd floor, Tower Bldg., B. G. Road, Worli, Bombay-400 018.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-12-1985

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said intransient of transfer with the object of :—

- (b) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 2nd floor, Tower Bldg., B. G. Road, Worli, Bombay-400 018

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8528/85-86 on 3-12-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :---33-236 GL/86

Date: 1-8-1986

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shenuz Mohd. Shafl.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1986

AR-I/37EE/9341/85-86.—Whereas I, No. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, naving a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3 on 3rd floor, Bldg. No. 6, B.G. Kher Road, Worli, Bombay-400 018.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 30-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which duals to be disclosed by the flux series 1912 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 3rd floor, Bldg. No. 6, B.G. Kher Road, Worll, Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8814/85-86 on 30-12-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-U Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A.', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;--

Date: 1-8-1986

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Suprem Diamonds.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1986

No. AR-1/37EE/9283/85-86,—Whereas I, NISAR AHMED,

to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1 on 15th floor, Patel Towers, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-400 018.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Computant Authority at of the Competent Authority at Bombay on 20-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the comideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

Flat No. 1 on 15th floor, Patel Towers, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-400 018. The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8761/85-86 on 20-12-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tux Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 260C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-8-1986

FORM I.T.N.S .---

(1) Smt. Bhavna Mahendra Doshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kantilal Jagjivandas Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1986

AR-1/37EE/9291/85-86.—Whereas I-NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 2692 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 2, 9th floor, A-Wing, Shaan Apartment, Kashinath Dhuru Road, Bombay-400 028.

isituated at Bombay-400 028, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; qud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 9th floor, A-Wing, Shaan Apartment, Kashinath Dhuru Road, Bombay-400 028.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8769/85-86 on 23-12-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following worsens, namely :-

Date: 1-8-1986

(1) Smt. Antoinette Faria.

(Transferor)

(2) Shri Bhupendra V. Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1, **BOMBAY**

Bombay, the 1st August 1986

No. AR-1/37EE/9140/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 'Jonnette' Flat No. 8, 2nd floor, 554, Seth B. N. Road & Jamshed Road, Matunga, Bombay-400 019.

Jamshed Road, Matunga, Bombay-400 019. situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; COLUMN TO
- (t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

THE SCHEDULE

'Jonnette' Flat No. 8, 2nd floor, 554, Seth B. N. Road & Jamshed Road, Matunga, Bombay-400 019.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8621/85-86 on 11-12-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this netice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

Date: 1-8-1986

(1) Shri Satish R Purohit.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Milind Rasiklal Sanghavi.

(Transferce)

GÖVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

No. AR-I/37EE/9118 485-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing
Flat No. 24 on 2nd floor, Gulistan Building, New Gulistan
CHSL 13 Carmichael Road Rombow 400 026

CHSL, 13, Carmichael Road, Bombay-400 026. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 24 on 2nd floor, Gulistan Building, New Gulistan CHSL, 13, Carmichael Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/8599/85-86 on 10-12-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Annilna Private Ltd.

(Transferor)

(2) standing triving

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(3) Transferee.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9305/85-\6.--Whereas, 1, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 9, Ark Royal, Garage on ground floor, Gopaldas Deshmukh Marg (Peddar Road), Bombay-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-12-1985

Competent Authority at Bornmay on 23-12-1903 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration said that the consideration for such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersignate:—

(1) Associated Stone Industries (Kotah) Ltd.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given by thes Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 4th floor, ASK ROYAL, & Garage on ground floor, Pedder Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8780/85-86 on 23-12-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-8-1986

(1) Dr. Dushyant J. Mohla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mahendra H. Parikh, Mrs. Indu M. Parikh, Mr. Manish M. Parikh & Mrs. Sheveta M. Parikh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 31st July 1986

Ref. No. AR-1/37EE/9175/85-86 --- Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/a and bearing Flat No. 107 at Dharam Place, Hughes Road, Bombay-400 007

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

Flat No. 107 at Dharam Palace, Hughes Road, Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37FF/8655/85-86 on 16-12-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1986

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 31st July 1986

Ref. No. AR-37EE/9202/85-86.--Whereas, J, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair Rs. 1,00,000/- and bearing No. market value exceeding

Office premises No. 205 in Prasad Chambers,

Bombay-400 004.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in e arising from the transfer; ART

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Jogani Exports Corporation.

(Transferor)

(2) M/s. A. Himanshu & Co.

(Transferee)

(3) M/s. Jewel Crafts Corporation.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 205 in Prasnd Chambers, Bombay-400 004.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I-37FE/8682/85-86 on

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

34-236 GI/86

Date: 31-7-1986

(1) M/s. Vijay Brothers,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Hirako India Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 31st July 1986

Ref. No. AR-1/37EE/9156/85-86.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 422, 4th floor, Panchraina, Mama Parmanand

Marg, Opera House, Bombay-400 004.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/ar

THE SCHEDULE

Unit No. 422, 4th floor, "Panchraina" Mama Parmanand Marg, Opera House, Bombay-400 004.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8707/85-86 on 19-12-1985.

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely;

Date: 31-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 31st July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9137/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 53 on 8th floor, Sagar Darshan, New Sagar Darshan CHSL, 81/83, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 036. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961. in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mrs. Ayesha Begum Shaikh.

(Transferor)

(2) Mr. Lal B. Awatramani & Mrs. Bina L. Awatramani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 53 on 8th floor, Sagar Darshan, New Sagar Darshan CHSL, 81/83, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37FE/8618/85-86, on 11-12-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1986

(1) J. M. C. Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Percy & Kaizad Roadlines Pvt. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 4th August 1986

Ref. No. AR-1/37EE/9083/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

23008

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 902, 9th floor, Jamuna Sagar ncar Colaba Bus Depot Colaba Road, Colaba, Bombay-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income moneys or other seets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Object one, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 902, 9th floor, Jamuna Sagar, near Colaba Bus Depot, Colaba Rord, Colaba, Bombay-400 005.

agreement has been registered by the Competent ty, Fombay, under No. AR-1/37EE/8565/85-86 on Authority, 6-12-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-I Bombay

Date: 4-8-1986

(1) M/s. Ansa Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anataryani Suri.

(Transferce

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 4th August 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9173/85-86.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. C2, 1st floor, Tirupati Apartments, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent comideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

that Chapter.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

whichever period expires later;

in the Official Gazette or a perod of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immov-, able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said Act,

shall have the same meaning as given in

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as

(a) facilitating the reducing or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incorne-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Flat No. C2 on 1st floor, Tirupati Apartments, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8653/85-86 on

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

New, therefore, in parsuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Shobha P. Ghia (Mangala R. Dawade), (Transferor)

(2) Smt. Champaben Bhailal Shah,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 4th August 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9352/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 51, B Wing, 5th floor. Heera Panna CHSL, Haji Ali, Bombay-400 026

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposet of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aferenald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person into ested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 51, 5th floor, B-Wing, Heera Panna CHSL, Haji Ali, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8825/85-86 on 30-12-1985.

> NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-8-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 4th August 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9203/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1303, 13th floor Sulshi Apaitment, R. R. Thakkar Mang, Bombay-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Rombay on 18-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sandhya M. Kothari & Shri Mohanlal M. Kothari.

(Transferor)

(2) Shri Aoantrai B, Shah, Smt. Damyantiben A Shah, Shri Virendra A shah, Shri Pradip A Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 1303, Sulsha Apartment, R. R. Thakkar Mars. Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8683/85-86 on 18-12-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bembay

Date: 4-8-1986

FORM ITNS----

(1) Shri C. Mahadeo Bhatt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Dolatchand Kothari alias Dhudalal J. Kothari.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

the service of notice on the respective persons,

may be made in the writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 4th August 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9168/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 13, Brij Kutir, Rungta Lane, Napean Sea Road, Bombay-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section.

has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 13, Brij Kutir. Rungta Lane, Napean Sea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay, under No. AR-I/37EE/8668/85-86 on Authority, 13-12-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-8-1986

(1) Roshan Sorab Khajotia,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Capt, Soli Hoshang Dallas.

(Transferce)

Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 4th August 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9167/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 32, 3rd floor, Punita Bldg, Shahid Bhagat Singh Road, Bombay-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette. publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 3rd floor, Punita Building Shahid Bhagat Rd.,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8067/85-86 on 13-12-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, manuely:—35—236 GI/86

Date: 4-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 4th August 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9214/85-86,-Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1B in building No. 1, Garage No. 1-B-66, Lands
End Bldg. 29-D, Doongersey Road, Malabar Hill, Bombay-6 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed bffly the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Munishchandra Batra & Dr. (Mrs.) Kaushalya Batra.

(Transferor)

(2) Mrs. Rashma Choksi, Master Rushin Choksi, Natural Guardian Hashma Choksi, Master Hanish Choksi, Natural guardian Mrs. Hashma Choksi, Miss Shreena Choksi, Natural guardian Mrs. Heshma Choksi.

(Transferee)

(3) Transferors. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice. the service of notice on the respective persons,. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act,. shall have the same meaning as given inthat Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1B in Building No. 1 and Garage No. 1-B-66-situated in the bldg. Lands End lying at 29D Doongersey Road, Malabar Hill, Bombay-6,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/8694/85-86 on 18-12-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-8-1986

FORM TINS-

(1) M/s. Simplicity Engineers Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Machnani Exports Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th August 1986

No. AR-1/37F.E/9295/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herainafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No. Godown No. B-5, Dalamal Tower Basement, 211, Nariman

Point, Bombay-21

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown No. B-5, Dalamal Tower Basement 211, Nariman Point, Bombay-21

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8772/85-86 on 23-12-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 4-8-1986

(1) M/s. Unique Estates Derv. Co. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Space Age Engineering Projects Pvt. Ltd. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 4th August 1986

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. AR-I/37EE/9323/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1702, 17th floor, Wallace Apartment I, Jn. of T.J. Marg & Sleater Road, Grant Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office

of the Competent Authority at Bombay on 26-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 1702, 17th floor of the building Wallace Apartments I, Jn. of Tukaram Jivaji Marg & Sleater Road, Grant Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8798/85-86 on 26-12-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pusuance of Section 269C of the sain Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1986

No. AR-I/37EE/9088/85-86,---Whereas NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bldg. No. B-1: Flat Nos. 21, 22, 31 & 32—Bldg. No. B-2, Flat Nos. 26, 27, 28 & 35 in 'Karma Kshetra' Harbanslal Marg, Near Shanmukhananda Hall, Bombay-37.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the connealment of any income or any moneys or ether assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

- (1) Kalpatru (Indo Saigon) Constructions Pvt. Ltd. (Transferor)
 - (2) The Maharashtra State Co-op, Cotton Growers Marketing Federation Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nouce in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. No. B-1: Flat Nos. 21, 22, 31 & 32—Bldg. No. B-2, Flat Nos. 26, 27, 28 & 35 in 'Karma Kshetra' Harbanslal Marg, Near Shanmukhananda Hall, Bombay-37.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8570/85-86 on 6-12-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aculsition Range-I, Bombay

Date: 1-8-1986

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th August 1986

AR-I/37EE/9136/85-86,--Whereas NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 231, B Bldg., Grand Paradi Apartments, Dadyseth Agiary Lane, A.K. Marg, Bombay-400 036. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

of the Competent Authority at Bombay on 11-12-1985

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evalen of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I bezeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, unmely :-

(1) Mrs. Jaya alias Javer T Shah.

(Transferor)

(2) Mr Gobind Mukhi.

(Transferce)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 231, B Bldg. Grand Paradi Apartments, Dadyseth

Agiary Lane, A.K. Marg, Bombay-400 036.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8617/85-86 on 11-12-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range-I, Bombay

Date: 4-8-1986

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 4th August 1986

AR-I/37EE/9269/85-86.--Whereas NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, Shree Ravi CHSL, 73, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Arjun G Idnani.

(2) Ashok P. Jain, Suresh P. Mehta, Smt. Paruben P. Mehta & Smt. Kalavatibrn M. Mehta.

(Transferce) (3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Shree Ravi CHSL, 73, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acuisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 4-8-1986

FORM ITNS

(1) Mrs. Pushpa V. Shewakramani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. B. A. Nichlani & Others,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1986

AR-I/37EE/9107/85-86.—Whereas NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office No. 1303, Dalamal Towers, Plot No. 211, Nariman Point, Block III, Bombay-400 021.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Office No. 1303, Dalamal Towers, Plot No. 211, Block III Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8589/85-86 on 0.12-1285

9-12-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acuisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Ast, I he sby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 31-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 31st July 1986

AR-1/37EE/9231/85-86.—Whoreas No. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office No 112, C, Mittal Court, Nariman Point, Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Larsvin Engineers Pvt. Ltd.,

(Transferor) (2) M/s. Zenith Collaboration Consultants Pvt. Ltd. (Transferce)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No 112, C, Mittal Court, Nariman Point, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8710/15-86 on 19-12-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of II come-tax Aculsition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 31-7-1986

- (1) Parrys (Eastern) Pvt. Ltd
- (Transferor)
- (2) Samrat Shipping Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 31st July 1986

AR-I/37EE/9066/85-86.--Whereas

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office premises at Room No. 16, Jolly Maker Chamber No. 2, Nariman Point, Bombay-400 021.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-12-1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office premises at Room No. 16, Jolly Maker Chamber No. 2, Narima 1 Point, Bombay-400 021. The agreement has been registered by Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8548/85-86 on **5-12-1985**.

> NISAR AHMED Competent / uthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 31-7-1986

(1) Shri Chandulal N. Mehta, Smt. Nirmala C. Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Piem Hotels Limited.

(3) Transferors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property)

Bombay, the 4th August 1986

AR-I/37EE/9220/85-86.—Whereas NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 52, 5th floor, A-1, Apartments, 270, Walkeshwar

Road, Bombay-6.

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period compared to be a period of the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woalth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 52, 5th floor, A-1, Apartments, 270, Walkeshwar

Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8700/85-86 on 19-12-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 4-8-1986

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1986

Ref. No. ASR/86-87/12 —Whereas, I, JASPAL SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. and bearing No. Victoria Hotel situated at Queens Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Feb., 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have peason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or been or which ought to be disclosed by the trensferee for the purposes of the Indian Issueme-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subaforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Sh. Sujinder Singh s/o Shri Jit Singh, Victoria Hotel, Queens Road,

(Transferor)

(2) S/Shri Piara Singh, Palvinder Singh, Satnam Singh, s/o Sh. Piara Singh, Samam Singh, 8/0 Sn. Plara Singh, Sh. Gurmej Singh s/0 Sh. Darshan Singh, Bibi Ravinder Kaur d/0 S. Plara Singh, 15-16, Shiv Kirpa Building, Malabar Hill Road, Mukad Colony, Bombay-82.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property known as Victoria Hotel, situated at Queens Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 13160 dt. 28-2-86, of registering authority, Amritsar.

> JASPAL SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range, . . Amritsar.

Date: 17-7-1986. Seal:

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS DELHI, 1986